TSHAD MA RNAM HGREL GYI HGREL PA

(Tshad - Ma - Grub - Pai - Leui - Hgrel - Pa) Pramana - Vartikka - Virtti (part)

Sakyamati's own Commentary to the Second Chapter of His Pramana - Vartikka

By ACHARYA SAKYAMATI

Published By:

Gouncil of Cultural and Religious Affairs of
His Holiness the Dalai Lama
"Gangchen Kyishong"
Session Road,
DHARAMSALA, H. P.

Printed at:

Tibetan Cultural Printing Press, Kashmir House, DHARAMSALA (H.P.)

गरिभहण संस्था....1.6.8.0.0... ग्रंथालय. केन्द्रीय उच्च विञ्चती शिक्षाः संस्थान, सारबाब, बाराणसी



त्रोल त्र हैं स्था भेषक के महेत्र में त्र त्र हैं त्र त्र हैं त्र हैं स्था है त्र हैं त्र हैं स्था है त्र हैं ते स्था है ते स्था स्था है ते स्था है ते स्था है ते स्था स्था है ते स्था स्था है ते स्था

्ञा । । रहारे दे त्या धाया वर्ष व्यूट्सा क्रसा ग्री खेटा सर प्येत सुवा वर्षा व्यूसा मैर्नम्बस्य पर्ते मैं नमर प्रां लें दे रसेट. क्र्मिंश वश होन होंने. में नमर तथा · सद्ध मुंस मुः वकुरं व रेड वॅं के दूर। दे दे रेवें रेट्ने रेड्र मुं वर्षे दे परे क्विरंदर प्रकश य मेर में क्ष्मा मार्स मार् प्रकेश के दारे क्ष्म भागा । ୂଁ ଏ . ଗ.ସିଧା**ଶ**. ୍ଞ. ହଏ. ପ୍ରିମ. ଟ୍ର. ଲିକ. . ସିଧାଶ. ପଞ୍ଜି . ପ. ର୍ଜି . ପର୍ଶ୍ୱ. ପଟ୍ଡ. . ଧାଷଣ. ହ୍<mark>ଟ. .</mark> हुर. तरु विश्व भुर. त रेट. । ित. वरु. हुट्स. श्रे. मैज. वर्हे रे शेर. लट. चेश प्र. वरु. র্বর্ষ্ট্রিরেল্ল র বর্ষর্বর্মশাস্ত্রী শর্ম ব্রামার সমর্বর্ম বার্বুল্ম মের ব্রহণেলী মা **ସ୪** ବ ଫୁଁ ଅ ଫ୍ରି ଅନି 'ଫୁଁର୍' ଦୁ ' ନିଷ' ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର ଅନ୍ତ ଅନ୍ତ ଅନ୍ତର ଅନ୍ भिष्यामुन हे हो र हिन कु निर्मा त्रमार्थ प्राया प्राया है से यस दुर हुन स् दमराम्बि हेदानु नुसारे स्टारीत कुष्तादासे स्वितायी नितार्दे । त्यामा स्विताया त्र तब्रे द्वर्र्य । वर्ष के के कर्ष दर । रेम् नब्रु र में अं हु ख़ुर निर्मे हु ख़ुर निर्मे हु ख़ुर निर्मे हु ี่ กลุ่าลิ่ง เรากับ พลัง รูทา์ซีลาปั ขุง พูเปละ เช่ะ นพิเพาฐง เกษ ซีลาก नाकेर मिरानी 'र्स्चिन'र्द्धन दुस्सार द्रयम्याचेर् सम्मान द्रम्या द्रया वहना र्प्युर् हिन वर्ष मुक्त मुक्त निमान दर्ग वर्ष र वर्ष कर मामन वर्ष हर वर्ण द नार १ यचेवशः सहर व प्येश

|क्र-भः इस निर्मेशः में तर्मेशः चत्र-पर च्यान्तः चले नहः साहिनाः सा 130 म्यान्यन्दरात्वर् वस्त्रं प्रते वर्षे वर्ष র্ম্রবার্থির নীমান্ত্রানামার্মামান স্ক্রমান্ত্রা বি আবাম দি ষ্ট্রবি বের্বর ক্রমান্ত্রী বাবারার বেরী বর্ধর বের্বর ক্রেন্ডর ক্রমান্তর করে বার্ধর বর্ यतरायर वर्षेराय केंद्र यहारे हेर् यत्र पर मु च केंद्र व न्दः संदिन्दः मोका हेका हा न्यमा थदे मळत् १९ न्यमा यर माल्मा यामहन हेका च व.बू चर्चात्र.चर्गा श्चित्र द्वेष मोश क्रिन सद्देश सक्षर १९५ में प्राप्त प्रदेश यन् यते विश्व व व श्रास्त्रास व के वर्षेते प्रक भेव हो। वर्षे र ह्येंच द्र्येद वै:र्सुन्कःगु ब्राटः स्पेशः सरः ५**र्द**्दः । देवे : नस्यः नर्द्धः कर्नः परः ५ सुरः य १९ भेर यदे क्षेर दें। देवे परे में क्षेंच दवें मीदें। यह व वह समार मीस मदेव शुमान्दाहेश शुन्यना यदे कर्ममामकेंव पर होता हो दे कर मरे महत् १९ में पहर पर्वा है। दर्भ गुर सम पर्म पालेश मुनवर्ता हा हेनाश मुन टबा ८ क्रूंश में ट के में बा यह ही न चार है में में है से मो है या मी है या मी है या में है या मी है या में है वहूंसा हो। श्रीवार्वार मी लार हे लेक मा कर भट्ट माक्ष हर मी वर्षेत्र वर्षेत्र मार क्रियायस लेका न पा के मिरानर में पर्यो हिंग र्यो हिंग र्ये में पर्या पर्या है गा स स्रें च मूर् सर्जी क्रें अपूर सक्रें हेर क्रें परिश्व में क्रें सहस्र में मूर्य हैं। है जस मीर्वेर यम नुस पर करमारी मर्का हैन गु राष्ट्रा पर्स राज्य में गु हों व नर्ध ही स क्रुबार्स्स र नक्ष व नाक ना हुस स्मा हेते हर मी है मां ने द पद समाम प्रति नामकाचार्या शास्त्रेणक होर के स्रीप्तकारमा अस हिर्म्यर राजनिर्मा है। क्यायर चन्द्र पर्ता देवे के हें संश्रुत्यन पर्ता दे स्राह्य देव

र्देन संस्थित या इसायर विजेदायदे सहन हैं एउन हैं चन्तर या से नहीं। WE हेस सु द्वना य हैद प्येद है इस वर हेन य दह वर स य हैद ही खुर री। दे नमा व मनमा सु नुर न है द है है र दे है द द में द मान प्रतिन पा अव वि ।। न्य दे ह्यू द्रिव द्रुवास के ब्राट विक हैं के हु द्रवन या सकत है द सहद या है हे ब अर मुस धर दस पर न्यानिश वस दस धर चलना प हे हे व ही वे अर या क्र म क्रम त्म्रोय मी वितु दर येर क्र म गाव प्रका चरुका म भेद वी मत रदामी देव मी हेल सु द्वा ना मारे खेतु हें द्वा लार महन महे ही वस देव मी इस यर प्रति देश। दे त्य हैत हैर रेस य यस प्रतिय देश सहित हैस प्र नदे हिन् यादरे था देवे कुर ख़न दर्व कु लेख न व व संवास न र्रेंस है वस्तं वहेंस मार मी सुर में दर मिसस दर ही अर्ट्ड अर्टेंड यर है द य है है अर्ट्ड हैं तु तक्ष्य पहेंब सें। से पह्यु पा १९५ मी खेर दि सामार दे स्वरामा मद्दे हैं गु वहदे वहूं आर लेव तथ दी क्रिय अवदे हैं गु वहदे वर्ष है। सम्सन्त्रमण्डीवर्गन लेस न वर्ष दें हों। देवे वर्गन यदे मुक्त हर सदे महत्र हैन ग्री वहार वहस्थ वनन वदे मुद्री। श्चिव नर्थेर मुं अदः ने प्रेर व कर अदे अदे हैं दे मुं नहें नहें न निर्म न में मुं अदः ने प्रेर मुं इंश शु.र्वज. यस द लेश नु य दे यस दहेंद यमें। दे ना ले ना इस श र्मना पर्देश पर हैर क्रिंस मागुर सस महस मते स्ट मी दें भी हैं वर्षा दवना यदे सेतु दे हैं वर्षा कु दवना यदें। ने अद्भादानामा सिर हिंस सि देवना त करहे व वंश वर्श्य संवेश की व प्रति में में प्रति हैं में य प्रेंब में विषय में के मार्थ में मार्थ में

े अत्रुत्त्वाया के द्वारा मालका भेका के शिका हा का सामा का के प्राप्त कर के स्व ्ची ट्र्वे.मु.हुस.श्री रेतवा.घटु.जुटेर.क्षेत्र.चर.खु.च.ट्र.चत्र.च.च.च्र.च गीव.जन्म.चर्था. यदै रदः मी देव मी हेस हा द्वापा यदै खेतु दे है द हेंद दव लव वहव यदै ही वस य वे क्रम् स प्रश्नु से द व वेश प लेश न प त से मुला पर से मि हे भारमोप य सहर च यर्ना हेर गु क्रेन्स सु यहर यदे यन् य य सहर हैर। यते.सं.व.प्रस्तित्वात्वात्त्र.र्व.र्ते.सं. यशक्रकंद्रास्यानुष्या देख्राक्रकंद्रास्त्रम्यायर हेल्या यश्यस्य प्रमान व्।। अट्रें शुमान्दाहेशा शुन्यमा या वै क्रियो भी भी वा या दे यहा वा मुरादायर्केमा स्वतादिया देवी राटा वलेदा उदाया प्रदेश या वा दे । भूदा नु वहेंदा रे दार्य मन्दायर प्रत्यम के लेका मुन्य के के मिन के म याक्ष प्रमुखं लेखानु नदे देव हो। नाया हे स्ट्रिंस प्रदे सूर्य प्रसं मुनाया है मामेदाया क्यायर या देवा या विद्याया सेदायय थो नेसा की यदवा हैदा उदा धोदा शु पतुनासाया हित्र भेरा वाहे पर पर पर पासाया वादि वादि । विदे त्य दम्बिस्स वस वहूर यत क्षेर हैं। बेस निय है मालू दमा मी धी ही पर्दर माया हे मर्डेस स्वाप्त्र के है स्मर् नु प्राप्त प्राप्त सदी सदी सदी सदी कर सदी सह धेव यादे सूर रवा नु मानावा या मा धेव ही। दे तका व स हार नु होर पदे

कंद्रमम् द्वेर महित्य भेद दें विश न प्रति दे के मेवास प्रदे दें। माञ्चा मेन उत् भेरा वा लेसा ना व दे भे ज्या व उर हेन नद भेरा व हैन सक्त नाली हिसासु प्रमुक्तका क्रिक क्रिक केरा के मक्षेत्र केरा प्रमेश क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक <u>ने श्र</u>ेदे अळ्ब के दे प्रकास ने का प्रकास का मही स्वर हो दे तथा का मही सामित का साम र्भेन्स प्र दे विक् पर हिर्देश कर स क्षु सेर कर लेश हा यह देस ही मेर थलेश-वः पर्वेच पर से प्रमुर है। अन्य स अर से प्रसु पर र्से प्रमु गु.बुर.स्या देव.बुर.जेब.व.श्रॅब.व.वेब ब्या दे हैर.वर्बर.वह.बुर. **য়৾৾৾ঀয়ৣ৾৾৾৽৽ৼ৾৽৸৻৽৸৾৻য়৽য়ৢ৾৽ঀঽৼ৽**ঀয়৽ঀ৻ঢ়ৢঀ৽৽৻ঀ৾য়৽ঢ়ৢ৾৽য়৽য়৾ঀয়৽য়৽ৣ৾য়৽ঢ়৾ৢৢঀ में नह्यु न दे अद खुव में क्रिं दि देश न न दे दि ह्यू रे री वि न में के त्रर त्युर है वा र्वे क्रिंट्य ही प्रहर वस पहना म हे स है। है रैनास सर दर्भा नार्रेस गुरेस प्रेस सु न उर् नर न व हे नर नु रे ॥ सर्दे र सुस **बैं इस'यर'र्देश**'य'**सेद**'य'क्दैर'ग्रै'खैर'देश'य'स'श्रेद'सेद'ग्रे'देव'ग्रद्दर'हैद''' वराश्चेश्वाचारमाध्येत विशेषा हेर्सा ह्या द्वाना या दे हिरा या हेदास ध्येद विशेषा ने सिंदि क्षिम हेना या सेद प्रसाह त्या सेना सामा यदेव या दिन हिन या देस प्रमाय से येदे द यर से व्यापके र में प्रेर है कर रे स्थार्व प्रेर से पठद वस वहना है व नहेंद्र थ मद्दे शुक्ष भी देव क्व भी पहना य वे इस य नाके स हे दर ये के दे दर राज म्बिश्राच छत्र वी। द अ म्बिश्राच द्रा स्वत या नाट श्वराच दे ता विव दु म्बिश्राच वस्यान करें ही कर्र के शिक होंग ना के हैं है ना सहके दें में अश सार के हिया वित्रमु सर्द्धा स्टब्स स्टब्स हिन गुर्स स्टिस स्त वहर दस ही य दर्ग है य दर्ग है य **- ਗੋਣ.ਖਰ੍ਰ.ਸ਼੍ਰੇਅ.ਖਰੈਂਟ** ਚਰ੍ਹ.हੁਆ.ਖ.ਸ਼੍ਰੋਟ.ਖਣ.ਤੁਟ.ਖਰ੍ਹ.ਸ਼੍ਰੇਣ ਹੁ.ਯ.ਸ਼੍ਰੇਅ.ਧੋ.ਖਵੰਘ.ਜਨ..

चेन दें दें दें दें के कार कार कार कार कार कार कार के कार के के की की किन सामहना या भारत हें सामा सिन्दा रा उदा भीदा यदी ही र देंदा ऑट सां सा पठदा दसा देसा नुं चंद्रे केंग से प्रमुद्ध सं सं स्थान केंद्र हैं। सर् केंद्र सुम्राम्य कर है मालक प्रसार है मारेशायरायल्याय माध्येदार्वे। द्रार्थे केराके पहिनायाम् ध्येदायारे ฒ.लट.मैं.सक्ष.हब्र.घर.चिडट.घ.मुट.घ.४८.घ.४<u>.५.फू.मू.मू.स</u>्बंश.४९च.तर् निन्द्री नाया है रहे द्र द्रें स्ट्रिस ही पडर देश है साम प्रे प्रे हैं प्रेर हर लेखा रेदे दस मर हो सम्पर्ध सरे स्निर् पृष्ठ र मार्गास से लेस छ न माता हे हो कें मानी क्षे तमा पहना या प्रवाद है हम हें मान 445-38-511 र्झे ५ दे . शूर त. ११ ५ <mark>. पुन ते . ते हे जात चाला त. १ . लूरे</mark> . चीर हिं थे हुस सह ही. . . . वसायहणायर विमुराय रे केर रेमाय हेव रु महेर यां उदास भव वें। ਫ਼ੑਸ਼੶ਖ਼੶ਖ਼ੑਫ਼ੑਗ਼੶ਜ਼ਸ਼੶ਖ਼ੑਖ਼੶ਜ਼੶ਜ਼੶ਫ਼ੑਖ਼੶ਜ਼੶ਖ਼੶ਫ਼ੑਖ਼ਜ਼ਖ਼੶ਜ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑਖ਼੶ਫ਼ੑਖ਼੶ਜ਼੶ਖ਼ਜ਼੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑੑਖ਼ੑਜ਼੶ਜ਼੶੶੶੶੶ माकेश क्षेत्र हो। व्हेंना च ता क्षर हैं के दे ता वा के हैं सा वा च दे हैं मेर पर देश व हैर मिं र पर हो। दे तार् द में हैर है है है है है है है ८ ह्वा'यर'वित्यूर'व'वाट'धेद'य'र्ट सुक्ष'व-१९ द्वां माहेक'र्श्वेक' स्मा'यर द्वानुर'ः य माट प्रेंब दा दे के देना या होंब दु रेंबेंट या ठब प्रेंब यर विहेमा देव दमा यहेंद्र दें। मामान्द्राच केन् गु क्षे वसावहना यर नु दायर वसुर व दे सर्दर स्पेक व । र्द्रे के के कि मान संग्राम मानि वा समाय मान वहना सर में दे मान मान मान विमुक्त हे हे द्वा सक्ष के देर संसदित मुं साम मान प्रमुक्त पर प्रमुक्त सम्मान स्था सम्मान स्था सम्मान स्था सम्मान कदाम ॲर्पानम योगने॥ मैं मह्याना खुयानी केंश रेमकं रहित र प्रांमा डक लिया के क' है ' हुर ' वर्देर 'पते ' दें के ' हु ' यु के हें वे ते लेश यु मा क्रेंस है।

ंबुर:दें वें निट नीस रें न नु ना हेर निर्देश से ता से नास था है है हिर निर्देश पर है। निर्मा में व्यास वन्याय लेगान व वे से जन्यते वहा वर्गे। हे दूर परेंद्र या प्रक दे लेका वार्देका लाद लेका वास का है। हर राद्देंद सदी देव दें। देवी दे स् सुदी ही में केदेदे दे दे वे केदादे हो वा केदाय है दे वे केदाय है के का वाय है है के का वा कर केदाय है के कि वा का वा का वा मालना से तार्शेन वरे र्रे मी रदानी नुषायावरीन वान्दान में हैं या तार्श्वन माया सुवायर वुंश्रामान्नेदर्शे दिवे मुवाया के देश मा हे देश दें के देश सुवे दें वें र इस यर वहेंग **ढेस** न प्रदे दे दे विकास के मून या अदा सम्बद्ध से न उर्द मे प्रदेश में प्रदेश में प्रदेश में प्रदेश में प्रदेश में नरें हुर रें। १८ नरं नु हिंसान उदास भेद नरें अट देने रेना सं उद हेंद्र सेंदर नर **ब्रायम्बर्धाः स्ट्रायम् देशः सम्बर्धाः सम्बर्धाः स्ट्रायम् स्ट्रायम्** मह्यायान देश यामा है आहे। दास दर्द समिदि यर दर्द यास प्येद या नद सदेंद यर पर्र मानार के राम दे मिरिश मने रातु दे रे लेखानु नाया सेनासाम क्रीसारे देते विसं अन्तरे देव भीते । ।दे सु चुर मुक्त य विस मु पर दे वे मार मीस र्न 35 मर नुस्र म हे देवे हें में लक्ष 3 मरे र्न ५ ही। हे कुर मानका सदे मक्र १ . १ में भारत ह . खें स. में . यह स. स. में . दें दें . हें में . हिस . खें . देवची . यस . र्देशमुः रदानी हर्षे वेर स्परकाक्षामा यहदायदे । सुराले मानाया वेर हुँ वे । इसायाया । । प्रहमाभाकेराणी सेराही। सर्वेदायर पर्देशपदे देश के मारा केराहा सुका ब्रायह्ना पर्।। मे नह्यु न नि तार दि दि स्वर यर ने दि सके न रदानी दे ते लेंदा दा दे त्या दे अदा हे सा हुत्। से से दे शहर दे है सा हु ।

यर वर्देद यदे दर खुद यर छेद य र खेद य दे खेर हो। दे दे दे हो न य व स्निम पर्या देवे हेर च व क्षेत्र पर्या देवे मावस य वे हेनास य में मिमसं गु र्वे मूं कें नास य केर गु सेर मा हेस-च-वेस-चु-व-त-स्वास-चस-वस-च--चेद-च-त्या र्द्ध-स-स्रे-सद्य-श्रमः दृद्धः शुः दयना यः दना नीकः ॲटका शुः देवः यते द्वा से त्या समाया । रक्ष.चर्स्नुव.तर.वि.वष.र्व.विर.त.वे.वर्स्नेवात.रट.वर्ष्ट्रेट.व.फ.स्वाक.वर्स्। म्, पशुची, त.रेट पे भूरे, त.ज. स्वीस. तपु. वें स.त. बुंश. ये. वें. भु. देशस. दर. पश्ची. मान्दावर्द्धेरायायार्थवासायवे वृषायासे दायारे स्राची स्राची स्राची स्राची स्राची स्राची स्राची स्राची स्राची स दे 'कु' दु र मुर य हैद 'श दे 'यहना थ 'अद श्वन 'हेद 'श्वेद दें हिं 'यदे 'रेन' दा.पा.श्र्माश्चारपट्टा स्वीता तथ भी खेश चि.च.यु. ट्रॅ.चर्ट्ट, म्हेमी, चर्ट्ट, स्वीपापा पिशामी क्षेत्र मर नेमार दे प्रत्यां के र उद मी पहिमा पर्ता क्षेत्र सम स्था स दे स दे हो या पर्टा म्बर्दा याया स्वाका सह तीया छव स्वानी विकासर विकास पहिना सामहित है। पहनायादे दे दि द्यां सर्दे दाश्च सामी से पह्यू पा क्षेत्र देश से स्मान्य से पहलू प्रमान नह मुं १५ के नद होर में नहीं न के ने नि सर. तर. वेश. तत्। इ. लट. त्या. वस. पहूं ग. तर. पचीर. रू. । इ. के थ. ल्ये.य.चेता.टे.स्रेश.ग्रे.क्टे.अयु.पहेब.त.केट.क्र.ची.भु.चर्थी.व.ल्ये.तर.वचीर.. **, ୶ୖଽଂ୴୲୷୕ୡ୕ୣଽ୕୴ୖ୬ୣ୵ୖ୴୶୕୳ୖୣଽ**୕ୢୡ୕୕ଽ୕୶୕ଌ୕ୣ**ଽ୕୶୕୷୴୶**୕ଌ୕ୣଽ୕୳୕ୣଌୖ୕୵୷ୣୖଌ୕ୣଽ୕୷ୣୖଌ୕ୣ୵୷ୣୖଌ୕ୣ୵୷ **८ ଅ**र. ह्या अट्व. श्रेश्च. की. ८६न. त. ४८४ . ज. देश . के. ५८ . थ. ८६न. र. माध्येत्र'हे'वात्मर'मीनामाडीद्र'च श्रीद्र'चर्र खेर ही। दे 'वरु'क् क्रद्र सरी मर्द्र केर तरे अर विवासर वेर पास अर सर त्युर री। वार वेया वे

ਛੇ ਵਿੱਚ ਕੀ ਟੇਰਜੇ ਰਹੁੰਦ ਦੇ ਸ਼ਹੀ ਹੈ ਦੇ ਜ਼ਹੂਰ ਦੇ ਸ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ ਦੇ ਜ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ ਦੇ ਜ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ ਜ਼ਹੂਰ हैन हैं सदे से नहीं न स लेश स्रें मी रूप गीर तेन गीर विना मी हैं है स ही नवन न सुमान वृद्दान उद मी नहनाय अद्दर्दा के सद्दे श्रुस मी से वहा न अद्दे । मायाने मारानी नादशा श्रवशा हेन प्रशा केरा हा स्टार में हेन प्रा लेश निया स्चित्र य स्रिया या । इसाया सर्वे द्रसाया या स्ची सामाया विवा नी सा हेसा वि.च.धु.रशाचाभव्यदमाताक्षे दे.पाशाचिश वामार्त्ताभव्यदमानक्षेट्रा स्विम् सदी सुरा व दे दिए वड दिर्देश वर्ष दे र क्रें वर्षे वर्ष वा ना वट दें। दे देर के है पर के ही नहां में के निवास समा वेर नु रे सुर के भिक् विश्व मार मी कें अर्थेट या शासनास या से दाय दे ही र तिसुधा यर तिसुधा में विवितात्तर्भे अक्षरं वस्तावर से विसादार्ट हीस मी कर सद पहिनात ता होंटा यासेद्रयर देवे त्रम्भ वर मुर पर्वे दुर सर्वे र व सर्वे र व दे देस सर वस करा नि कें में देश सर हित्र सर देवें कें हिंस सुर्व मार्थ तहना मार्थ दूर में दे मर्दे श्रम मीस में प्रश्ना न भेर हैं। देवे में मर्दे श्रम क पहना पर हो । मानेदासाधिक मि देव ग्रामाहेश शुर्मामा केदा भेदा वी। से नहीं मानेदा मु अद्भव के दे दे सार के अद्भार के अप कर कर कर के प्रतान के प्रतान के प्रतान के प्रतान के प्रतान के प्रतान के न्यामद्रम् श्रमः मुक्षावहद वान्दे त्य भदायवित्रावदः कुः स्द्रावदः स्वर द्वाकः " देश या हैन होन या माध्ये क्या ने हिम के विदेश के क्या वर्जेंस पका ह्या बदी है यतं देश तर् रेट्स स्ट्या है वर्चे हैर है से सम्बंध व कर है से दिसा मद्रे मुं भंदर्शी ले व पद्र हीय पह हेर के व हे में स्थान नामाया वृत्य व द्वर मु अद्वे शिक विधिता वर्षे मैं सिंद्र व द्वर भी वर विधिर है। कर्व केर सुन्द महिनास सुनुसाया या स्नास पाय देना दूर दुनैयस सर्द्धरस य मिंश्रयाय प्रसाद भीसं प्रसामहित पर्द्र मुन्नि द्रमा प्रमाप्त प्रमापत प् यश्च श्चेश मद् नु नदे निर्मर मार भेर पर है के इय वर्तेर नश्च श्चेर पर वुस यासाध्यक्ती देखराव स्थापत्रीरायसास्याय करे द्वा १ द्वा दे य श्रुव यर विषुर मार व नु वियायते सुरार्थी दे न्दायन यदा साम्ये के सेते न दाविक सामिक य वसाक्षे चाया दे वर्षां चाया है स्ट्रां चाया है स्ट्रां चाया स्ट्रां चाया साम विद्या वक्षेत्रवर्ष्यराव्यक्षरात्री रेप्ट्रवस्थिक्यायस्तरेष्ट्रवर्ष् दे दह दे मा अव यदे हैं वे उव कि प्रकार के प्रकार के दिया के मा अव कि प्रकार के प्रकार के कि प्रकार के प्रक विमुर्ग्सा दें वर्षा में यह ही वर पु वर्षे देश वर्षे हिर् वर देश वर्षे यसः ह्युया पर से वुद्या यत्रा ह्युया या प्रेव व वे द हे द से प्रेव सर व मुर य दे हर ब निवित्य य रेपेर या स क्षेत्रे। रे स्मर 5 स्मर माम स पर ही ये स सम सर् नहिमानी हर निर्म प्रमानमा माम ने नमु निर्मे हैं ने मेरे।। दे क्या पुरा प्रमुद्दा प्रमुद्दा प्रमुद्दा प्रमुद्दा प्रमुद्दा प्रमुद्दा प्रमुद्दा प्रमुद्दा प्रमुद्दा प्रमुद्द नुस्ता नुस्ता नुस्तर् मुःसदःसमा प्रदूर्व मुःसद्यम्। लिस वर्ष के हो। विद्यम् भट में सस वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष के है के दूर दिवाबिवास तथा मार्माम प्राप्त है से निवास प्राप्त है है है है है है मिवर देशका ता नहूर भेटी। न्या भारत केट तथा है चर वचीर हुं सं न्यट. या भेदा वीं है मिर अट्बा श्रम है स गुः क्रा महना यर हे द ये है र छे क्रद्रम क्रिद्र क्षेत्र यादे यहित दुर्देश शुर्द्रय ना या अदा क्षेत्र यादे यहा क्ष्युना या सेद्र यदे किर हैं से शु द्यमा यदमा वा देस य व्यंद्र या स व्यंद है । वे वी क्षेर सद्दर श्रम हेर जा लेश म वाजा स्वाधाय र्सेश ने रदा वे अद्दर श्रम मी द्रेर देवै दें दें के दें ये अपने के का मारा वा व्यें दें ये दें वे दें वे के देवे देव हों। र्दिन्ती र्द्रानेत यदे खुवान्डर ती कंद्र सर्वे। विश्व के अपने केद विश्व देवे देव मुक्त देव मेर पाये अया कर केर प्रकालिय म व वे निर्मा पर में पर्य पर्या। मर्देश मन्त्रेया वर ने द्रा हिश श रवन वर ने म के रेन य है र या सेना स देते दर वलेंद्र द्वास माराय व्यंद्र यादे की देवे रदावलेंद्र दे हे सुसाय हेराया स्वास पर्दे द्वास सम द्वस नु नु र व य से ग्राय न द्वास कर मी वेश पर मु प्येव वे 'लेशन व व' २९ दि ह्यर ही। दे हे बर बुर खर दे रहे व वे भेद य लेशन माने रदायतेन मुरायददा वासान्य प्रमान्य मुरायदे मुरायदे द्राय द्राय लेखानु मदी दें। दे वशाय हेखा खु न्यन या वै महा के न गुरेश कराया केदानु इसायर यवनायाधिक यदे हैर मुनायासेदायासाधिक वी। न्नानु क लेखानु न के महें के खुमाय हो। जॉसस या मेरायर सर्वेद य वसाया व सेर्वि केर हिर वर देश व सेर व लेक है। वर्ष केर व केर है पह ज यर नेद यद निवस अर निवर हो। देवे हे हे हैं म मेम गुह नहन पर निर्दा में समाय भरा गुट हिर पर देश पर महिट व पर दे हैं से गु रहे मद्भारत क्षेत्र वा मद्भारत मान्य का मान्य के लेख द्र की मान्य निर्माण मान्य विचार हैं। मार्थ है सुंख ग्रें कर सदै वहना पर दर में दे से महा मार

प्रदायर देवा पर न पर्याद करें देवा साय साह देवा है। है दे दे दे हें पहनाचर होर य केर स प्येष हे प्या य केर के खेर रें। यदेव हे पहना यर होत् या केत् की देवे की नेवे कर मा केत की मा के सा सा सेवा या के सा ष्पेश मुी विंद गुष्ट रहेद अस देश यादे या देश देन समा उद केद मु अर हिंद सुम मुका नस्या नदे है इन न्वा न द्रा में नहीं न दर हैर दे हैं है से सह दें हैं हैं जो हैं। हे क्षेत्र गु सदेद श्वर भट वेस च न म संग्रस यस वुन य सेद यर देन्स म लेब हे हे हे हर के महिंद श्रम हा मार्ट हिंद यर मेद या लेब हे बा दर्श च ताय हमा या सामेर पर हे हैंसा न मही है हुर से दे मेरा पर द त्रां भे भेर वर अट वहन वर हे कें भा न वर हे हैं र होन वर दि वहें दे था व होना म मञ् नेश्व राज्य हे हैं त्यम दि वर्ष वर हो से दे राष्ट्र हो ना व दि त हे दे राष से तर् नेश्वाता ही वात्र हे भेरावा मा देश मुन्दर ही के हे हे का अट म् नहीं न मोविश नहें सामर प्रीर न दे जाला माविश हें साम के में मान मेर स क्षेत्रकीं हे हे नेश्वामात्रम्य हिमा मे नह्या नमाम हिमा मे नहीं नमाम निमान र्स् अर दे मिं ब चलेब दे तम्म दे । दे अर दे अर में ब के मायेब मुका है हिर दिर दें दे भीस म हैन। दे से नहीं का नहें से ननीर था। दे केर.भु.चर्स.केर ग्रेश.ग्रीटा। भ्र.चर्स च.लट.चर् ज.वर.चे॥ वाल.टे. व्यायम कर्म कर्म कर्म केर के केर के की। कर में वे दे खेर रहिंस के वा। मु नार मीस व र च नु र्या हार ही। माध्येद'हे विधानु माध्येयाचा या व्यव तहे तथा यर होदाया या वाहे ना लेश.च.च.चे हर डिट.च.रेट.चहीना च.ल श्र्मश्च.च.हैट च.रेना ना अर हैट.

य के दिरंश हो मेद याया अटा पहना मेंद्र गी पश्चेना याय संनास यह इटा वा के मे-दे हैं दे हैं से से द्वार या लेखा नुष्य वार्सिन स या हूँ सार्से । वगुर री दे वै दिस्स से वे देव हव हैंद अव पर पर छैर रे लेख न व वे वर्षेना य दा परेंद माय स्वास परे देरानेर परे प्राय कर ही केस प ही म हेवाँ। भ्र.पर्शि. व. च्र. ब. ११ व. व. १८ हे. वे. वे. वीर. तर्र. प्रदेश तर वेर. त. जंब . वीर. तर् तिहमा नद्र हे हेर अट्व पर पर्टे पत्र दें की शायर वर्गीर पर बें का अपूर्ण भार दे. हेर. क्रं. भ. भूष. मु. पवित्राता भ. भूष. क्रं. लेख. च. चट. নমু ন উন্ ঐব ন। यः इट विहेद् या भारत्निका सर्वे देव मी कु केर प्येव मित्रे सुर स्रे ज्वार प्येव मारे हेर । वर्ष्ट्रमा,नःरटः,वेष्ट्ररःनःज्ञःसूचोश्वःतःचेर्टःकःनोटःज्ञवःसः दः हेरःस्विश्वःरटः चर्नेटः रह्मात् व द्व वेद धर वंस तप मक्ष. वः वः स्वासः धः हो ५ : दे। हैर्कुक्तिक मिन्द्र मिन्द्र विकास मिन्द्र में निक्र मिन्द्र मि क्रमें वसुवाक्रिक् विका दे ता अदः दिश्वा विक्रिक्त विक्रमें माया दे के व्यम मु ने साम कर समा द्यार में ले या पर्दर मा हैर मुंद से र में वस्त्रातमा.स्। देव होर द्व होर तर वेश तंत्र तिया वर मी भट्य समान विविता नहुः में भक्षानु न पुरस्त करिया हुर कि वर्षा हरी में दिस्त प्राप्त स्थानिक श्व.चवर.च.लूच.चू। इ.केर.लूट्श.शे.चवर.च.चधर.टे.ट्.ज.ट्रश.च श्रीर.नड. **डोर्'य'रे**'क्रर'ब्'रूट'केर ग्रैस'ळद्र'स'ओक्य'रेये'छेर'युन्य'य'सेद'य'स प्येकर्ले

दर में दे से दर हर झर नदे के पा अर में साम से दे मा दर मा है है स्कृत्ग्रीस नाइट नुः बेद गुद्दादानु यदे नुः सर्वद्राप्ते पदे नु र देस पा होत् पद वसाम सेर्पार् प्रसाद। दे त्यासुका गुः स्राम पहना प्रसाद राम हर् नु दस यर पवना यारे हिर के मावक यश कर स भेक हो। हे अद मास या अरे हेट म्बाया वारुद में वादार हिरायशार्थित है हिराहि म्रा वादार है निर्देश हैं यश व पर सर्मा मार्च श्रिम वे रहार्द माल्य प्रसार कर्न स ध्येष त्या है साशु रहाना या र्वरा केर यस प्रेव वे लेस नु नर बद्ध से ।। पाय ने सूर प्रहा पर दें सुस लक्ष ड च ता से देश य के स्मर् हेना स हैर या यहेत दस मिया या प्रेन हो। स प्रेन हे ब्रामाना स्त्रीमान्यान्य त्रामाना नित्री पर् भूताना निवन हें बार्स राये 'क् हेर प्रेय राये 'क्रेर प्रेम 'देन हम रेव प्रम क्रम हम 'रेट स पर होर कुट.रेप्ट्रे.इस.श्री.पर्येटस.वस.ट्रे.डेर.क्स.तर.पेड्र्सी.य.लुब.ट्री क्टे.कप्ट. इसायर वर्हेणाय के माझूद उक् हेदार्भक यह सुर रे विकायस्तर यर वितार हो। क्रम म मि से रिना नी रेने रम पर तिया स रेने वा लेन लाह से हा से विपेट वर्षे શું. સુડ. ૧.૧૧. જુવ. લુ. વ. **ડુ. લે** જ. વ. જુવા છું. હુલા છે. વ. વ. જૂ તોજા **વાર્શ્વેશ તા. તા.**.. ਫ਼ੑੑੑ੶ਸ਼੶ਸ਼ੵ੶ਸ਼ਫ਼<u>ੵ੶</u>ਖ਼ੑਜ਼੶ਸ਼<u>ੑ</u>ੑਫ਼ੑ੶ਸ਼ੑ<mark>ਖ਼ੑ੶ਸ਼ਫ਼ੵ੶ਫ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੑ੶ਫ਼</mark>ੑਫ਼ੑੑਫ਼ੑੑੑ੶ਸ਼੶ਸ਼ੵ੶ਸ਼ਫ਼ੵ੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਫ਼ੑ੶ਫ਼ੑੑ੶੶ भ. ब्रे. भर्. लेज. ज. में क्रेट. लुब. तह. खेर. र्.। में अट. तर. उर्च मा. वे. स्टे. तर. उर्च मा. वे. स्टे. तर. उर्च मा. वे. स्टे. . लाट अ.श्र. कें. कें अंट च.कर केंट्र. टे. बाज चतु खेर हो। हे लाट ब्रेश चि.च. व हर स. है। सद्। देव एक एक व के प्राच व के कर स हा सदे लिया वर् हुर लुब बु खुब हु तर पर पर महा पर्यंत्र ने वा लह में है। पर्यंत्र ने वा लह में हे पर यन्त्राक्ष यत्र क्षेत्र हो। नाय ने त्व गुष्ट क्ष क्ष क्ष य हमा यर नेदायका

मेंद्र पर देवे हिं में नेद्र पर वुष प्रमा भेव वा। नार्वे वु म प्रेद्रामी: क्षराम्य सम्भारत : रूट : क्रेट : मुक्षः क्षर : स्र क्षर : यहार : रूप । हैन वसाय सेन कर है। नावन में मेंन चर से वसार्थ वेसाह सन वन पार है रेव. ब्रेर. इ. यम. १. ब्रेम. चे. य. वर् क्रॅम. दे. योट. यो. ब्रेर. १८ म. हा. बर्गा **พร.พิล.พูะ.กะ.**ซุะ.พ.ผู้.พร.พิล.ษู.ซูะ.ก.รุ.นพ.ล.ซีะ.ปฐศ รู. นี่อ... মর দ্বীম দি বি বি বাই প্রমান্তর শ্রী বিষা ব্রারামর ছেম সেন ই।। र्गे हैन क्रनम भेरते र्व हेन प्रते खुय वर मी प्रमाश है। महे महे मुर मीर पर र्वे दे ने अपाया अदा अपाय हो दे अदा दिश में दे अप वन है द अदा दे हैं र र्रे दे सामित्र व वे दे द्रे में में में में निय प्रमान व में में मुद्र मुद्र में नेसायाञ्चे सर्वे मुद्द हेदाद से प्रमुद्द दें। दे हेदाई दे सम दें रहेदाया स ८६न'पर्' क्रें मा विष'ठ'पः क्रेंबर्'र'र' तथा वेबर ठ'पर प्रेंबर म हैंद जब है। दि में दे ने भ म हे दूर हेद महे खु म ह र मी ने भ म खें सदे मु १ १ भेद नरे हु र रे विश्व न नरे रे र रे । वरेश वे वरे स्त्रित प्रेश प बु.रह.मी.मी.रेबो.राबा मीश हाथ क्रेर भड़ रह.यथुर वर् छेट.रे मी.यह.राबीर है। र्ट्याम् वे क सेर्प स क्वाक्रिप्येक पार्वे श्रीमार्से व्वामार विवासा मु सक्दे ल्यूरे बे हु का चा दश मेविशे जाता हूरे कर चुरे हुं , विश्व हुं रे चर विधिर हूरे। मामाने दे दे दे मी दे र ने दे र पर स्थाप कर मी कर से माने माने के र र में र पर स न **ลี:พ.ชุ2.พ.พูช.**ฟ ซู.ช.ชุ.ชุ.ช.สะ.ฟู.พูช.สะ.ജี.สรู.ตุ2.พรู. क्स पर पत्ना प है हिर भी र ले जा रेते.सेर.वार.ची.से रूप.मे रेव.सेर.

न. ७४. चे न.ज. सूर्याश्वास झूर्श त.ज क्टे अस. लूट्स. श्वे. चक्टे तपु. हूर्य मु. लेख. उद र्देर होत्र यहेर्म द खुवा हो वर विचुर य नामार खेद य द है कद मार खेट था ह्य चडद च दे दे नी खु य प्येव व्या वरे र प्यट दुन च दे र यह व प्येव व्या हे. बु. क्टे. मा ही. भावार. लुब. तट . क्टे. भा ही. भा हे वु. की. लुब. तट. खुंबा ता ही.... भद्र.भ्र.चक्ष.च.भ्र.५.के.र्स.मी.र्स्य.मी.स्य.मा.मुर.मद्र.सी. र्य. **५स**.तर.जु. चर्या.च.त. चु.चन.कु.ला.भूट.**र्. .७स.**चे.च.कु. च.ज.ला.ला.ला.क्स... यर मल ग्राया है भेनासा यस सम्रामित्या या उदा है दार्थिदाय दे स्त्रेर हैं। मार्था કે. કું. કું. મું મારે પ્રાપ્ત તાળ માં માન જેવા તાલા તાલા છે. જેવા તાલા તાલા તાલા છે. જેવા તાલા તાલા છે. नश्च पर प्रचीर न लाट भारत व का। हे प्रथा व र लाट क्रें सर प्रथा पर वनुरारें ले का का नहीं ने प्राप्त के निर्मान का निर्माण देश य लेश मुन्य के प्रदेर यदे दिंग प्रतास्त य है दिश म म दे दें म प्रेम में वि मुद्द मुद्द मा हिद्द मा हिद्द मा प्रेम की की की विदेश मा प्रदान मा प्रेम की wr:ख्रायाध्याकी हैन विश्व दनामीशवर्दि याद्राख्य वाकेदाहे कार् व'वर के'वर्व देश या भेदायर वर्त केंद्र सामा नाय हे ही सामुद्री मीय तर भवर झी पर तार्थे प्राप्त केर वृष्ट मार दिर मार विसान केर वृष्ट मार विसान केर व यते देव प्येव य के मु हो। दे मु क अद्दर्भ प्येद व स प्येव व । ले व.प्रह्म न लूर न.च ला हुंश.च.च.म.श्र्मम.च.श्र्म.च.

म्बास.वेर.चर्.की.भर.व.बुश.व.च.च्ट्र.वंश.रवैट.ट.। वि.क्ट्र्य.वी जुंश. ताला श्र्वासात देवा.ता कु.चुनाश. हेरे. चहु. में. श्रुरं तर लट खरे.ता श्रुरं है। न्य ने पर्दे पर्दे दे पर स्वरं म के नह्या न प्येत लेट ने प्यट कर मा हिर प्येत न त्रिं वे दे दे व्या कर्मायम शार्ति या कर्षा मान्य वार्ति या कर् श्रमश्राच्द्राय दे भेंद्र यामाध्येत यादे स्वर व इस यर माल्या य विवास मेद या उद भेष वें 'ले' व 'ने दे केर 'स्र 'पर वुष' य कर मा हेर भेष मी लेख म महिला है। र लट.ज.जर.उट्टे.च.३८.ज.म्.चर्से.चत्रे.नचन.वी.मु रस प्रायर.वीर.बुर. ल. तस हे ते. अक्व हेर ग्रेश विवायश हो। हिर भे वहीं वाक्र म हेर रे नन्द्रायस्थित्व। देवे बुस्याविश्वः व्यायत्य हे स्र ब्राय्यय नदे केस मामेदा हे वा देशे हुर वुरा वारे केदा वद रेम वह्या व लेब पर लेब मु न र्सेंब हे से प्रस्तु पर मु हैर लेब पर हैर से प्रसु पर नहेंद्रात्री व्याप्त है हिर बर्ष है जुर निर्मा निर् . तुम प्यत्र हे द में वहा पर होर पर में रहेश पर केश पर की है र भेर पर हो होर हैं देर मिं च रवा नेश हर वन् रा हे ने वी है रें य है रें व है रें व है अर देश पर श्रेश वंश वंश वंश है 'हेश है न श्रे वंश श्रेश हैं श वा भा है है र ने लेख के न ने में नहां न ने ही पर कुर न म र्येर न म रे हे दें म के दें र न मु वे ने दे प्रमा के न न ने अस मुद्र पर अकर के मु के पर पर मे पर पर में देश वर्ता केर के सामिक हे रह मी हैं के कर प्रके केर हैं। दे बार कुट ्व'अद'अ'भेत'रे'रेॅब'सेर्'यर'अद'खेर'यरे'श्वेर'रें। वर्रेर'यर'वै'वश्वर

लकानुद्र कर् कर्मानावन थे हे हेम सार्पात्याय में हैं रेगों वित्र के ही ल्र्-वाञ्चरान्त्रात्वरान्त्रात्वरान्त्राञ्चरान्त्रात्वरान्त्रात्वरान्त्रात्वरान्त्रात्वरान्त्रात्वरा भार देव में हेर लूब नव स्त्रेर में लट क्रेर म बुक वार्र हो। विव म अर्पार दे दे मा भेदार् वे लेख नु पाय संग्रायस भदावरे वे साम हिन्दि दे नस द निर्देश के नहेंद्र यह निर्देशय के स्त्र के किन सं के द निर्देश के निर्देश प्रतिकाता प्रमानीवर पहूर्तातर पर्ट्र तमा मिनावर महूर ता रूर्ट तर प्रमेर कर् इन क अर दे दर दे वहूर पर वर्देर या कर है का यह ही देवा का हिन यर स्ट्रिं हिन प्यत्रात्री हे प्यट देव मी भ्रमक मा संमास प्रसार्दे नेस पर देश मा नाट व्येव या देश यहेंद्र यर वहेंद्र यदे विदायर दिए विदायर देश या सेता या है देश वहेंद्र यर पर देरे पर हैं दे हें से शुर्पनायर प्रमुद्ध हैं। विकास दे हैं से पर हुंची.तर्. चेश.च. ४४. ७४. चे. तर्. चेश.तर्. चेश.त. देश. तर. <u>हुंचा.त. तर</u>्था. यायस नेस प्रमायत्। महत् केर विविध राजी व वे बिस न राजी हैं म ह्यु मेर उन भीस या लेस न नंते हुते सक्त हैर है विवास केर है हैन व इट वरुषा पर्वे विषाय में मुन्य रहे कि दाया है मार्गिया में मुन्य परिने रें। दिन्दर व मालक अर से वमुर रें। परेनस य लेस माय से मार्स विते श्रम के बंद न न न दिस्स मार है न ल संस्था न न हिए है। महिए न वह न न है से विकास हर से हैर स कि पद पद पूर्व हो। है हर हिने के इस बर पूर्व प नारक तर विर तर निम विर तर रे . उस तर वि हेन रे क्षेत्रस स् में है कि रू नीबिट.चले.रेश.त हेर.ज.वेश त लेश.चह्रेर चले रेश.चले रेश सर्ह्ने चले चुंश.

त्र प्राप्त के दे के से प्राप्त के त.व.चेहुन.कु स.न.च.रट.। चूँनास.चलिव.रशुवास.च.व.चहुस.जु स.न.च.ज. श्चीस । १ दट होट नी खिनाश हो काया वहेश दश हीस वि १ दूर स वि नी हट वाया । । । । वर्नेनास प लेस वहूर पस स्थे वर वर्षेर हो। र वर्ष के वर्ष वर्ष वर पर पर न केरा मार्था मार्थ से साम कर मार्थ क्द संसामिद वी। दर्भ दे दर अद्राप्त कद संस्था सेद रहत देश प्रदेश:परे द्वाप्त का दे प्रश्न के का का के का के का का का के का का का का क स्तर्याय के नहीं न देव नार स्तर मारे के कर मार्थ की लेख महत्र के र र ने निका न्ते के र वत् के साम प्रेर पास भेर वे विश न नर हिंद हैं। हर सहस मुद्राक्त केंद्राच दिका व वह मक्तर हिराला केंद्रा व मुक्ता व मुक्ता व निकास निकास है ... श्रीका विते हैं के वित्त वित्त के ताम लेश:3:4:3:4म:म- क्रिंग्यर्गा दे:ME:ब्रह्मचर:वेर:म:द्रह्म:वर:वु:वः क्षा ता लोब सार्ट दूर निर्ध सक्ष हुर वब राजेब हु। इर रा मुद्र रा म न दुर्माट क्रेर में इस मारनी जिसान त्रुव की मैं निवर में शाह करामा त्रुवर है। रहेर न माल्या च देनासारा मु चर्ने । दे अद् चे पर उद लक्ष वहेंद दे नदेंद कें अन्य प्रमुद्ध व के छन् पर प्रेक्ष वा देश हिन् पर है हिन पर कर है। वह का अर्भाक्ष मार्क् में स वर मान्य छार्द्र नामा यर व्याप्त है। कर्म मार्द्र या

र्रा १रे तार्कर् पत्र व्यव तु वेष प्रमान्तर तर नु पत्र देव वेष वेश वेश नि'न'व'र्सेन्स'पस'पकर'चर'नेर्'। र्वटार्च'व'र्सेन्स'च'ल्स'नुन्दे र्श्रम्भ पते अस वे द्व रट पर्या रट कर रट दे रचा स्र पर कर्म अ महिद्दी दे 'ऑर्' य'रु म'मुहेस'बिस'यु' व'दे दवट'यें'व'स्मास'य ऑर्'य'रु म'वर्देस'याहे के यते खुवा उद मी देवाया यहा। दे प्रशंद दिवा दे दिवा पर देवार देवा ব্র'বহ'বর্শহা হাঁ। ই'ব্রহ'হ**নাম'**ঘ'বর্ণি**র'ব্র'র্নির্বানির ব্র** इट दें र वर चु वर्देर वद्। चश्रमश्च वर् दे दे दि दे चुद् क्रमा दे से यवीं निया से विश्वास या स्थान सामित के मान्य के ध्येव विश दे नवश व दर र्ये के नेश य के द तहम पर में प्रव में देवर हों व स्वाकाता व भारत है। यहां सार देह स्वा या स्वाकात हैन ग्राम् तहना सम् नेत्राया निया सम्माना वर्षेत्र हे दे त्राक्ष सम्माना वर्षे नु न्युर थ रहे । अर म्बिर य दे दे हें देश श्रम गुद्ध व उद्दे है। भर्त स्वमायशास्त्रे वा ३५ में खेर दें। दे प्रमान दे तमान दे के दि से दे के दि से यदै लब लग स लेब हैं।। हर सम महिट यदे देव हैं एते ले हर देव हैं देते खुन उद द्वा प्येद वा देवस द देव स ह्वा प्य केंद्र के हेवा स मामा १९ जिटामाल्ये प्रति छेर दिए ये दे ते सामारे १९ त हर माल्य हे कर है पहिना यर छेर परि अव प्रमा हैर परि यो परि छेर रहे अ हैं नार हैर से छैद बहे हिराना देश व में वे लेश उपाय र्शिक या या दे लेश उपाय दे में पर न हैन हैं। पर के क्रिं पि दे के मान प्रिन के प्रदे के केर पि के क्रिके

क् ब्रिकानी क के क्रिक्स के क्रिक मुक्तिमा मूर्या जालिया रेटा मरे न अहेर जाया नाविष रे सि रेटे राज्येर ता भारते र शे । व्यक्षात्व वर् वे क.च.च.त्र त्यापार्त्याका चर्या दे त्यार व त्याप विचा मी. के लेक ने म के नहीं ना महित्यर चेदायर्गा देते लेक न म के खुमादर क्रियांबर मानर्ष्याय मुद्दाब क्या त्रीया स्ट. पर्रे. य. क्रेट पर्येश से व्याप पर्याप सम्दे हैं अध्येष मा वहूर यद लेश में मा मा स्वास यह हिंद या पद ने ने मार्चिमा नानकी नहीं नहीं नहीं निया का खेश ने ना है। में नी ने ने पति हिन विद्या के के विकास के वा का स्मान वा क्या पर होना पर होता दे पालक असा ही पर है... द्रभागाने अद्वासर माराजवर्ग। मानाजवर्ग। मानाजवर्गन व व अर्थ र पर. म्माय प. भूष के बिका के बिका के बिका के बिका के विका क नियं मुख्या अवस्थित विश्व विश ब्रिंग्य देख में मुक्क मुक मुक्क मुक स्क्रीबंधक विद्वादित स्टामक स्थान हैर हेरा निकालया निर्ध के समान हिएका. असः रवित्यकः वर्षा। दे भागाया हे रे खेना मुक्ता यदे भ्रामित वर्षा प्रवृत्या भी ति ब्राह्म होती के अपदार पर केदा असा स्वता अपने केदा अस के लिया नहें दे व्याव के हिया !!

चत्रमञ्जी च लेश पहेंद्र चर अंदे रहेश र प्रायम प्रायम है ता नाय है हैं मुन पार्श्वे वर्ते वह र पार्भेद पारेते कें कर सदे मुन्निव यस हो व हाट पार्भेद ... है। वर्मा हैर के रहा वेश हैं वे हैर तथा कर स है वर वहर चते हैर ही। नेश व क्षेश पर कर सद पर्व कर निष्य कर निष्य केर निष्य केर निष्य क्षेत्र विषय क्षेत्र व स लिन न लेस महन महे हो । है . लैन है न स ले हे लेंस छ न स स्वास त श्रिम हे श्रिम त राम श्रिम च लेस छ यह नाम समम रेवा ल लेस छ य वै वर्ष यते केंग महेश भर्ता। अर अर र र केंद्र व र न कें नुसाव हिन पर देश पर विहास सेन हे लेख है न के मेंसस स हेन स लेख है. • यर. पुरासर विर्, ट्र. अर. रे. यहूर मार्थ्या मिर. खुरा वे. व. व. वे. ब्रूट व. यशास्त्रा T यक्ष पड्स है स्ट्रा प पहुँचा पर दें प्राप्त ही। रह तम कर्म कर्म म हैं हेश्र या व कर् सह लाय उव मी स्ट श या व्यर् या के व व । रह हैर गु नहेंद्र य य नवेंद्र यर छेद हो। विस मु न वे सक्व हैद छेद य व सर्व केर में द्वा देश कर मासर्हें के स्वर मु स केर के से स्वर में से से केर के स केर. मिश्र. चेट्य. तर प्रचीर ही। ह. च. देश ब्रा. चे. त. श्राम प्रथा रे. केर. हें के ने अळक के ने चिन यं प्येक के लेका चु या यह ने निम्हित हों। के दें खें ने चेन डे के हैं चे हे हैं अर्द्ध है र महर्र महें महर् महर्म मालक में हैं हैं ने सं मर उ च के दे हिन मिन सेन म क नाल र एक के दे रूर हैं ने सर श्राम पर मिर हो । ल्या पत्र देव उर हैर भी में भर तर गार वस नहें पत्र विश में पत्र स्वास यत दें का हेर के व तर्र कन्य राष्ट्र व व हार के सम्बंध प्रति।

द्वा से द सर गुर देश वहर हिट वहर् प्रसा दे सर दे विकास . हो। श्रेसाच द्वापा समाधा के सामाधा श्रेसाच सामाधा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व क्ष हेर रे. प्रमायर में न लेंब हो। रेना मेर हे मा ने मा मेर मा मेरी रिये क्षेर पर दे. वे. व्य मेर लिया पहरे पा क्षेर व्या विश्व प्राप्त मा प्रमा **୳:୬**ଽୢୢୢୖ୷୶:ଌଽ.୴.୬ୢଽ୴୷ୢ୳୰ଽ୵୷୶୴୷୳୷୷ୡୢ୷ୢୠ୲ୣଌ୵୷ୢଌ୵ୖୢ୴୷୷ୢ୷୷ୢ धेर वे लेस पर्देश वे वें केंद्र सर अट दे स व मुर मी माय दे मार्के मा सूच पर दे के हो द या स ध्येक के लि कर दें कि के के मालक द से प्रवर्ध के हिए गुर्कि क्र म हिराधिक हे हिराउना नी नालक रू में प्रवर्ध आट र्वे ही स में प्रराधिक यते कुर मलक समा कर मा है र प्रकार प्रमा मार मिल मार मिल मार मिल में यर प्रश्नुर व र्श्वेर याय रहारेना या अह में पर्देर् हों। हे प्यान्नहार या है र वि भीत् सिंद की लेखान व दे कदान के दिया । ने साम का सेदाय केदा की हीरा रदः देना धर त्नु र त व । वस्य उद ग्री वदन १ १८ द त नु र व ले र व चत्रे द्वार्गा व्यापार मात्रा पुराने विकास साम्या प्राने विकास साम्य पदि माध्येद विशा दे नमा व दे नमा महिद शुमा के किंदा मा के दि मा क्रें अपूर कुराववैदाव. ११ की. दुरात हैरानदा कुर अदूर खेश हा ना हिटा वह देश संद्रना व्यक्त मार्रेद क्यें देशी देन गुर नहार नदी देन थार्न वा लेख हा न्य. स्वास न्या दे केर् स्वर्गा नाय दे नाहर वर सहर स प्रेर द ननाय हिना या देश यदे के लाह है हिना के द है वि मार्चे ह या मार्चे ह या मार्चे ह यह है द कहा लेखान नाम संमाया में साही । र्विन्तामा हैन ना वे ने साहित्य पर दिन्दा या कुरे.ह् ।। न्यूमक च दे.लट.टेट.लट.टे.मह्ट. नर्जा श्रेचक.हे.चेदक. भ्रम्य हा। श्रम्थ वर्ष म्र देर्र व्युक्ष च मेर् यदे हें नावर हे न रूट देर पर्सि परि सुभ दर दूर भार्या माना हर हो। माहार प्रीय के कर भ.३८१ पटियो त.जम.र्जर. खुरा.चे.यर.ह्यंश.तर वेप्। तर.रेव त्तरं विशासरं के तर अर्हें वर होते तर मुरापर मुरापरे हें सा केंद्र पर सहते हैं दार मी.पर्वेश, पर्द्रम, पर्द्रम, खेल. वे ब.ब्र. लाट. देवी. तर्द्र, जे ब. तर्द्र है. वर अपूर्व, तर. मुटे. यर वित्तुर विशेष्ठ मार के पार के पारे खेंद पारे महत के के पारे के पार के यहाँसामादाका अद् वालेसा वायम क्रिया क्रिया वस स्थापम स्थापम हिमा स्थापम प्रमा यह विष यदे हे बर बर्ट र यर वेदायर आर देवा या क्षेत्र हे मायेवा यदे रूसा दे हैं क पर्वा हुन स वे हा स दूर पड़िया है स भव दु मुनस य कुर रट लेश व व व संस्थाय य वर भर रा इ.चिश्वास ब्रे.स्य मानाश्वा । विद्रासदी सक्षरे हैरायम्दास हो। ।दम्सि त.रेच थु.भु.पुझ.श्. (बुझ.श्रिंस.श्रां भ.पुंश रूरे कु.चश्रण.टुर कि. च च.ज.शचाश्व.त.ज। चालेश भक्षेत्र हुट.चाहेश त.लंश च.च.थ.पहूंचा हुब. मु नहेर् पर नुर परा पर् के नाहेमा भेदाय। दर है नाल्य हम य नाहेंस या भीव व लेका नु या क्षेत्र या भीव व ।। भार व नालव को या लेका नु या र्भे के हैं। माद सक्षा निर्देश माहित यह खुला वा सक्षा के निर्देश महिना चर्रे वनुरार्थे। वर्षकृत् नुस ह्यामकृषाय मुन्य यक्त मुंस हुरार्थे। दे अत् पर् है हैंदि सक्त हिर पहिंच म भी वे लेख पहन पर प्रमुद्द हैं। मेकायते द्रम्भा वसा व पत दमायर प्रमेषाय के द्रार व दे दे वि द हे

क्रीर्टी हैंदिर हे लेस मुन के में नेस परे हैंद नासवा वर मेंद सकर हैद क्रम्मी दर म हेर र्रा माया है से प्रेमासर नामया वर होर या लेखा ह वरे उसा मु द्वा अद् द्वा मुख्य है लिग मुलेय। द्वा मुख्य या व लेया मुल स्था मुला मुं में निस्तान दे निसानु न के जान मानेसान वा स्वासान दे। दे सामिन ना ने क्षेत्र देश व ता त्र व ते र्वे वे रेव वे रेव क्षाया क्षेत्र व व व व व व व व व व व व व यात्रञ्जयामर वानवे र्देश वेर मामाभी भार्ते होना मवे खाला कर हिरा हेश वामाने मद्वत् खुल क्व मुद्रा द्व नुद्व वस गुः वस दे में विस सदे द्व मु . यर छेर सदे मुद्द पर पर पर पर पर वर्षा विषा छ न पर पर पर पर सर्द शुम नुस मानुहर व १९५७ हु लेख नु व दे हु च र र वसार दें। मुभम त. प्रति व देश हम शु हिंद प्रति । दे दिर दे तथ मिन पर दे विश्व व व वर्षा यु देव दुर्वाश कर मा लोब दा वर्षा कर का मूना वा हूव हो। ह किर लूटश श्च. अहूर चर विरायर में लिया दे हेर बुंश में या वा बा आहूर लीश है हैर म्हिस्स् श्राचकर् निर्मा मक्त १५ मी खुकाउन १५ दे। दे १ १ महर्न पर नेद्रायके के हिंदा के के के के के के के कि का मानिद्रा है। मिला विद्यात्मा गिट.स ट्रेंगमा ता हुंस.चे.च पा सूर्य मा गा हुंस.सा। हिंदू रह चहुंब. के बे देना मा हैत हे अप म मा मा नहें अता नु दे लिया क्षा के अप कर कर वे खुका में हे ना सा दे कर के मेरे कर विकेश का शहर पासे द पर से है ना व के न गुट महित्य भेव र् के में ने सम्बं म्री हमायात्र समायात हिमाया वर्ष समाया यह से यह मा प्रविता मन्दर दे के निक निक्त सामा स्थान समा सामा स्थान व के त्येतु इदर्श है मालक होता व दर्शित मही स्नवस सुर्हे। माता है कह मी मक्ष हैर महिं साम विद्यापानार भेवाया दे कर्म सर्दि यादे दे के वैदायर में कुमाच मेदायानार भेदायदी खुवा करानी में द्रमेनामा वादे के हरामा हिन्सा स्वर पर प्रयापर प्रयाप है। सेन प्रये प्रयाप उन हिन सेन रस न र मी सहव के दास है निया च है निया पासे दाय के दाय के दारी भट वेश मु:न व: श्रेम्शामश वन तरे प्रश्नाम: मुन्दे तरे तरे तरे के ने हें वेश. च वर्ते द्वार द्वार क्षा क्षर र दानी सहका के दास है नास या से दिसे नास वस हैं नास स ही दिने नहां ही दे ता ही प्रेस के देश ही ख़िया उद है दे प्रेस हो। रूट नी सर्दर कृरमिं दासे राम केर पुलिस प्राच था से नास मारे केर नास मानर होतारी अस य'य'र्सेन्स'च र्देस हो द्रायर तुस्य य'द्रानानायर हा य'से द्राय है द्रा हे द्रान्स यदेः ... र्देश्यमः सर से द्रमेनास या अदः र मे सक्षा भेदा है दे उदः हे द भेद द देश नियम हिर में। मह में सह दे के द देश नियम प्रमान के द भोद स त्र केर पर्मा के केर पर्मा साम समासाय देश द्वेद यदे देश वु व य स्वित्र वस स स मिद्र व स्दूर है। বুষাবামে र्सेन्स यन्नाना यर नु य दे स द्वर हिट नु य दर्गि दे दे अथा उद है हुँ न्राया अंत्राक्षा देश द्वेश यदे दे वे अपुराया अंत्राक्षाय द्वाना यर मु च देश दवेश थरे हैं वेर हैं। अंतिश वरे हैं ने माश्राम मि बर रहा नी मळव है र मु ए ए था र द है र अव द ।

्ञा ।इर.भ.क्स.पर्त्रोज.सी.पर्त्रोज.पत्री पत्र.स्. पत्र.स्. मंद्रेश मा नाट.रे.रेस अमितं का सूत्रांस तर स्थातर माहर सार ब्रांस प्राप्त का स्यास.तरु.स्रिस.चर्या.त.स्यास.व.रम.चर.वार्ट्र.त चित्र.हू.। वश्य.भावदु. मैंस हैंट त बुंध में न हुं। विश्व भाग र रहें से में रह में रह में रह में रह में देते इसायर देनाय रेक्ट्रें हेर हेश नुपार देय सम्यासम्य से रार्ट वसायसम्य सा **५मेंनाश प**दे **क्रा**यर हेंनाश ह्वें नार अंक यारे के र हे के अंक हे हु र्रेय ही र्रेस चॅ ते कुं हर सामेरा चारे हेर दे पहुंचा चर छ च हेर प्रेर पर खेर र्रे । हेरासा यं. त्रा है स.वेर र्षे प स्रीय वर वे य. बुरा वे. वं त्राव स्राध वर्षे वा प्रवेदे . संस्व केर हैं। में वर नर अर वेश ने न के मुं सेर म कर है। मुं सेर म कर वे खु र्ट रुक्ष र्ट रूट में विदेश है देश या की उट पर है कि रहें। मूट मीका सुराधर है र या **बेस.च.च.ण श्रुम.च.म.इस.च्रे.च्रे.च्राचर पर्चीर.ट्रे.ब्रेश.चे.च.च्रेम.श्रुर.**थ.ब्रेश.चे. वर वर वर वर में वर्षा कर मा हैर ही स्त्र ने दार होर वा से वर के मा स्वा मा वर्ष मा स्व **८८मः**मटःमीस्यत्रः ५४.८४.५.२.५.८.५.स८.६स्य.३२० व्दः मः३८.०.सूच यरः वुर्तायायात्वर्तावरावनुरार्गा रामविश्नम्भातात्वर्ताकास्यावेसानामा **ৼ৾৾৻ৣয়ৢয়৾য়য়য়৾ঀ৾ৼয়য়ৢঀয়ৼ৸ৣ৾৽ঢ়ৼ৸য়৾য়ৢয়৽ৼয়য়৾য়য়য়য়য়য়য়য়য়ৢৼৼ** उदायाहेबासुप्रवानायरानुपरा केर्पायेदायदे स्तुरा यदि दे रदाय ने प्रमाणिता कर्मे **८ १.५८. १.५८. १.५८. १.५८. १.५८. १.५८. १.५८. १.५८.** प्रमा हिंद्यां स्थानियां माना हिंद्यां साथा हिंद्यां माना नर्सेश सुर। दिने देन मले देन प्रकार के दिने हैं से मन्दर संस् य**र्भास् । तर्भाण**दार्स्य भागेराष्ट्री स्त्रुपायरा नेराया क्षेत्र हे मार्थे गायरा दर्ग तर्

महर् या छत् भेता वे विशाना पर्छमा स्वाप्त पत्मा त्राप्त नुमहर् या हेरा हुल,तर.चेर.तपु.क्र.क्र.क्र.क्र.तपुर.चंरेर.चंरेर.क्र.क्र.क.चं.क्र्य.च.चंट.क्र.चंटि लेव.ब्रा श्रीव.तर.वुर.त वव.२४.२.वुर.त.श्रीर.त.व.ब.चाट.लुंब.त.र.वु. त्रकातुः वेदा या अदा श्रीदाया लका गुरमरा ग्रेष्ट्र माराहे वका लेवा के बुकार्या शूर् है। क्रमा हेर र पहें अस मार्चे मार के में विसासी। हैं पर दे ૹ૾ૺૹ<mark>૽ઽ૽ઽ૽</mark>૾૽૱૱ઌઽ૽ૹ૽ૢૺૹ૽૽૽ૢ૽ૢ૽૱૽૽ૹ૽૽ઌૹ૽૽૽ૹ૽ઽ૽ૹ૽૽૾ૢ૽૱૿૽ૢ૽ૺ૽ૢૢૣ૽ૺઌ૽૱૾૽ઌ૽૽ૺ૱૱૱૱ૢૼ૽ विताय वर्षेत्र यहेता विका भेराती। विकायार श्रेम क्षान्य ने विताय हैनाय ह यामानद्याचन मी कदा सार्येदाया सार्थेदार्थी देव में सेदा सार्थेदार्थी ह्मुवायर विश्वाखेशके अप्रेंगाया दशहरा अर्दाय वराखेराय वारा भेदाय दे " हैं नि ने क्या नी। ने के मार्थ पर्या प्येष नि ने हैं ने जी ने हैंने वा ने केन सर नुर पर इंद या यदे निविष हुँय। । यम् वाय सद पर पहेंद वा सुन त्रक्षात्रभाविषानु नाप्ति भेर विष्य माव्य द्वा के माद्रमी साद्र सेर सुदः र्वे दिर। मिमस दर ही महेद या संन्या पर्दे दिर्श र्वे वस्त उद ग्री रहा ५८: ह्वेषे अळ १७ ५ छै : वे सन ४५५ - व इस या घर्म ४ उ५ र ६५ अरा वे प्रस्तु न । । । उन्दर्भ ने दे दर विषय वासे दाने के प्रायम के दे दे वास विषय के दे वास विषय के दे वास विषय के दे वास विषय के दे स हैर में हु वायर वेराय कर हक रूप सहर या द वक वर मुराय हैर में केर में ইম স্তা ব্যলা লী । মার্টর্ প্রাম বু মামার্ট্র যেম ক্রমা যা ব্যম কর করে মা न्दा से वनायान केंद्र या से होन ने लेख हास स्ता : E'सन'न कर हेंग्रस हुश.श.प्रचट.पश.थं। हु. द्या ब्रेचा.यु. हुंचामा पर वेश बेश नपर वालये था। हिस्तर्भुः स्ट्रेस्ट इत्या अति क्षा दि स्वर्धा । दे स्वर्धाः वे रागवायः लुबा विश्व. पकर. चर. प्रमीर. त्रा वश भीमप ल. शुन्ध च. प्रिय चर. नुदायाक्षदायादे विवेदानु विकानु विवेदान की निमान निमानी का विकास मानदा विनायर नेराय केरा के सानु वरी व्याप केरा के ले सार हेरा है। त् अह्ट पत्र लिय लट लूर ताम लुर हु । लुका न पर हिर रू । रेमा नट नी कें ले के निर्देश से दे हि के निर्देश की लिया करा सेन से से नाइस स्मानस ही लेश-वु-व-श्रेंश-दे। द्रंश-चे-लेश-वु-वर्श-श्र-वर-भ्र-वर-भ्रवश-म्य-वर-प्र-बिनावशासेन् पदे नावसास्मित्रामी विभाना पदे हें हो। से सर्वेद या से वुर्विश्वानु निविश्वान्दारे अर्थेट निविश्वान के के हुन निविश्या परिदे दारी हिर मुन्यर नु व दर मुन्यर होत् यर होता स्था हिस सु निर्मे पते देशे प्रेक् लेख नु व ता । रदःचलेदःमी मान्द्रकेषारा से लिस मान व व मेस या से हमाय हैन के से हमाय दे लीजा के दे . व का में में . वर्ष के दे . जुरा चर . से हर . द्या वर . से दे . यह . प्राप्त . प्रा य लेखान के के सम्यविक छेर यर प्रमुक्त पर्वे । दे के दे दे दिए स्कार के दे दे विका व्यायादे के लेश वाच के सक पर्वाया पर विदाय से द पर्वा दें। दें दर के सक वि.चर श्वर हो। व श्वर ने व है स्वर व है के विर चुर व ले व व दे हे दर इक व १८.में. लुका में वा ही का है। सब नार नाका यह में में स्वर्ग में हैं हैं । मासुस व परे हैं दे हे सुर मुर संस्व के दे ते ता हुर व प्येव हों। मालव पन प लमायनाय लेमान्य लेकान्य वाने द्वीर क्षां वान हे द्वीर स्वापार हे द्वीर स्वापार स्वापार है विकास देनियम याकेन निकास केन निकास केन ता स्वर्मानम्बर्धाः निवास निवास स्वर्मानम्बर्धाः निवास निवास स्वर्मानम्बर्धाः निवास निवास स्वर्मानम्बर्धाः निवास स्वर्णानम्बर्धाः निवास स्वर्मानम्बर्धाः निवास स्वरं निवास स्थापर्त्वाका सरामिता प्राप्ता है सामिता सामिथा था से प्राप्ता सामिया स्थाप स्

मर हिर्य में रमिन्य प्रेम् केर्ना पर हिर्म मार्थेर मामा भेराधका वार्कत् स सेदाया उर्दात्। देवे दिस्सायी के कितास सेदाया ठक के दिया यार वे के दिया या में मान या म तहमा यदे हिर लेख मु न त स्मास प्रश्नित सुन सुन पर में पर हिर पर से से मासुस्र दमेंद्र सर हिद्दी। सुर गु रवद ये से मार य दुर मालव दु हुर्-वसाय होन र्।। अशाबु र सम वव ग्री एस ह्या नवस वे बूर्न कु तहेब देवा वे वित्य वे नियम के नियम स्व म हे हैं न ने देव हा है नहा से सार हैं सामर वुद्या सदी हैं नि दा से दे हैं स्यान् नुष्यान्य में उद्यो भेषात्री। असान्य मार्थिस य नाद दमा थारे हिंद दु सिंद य प्येत्स दे थारे अत् के सामुक्ती हिंदी हैं। लार द्वार के के कार्य के के कार्य के कि लाग निकार दें हैं दें हैं के ्च न'दे' त्य'नक्षें ब्र ब्र दिहेन'हे ब्र मु लेख नु न नुनाय' के वे वि शु नुस्र य है द प्रदेश देश देश द निष्य व निष्य में स्व निष्य है द से से निष्य से निष ्रयेर प्रमुर वि व मार व वें न पर हेंना य अर य रमा व अव वें वेंस छ ये क्रिंग ह्मी १९ %८. रे. अथम छ्ट. हुसम खे. विमान दु. मा. लेव. सी। पुंब,ग्रीट. अता नु वुदाय नदाक्र पर में कर मी भ्रुमा व्रमा में मानक्ष्य या सूर्य ने सूर्य ्य केन नावन मीका कार्ने नाका था दे हिन खुनका खा नुका या प्येत हो होते । स्र्थासामा नेवाला हा स्रीतान वित्या हा स्रीता तर हिन वर्षा क्र्रा तर हिन के स्रीता

दे.र्च. ह्येचारा श्राचिश वारा भारत र तुं खेरा श्रीहा हे.र्चा श्रीचार्यर हेर्या मिल्र.रेच.कुश.चे च.बू.रेचट.सैंच.सैंच.तर.चेंट.च.रेच.हो। मोट.हुशस. मेर्यारे के हुं का वु रहा हूं रहा स्कारा हूँ के रु के हा हुंदु य स्वासाम वृद्। यस दृ वेदा यस स्वासाम अट संस्था सेद नःभुरे. बुंधाने व.र. के.वे.ज. सूर्यंश चडु.प्रा। टर्ट्र त.चीक वर्ष. <u> बुंश मु:वदे अर्दे ददे चन्दर य के मु</u>वायाय स्नुव वाबेश मु:वा भेक की मी कें देनाम हेरावास्त्रीयायदे हिरायरावा वर्षेषाय सेर या हीसामुखान हीसा हुक् मुक्त वह्मवस्य या ह्य्र दु स्ट वारुक् हैद वह्मवायर व वा स्रेक् या हे वे हें मुवा . च.च.झैंव.न.क्षेत्र.ब्रा ट्रे.हेर.हर्य.संस.चैंद.तंस.बेंस.चे.च.म.स्यांस.त. त.रेबे.चे खें श.चे.व.ज.चर्ड्स.त.रेट. शुभर्भा तर्रु.चेरे.तर. म.चर्ड्स.वंश.पेड्रेज.... . य. दे. देवे. य. भूषे. ब्र्या अस. रट. वेषे. य. प्र. मूर्यास. य. रचा. ची. बुंशायी.च.पर्दे.लट.भट्र.चर.पर्वीच.चर्.क्रीर.खेश.यी.चर्.क्रूची.ज.चर्त्रश.रथ... श्रमश्चर्रान्नस्यत्राणुःस्यः नृदः नान्यः नृदः चोन् । या नादः योदः न्याय प्रेक न्या ี่ สะพรา ลู มัพรา:จรายพรา:จราระ เลมีตานน้ำมัพรา:กฎานีะ เกรา:เกรา: सद्भायर प्रमुच प्रये श्वेर रे लेख सु प्रये हे भी श्रमश. देशश. विर. वर. मी कें सर देन पर्म में किर नु केंद्र मा सेदायाया यहेन दशा यह मा पारे के केंद्र स र्ट.क्ट्र.त.हर्.ज.वहेर त.वु.चवैर.तस.श्रा श्रेभश.त.धें त्.सक्र.

मर्का हैद कर क्रींस क्रा। दयद युवा दु सहेंद यर वर्देद यर देंद यर वर्देद यर वर्देद यर वर्देद यर वर्देद यर वर्देद स.र्द् स्वर.पर्त्वाश.चर.टुर.च.हे.ज.चहेश्व.च.श्रुर.चढ्डा हेश.वु.स्वय. 5ुमुद्राच छेद तु पुरासेद या छेद क्षे पुराद्वा या छेद दि वाहिया वी लेख पुरादा प्रदेश म्यान्य माल्य ता चर्नेस च से च के दे क्रींस स्था मान दे म्याना स्था पर से स्था या सेर् या क्षेत्र तु द्वायदे हें भावित मुन महान्याया हें तर् संदाय कर हैर यहू या तु थेक्क विश्व न विश्व दि कि विश्व के समुद्र के सम्बद्ध विश्व दि के समुद्र के सम्बद्ध विश्व के सम्बद्ध के सम्बद्ध विश्व के सम्बद्ध के सम्य के सम्बद्ध के सम्बद के सम्बद के सम्बद्ध के सम्बद्ध के सम्बद के सम यर मु रश हूं द व हे स मु व दे ययद य प्ये द हो। दे हु सुर मुर प्ये लेश व य वार्श्नाशायहारी है दस्यायहार वेदे यह हे देश हैं। मीर सह भी मारी सार्व मारी प्राप्त के पर्ति वामारा में देश मारी में मारी में मारी में मारी में मारी में मारी में त दंद क्रिय तथ श्री श्रीय वि.भू. देवा तथ हुन क्रिय वस्व वर्ष वे वे त्या श्रीय थ ता क्रिक की पहिंचा या कार्रेट पर्य हीर ही। देश के नि हिंद क्रिक पहिंचा थ लेस' उ'नवे 'सुँर च देवे दिये 'नार' फेर्स च दे 'ता' च सुव चर 'तु 'चर 'सुँर 'च 'हेद '' वरुर्दा दे वर्षे दर्भाव्य अस्मिर वर्षेन्स स मुवन्य द दे सुन्दर मीर तर भी स वेश नि मीस प्रमाय वार देवर मीस स लेश में बेस ने वर हीर. र्ने । विर्म्याने हुर्र व वरम्य रेवे वहुव वर नु वस हर्ष । ्रे.के.वर.मीर.तर्.भीश.वेश.वेश.वेश.वर्षःयस्य राज सूर्यशायः क्रा.व.च.वर्षःयः WE'स-भेद-ब्र-बिश मु: नर-शुर-ब्रा प्रेश दे शुर-व-मसुस-धरे-परे-वश्चव-यर मु तका र्वेट य केट य पर द्रा है है है है है के है अ मु मालक में पक वर्द्वाश व ता वर्षेश य सेद य क्षेश विके क्षे क्षे के के विके व वर हेर जी स देये स म्बन्धा नहीं देखा है है की से में है मान मिन सम्में हैं दे हैं कर में

ठ४.३८ मुँ १ इसस्य ४८.२ विस न व त स्वत्स व क्षेत्रा व वस्ति । स्नामाध्य प्राची दे प्रशाद मुक्षा यु माठिया यो मुं र् र्व र् र्वेट य ठव हेट मा के खे के स वार् भ के पर खें र प केर पर त र विकार म्राच यः भेव व । सम्बद्धना के नार्ड वं हेर भेक है हे हेर रबद सुना रु दबुर वर वर्दे दें।। के पर हैंर पर्मा था भटा लेश वी वा हों सारी। नादस अवस नालद हिंद मानोनामानु नर से बुकाया क्षाप्तमा कर है नाहें र्च हैर प्रेर प्रेर प्रेर से हैर री। दे **३८:नाम्राम नर-मु** नदे मुर प्रमम ७८ र में या हे नर सुर न क ल म म म मार्गम . चार्झ्सानी त्रासानु ने तिनु विष्य है । वर हिंद है वर हिंद वर्ष ने अहे । मर हिंर न वर्षा देश में स्थाप कर में ही साम हेर हैर गी सा देश मान हु देवट बियानामा हा। हु हिर दे देवट विया ग्रीट हुर दे से शिमा स्वीधा म.पंटियो.सर.गुरे.वर्त्रा श्र्याका.सर्ग्र में का कु.गुरे.स.पंटा योवका.ल्ट्रा सी. मिंडिट.ट्र.। ट्रे.के.वेट्र.क्स.त.वर श्रेश.वे.वोलर.क्रेश.वेर.क्रेश.वर्ष्याता. **बेस:मु:च:के:र:गुँद:गुँस स**म्देश:य:भेद:बॅ|| के:बे:दे:य:अप:ुँद:मुंस: **ढ़्रेनस'म'सॅ'५र्५'३५'मैंस'ह्रॅ**नस'म'र्चेनाट थेर'म'र प्रेस'स'टेस'म'र संस्कारी दे.ज.लट.वेर.ग्रेश.क्र्य.त.त्.त्नेवर्गेटश.जुर.र.वेब.त.श्रट.तर.व म.वर.पवीर. र्रो भेरे कर रे वैचा क्रिं अस पड्ना रहे छैर रे विश न नहे नहें के स माटेशायाकेरानु सम्पर्देशनेरायर तुमायवे खेरालेशन वानि माटेशाया हुर लुर र जुरा चर्न कर तर किर बेचाता शर राष्ट्र सिंद स्तर व हुर हुर स ट्रे. के. वेद्रु क्यात कर में. श्रेश वेश वेद. मेंस मूर्यात हे दरद युवा के खा... र्ट्य. मु. चे. च. चेर.त. कु.म. लव.ब्र. बुझ. चे.चह चारव. कुचाब. उडे .लट.... ...

रट.केट. ग्रीश.भ ट्रंश.च भ.लूब.ब्र्. वर्ड.च वर्ड.च वर्ड.च स्था.चंट्य.चर.ट्रंट.त. क्रेट मिर मा भूष के जिमान ताम स्वाम ताम र्या सैवी पर, वृत्वी रे विद्या त हैन स्पेब वें। दे नशक्ते अन्ति केंनाश यह न सं हैन स्पेर स स लेर. तर्. केर. चार. चाझ. र. म हम. म. लेर क्षेम. रे. चममम. तर्ता। पर्यक्ष.वे वसका करे.जा. बुका वे वाजा रूभ वबुका है विराय करे हे र का करें तर किं प्रव.च.व.च.हुच.दर त्यंश से क्षेर तर लचीर हूं। चापा है देवी तर हुं मीम मेर्रा मार्केर व्यव न पर हे स्ट्रा वन्तर ले व केश या नाल र तरेर वन्तर ही। रह पड़ेब असम पर से हैर र लिस गुप्त है बसम उद् दें हैंद प्रेर प्राप्त में सेव द म्ट्रिंग में हे क्रिक्ष पर दियुर में। मिल्र अट लेश में ये वा से का था हुर-वंश-वंहित्र व.ज.ह्यूमश-वंद्र-सिर्वे कुत्रांश सं मीव.वं लूबे हुं। वि व. मेर मामिय यासेरामय सिमास मामिया सिमाम सिमा नेस दे दम य वस्त्र उर नु स देश यर यह रहें। ही मार दे ही दे ने दम म् । रेड्र चेर्य संसर्वर रे चेर्यित है नार नेस मिर वेचर त स्रेन्स ध रे. देरे. त. भ भहर . के. लट हूं।। बट जब रू. ज शून मान रेच जारे के विषे इस या उन मी प्रीयका व्यद् या माणे वा परि है सामाया या है प्रेर हों। रे अर्रे. हूर क्ष.प्रधिताताता स्वाम त रेवा जातार पहूरे तर उपू . बुंश वि. य. बु. के पर पर हिंद दश पहना य दर देव हो द सर वुश य ही हैंव द से प कर है बद्रान ने वर्ता व केन् नाव ने खुक न्दर होन् या वा स्वाक या नुना वा स्वर नर सुर वर हेर वर्गुर है। मार सर सेर य स से बेरें। है वर्ग वर्ग या

बुर्स.चे.च. बु.चर्ग्रेट.त.ज. श्र्वांश.च. बुर्स.चे.च वक्टर.तर.वचीर.च.रट.श्रीर.ट्रा र्मेनसम्म विरं तर त्यासंग्रस्य संग्रस्य व वर्षः व त्यालेस मु नवे संग्रस्य व स्र्रि दश प्रहेना च र्ट हुंद नेट तर वेश च वाबिट हूं।। हश हूर च व व विट तर. वे.रे.वर्ता चार.च्र.व.अ.जश.से.वर्ड.क्र.ट्.ज.चावव.रट.सेव.स्ट्रम जूब. वर् क्ष. व. क्रूंच. व. केर हा। इ. चम. व. ही. द. वर् च. च. च. व. म. च. म. मस विव.न.भूट नद . सेंट.चर्च. केंट्र.भाट्य.च क्रेट्.मीट.लच क्रं . बुंस चर्चे. यंचित भूषे मार्ने भहिनो प्रहीर पर होरे हो। इ. हे लार एक है व व व ता ह्यूनी श नमःमानुवानः केर् नक्षत हो। र्नेत्रमः णुः निर्धानः दे केर् छ सः नुः न दे निर् चन्द्रस्य त. स्मूच्यस्य च. स्रुक्ष. चक्ष. च. १६८ - दे. चीच्यस्य च. चाट. स्मूच्या वस्त वहनान वार्सन्स सर्वे निर्त्यर हेतु वार्स्न मार्नावा अर अर वार्ने हेते है. च्.ण.श्र्यांश.त.रेबो.फ.लाट लूट् च.भ.लूब ब्. खेश.चे.चर.झेंर.ट्रा 24. 64.3.4.45.4.42.0. g. E. Nha. BA. Ja. az. E. Ga. B.a. na. g. 11 माल हे ही मार्थ क्रमां शे निश्चाताल मिर तर मार्थ हे ने मार्थ होर हे हे वन्ध मैं रेट अर्थिया हुंस में अप हुर लेश में। वाम में में में में में क्रिन्निक क्रिन्स भेर दरे के सु ता लर् माम भेर हे नल्र में क्रि नल्र लर्म हरे यत द्वरार्गा श्वी मानव केनाम प्येव वे लेख न न वे न ने न ने न न वा संनाम था दश्रात्यद्वर्त्ता विर्मायरमान्य क्षेत्राक्षाः भव वर्षे सामुचः या भव वर्षे। रहे. ਗੈ. ਕਿਟ. ਰਾਵ ਗ੍ਰੰ. ਹੈ. ਬੋਜ. ਗ੍ਰੰ । ਤੁਜਨਾ ਗ੍ਰੰ. ਬੁੰ. ਰਾਭਾ: ਰਾਭਾ ਕੁਣ ਕੁਣ ਕਿਲ ਹੈ. ਰਾਭਾ मुन्शासार्द्रावर् नेराद्रालेसानु पायास्न्यापर्वा वाया केरानु खेराने पा पद मी मुदे वहर पर पु प केर मी देर री। दे प्रमास कर मी मा मी व का केर इटासाटेकाचाकेदारु लेकानु चाके निर्दायर मात्रकेत्रा प्येकानु सामुवायाद्वा क्षेत्र वं साम्स य १९८ देशी श्रेम सि.म.स् में लेस नि.चय.स् में राष्ट्र सेंस व से माना म वाहिट हो। श्रेमस सेर् श्रेर लेश मु वर्ष स्रेर वर्ष स्रोस है वर्ष माला सेवास : य वे बट में केट अर भेर परे श्रेर रें वेश मुन्य महिट हैं। हैं दिर रहे संस स्वाक्ष राष्ट्र क्रिंश तक के के रेवा रा हिन ता स्वाक्ष राष्ट्र मान्द्र क्रिया साम स्वाक्ष रा मेर्-यायास्त्रस्य धरे वसूत यर वु वदे र्यु राम्भेर हें लेस वु वर कुर हैं। द्येर ह्यें द्रायदे वायासँगक्षाया है की द्वाप हैंद गुँ सुर द्रा। रट. जियात हेर. में . कुर . शुभ श . शर्रा दा रट. यट. में हिर मा त्यूर हे . माडियाश त्यूरीश. य प्रतिवर्ति। अद मी भ्रु दे रे अपापालक र दु भ्रुर दे लेश मु पर मे दिनाय स र्श्वश्राय भ्रेर अट लेश म न प्रदेश अट में भ्रु रेश माना विश्नु भ्रुर म है से स्था रट. जब त.लट. बुझ.चे.च.पर.रट. श्रेर ह्या विश्वे सेचान विश्वे प्रमान विश्वे वर्षः वर्षः मार्वः क्रूबाबः गुः सुरः लेबः नुः वर्षः सम् स्वैदः हमसः सम् प्रदः सम् म्बून यर नु न निर भेर र पर र अर र नु र य के लेश न के र न न र र र परे हिर सदश मुका व स्वाहा था लेश मु न दे द्वा ने सामा मा कि नि न ने प्राह्म मा कि नि न क्य. मीश वहेना पा प्रका सदस्य य हेर गी. सेर र्रा राष्ट्र नावर मीश मारे व पर वर्दे पवे के द्वापवे दें विष पु न वा यंदी भी द्रमा यदे दें दे वे मारक की वुक या द मार्गा मालद मीका महिंद यर पर्ट्य व के अंदर मुख पर् मह्त प्रदेश प्रदेश के के में मूर के स

मुन्य क्षेत्र क्षा माल्य मुक्ष सहस्य पर पर्दर् यामश मुह्य य पर के नद्न केर वासम्बादायाध्ये देता से हैनाय दे हैं नाइक हैं नाइक हैं नह संस्थित हैं नह संस्थित हैं वनात्राविद्रयर रे.ह्नारा.ह.र्जा. क्ट्र.रे.विवार र्. . विवार प्राथ विवार यद्र लेश मित व स्थार व स्थार व स्थार स्थार स्थार में केर स मीव वर्ष हैर र लेश मित वे नायाने मारका उव मोका गुर नु पहनाका या है दा गी में हमा या है दा गी हिद पर दर। हैव उद में ही मुन पर प्रमुद है। दिर व ही रा पुरा पार्या प्रवा भव वर्रे-द्रना ने नुस्राय हिर हैं नाइवर हैंनास शु वनुर वर ए नुर्रो। परेर हैं माराया न हैर स मीय पर हिर निर वहा है है र कर में ही मीय पर उसीर। दे: भट कर म इस पर देश च यश की सं पर प्रवर है गरें। दे यहा द क्र महमानर देश व महा विंद र क्रिं पर विंद विक्र व वर हिंत ही। नी में से वार्य परिवादार रहे ना दे हैं र लेश न पर माना में दे पर से में वार मु न म सम्बादा नाट द्वाना पर सक्र हिर छन सु दक्र में दे स मुच प भेर हैं। मुव क अर सेम्बर या अर मूच पर मुक पर ने दे पर केर ही नियादे प्रश्नेश्वर्था व सार्वेद त्रके च राष्ट्र पर प्रदेश प्राप्त प्रता प्रता विद्यार मर्पर व प्रव के ले व न के वर से लेंब से व मार्थ व में व से सी। IJ. वहना व भट लेंब नु न वे भ्रम य सन्या मामा वे का नु न के वहन नि

लेश मिर्श त्रेष राष्ट्रे गहर्ने रा दर्ने रेश सेने ग्री ने खे के लार मार लेगा निस्तर रा निर क्ष्याचारी ता अंश्रम्भार्भिताया लेखाया वर्षे मियाया मुवाया सामिता है विह्नेताय ता " मर्बेर्-यास्त्रामु हिन्न स्त्रामेर्-यदे मुन्न हिन्न द्रोया वर्षेया वर्षेया स्त्राम्य स ଶ୍ରିଷ'ବିଷ'ପ୍ର'ଦ'ଶ୍ୱ 'ଶ୍ରି'ଖୁର୍'ପ୍ରଷ'ଧ'ଞ୍ଚିଟ୍'ମ୍ୟ'ଦିଁ 'ଶ୍ୱୟ'ସର୍' ପ୍ରୟ'ସଂଶ୍ୱିଟ୍'ସ୍ଟ" पर्टर. य. लुक. बुट्यां क्षा भाष्य . लूक. २४. ३८. ज. श्र्यांश. य. बुश. ये. यं. संश बु.स्ट्स.स्र.मीर.सर्.कंर.त.**स्ट क्य.तर.स्रे**.च.स्च.म्.मीस.**स्रेर.**त.के**र.ल. स्**चास. च.चिंडिट.हू.। विश्व.सूचेश.भ्रैच.चुर.कुश.चै.चटु.सूचेश.च.श्रूंश.तश.चू. व्यास य दर वर्षा य केदाय स्वास य ना वर दें। पर वेस न न बु.डु.ड्या.सप्.र्ग रुष्ट्राह्म.बु.स्म.त.म्हेम.डे.स्स्ना रट.पर्म रट.प्रं इससा उदानु वर्षो वासाधिक पर्वो। देवे हदा हिना ने देवा ना देवा ना देवा सिश दर तार हो। सरे द्रिश महर्र तर उर्दे नत लीक ता लेश ने न हो है नी चु'द्र-'ढ्रंद्,'ल.ड्रे-ट्रंब्,'ल.स.चींच,च.बु,स.लुब.ब्र्, बुस.चे.चर-ड्रीर-ट्रा उदानी निर्देश में मा निर्देश सद्ध केर किर नहेंद्र पर पर्देर य निर्देश मानुन यासाधिकाने वहेंद्रायमावदेंद्रायाकृद्राधिकार्वेष देरकृदाके पक्रियासा विस्र स य.ज. स्वास.त. ह्या. प्रांज रवा.चे. वु. ह्येंच.वर. छेट.व. हेट लुव ब्र. वुन बन पर. रेत्रेच यहीर देश हीर हो। जबाज र प्रेच हैं व पर वे च क हैं व पर विच पर्णा ल परियात दश्य में श लें राम में राम मे वस्तर्ने विद्याता मादाया भार ने विद्यात कर भी के हिन में विद्या से मेरे स क्व प्रेव लेख। द्वेर व लेख नु च ता संग्राम स क्रिंस है। हिसं द

मिर्दि केनाम प्रेव वे। मार्द केनाम पर मार्दे मार्दे भ में देव मार्टि के मार्टिक केनाम पर मार्टिक मार्ट रे. पूर्ये पर क्रिंट राम ब्रेश ने. य. मूर्येश मा वे. यह में में. य. मूर्येश मा तरु वहर् तर व व. हेर वीचेश्व वहर्त तर वहर् व व अल्य व विश्व व व. रेवांशाशास्त्राचरक्रा पर्द्राचानाम् स्वतादादानाः वे मानाश य हेदा गु दहेवर गुः बिरे. तर. ब्रेश.बिरे.तर रे.वेश.नए.इश ज.च.जर ज.श्चेश चष्ट. में.पहेच तर. ਹੈ. 82. ਹਵ ਹੈ। अस. बिर. तर. टे. विस. रा. पड्टर. तर उट्टर. त स क्षेत्र. थ।। हे. वहर. यर वर्द्र य भेद द वे देव के दिव के दिव के दिव के भेद दें। य वास मी देवा सम लेख न न के देनास च दर चरे ही चरे मालिर मोश र भर रे च वर रा। हरे. महेर् यर पर्रे में प्रें ने वे दे दे ने मिया या सर यर विष्टे केर गु म ना नीस वर्ग न रट लग य रट वर्षे म न वर्षे वर वर्षे य देरे य है है न लट मेंबास तस रेस.वर वेश.व हेर. में. होर. वर्मे.व.रंट जब.व.रंट वर्गुल.व. वर्डाः वश्य व वाट नि हिंदे हें वे वा वहना व व वाट देहें हेना व नि वाट के र्ट मिट ते. कुट हमाशाम विविधान शामिव व्या विश्व ने.चर् वहूरे.च.ज.लट.रच.रे.चीचंश्व.त.हेर क्री.च.लट ज.च.लट.च ही.चंश्व.चर्. क्रेर्स्या देवले न मार्य के दे मु अर अने नी देश ने मु नहेंद्र चर वर्षेद्र चर वर्षेत्र द्रा वहेंद्र चर वर्षेद्र चर वर्षेत्र अद लेश न म

वै'वर्मो'च द्रा समाय द्रा वर्षे सम्बंधा वर्षे । वर्षे वर्षे देशे देशे देशे वर्षे वर् ल.श्र्येश.च.ज । वर्चे.च.ल.श्र्येश.चर्ड.ट्रं.चर्ड्ट्.तर.वर्ट्ट्र.चस.च.जट. कुर् या श्राम्य राज में श्रीर वर हिर् पत्र त्री। विस्तार सेर्प प उद प्रीवाद लट.बुस.चे.च.चु। नावाने.चानस.तस.हस.स.केट.कु.खुर.स्.उपिकारां सुट. व के अब ले बा र्रें के दे के दे वर्षे व दिए तमे य दिए तमे या वर्षे मळव के दे के व्या १ ने भटाविष्य च केंबानी केंबानिया केंबानिया से मिन् यद ब्रिस्स् । दे पद वद इस्य य है य यह है व स्वर्ध य रें। त्र वते लेश नु कर्ने वर्ने का श्रेमिश धते रेव वहेर चर वरेंद्र स अवे । नाम ने न अह नह ब्राट वें देवे क्षे नमा अन्य कार नह ब्राट वें दे मह नमा में वर्षों न नह लम् यान्दर वर्षे वानते हिन यर क्षान्ना वान्द्र याने वे के ब्रान्त वर्षे ने है विविधा था से दाय है है र में वर हो दाये मार्ज हैं नास है दास है दार है। त्वीं व द्रायमा ध द्रायवेषाय रमामान्य देनामा भेदाय देवे ही दे वे हुसानु सा WE ऑर् म हैर की खेर । प्राची की महत्वा की मार्च पार्च की की मार्च की की सामा लालट विकायर त्युराय दे खेर द स्र लट तिस्तार के दे हिन दे दे हैं दर दर्दर्भदर विश्व मुन्य अन्य राम् अन्ति । वर्मे मार्थ वर्ष मुक्ति चिन देन के दे हुन पर पर्दे में छर पर के मा भने हैं। मदर्भिती हित्र मळव १९५ हो रा नु ता व्यक्त रे ॥ लट मी में रट बिट रू पूर्व हैं है हैं स वि. क. क्रूर न स क्षेत्र हैं।

र्व पर्केश ने प्राच ता व स्वास मारे में पर्के मार मा भी है। प्राचार ता र्श्वास पर खेम है । या प्रमें वाय स्वार पर ही प्रमें पर छेर है। वित्राति द्वार्ति वर वर्ति यर वर्ति यर वर्ति यर वर्ति यर वर्षि यर वर्ष यर वर्षि यर वर्षि यर वर्षि यर वर्षि यर वर्षि यर वर्षि यर वर्ष यर वर्षि यर वर्ष यर वर् व्यविक्र देवे कु उन के देवे व्यवहनाय व्यवस्थान करे के दे हैं है है है है है कि त्मुरलेव। देवल्यन्य न मार्थिया न मार्थिया मिट्ट दे से रेन के रेने वर्ते वर्त कार्राम पदे हैं वे में मक्र रेट व मार्थ रेस्ट्रें द्रमिट्रश्चित्र दे हैं जा अपन्य या ने रायदे खेर रे ने र रे हरे हैं। क् इ.इ.अर.रे.वहर्व अट.च.अट.ज.श्चाश तर हैं रेट हर्न तर हेर तर नेर तर नीवाश. वर त्यूर व संभिद्वा देवे खेर क्षेत्र व माल्य या हरा शु पर्मे व पर है वे दे दे हैं है स सु प्रवार न से द पर है र ति हु र पर है र भेर ते। दे अर पु छिद सम् ता हो देव प्र हत प्र हे है र मन । ं नु खुर-नु जेव गुट हुवि न्वट वीस शमस उन् ता तहना चर वुदा व स लेव व दे हर्ना मुद्दे व्रम्भाय मेर् या भेरा विद्य वर्ष वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे मार में हैं किया प्रमृत पर विमुद्द हैं। जार में हैं दबर सुना हैर पार्थर... वर्दे व मान्त्रेंद् यदे कि मान वर्षेत्रया है वे मुन प्रद्राय लेग नु न के नाट मी क्रिके याची भाषेत्र वेत्र गुम् केर् याचेर महत्य यर तर्रेर यासर्वे ॥ । क्र-मेन्यक्रिन्सिन्सायाल्स.मु.न्द्र.मेन्य र्यास्त्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्र मिना कर्म हैं जिस विक्व हैं जिस दे र दे । हेन्द्र वर ने ने वर्ष के संयोग वर प्रमुक्त है। हिन वर ने वर्ष विकासर मेर् पार्ट वर के मर क्रियमर केर के विकासर मेर् मार्स देशेना था प

नमात्रा पहिंचा के के के में माश्रासक महिंदा रा उन मी बंदा के के मा श्री पन महिंदा नर्वित्। अद्युक्त वृत्युक्त प्रति सुक्त नु वृत्त व के विकास सुक्त सर्वुक सर्वा अर्ब्ब पालेशन्त्राच ने अर्ड र बर्जा ने अर व वर्षाः स्केर या के स्वारा प्रकार है। दे अहार ना मा केर गु हैं र द्वा खुना के र्लिद्यामाध्येषायाचे खूरा बूजिया सेद्र या हेदां भी विश्व देते । विश्व देते विदे देते विदे देते । हिसासु दर्शोच राम हिर प्रसाम नि नि तर्श वि नि मार्थर त्यीर है . वि न वनाकु त दे हर द वे केंबर द तमुर लिट विन प्रतापक के देख या हि यह वसुर दें। इ.धू.च्य्.मेह.वेश.च.च.मासचीश.च.झूश.टे। देतुम.च.चचश चेम.मह्यू. यर वर्दर यह र या वर्षा वा वर्द के के दह के हा वा क्षेत्र सह के मा वर्द के.व.व.लूर.र.लूर.वर.पचीर.व.रंटा। शह्र शिंश के रंधुनाम त्रं तचीर हा। ला. लियात्राम् रें के दे. जा क्षेत्र का नाविश्ये ता स्रेत्र ता नाट अट स्ट्रां व यश्रमान्य व प्रस्ताय दे त्रामान्त्वि स्वतः व स्य य स्प्रदः दे चेव मिट हू . स्रेर्व हे नम्यान नामा स्रेव पारे होत कर्ष पर प्रमान पा के देने वास ना में ब् . बुक् . ट्रेस तर तमिर रा। ट्रेस मार्थ व बर्ग में अंब के के क्षेर कु में दे में देशा अर्थाम राष्ट्र रेट्स स्ट्रिया हुर में अर्थ हे . खेश है वर हे . खेंस अर्थर अर्थेटस.त.कुर्जुः । इंड्रा.कु.कु.कु.चे.चेक हे.चेक ह सक्षेत्राच्या मेद्रस्थ। दे मेद्राम विश्व के नाम च के नामान . इक्.ची.टे.च ज. सूर्याच्य च.लाट. कु.चेंचिं तर क्यींकड़े। इक. खेटाट्र. रेटाड्रेक.

र्स्यमायान्यां मेन् पर्दे केंद्रा किं केंद्र दिन केंद्र विकास केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र नेन्यदे हिसा खेल में पर्ट क्षेत्र पर्ट हिस खे में न्या मुन या सेन्य में नित्र में मुं दर वर्ष वर् दर्श र्व दे श्रुव वर हिर व अर दे अद व है श श वर्मे व दर र्म्नाय क्षेत्र यस लेश ने य दे । वित्यर में यह पर्। मुंदिर तर में विक र्रम र् दे व के में के हैं व वर वेर या अर वर में र व के र व के र व के र र्त् वे सुव पर ने ने पर न पर दे।। दे से स प्रेव व न से ने न न न श्चरं वर ने द्राप्त मा प्र द्र पे मेर वर व गुर रें। माय हे साय सेंग्राय र्ना वृत्यु के हिर्यदे नावस स्रवस व्यंस लेख नु या से न्स या है। हैन अक्रिया से दायर देश रूर मुखा दशा निया है र नहना यह में दि । र्श्वेर नाम साटेस मार्फ र वें 'लेस मान दी । नाम लेगा नहस माम मी हिर नर मुद्दा व दे मुन्नेद चर नावम भेचल पत्र विदे चर वव मी रह वविष दे मीर. वर्ष निवर सेमार वैदान लर् काम लंब कर है है र है है ने का का लेब है लेखा नि.च.ज.स्वास.तस हिंद्र.च.चन्द्रत बाट.लुब.च.ट्र.ज.घ.ट्रश.च.लुब हे। स. शुर्वित्र्वे न्यावस स्रित्स तास्य मार्स्यास च वित्यर उद्गी र विवे दि वि व שׁמְיקֵי אַ שַרי פֿר מִים יֹפָּרִים בּיפָרִים בּיפּרִים בּיפּרִים בּיפּרִים בּיפּרִים בּיפּרִים בּיפּרִים בּיפּרים בּיפּים בּיפים בּיפּים ल्याद्रे विकासिता स्वाकातका सर् चेंद्रां व्याने साथ स्वास पास्या र चुर व से से से से दे र व से दे र व लिसान व. वे. रेश्रें . राष्ट्र अप्ये . अप्ये . श्रेटे. में मीराय . हेरे. में होर . लेश. में चर वस्त्रस .पर्। स.ज.श्वम.न.टे.जुन्थ.वेश.वेश.व.च.च.ज.ज्यंचेश च.जा विटे.

चर.शुर्-४.लट.उटे.च.च७४.८ट.च७४.शु.चम्र.चियावर्, हुर.ट्रम.तर.म विमः याल्येय मारे वर्षा व वर्षा सुदे क्षेत्र व्याहेश शु दर्मन पा त्येय व लेश मे पा दर्दे दे यहा वदे द्र ले द्र । हे क्र लेश मु न ता स्नास प्रमास प्राप्त सारे र्नास यावसुन के दे दे स नाव दे हैं है सूर अह स या सेन्य या नुर्दे प्रस यह र ला भूची ज. मूर्चेश. त. जुर्चेश. तर विश्व. त. १. १ म चर पुरा पढ . विर तर अध्र. मति क्षेत्र दे द्वदाश केत करिया दे इ व अमा देन माल्य महेद मन व मति कित र्सिन्स'य'र्स्स्स य'प्रेब्रिंस व व व्यक्त यर क्रेन्ट्रिंस के व े क्रिन् में द्व ल्य निवास ल्या ल्या ल्या निवास है है है है है है है वर में हैन है के हैं है यु. शु. हे.दे. तपु. वोवश अंतरा व लट. कंद. त. वृष्टु. हुर हुर हुरे. हुरे. तर से हुरी हे हुन्यरे सम्बेशन न में स्वाय हुन्यर्ग की ने स्वाय हुन यंदरान्तरास्तराद्धरावद्रातसात्रसास्त्रे वास्त्रायात्रद्रायरादर्द्रा स्त्राया मुद्रायर नुद्रायदे त्यस दे हिंद हैंदे से नुद्र हैंद से निश्चाताला त्री केषण विरायमा सेराया हेते. क्रे केंब्र कुचायाम लेक् त्राया महस् श्रेयस र लाट तम हुटू हुर से हुर। वाम हे लस में में वहर ताम संग्रह देवे के मेर यह हैर रे ले ना देवे कु लेश उपाय में राय हों माने असादेवे तस्यानु त्यदस्य पालेक नु पार्थिक नु प्राप्ति नित्यम माटामी द्या मा स्रोटा द्रा . ह्यें में श्री तर्में तर हो वर विचे र हो। र्मनाय पत्र ह्यें में व पतर हें या वार्ष वार्मन सिविद्राह्मी विकार हर देरिया है दिलाया की मिलस्य पाल स्वास सिवेश्वर

त्मक्ष्रातातालक्ष्या द्वा द्वा द्वा द्वा स्वाप्तासालक्ष्यात्मा कुन्यायं त्रावस्य स्रेयमाय लाट व. ८२ . त. सुर . यद् . रट. र विश्व के विषे कराक्ष्रामाय में राही का माना विष्य में विषय में विष सद्भानाद किना र्रे नाम या र र र द वले र पु ना र र र र र हो र यर हो र य द्दिसर्व 'में द्रानाकु' प्रेर दें लेख प्यत्र पर दे 'प्रशान क्रिंग' पर महत्र हैर हन। देवह विकाल स्वेशाय नेश्या भेवस ने ने ने हिरायर वा अटाहा। वर हेर **द्धाः भेर में श्रीया वर में दे ता भेर लिंग में लिंग में प्राप्त में में विभाग में में में में में में में में** क्रिका कर में वा वार विश्व दे विवस दे अर्थ ना स क्षेत्र वा लेश ना वर दे दे हो। महाल दे महादाल व उद् द्रा विच पर हिर पर प्राप्त पर में नास पर हिस अवाह देरे ह्यून धर छेर ब वह नहार छेर राजद याया देरे ह्यून पर छेर प केन गुरु हिन व केन गुं हैर ने निर वन्य न हिन पर हिन पर सेन पर हिन पर वक्षेत्रेर हो। बेड्रेन.ज.चन्नाय दः है व हुन नवश्यः चर हिल.च.हे रचा न च. मैं बहु शक्र के हैं के बो में ने में ने माल या वसरा हर का न हैंगे या व नार्ट्र या हरे. क्रेम् कुर्य संद्रात्वर वेस्। जुरा ने शासिसारा ता विया पर प्राप्तेस देह्न इत् नहीं हुर रस्य वर ११६ है वर १६५ ही अप १६० ही को नेस दह हो । मुर हर मा केर कार कर मानट से वा है है से श्रीसम पर हर मार्कर है केर मार्कर है केर मार्कर है केर मार्कर है केर मार्कर है दिस्क्रमान्युर वालेशका वापरे भागरे दे पास्पेशकी वेद गुप्त महिसाय मिं कार्या क्रिया वर्षे वर्षा करे हैं है दे का श्रेम श्रमश वर्षे वर्षे पर्वे से से हैं वर्षे

मार्थः कुर्बाशः भार्तीयः तरः वहारे, तरः वहारे, तथा हेशः वतरः कुशः वी.व.जः 'स्वाबादार्श्वस्था हेन्य वार्यबाह्मियानुदे र्द्वावराह्म ना विवाहेन्या पलेक्श देशहिक्य उक् लेख मुन्य के। वक् ५ क पुन के देश महिक प उर्दे भ्रेस तुस स्वा नाल र में लेस नु य दे भ्रद य दे स दे हिं दे दे दे द मेर्-च-वेश श्रम मे वेश वेश रे स्ट्र हुर चरे वेश च केंग चर मे हेर्रो क्युं के दक्षेन्र स्वरे हे राज्य के मार मे स्वर स्वर प्रकर द्वार है र सर दिर्देश स्वर **देने खिल, १४ मी**. पेश घ. कूल, चर- चि.च.चे. के देन लुके नहीं नहीं मी. भारत्राचारा ना वदासा वराता त्यारा त्यारा त्यारा मी केरी ता वर केर ने रावारा ने वर्षेत्र नायान्त्रेराना करानी है। सामिता में प्राप्त कराने कराने कराने हैं मा पर्निज, बु. चर्च, बट्च, देट, हुस, श्री. भवेंचे, ता हुंचे, ता हुंचे, ता तूं, चीट जन्म. बिश्च-च-त्र-त्र-व-त्र-वा-त्र-वा-त्रश्चा हेते.ख्या-क्रन्**ने.ले** जेश-वेश-चे.च.बु. श्रेच.चर्राच वंच वंच श्र.चीर.तर् लेज.वर्च हो। डे.लट.लूर. याद्भारी तद्यातर ति व रूप भी। भीशावी स् रूप हु शायशाय सामान मान रे के नेशन से उद्दर्भ के हिं के र के न के सम्बद्ध सह द सः १९ ने गुरे माल्व न्या नुः हुने सः स्व दे न्या सः त्या द ह्या सः व सः ह्या सः १९ न्या द ह्या सः व लेख-न-न-ने विकाय विकाय र देन प्रत्य विकाय र ने विकाय पर न ्यरप्रेयम्भी नह्युवासर नु न प्रकर् चार्ये साप्येय है। दे के ह्युवासर नु राये र ्रुस्र'क्'मेद्र'तुं सेद्र'यदे सेदर्शी पश्चित तुः तुः पश्चे भो से सम्मद्युत् । क्व.स.ल्य.च.वे.स.ल्य.च्या वेंश.चे.च.च.चे.लं. २८.५ेवे श्रेय.चेटश.वे.

स्रिशं भिन्ने मा वि व व मारामा हेरा भिन्ने हैं भाषा व वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा क वर् रमाम पर नु न ने रमा नहत् न माहेश स प्येश में पर देर ने दम्रेय म सहर: प्रशा वामायमात्र नुष्टा निमाय प्रशासिक क्षेत्र क बंदे.हीब.मीटश.बु.ल्ट्स.मिंद्रि.स.एक्स.ची.चंड्र.तकर.त.व। रमाचदर. . तर हिंद् न वाट दुवा होना नहीय वाट वी अ देश न न या अ द्वारा न हों अ से । होनी यक्षाद्रारमार्ने विषयाकाक्षियामान्य मिन्नामान्य मिन्नामान्य स्त्रीतामान्य स्त्रीतामान् 'बेस'न न दे नक्षुन पर नु न निका मार्गा दे त्या हे न स्मार्गिन उदास प्रेद यदे भे नेस दे स भेद दे दिस मुन्द दे ना है स यदे । र द यदे दे मुने ना दे दे क्रिन्स स् 'लेम.मे.च है। देने 'ले.चने सनस से मार सने ले प्रेस क्रियान क्रेन दे ने दे हैं में नह या नी साना निर्मा या द सार्ट व हो या न हरा हैना क्रेन पद ही र र्रें। विश्व हे बर अपि व हर्म प्रेक् वरे ये के वह मध्य व वर्म वर व ल्ये बुंश.चे.च. बु.च स्रेच.चर.चे.च.चाकेश च.ल्ये. टु.टु.ल.च स्र्ंश व. टुडू. लील. वय. ·मु भेरिक्षान्द्रें वात्र विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषया च प्येक् वा दे दर वन्या व पर के चर अमि व कक अप्येक य के द प्येक के ্ৰিম : ব্ৰ: ব. বু. বিব: ব. ম. হু ব. ম. ব. বা ম. ব. ব. ম. ব. न्यू देश य लेश मु न ला र्रे मु न है दे हैं दे हैं दे हैं दे हैं न है न स्मार्थ सह दे स लेश नु न परेश होना पहला में परेश पा भेश पा रहा। ं यर महर् य लेख न न मर्बेस है गुर न नुष्यी महेद य ने स्थान महर्दि। म्बन्धर्दर स्र न्द्रमा वर्षे वर्षा वर्षे ने

सर विश्वाय है। वर्ष वर्ष मुर्मा न्या हिर में ने वर्ष में दे दे वर्ष ने हैं द कुर कुर म के गुक प्र कुर में परेक पर्देश म नहीं से र के खेर म प्र गुक प्रवृत्तनी परे व पर नाशुक्सा स् । दे प्रवित दुः ह्राट पर प्रवित है वि व है द द्भी पर अहर पा लेखा वु पा यहै साने वर्षेषा यहै सहे वा पहें या पहें वहें। त्मीना यदे यदे क्या भटा दर्दे कन्स वा स्नीस यदे हें के स्ट्साया स्टूर्स यदे। वन्यान्तान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान्त्रस्यान् नर्भ हो। वस मी नर्भ ना प्रमान कर हो मार्थ में वस प्रमान कर हो स स्रेर चने प्रे नेस स्रा देने स्र चर होर म प्रेर ने हैं गूर के सह नरे हैं ल्ना वशायक्षेत्र पर मुल्रा मार्दर प उव उद बर मुट पर पर्र प मार्थर विश यु न न में द्वर ये त्यस व्रमाय मार्च च न हर यर नु वरे केन देश नु वर वे ह्या वर नु वर केन प्ये केन में। 55 वर्ग में न्द्रमाश्रास्त्रात्म विक्रान्य विक्रान्य विक्रामाद्रम् । विक्रिमाद्रम् विक्रामाद्रम् । ्रमाश्रमा रेटाचेर अर्थेट यद्यार्थेस प्रयो। हिम्सा छेर के सामन प्रमें सर्थे। च र्चेर र्झ्स प्रश्चित प्रश्चे के पर सर्हें व पर रेव प्रेन व । के स के प्राचि पर रेव प्रेन व र्श्यम् यादाद्या वाल्याद्यादाद्या है है स्ट्रा हुम्या हु हुन्य के सामी विस्त ल् मुंद पर महर पत हेल्। स्वम पत मुस दे में र हिन्या म या स्विस य'इस यर'वहॅन्'धर'सहंद्'च द्वा'यद्र्या भूवासहंस'सर'हे'विन'चवेद्' क्षं वत्रा मार पत्रा क्राय नार मी भाषा परेदे रूर यविष्र उष्ट्र नु तहना सर तनुर विष्वा स्वर यहन हा स्वर यह वा स्वर स र्शन होना स्वर स वर्षेश व सेर्-व-उन्लेश-व-न-क्रिंग्रेश-हे। यन्-वार्वश्य-व-वश्य-विवाद-क्रिं

स्त्रीश पर मुख्य व मान्य पर दिए म र्चिन या दे स्वर यह नास यदे स्वर दें। दे वा पर्केश या सेराय दे खरावादे नक्षेत्र<u>नग्रास्याक्षाय न</u>हिटा<u>र</u>्॥ अर देश नु है। से सस उर मी दें दें हैं दें वेद य द दहन यर द मूर दें लेश मु नदे दें दें।। अहं न दें दर द्या में देन ता स हेश ही क्षांस दर विह मिन्नी मान्या निम्ना निम्ना निम्ना निर्मा नि 'ठव' **घमस' ठ**र्' ते हुँ मस पर्या प्रदेश है 'धु म हे व प्रवेश परे सुर विवाधाहि के द्वारा न न देश पार प्राप्त में प्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में 'मेर'रे लेश से न जारा में शाम में है। हे ला में ही नहें क्रा कर है र भेर यदे हिर ने ब नु हुन वर्ष्य निर्मा वर्ष्य निर्मा न निर्मा न ने वर्षे न न ने हिर्मा 'सेर'य'रे' त्थ'रे' सर 'डेस' मुट्टा है' हुर'रे' हैर' वॉस्स य' प्रेर ले' ता ्रव माळन्यायायस समालेस लेस नु नाया स्वाहा ना र्ह्स है। प्रव १५ न ्रनाःस्यत्वादःविनांकनासःयसःन्स्रिसःयरः नेतःयदेः सुरः देःन्स्रिसःयःसः वत्रः क्रियाद्रायम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् विष्युराम् · भेदे वरं रुक्र वा दुस्सा प्रदे प्रसाद। ऑव प्रदास स्वाह प्र साम स्वाहित हैं अ वहना पर तम्मर हैं। असम उन में विर्यर अस लेश विर्यर की पर्वेशमी विद्यारायसासे। प्यापार्वेगारीयसामाराप्येशयादेवरायानुद मिल्नावर में स्वाप्त वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर्या वर्षा व मुंद मी हूं नश दे नावद विश न न भारती हा मार्श्वा हा हैंद है म्बार्भभाषा कथे. मी मिटा क्षेत्र श्रमशार्वात रेची मीश मेरे रेचा है हैं ए हैं जा हेश पर ब्रिंग् पर्देश के दे प्रश्लेष च तथा सम लेस च न वे ने दे न में स देश धर स

श्चिर मार्ने हे व लटा नविषर मी र्वे मार द्वारा दशस नटा हेवा मांबरा होटा है। महोत्यायसारे विवादि स्थाप्त विद्यापति महामानिहें स समाले सामुपा वै दे देन नेश मेर या तथा महीदाय यह मा अव मेर मेर ही। विव गुर यहना हिन दे हुट हे तर्दे या भी र वेशा व्यव दिन या कमारा या यश लेखा साम दिन पश्चित्यम् हे प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश प्रदेश न्द भेद दें लेस नेस दश पहनाय भेद भा परेर दे प्रमा स परेस या सेदायादेवे द्वार द्वार हेदा के सादे हि दे दे दे पा सेदा दें। कुदी दमस ग्रीका हैत हे म्सिका सर विश्व बका की विश्व ग्रीट है। अहर ख़ैव स वे क्येम नदे मस्य वहेना हे ब कु म्यदा स्वेनिस हा स वर्गेन् यर मेन् र्गा मा हेना दे र्ह्च त्युद्र च त्यक्ष देव प्रवाद देव मालक स येव यर दर्दे दें। देख यत्रा। र्द्राम्बरमार्भरपद् स्वाधायाया त्रुदाया केर् द्यम्भिः स्थान्त्रः मिर्म्यते स्थानः भेष मि ने मिर्मे देश कुन्द मे न्द कुट लेश मुन्द में ने मिंद हिंद भीद मीय। दे न्य स्थ रोमस वे श्रेंस परे वुस प प्रेंद के विश श्रेंद्री मानुद माश्रेम में दे हैंद हैं के खिराणी स्रिन्द स्रेव पारे इर व लेशन य स्रिन्स प्राप्त प्राप्त हैन हैं। इस नहिन ने स्प्रेर ने र कर में सिंस द्या विश्व ने न स स में हैं ने ने हित्य भेर ने। हिं दे मळर हैत हर ही केंश सम देश ह न दे पदि हर ने।

ने अन्दर्भ वहें ने लेख नु व के नाय है हों के युक्ष है दे हैं में सका या नाय या से द बिसारे सूर नु:वहर् यदे दहेन हे र कुट य र यदी। नते नुस क अदः त तुदः च क्स सः मान् र वहा यहिना स स्व ती क्षुर पकन्य है 'यहेंन र्ने नुरःषरः ह्य वदे सुरः ५८ वि वदे सिषा सं ५ सेनाया यरा प्रया वरा वन्नु रावरे हीर दि। दे ता लट मुर च लर्च च व खून क नश क्षश घरदा मेर रूर वयावर वशुरावदे हीर दें। दें वाहे हर दर्द हे वा लेश-वि.च.ण. स्वाश च.र्झेश च.ज.वि.चच अभश देवन करे हुटे कुश वि.च.वे. भट्रे. दर माराय वरे सेस्सा य उद १५८ हो। प्रमाय वरे की वास के साम की साम नुनान्दः मर्केन् कः अः सेन्सः सर्वे स्वान्य अर्थे । सदेन सरान्स्य स्वानः स ध्येनः मर्रे स्वेत्रसामान्द्र हेर् हेसानु न देशे माम्यानदे स्वेत्रसामान्द्र हेर् हेर् तर्क्व, यपु मार्था श्रेत्रा पाका क्ष्माता मार्थिय हैं मीराता हु , पकु , पत्र , खे ही हैं हैं हैं हैं हैं हैं ह नर्गा लट.मुर्ड, इ.व. चर्बर, रे. जुंश, वे.च. म. स्र्मिश तथा वे. चर्बर की. कुर कुर के किर में कर पर खेर पर छेर हो। कुर हे ख प पहेर रे विस चि.च बु श्रुभन्न.चीट चीट्य इंस.श्रु.सर्वेय.चर सर्व सर्व मेवेय.चीट लाय सर्वे । रव.री.सर.तपु.मुरे.रो.तप्.रेश.त.चेहस.रो मैं रट.मी.श.लोर.यपु.यरच. मोनाम हेर मं सर्म हर्म हैं। वृक्ष म हर्म वृं। इनदे केट **उद**'र्टा श्रेमक चाड्य लेखा नु चादि न्या दे दे द्वारा नि हे का है। नि दे ना स्था नु चिदे **रोमसः हेर् प्रमुद्र पर** प्रमुद्र पर दे पुराय दे प्रमुत्र हेरा मुत्र व हेर् दे वाहेना येद हो। निट्रना वा निर्मेश्रिक्ष के निर्मेश के निर्मेश मही **ୖୖୣୖ୵୷୕ୠ୕୵ୠୖ୶୶୶୷୰୕ଌୣ୵ୢ୕ୠ୶ୖୣଽ୕ୡ**୵ୣ୕୵୰ୖୡ୕୶ୖୡ୵ଊ୕୕ଽ୶ୄୡୢ୕ୢୢ୷ୢ୷୵୷୵ୣ୵ୢୢୢୠ୷୷୵୵ୄ୵ୄ

म् नदे शे सस ग्रे दें निहेस पस दे प्रत्य शु मु र प र व व व व व <u>୷୕୴୶୷ୠଽୢ୷ୢୖ୶୷୷୕ଽ୶ଔ୕୳ୗଽ୵୳ଽ୬୲୷୷୷ଢ଼ୢ୶ୖୠ୲ୣୣ୰୷୕ୢ୶ଽୖ୷ଽ୷ୣ୷୷ୡୢ୷୷</u> ระเฐานา**ม**ัสเพาสารุสาณาชิ หราชาตัมพานะ เมินานพานรุพามิพานผู้ เ<mark>พิราา</mark> सर दित केश सर ति चीर है। श्रूर चीर स्पर्य नेश श्रूर श्रुर में श्रूर स्पर्य पर सि स्पर्य स्पर्य स्पर्य स्पर्य स र्टा मुं ल र्याया पर्यं सामित्र में सामित् त.रट.सर.त.रव.ची.परेंस.चेश.तपु.हंस.शि.पर्चे च.भु.कैट चर.लुरे च.ले वेस्। मिरे.तर.रे.बुल चे.च.बु पक्र चप्र.रेंब.बेस्रा डे केर.बुल चे.च बु.स्रांसका याम्रेन्यद्री नेप्वेषानु मान्य स स्टालेशानु न वे सदस नुसामा साम्या ह्ना । पर्नेश्वास्त्रेन्यदुःश्चेश्वान्तः पहिनानः वः विनयः सः विश्वानः व दी नुसामालक नुःसेससान्दा सेससा सामा नुदानि ग्रा नुः हुई । यदी दानि । या ठ३ नी । क्यातर्ह्यात्में विराधरायर के तर् के का सेरायर के के समान प्राप्त हैं स्था बियासारा ता श्रीस्था मीदा करें ना हेर लिंदा ना भेर वें।। महि मान मीच महि न्यं नम्बद्धार्यते 'सुर । विनास 'सर माकेन 'विनाय' त्रास्त्रं नाय स्वास्त्रं नाय स्वास्त्रं नाय स्वास्त्रं नाय स के.येत् . बुकायी. च.श्रूकाश्री

হিব মাধ্ম বেলী মানী বেলী মান বিধান ব **20** माशुमाना दे स मार्थेन य ने स है लेग न ने मार्थ हे है अर प्राप्त न নত্ত মত্ত্ব হুট্ট ব্লুহ 'स'ব ব্লুহ'ব'বা'ম ম'বইই'গ্রী। ব্রেশ্বালধ্য ଵୖ୕ୄ୶୳ଽୖଽଞ୍ଚିଽୢୖୠ୕୕ୖ୕୕ୡ୕୳୕୕ୠଽୢ୕୳ୡୖ୕୶୲୰ୖୠଽୢୢୄ୕୴ଢ଼୲ୢଈ୕୵ୖୠଽ୲ୡ୲ୡ୲୴୶୲୳ଽ୕୵୶୕୴ୣୄ୴ୢ୕ୄଽ୕୲ र्भे । देवत्वींनाय वे त्वावसायकन यम्प्रमा स्थित न्वानम ं तर्म ति न ति ते स्तार मिन्त मिन वर्मिनाया वर्षे यहना यह दुः लेखा देव नालक हैन साधिक यदे लेखा व या या र्स्याय मा अर्थ । वर्ष न मा नियम के नि **५५ मा सेरायते छैराहे बाइटायहेबायरे ५**०० से दे हें नामाय ऑराया संस्थान जी। दे वै क्षेत्रक केट ता दे केट या लेक व या क्षेत्र है। क्रिक्ट यहि वह वि न्द्रशास के घरन या यह र या उद के हैं ये प्रायत हिरासे। दे पर क े देव येगाना तत स्थित स्था स्था भारती राजनाय र ये पास होता हो। प्रवाणी र स्था स्था संम्विर गुराद में निरंद मार दिया है निर्माद में में निर्माण हैं निर्माण है नि वर्तुक च वर्ते म प्रकेष के लेख वर्ष चर्ष चर वर्तुर में। मार्क वर्ष मुक्त कर य त्ना हे स म व व ते वदना हेद समस हद ग्रीस स्था व व्युट वर्ष वदन हैद हत वस्या उद्देशिव अने पालिये यदमा ने द उद ने द भी र यदे केर देश केर यदमा हैदाख्यानु चुटायाहैदाबुकायाध्येकार्वे विकासहकायते सुर। मालका ला बेस में न का सम्म न हैं से ने क्र में से पर ने दें दें ने क्र में से पर ने दें दें ने क्र में से पर ने दें दें पा ला लेश चे.व है। र्ज्ञेच पर विश्वरश व दे पश कीर अहरे तर पर्टे परे

हर्षा वर्ष है । या कर्ष है से जूर व जार वर्ष से वर्ष में वर्ष में वर्ष में वैसाता है, ये बिरामुशान हेया विश्व तह बाले र मिरा वर् की है, विश्व माने सातार नर्देर्-व-त्यवी देन्द्र-विकाय है। वेदायर मालर हिंदा इत्र मुक्ता वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे श्चिर पर विद् लिया व वे के प्रविद्यात ने के पर होने चहे हैं वे का समस केर ही. क्युं भेर दश। देव है पर्वा में उम मुझ लेश मुन भेर है। के.चर लेब.चदे.ह्.चूस.भारत्यताहे.केर.बु.एच.बस.हेब.तर.उचीर.हा। हिस. म ने। व रदाय सेदाय वा स्वाय परे कु छन की म इद दु में वसूर रे देश तश्र श्रिश पर्। ट्रेप आट लेश ने न म स्वाश तम वेश त के मिर् पर्मी. क्षेत्र मिं बर प्यत्व चेर चेर चेर चेर पहेंद्र य मार प्येत प न के शुःनु नक्षेत्र नदे र दाविक नासवा नर नेत्र परे क्षेत्र वेस न न की मु नहीद् पर विद्याय र प्रतिक के दे भेष मी नाव में के मार्थ के विष्य प्रवेत मदे खेर न्या दे हे दाबाय न न न न में न हे हिर दरे हैं पर है वुकाया भेक के लिका क्षेत्र है। हे हिन्द स यें परे वे वुकाया परे भेका ही जालक में वे स स्वत् वे 'बेस वेस सर विषर हो। दे सर ने मुर्न पर में क्टान्यवैदार्जना त्रा हित पदे दें नित्य पदा प्रदेश विद्यार निव्य निव्य निव्य भा बेंबा तर हैं है हुश नहूरे ता लुब बुटा। बार्च्य है हैं कि हैं वर नाल्याम में ह्यूट्र न कर विराधन प्रमाश कर वट दिए नुस्कार मारा पहिला मारा के क्रिया कर

महर्मा प्राचा करें जम मुका व केंश उव दिर केंश वव मी में क्या पर देते प भ्रेश दश शर्र प्रेरे देव उव मी दश पर रही न हुश या भेव वे विश बहुव पर " पनुरर्सा रेनासासपुर पदे मुं ३ भू देना साहा सस पहुंस पदे द्वनास **र्मुट.व.र्टा** ्र्वाय:र्ट.रवट.त्र.ट.ह्य.्य.स्त्रां र्मुट.ह्व.व.र्मुमाशः रिवृदः व रदाः व वर्षाः व्रभावकृर क्षेत्र लेखा व व राम खेन्या व स्था प्रविद वर्षे चुराय हैरान् वहेर् या हेर् गु हिरा ब चुराय हेर्यं वहे वस्त्र वरे विर तर राज्यम वर जारा देंदरा त रदा। अर व्याप भेर विराध भेर स्वाप भीर स्वाप स मी के मालका मिका सेका धर हो दार देशे कें। मिका है कर सर हा दें। मार नीस हैं नास वा सं सं वा दे नि व है न व दर व दर । क्रिन् हे ना मा धिर य देवे के खुद व वेद पहुन या माम केद वा दे ता भर सेया न नावद बै.के बर लेब यदे कु रहीं र बरे सवस से हैं ब. यर विच र ही। देर वर वर केर.चर्.के.वे.बुक्त.वे.व.कु.रविश्वामा.रवैट.व.रट.देव.व.ज.स्याश.व.वीक्.... प्रदेश मा में में में हैं। हैं केंद्र के दे हो बी में मा स्वीस साम दे हों है प्रदेश ८८ दिन ७१ मी स्वा कन्स इसरा में रटानी रेन्साम रना खराय है निस्द द्रा पर्वेष. यहूर्य. यहरे. तथ. सेरे. कुचे. म. म. लूरे. तपु. ह्येचेश. परेश. तपु. ही प. हींच. तर. नेत्रायम्ब हरा देवेस्य पर्केष्य भारते स्थापदे ही याम्य पर् मेट । श्रेट अद्भम हिंद लेश नि.च. म स्वीस त हिंस सी वाट सेद. डेस-न-ने सुसाम् दिन कर् पविद्व स.रद.। रेवट स्र्रेट में रेवा में श्रामा रामकेश सप् कें रेवा में र वि: इसमा यदि मा केदा की खेदा हो। पके मामा दुका हुका लेका छ। मा के हिंदि

न्वर वि ता स्वीस वर अन् रेवा स व स वे वर्ष व वे वर्ष ने स वे स टॅ वं भाषा विश्व नु न दी निष्म केर के निष्म केर के निष्म केर केर वर्षेत्र.त.रविवेश.पविटार्दव.रट.रवट.त्.रट.ध्.रथत.व.भ.व.र्.थ.र्प.तप्.श्रे.वश... वहास यह रविवास प्रविद्धिय थ स्वास यह व्याप्त रही। वार हे रविवास वर्वतः देव वा श्रवास या दे द्वा ने व स स्प्रें व नाद यस कु दूर न्या व स्प्रें वर्षात्रः श्रे क्षेत्रः याः क्षुः त्राच्यः व्याप्तरः या दे द्राप्तवयः व लट समान तारी कर हे हिन के मिन समाने हो नार मान न में नहा सार हो। वसुर वर के वर्द् व नाय हे वके वर्दे नुस क न व न सुन हुन का स्निस य हैद म्युव'यर प्रमुद्धार्य दे वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर्या वर्षा वर् मुन्याम मुक्ता करा वासे देवर विश्व स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स १९ गुर देवे के 'ब्रॅर्थ में कर यादे नका का मानुक के नका का मुवाय के के लिखा देते छैर सम्युवाया अदास भेरते लेखानुवाया हो साने। सामा असा अस मारावा मास भव ने अया नर प्रमुद पर दे हैं र र्रो। दे पर व र रेवाय समुद प केंद्र बैं हे 'यर' येव' य'हेर' गुः र्से वंशा रेपांश' समुद्र 'यदे 'सु 'यदे 'यदे 'याहत स्ट्रें हैते हिंदा क्षेत्र केना स स स दे द्वार र्य स संव स प्रदे रेना स सबुद परे र्श्यसं द्वर वे संबंधित या क्षेत्र या के दा प्रें प्र दे । व के पर दे भारत वर मा केट सक्सम हिर पत पुरा पार्ट वियो न प्येत पर के पर में है।

मारानींस र्ह्य के मास्र समुद या क्षेत्र वक्त मुद्दे होता है सामित का भीव हैं। ฿ ํฃ**๊ร ฺฉร**ฺๆ ฺรฺ ฺ๛๗๙ ฺฉ.ฺระ.ฺ๛ฺฮฺ๛ฺอฺ๛ฺรฺฐัรฺ ฺฐัรฺ ฺฐัรฺ ฺฐัรฺ ฺส฿ वेश.च.रेट.र्येत.च.सुरी हे.लट.व्सी.रश.स्था.यश.र वर्षेर.तर.वसीर.रा मोडिट चर ये त.वे.चोट कुर स्त्रें य त.बेश ये व तथा व चीडिट चर ये य तथा पवेश तामशालेशायी व दुःश्रमायवेशाया मार्गा इ.भ.वे.पवेशायवः द्रेमा.तर्ता। ट्रे.ज. देश.चे.च. दे शपु. विश्व त. च वेश. च. च वर्ता। ह्रेम. क्षां रदः श्रिना क्यां सं त्येष चर्ता वरमा हेर् छव मी वर रदा हेर् छेसा न या है दि है कर् हे तका वर्षेत्र व तर्मा तका कर निषक निष्ठ में र में र द ति विव में है या सं र मा हेर वर किर मुन्दर में उदर में उदर में उदर महित हैर है। मार्थ में देश में सिमान्द्रेर दे विरासने रह महीर बहाया लार्ट मही ता हे सर के सामित्री ट्रे.जश.चिर.तर.भर.त.हो। वमभःवर.सैचेश.श्री.चीर.तह.रट.पर्वर.लुर. नुक्तराम् केत्रसाथ स्वास माना भारत् मानाव के मिसा हित्स माने भारे ... अद. कुम विल्या दे. ब.म लेब. हे. र ट. चल ब. ज. स्वाया पा. पा. विरं पर. अरे. पर् हीर खेश नि. वर राज्याश राष्ट्र हीश है . केश हुमा हिर राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र रा म्बद्धः द्रा ह्व.तर. भुरे ह्या हे.कर. रंग्या श्रम्बाया व श्रीयामा पार्श्य था राष्ट्रे

क्तारे हुत होट चा.क.हेर जारेष मैं लूर च.म.लुर मी लूर याट समस.. वर तार्श्वता कर्ता की की केर लॉर स लंब ही। वार ने हैं हैं र हें ने र हें ने हा सर तिवार हिंदा रहा तर रहा त्वार । हेम व व म व म म म म म म रे.जम.कुर पर्वीर (बु.से) कर. मिरे तर. भरे.ये.लाट खेश.चे य.ज.सूचीश.त. श्रुमायाया विरासरामेर् मालेसान्य निरास्तामान्य निरास्तामान्य निरास्तामान्य निरास्तामान्य निरास्तामान्य निरास्त नहीं क्षेत्रां संकृष्ट नार ह्यून क्रमसंस्ट हर है र है र है र है र है र ल.ज.५.सूचा.कवास.लूर् वर्ष क्षेत्र.सूचा कवास.रट.कव.वर्षा हे चर.वर्णेर. मामक्रम्यामामान्त्रमान् के स्थानक्ष्य निवासक्ष्य मान्य निवासक्ष्य मान्य निवासक्ष्य मान्य निवासक्ष्य मान्य निवास टट खुल बन के खें खें या लेश मु नके क्राय में में नके पर हैं । क्र व तरेर श्रेंब भागता श्रेंब मते वुषाम तरे प्रेंब वें वेंब व रह मरे है वुषा मालक हो। अध्यक्ष केराय केराह लेश मध्य महेर से सक्ष में लेश मिन ल स्वास प हूँस है। हे हर सेमस हैर है तहस ह कर हर है। श्रेम्बराद्वात्वत्राचन्त्राकृत्त्वत्कृत्य्येत्यत्रे सुराद्वी व द्वात्त्रा स्व म.ज.लट.मैं.टेट.पंचेश.चेंड्र.टेट्स.च्.मुट.पंड्र.चें.चेंट्र.चें.चेंमश. मु प्रचम ने कट वर् मिट लूरे ताम के ब्रा कर बर ग्रह तर स्पेर सका से ब बें। बर्र मेरे ने रे ने रे ने रे मेरे के स्वाराद्द १५५ वर वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष १५ के राज्य के ने गी साथ सेन्य " मद्र विद्या मद्र राम् विद्या मुर मुर पर्वे द्राय पर्वे पर्वे। विद्ये विद्या विद्या

मु लेंब ने न क सूर्य का त क स्था क में विश्व है के न हूर में उर्व में हा स्था क हैंद वुकारा भेर तारे भार वर्तुर न क्षार ही भेर की देशे हैं वर्तुर मादना माने लेखा मु न ता संस्था या क मूच मार्च सम्बद्ध माने दें। क्र्यामालवः ह्मॅट.यर्ट ह्म् बेश.बेश.वे.य हु.भ.वेश.त.हेर.पश रेश.तर.यवर.यट्ट.ह्म बेश.ह्या । है ने मान के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त स्वापत स्वाप मर मु न केर प्रेर पर में हिर रे लेश मु न है। पर में हर से सह केर है रह नी मुन्दिर मी रहार ने तारा नरे राजा स्वीस नर्दे हर मुर्ग मिष्टिर नर मिरान क्षेत्र हिए । सामास्त्रासाम् १ दे दे द्वारा १ दे ता स्त्रासा सद्दे दे वर्ष मुद्दा नावदा नु सि सद्दे ... श्चम. रे. होर. हो। हे. हेर. व. प्रहिर. व. रे. हा से से हर प्राप्त वर प्रमुद् ୖ୵୲୲୷ୖଽ୷ୡ୕ଢ଼୶ୠ୕୳ୠ୕ୡ୕ୢଌ୕ଽ୵ଽ୷୶ଡ଼ୣଌ୕୷୷ଽୠ୷ୢଌ୵୷ୡ୷୷ୡୄୖ୴୵ ब.रेट.त लुब.था वेश.त.रेट.वेश.त रेट.कंब.तप्.क्श.तर.ह्च.तस.बु. म भे क है। दे वे घ दूर य से द य र च व व च के द गी व द र व यर नम् है द हैं लेश मु पा है। अंदर है द वा दे थेद पा द के द लेश मु पा वै.र्वाना वर वि. विश्व श्रूर वज् र वज् दे के के के के कि के कि के कि कि के कि चबिटार्ट्रा अहमायायार्थम्याय्रान्दर्दराचेराक्रेरामळ्ससार्श्वराचावादे हैरास्त्र मदे हिर द्रा ्रे केर दे कर दे महमस्य मार् दे पर्टर कर्म द्राया कराया ष्येद वि मिर्वेद य दे द्वर ये देश मा मिर्वेद य दे देश में मिर्वेद य दे में मिर्वेद य में मिर्वेद

स्निस्यर त्युर व द रेप् स्तर्त्रा भ्रमायामार्द्राया विश्वासाया स्त्रामा र्थेय.वर.वेर.र्रा रे.लट.वे.ल.सूर्थ.व.रट.वर्डेल.व.वर्यक्रिय.रवट.सूर ल.चार्ट्र.त.४.लट.७इं.चे.चं.वे.लील.ची.झॅ.४४.मेट.टं.कं.चेपु भक्ष्य.३८.६४.ची.... म् विश्व निर्देश श्रु किन में में विश्व कर कर के किन में किन म मार्ट्राचात्मार्थेनास्याये सर्वत्र केर् क्रिये प्राप्ते स्थापारे स्थापार स्थापार प्राप्ति प्राप्ति स्थापार स्यापार स्थापार स्यापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्यापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्थापार स्य यर. पर्ट्र. य. लुब. खुब. यहें १. यर. प्रचीर. रू. । हे. हेर. व. हिर. नवट व दे क्षायर के साथ हेर प्रचुर व ही लिट। हे साय हैर प्रशाहक पर हुंचा त. कुरे चे ट. च. ज. ज्यां का राष्ट्र अष्ट्र कुरे . क्ये . जूरे . जूरे . चे . जै. चे र. चेर. चपु.पचीर.पश.लुर.ग्रे.धु.पिश.ल हेब.च.रूबाश.च.भ.लुब.हो धूर्या.च.ज. पश्य. पर् द्रम. तर . जेश. तप् । स्वेष भागी क्ष्य सूट . प. प्रशाया । हेश. नु न दे हे न दे हें न दे हैं यते देश हिंदानर नुसादसासी। नाद इनाव सुराव देश है से हो में ने दे पारे दे इ.च.च.हेब.च.स लुब.हे। र्यंर.ब.भूचा.मी दश.चर.पुंश.च.झ.वेश्री हस. श्चिम्र प नहेंद्र पर मुत्रा है क्रूर द्वार प्रदेश पर पर पर पर के लेखान न के है क्रियान में निष्य में निष्य करा था उक् मी खार के निष्य भी न मी ही से में व प्रमुक्ती न्तर व में न व उद की में दर सेद में व से न स व व में हों।

याद्रान्वस्थाया केद व्याद्रवरा व दश्य प्रति के वेसायाद्रान्य या वे सामित १५'के'नवर'र्चे'ऑर्'मदे'रर'र्कुव'रुक्'हेर्'नशव'यदे'स्ट्रैन। यदः विश्व नु न व श्वित्र व श्वित्र है। केंद्र न से द प विश्व नु न के ति है। स्व नःनीय अस विवादा उदानी अस जी ही दर दरानी द्वर में असम वर द्वीर "" . मुचारात्रे.स्रियार्ये भूवा.जा.स्वारात्रे असरा.वर्ये में वाडिट हूर् नेबलानपुरे हेर हिश वि न वे मैं में हो भट्टे में हा स हा स लिव हा। देवह स् उसरा उन् विन प्रमा लेखानु ना वा कार्याका या ने की प्री प्रमा वा प्रमा का कार्या का वा भवे वा। कूर या सुरे या जा सूची माराय रे ने साथ त्यार या है से सूच ने तार प्यें की स्पेर य प्रेक के लेख मान पर हैं। यह का मार्केर पर है है का खें है र मुव य ब दे वहाँ व सर मुव यर वनुर र्रा। दे हा अप्रेव व के के वर त्रेष्ट्राच्या वस विषय त्रास्त्राच्या हु से ही पात्स्या है से वा स्थान य सेन पत्रे हिर लेश हे केंस अपर प्रमुद में। दे केन है ने ह स भेर दे ल्ना-रु: अव गुट लेख न व व स्नाबाय होंब सें। दे वे दे व प्या कें लेख न माने भेर गुर्ममा पर पेसामारे ने र्पट वे द्रम्म गु हेर भेर वे लेस मु पर हुन ं निवर अट विश नु न वे न्यट ही से न च उर मी खुरा राम यन मा नाम न्तर युना ता स्निमान हो। में देश प्रति के प्रति हो से ति है से ता र्सन्स पाया हैं हुन वर्षे हुन दर् हुन दर्ग प हैन वे वाला पर्दे हुन दें। ने सूर त्युद्दान दमस के लें ति के स प्रेक है। न्यदार्थ न्यद्दार निक्स नाम्दर

्रवह सं सेर प द्व.मी.मध्याक्षात्र माडे.मा र्या मीट से दह यह हिर है। वह विमान्तर में केर देव कर पिन य दे के देते हैं निर्म पान य हिंद है के बार में पर हिर्धक प्रेके है। द्वेर क सेन के इपिर इस पर के पर विश्व पा हु हों। है भिन् नु'वयन् मदे **हमायमाय वृद्धाय इसमा** गुटाधिन गुँ। ह्वे दे हेन नु'द शुंद यासा र्भक वि विभाग्न के सिन नर में देश विभाग न में निभाग न में निभाग निमान कि सिं निभाग निमान के सिं निभाग निमान के 'अट' स' भेर प' वेस न वे के से पार करें। के के से द पार कर हैं द भेर की देवा व लूर्यान प्राप्त त्या प्राप्त विश्वा के अन्य त्येष प्राप्त के प्राप्त प्राप्त विश्वास व हीं न स भी र वें किया न न र वें मुखा पर दिना वहा ही न पर दिनी र ही। देव सुर हो किर हो विकेष वेश पर येश पर वह श पर सुर। हैश है। ्वेश.तप भथ्य. हेर. चन. कर्मश. चीट. पा. लूरे. च. रेट. । हेपु हे. मू हे इंट. निवेदार्से स्थानादायाय्येद्राचाद्रीत्यादेशभूत्रहेशानुद्री। हुर्देशानुद्रीत्या म.श्र्मम.न.जा ह्रींर.न.रट. त्. कु. ह्य. कर मी में त्र्रांजा नाहेंस. य.ल.च.च.स.च.लच.च्या बुक.च.च चु.च.च.च.च्या खेक मिट्र ब्या ं चुं म ते 'त्र है मने 'नुस क्वा। यन दुंन हे स सु चुं न प कर प्येन **वें 'लेस** मुं म ल.श्रम्थ.पश.यी वर्.स.हे.रेयट.त्.रं.चवश.यवं.सेश.रंटा वंश.यर. चेस्राया हे. चारेसा हे. तर् क्रिंग सं च्रांक्र का च्रांक्र जोरा हें . बेसा क्रिंग सह्ये ता जना चार्रिह्या. नदः हैर्द्धाः विकास देव देव क्षेत्रः विकास हेव हेर् क्षेत्रः च वर्षा न वर्षा न वर्षा न वर्षा न वर्षा न वर्षा न हेश सुन्यम्य प्रमृद्यामा प्रमृद्य प्रमृद्य प्रमृद्य प्रमृद्य प्रमृद् दिन विषयान विषय देश हिन परित पर देश हैं।

भ्र. भूष व. रेवट. तु पु. ह्रेवश ग्रीश विवाश तर हु श शि. रंवनी त. प्र. हु हैं र व. शिट... मीशामार्द्रियर त्यार ही। दे पश्चान कर्र सेर द्र द्रमाया कर् १९८ त्रेय तर्. हीर पर्यम् क्षा कर त्रेय कर मार्च राम का क्षेत्र क्षेत्र हैं कर स्था ख्रसामा हेर सदे खुल द्वानीस लेस नु न के द्वार में द्रार महस्य सहे खुल सा न्नानीस लेस नु न दे नार्देर य हेर् पर्ना भीस हो। न्दर वे दर द स्म पर नेस प'न्दावरस प'रुद मु तुस गु तुस तुस व व वर श्वर ही। य. बुंश. ये. ये. मुंगश अधिय तर् मैं . य. श्र्मेश तर्ी। टे. हे. श. लूब. व मैं. सेर्'या उदार्'या यदे 'सुर देश'तु'य द मुन् में रेश सेर्'या उद्गायस द्रास'तु'र्मे _ଽଖ.८८ ଈ୕ଌ**.୩.୯ସିଂ. ଡ.**ଫିଡୁ.୭ୂ**ଖ.**ଫ୍ରି.୭ୁ୪.୩.୭.ଫୁ୪.ଘଟ.ଫୁ୪.୯ଅଁଶ.ଫି ଫି. मेर या छत्र हिन दु वसुर हो। सु मेर या छत् हिर धोत्र व रार दिया हिन दु वसुर यर क्षेर अस सम्बादा वाल प्राप्त का कर के स स अर्थ पर विश्व पर विश्व पर विश्व पर नादः भदः द्वा यः वेश व व वे वे वे व वे वे वे व वे वे वे व वगुर र्गा रुषायार्या र वा संवास पा वो रेस विवेद दुरे परे पर खेला खदा विदेश परे परि निर्माने तरे अर रु दे लिया मालु र दे प्यार मेया सामा प्यान है। कर सादर है मैं ब दु द्रम्य प भेष दें लेश पहन पर प्रमुर हो। अस प्रम रेस प्लेष लेश.यी.याची.ताचा त्राचा प्राचित हैं हैं पर प्रमुर की। लेश मानिय समाया लेम मि.च.वे.चार.पमा प्रमाय दे न प्रमा है। रव नु क्के व वहर प हेर प्येक पत्र हिर र्जा के के वर कर्रे पत्र के बाक के लेख

व.च.बू.धू छ.रवट त् छ.कूवाश.ग्रीड्री कै.मह्ट.वह.कुर.बुर.बुर.व.च.व. म् द्रार्थरात् व क्रिकेशक द्रायात् क्रिये मान्यास्य मान्यास्य श्रम्ब उद् दुंबेश मु न'द'दे सुंश गुट बेश मु न'य संव्राय स्वर्य प्रमाय कर् नदेने वित्र मासु सादे पके परे किना पु देश ना पाय के वि कर मैं मट. स्वरंत हे. वे. ब्रेंब. के. के. वे. वेंब. वे. वेंब. वेंब. वेंब. के. वेंब. के. वेंब. देय द्विर केट सद्यम स्ट्वेंट पर पट बुब य प्रेंब हे विश्व प्र य ह्वा स ह्र अट हेर सक्षम हिर पर विस प हेर रि हर में हैर है। दे क्वुं केद अव व नाय दे दे सुधा गुर र्षेद्र या अव व सेदे सुर से प्राप्ता माया हे हि अद्भारा हीं र पर वुरा प हिन्दे हे हर थे र वि वा क्ट.च. भुर.चट. खुर.च.च.च.श्रूश.है। बुरा.में च.सू.चारा.चरच. मेर् य १९ द मुन परे सुर मुन वरे अवर हूं परे माल्य ता मु सहंद हरा गुर होर मद्रे लेश मु म व संग्राम है पर्दे मर मेर मिर् श.प्ट्रा.चट्ट.च्रे.ज. स्वास पते हें बास है हीन य क्षेत्र ता है है दास संस्था हैं र य सेन पा है प है नदे अंभव गुर्दे स वन पुर्की न सेर पर्दा वन्य न द मेनिय न हर पर्देश य भवे. श्री विक.वे.प.वे.प.वे.प.वे.प.वे.प.वं.प्रथमश. हींर.प. स्रायम्यायासेर् हेर् केराण्या भन्यायाकेर्र र्राट्र स्वरे हेर ਰਬੈਂਹ.ਰਣ.ਦੇ.ਰ.ਟਟ.**ਬੈਂਹ.ਰਣ.ਉਟ.ਰ.ਟਰ**.ਗ.ਗ.ਉਆ.ਰੇ.ਚ.ਭੂ.ਰਬੈਂਹ.ਚਣ.ਰੇ ਹ.ਭੂਬਆ. .चालक्र. बट्ट. क्रेट भक्षभभ हैं र व.रेट.। श्रीच. तर. चेर. त. प्रमाश. ୬ଟି.ଜାଧୁଁ। ଶୃଷ୍ଟ.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଞ୍ଚ.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର.ଜାଷ୍ଟ୍ର

मी पश्चित प्रमा अव वसा है । सर्मा अव व लेवा मुनियर मेर् रे मेर् रे लेस मुन्यरे स्था वर्ष सम्ब्रुप यन मुन्य केर जैन यह ।।। ब्रिमा निर्मित तर में न नक्षेत्र है। व्यक्षित पर दूर द्वाना व द्वा निर्मा निर्मा ्रह्र्याच् क्रेराञ्चयायाक्ष्र प्रते स्थाने स्थान वसायक्ष्यायर मुःयदे शाक्ष्यर पुष्याय प्रविव्या विष्याय प्रविद्या माने भी लट. बुंबा चे च दु झेबा कुबा मुन्या चर्या सक्बा कुटा क्वा नेटा। स्वा कुबा श्रूट्य हे मार्थ पद अर्द्ध हेर रहा है। र्मा न हमा न हमा स्थान हमा रे 'अप लेश में 'य' है 'यदे 'शेशश मा। असंस्था ह्यू र 'य' से द' य है 'यह है ' अद्युपा सामु सादा सक्या हुँ र पा से द पा दे खर व सक्स सा हुँ र पा स्मेद्र स्ट्रा वद्ना त्य क्वास य द्र स्व या । सिसस उद नावद मीस यग्ने स्रेक् वा विदे सून् हून पहुँच पर्टेट प्रसंता । प्रमन पर नामसंदे प्रस्सः शुःमेना । विश्वातकर सर त्युर यदे द्वार मुश श्रीर यामावन रुष्ट हैं . भक्षां श्रीं . च.क्षां श. तथा तथा तथा च. छे रे. लो १. चर च बंबे र चर व चीर हो। नर्मा लाक्ष्यायारी अदार्मा वर्षेकाय वार्ल्य वाकार्यकारा हे हुराव्यु है भट कुम सेमरा यदे केंद्र सामस मुचाया स भी व वसा है वसा व कि का के कि मान क लेक हेरी खेर नहेंद्र हेरती करि हुम नुमाल र मी माने दिस्य निष्य नि संभित्राया दिन् पु केदा सहस्र हो दे नर हो द मुर प मुन प पे व वी। मुक्र किका सामिका सिद्धा विका सिद्धा विका सिद्धा न स्था न स्था

सम्मान्त्र क्रम्मु लेस न प्राप्त या ह्रांस या स्रेश या स्रेश वा मालक मी बिश मु न के नम् न के माना मान्ये के न ने माना माना माना माना में में द में द न में द याने हैं त्र्र्या साम्बेर मा हैन गुर्वा हिय या प्रदेश या हे दराद नाया ना है हुनु, पर्यक्ष, यी. हुन, क्षर, था विच. तर, मुर्च, प्राप्त प्र प्राप्त प क्षय.वृश् चार.रे वु.खें क.चे.च वु.चै.रेट.चेंग.चहुं। वशका.वर.ज.विर. तर भुरे.च. अंश.चे.च. थी। स्यो चर्ष्र तत्र, तप्र, तप्र, श्रम शर्द प्रमान् . प्रुपं भुक्ष,विद्यु,पद्यु,श्रुषक विद्युत्तर, **भु**च,तर मैं,दिर विकास कुरे,दें भ्रियातर ने म.लूब.ब्र्या चार्य.कूर्याश.पर्.ब्रे.स.चीव.त.क्रेर.लूब.ट्रे.ख्याचे.व.क्र.चे.व कृदःल्ये, चतुःस्त्रैरः दृदः च्युः दृदः च्याः चःकृदः ग्युः स्त्रैरः लेशः चयदः सः व्ययः वादः स्रेदः याता. श्रुचीमा ता. श्रुमा हे में चले १ लेश व वा में देवटा सू वे स्मायर वेसा यायिवेदार्थे। वनुरायादे इस यायावदा नुमुराया हेरार्थे। हुससायादे ଜିମ୍ୟର୍ମା ଦ୍ୟୁ : यद्ध असः । ଜିस ସ୍ୱ ପ दे तुस र्यु । यर्गे। शु व सेर वद में दे पकर पर विषय हो। विश श्रेर वुर व व र र दे हैं लेखानु नाहे दरावना हे नाहे दार नाहे नाहे नाहे नाहे । रेखाना नलेश यदे दें भेर हे गुट ने सूर है लेश न पाय संग्रास संग्रास भेर हों। वर्ष न' अर्'न' तास्य शु नु'ता' स्निशास मिल्र वे 'लेश नु न'वे। रिनेर'व प्रमुद्द

न यम द्वित इत हैना हिन्या हैन न सदि यम पर्दे याद्वस्य महिन हस्या । ल्रेन म.लुबे.च.रेट.शुबे.व.शूबेश.च.चेट लट.वेट.च.३सश.व.चेश.च.सुरे.च.ट्रे. र्ट. पर्रुट्रा वेश भ्रेर वेश प्र स र दे हैं । वेश स स के पर् भूज म् रेजर.स्.चिवेबेश.ज.रेभूचेश त.क्ष.मी.क्ष.तर.पुंश.व.भुर.टर.वेश.... त. हेर टे. इस्था मी से ज. स्मेर त. ज.रेश्चांश त. व. रेश्चांश त. व. रेश त. सेंटे. तर. तुसायाकेन वे साधी १ वें। दे नवें व नव संवादा व पर रहा ने सुवा वदःमी वेश म भेर भर व्यापर रेनाय प्यत वें। व्यापर मिर पर खें सर् देश मानदी हेद की सादि से देश हैद दे में ना नादा कर की देश नर न्वेश्य हेना यान्दावरुषाय हेन बस्रकार हा की खुलार के नाम वाही माना राजिन हो। न उन के पर मी न न न के पर मी कर ने सार मी सार मी के ना मी ह्म. बंबा ही प कु में मूं हुने केर किया मा मी मा स्थाप कर हूं मांबा पार्लिय य दे खुर वा द्वर य निवह में निवह हैं निवह दें केद पर विशुर में। दे हेंद वे दे अदः नुष्य दे देश नुष्य मा अविश्व यह क्षेत्र राष्ट्र नुष्य द्रार है **ૐવાલાયાત્રાયાત્રાયા છે. ૧૨.૧૬૮.**૨.૧૯૧૬ જાયાત્રાયા કુલું કુલું ટ્રેન્ટરા સ્વાહના કું છે. विश्वास्त्री विश्व केर्य केर्य केर्य कार्य । विश्व दिन विश्व केर्य कार्य का ममस उर् गुः लेस न न म स्मार प रे हिर मेहर हे न परे हिस रू गुर्भसाक्षेत भरामशास्त्र निर्म निर्म निर्म निर्म निर्म निर्म में द क अदा है न से विष्यु र व सर्वेद दें कि स दें दें से स्था है। मेर्या भेर दें लेख न व दे हैना ने इस यर ने स या य संनास यहें। WJ.

मी देश तर केश त ह्वा.त.रट. पश्का.त.रे लट. चट.मी. ष्ट्र. श्रेचा.ची. रचट. तु ह हू दश ही चारेते हो। महन्या मु ख्या उद रहा। इ.चरी र्या दी ्र सिंद्रस से च दे च ते व दे च व दे च व व ह्ये न य दे दिर हे से समुद्र पर रे भेद दें। दे न स द दिन हैं न सि से दे दिन हैं मुरायर लेरा याम के वर्ष हुमार केममा मी देते में दर तर नर लेस े चे.च.बे.रेचट.च्.चु.चॅ.रंट.पट.चर.र्ग। ट.चश.व.चाश्रप्त.चर.कॅट.च.ळुव. यरे खेराइसायर हॅम यहरायरसाय हेराइमध च धीर वे लेसा मुन दर्गेरसासी। मा केर् नित्र खुया द्वा कुर के वा कुर नित्र खुया का वाक्षा पर्देश के विका मद्री सुर्व दे सार्वपाय सेन्य पायहपारी प्रमायं प्रमायं र विषाय दे या वर्षे या केदा था लेश पुरव के । प्रव में दिए खाया केदा या या स्वास वाता वहूंसाया सेन या भेर है। हें या वार्सवसाया पें न प्या है दते हुर हा। ज्येर ग्री क्या पर वेश वर्ष हे व केर वा श्रेमश र प्रवस्था प वाष्ट्रिय सर मेर्रासायम्याय र मेन्याय प्येत्राची सेमस र सेमस सेर मध् हे.चर.ज़बे.चर्.ट्.ट्स.प ।ता.चर.वर्ष्ट्चेत.च.व.वर्ट. व.वर्गे.वी.क्रे. स.लुवे. र्वे। दिन्यका वर्ष्ट्रेना याचे केल जाना स्थाने वि। देन्य हार्येन वर्षा ह्रेरं तर वर्षीर हा। भूट रट मंडियंश ग्री बुंश ये व जा भूट है। श्रेशका रेट श्रमभाष्यातमापुरावर्गे। पाइनामाने द्वारार्गे द्वारायक्यायके सुधार्मे। देश याउदामाध्येदायालेखानु यादे र्वा द्वा वर्ष द्वा यदा द्वा सामाध्या है । यदे हुँ राही परेश वे परे क्षिर द के न न व स य र स वे न न क स के न स

गुः देश या ध्येत हे हे से समुद्राय है सुँत्र था यह नाय से दाय है र दें। देश भागे देश मार्थे देश हैं से मार्थे में मार्थे में से मार्थे में मार्थे में से मार्थे में मार्थे में से मार्थे में मार्थे मार्थे में मार्थे में मार्थे मार्थे में मार्थे में मार्थे मार्थे मालक सामा विकास मान्या मालक मालक सामा विकास सामा विकास मालक सामा विकास साम विकास सामा विकास साम विकास सामा विकास सामा विकास सामा विकास सामा विकास सामा विकास साम विकास सामा विकास साम विकास सामा विकास सामा विकास साम विकास य वै. अश्चर-रेनदः स् रेना जालदः हो। वर् रे जश्च नहिन् श्वर दा स्थान वर्षा माइनास्र सेर पार्के माइनास सेर पर निम्मस लेश मार रच रे माना पर्ते। हेर मावियासाग्री तर्द्र क्वासाद्र स्यायर क्षेत्र त्या राह्या दे तसाद मावियासा इम्रायम वेसायार्विर्याध्येदार्वे। वनावालेनानीक्रामालदाने सुन्नानुमान मर्रे मिमस्राहेर् त्यां मानुवानी विद्या हेर है । दे है है र द्ये वालक के हे **बेर.व.तर्.ज.लट.बेश.**चे.च.ज.श्र्यका.च.श्र्य.टे। चोर्य.क्रूबाश.वर.श.चीच. याध्ये द्वा विसानु न दे देश या द्वा द्वा के वा माद्य प्रते विसानु या प्रति र वि मान्द्रक्रेम्बासाम्युवायाध्येशक्रे ब्रेसानुवायायदि सूराद्वारायी **यर्वे या** न'भेर मी दम'य'हे हिन 'अट उट व दे स' भेर दें। नवट ये व मुन नन में बस्र नदेश शु भेन ही हिं न हुर न व अव वे बेश हर न हुर है है है। दे इस सामान लेना नीय दे म्युक्त निर्म हैरानु महत्त्वर पर पर्दे दे लेखा हैये वुरु पर पर पर प्रमास माने हैं । पर लेख न न न के स्वास पर पहें दे हैं । के पर पर पर त्रसः भेरा वर्षः त्र्राप्तर वर्षः स्प्राप्तर प्राप्तर प्राप्त । यह द्रारं भी हे वर्षे व विविधाय स्त्री । तर्रा। में तमा है मार दे मार है मार ह

ॲर : ३र : यद : वर्रेनाश होर : हे स : हा : वरे : हेना स : खा : वर : वरे स : खा । हे : है : तर्र मुंदि प्रस्य विदे प्रस्य व्यापाकील हर प्रविद्य व विश्व व प्रमा हे प्राक्षिक हिना बहु : वारक क्या नार क्षेत्र प्रदुष्य वहार वारक है स्था मुद्दे स्थ कुवा.भक्ष.कुर्.त.और.कुवा.भ.वाशिभ.त.पा.श्र्वीभ.तर.वविद.व.कश्.४भ। तर. ब मुते अत् उना सह सार्केन या अद् केना सामा केस यह प्रेंद व हेन नु प्रमा हे पहर नार्थायके सहिर हेर् उर्ही इसायर हेना याचिर मुराया है ता रे विमान्दर्स नम् के वस्त रहें सामर्दि मा हिन गुरा महामान्य मासुरस है। कु त्रश्चार्यं स्थात्रा क्षेत्र केष्ट्र केष विकासिक वर्षा विकासिक क्षास्त क्षा वर्षा क्षास्त हुन या नर सर.पर्वेट. च.कर.क्रेट.लूर.च । हुना.च.लस.मु.चर.वज्.चर.वर्डू. बुर री। दे वश्र व वर्षा अस्य स्त्र व पाय व व व क्षेत् पर व चुर री। ने दे है वित्ति विश्व अद् क्षा अद्र हिमा अद्र हिं या के प्रति या के दे या महिसाया महिसाय महिसाया महिसाय महिसाय महिसाय महिसाय महिसाय महिसाय महिसाय महिसाय महिसाया महिसाय महिसाय महिसाय महिसाय महिसाय मह वर्ष व लुब.च.टु.कुट.कुंब क्रि.च.खंबा.च.चस.पर्यस.व हे च.लब.ट्रा क्रि.ट्र. क्रमास दर संस्थानुस्य लेगाय हैन गु छैर से। देखर व कु र्योद या हैं बर्ड र्शेट च छब त त्र्या चुने 'र्थे र च 'र्ये च र 'त्यु र है। द्रार व विवा वया मेर् या सद् हिना सा नाहेश या भा दसाय र पहिना या द प्रदास में द या हिंद द से दिन या सहित है ध्येत मा अ विभा हे के द के दे के दे के विभाव के स्पर्य के द के द न्यस.बुम.चे.च ज.सूचेश.च.सूर्य.चर.वुट.ट्री वेश.स.भ.वर.८ट.सेर.कुचे. मनुदानते दह कुम कर मी अर् मा हिर दे वस्य न हैं न स्था से सा विस

इ वर्रे स्मवश्राद्ध सुरार्दे । मुवास वे त्वस व के दास व के साम के त्या के त्या के त्या के त्या के त्या के त्या बिस अन के मु वसाहर वर्तुराव उक्के हिरा केर् राम हेरानु मुवायानरा। इक हैना त नुदान कर प्यार कु न्दा दुश सहस दु मुनान प्येद है। मुनाना स निमा व लेखानु नाया है सरा येव सकी क्या वे घान्ता मा के ताय के क्या व क्रमा चेराया के प्राप्त निया के प्राप्त मिता के प्राप्त वि.च बु.कु.चर.ज़ब्र.च.भ्र.लुब्.चर.च्चैर.चर्ड.च्चैश.सब्.चेरचेश्व.तर.चे च.लट.खेश. **∄**'न३े'र्दे र्दे क्वें सक्द में नदुर्न सहित या विश्वामाने पदि व्येदान पदि प्रमुद्दाा हैं लेख मु परे पत्र पा नार भेर पर दें भेर दें।। अर्द परे सह रें हैं दरे. में. चरेंबे. च पा मैं. सक्रे में में चरेंबे पर चहेंबे. ता लुबे. स्री हैंब. नद्र. नेस. नद्र. मैं रू. कि. नश. लेस. चे.च. १. ५१. में . चस. ५५. में ट्र. लेस. चहेश. त. ५५. लयू। रे.पश. बुरा चे. चर हैं मैं रे. चहूरे त. पर के व. चेट लुरे च रे. मैं स्या देश मु द्वित्र वर्ष स्पर्ने पार्डिन प्रमुद्देश संस्थित हो। स्यान विदाय है लिया पहुंद यर त्या रहे। प्याद लिया ग्राह्म भेद ही। इंद हैना त्युरं यं हर हैन संपर स्पर्न लेखा ग्रायदे मुं सहर मी वर्ष यर " मार्डेमा त्रामाल्या पर बुरा या प्राप्ति। हिमा क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्रम क्रम क्रम क्रम क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्रमा क्रम मळ्दाकेर रु दमायर नहेंना वर होर यह छिर यह मेर् यह छिर हाँ। मस्य प्रति स्पर् व पर त्रुप्त दे विस्त म मरे हुँ र मामा भार हैना कर नहिना विवृत्य में भेषा विषा चार्य देश विदेश विश्व हैं। नदेश्चर दें देश माना संस्थान हिंसा के दे हर दे त्यार द

ह्ने हेन पर्वेट त. हेर ग्रेश में रेट पर्वेश वित्र हें रच त्रिश की कार्य हैं हैं यासेन्यर मुं न्दर द्र सं सुरे दें वे सेन्त्र है है से संसेन्यर मुं न्दायम्बर्धानुके न्द्रसार्थे वर्षेन्य केन्यान्ति। न्येम्ब सेम्यान्दः श्रमशायस विदायामा स्वाधाया से वित्रा विश्व पहर्षा पर विष्य पर विष्य पर भालेश नु: नाया र्स्ना शाया श्रेश है। माराहित्य हेना हैन कु प्ये पा ने हैं हैन मुक्ष वर्ष सं दे के के प्रति । विष्य दे विष्य दे प्रति । विष्य दे विष्य दे विष्य दे विष्य दे विष्य दे विष्य दे विषय दे तर विवासि के रिष्य से स्वाक्ष से रिषा के की विवासिक के सम्मानिक विवासिक सम यरे क्षेत्र हो। इस स्र वर्षों यरे देश या दे दिन यर् या देश क्षा या ते . हासुर प्रवृत्यते सक्ष केर्डिन स्वाप्त मेर्ट्रा वर्षा वर्षा वेरा वेरिह्ना हेर्या र्षा वार्म मारा स्टापायो। मार्प हे पर्मा सामा समासाय समासायहा र्ह्म अस. पवर कुर्या देश वास जा है स. देह. वेस. त. पस. हैं . वर हैं रेश वास. यादेवे के वदेवे हेश शु वर्षों व देश यर व गुर व का यावदे शेद श मेन है। विमयः उर्द्राचरना हैर सेर भरे हैर ही। रह हैर ही खरा स्नि य के वि य वका द्युर लिट दे ता अह वरे क्र य शब्सका कर दु र्षे य स 'प्रेब'ध'ने 'ब्रेम'व'वार नीस'र्खेच च'मर्जेर 'पर 'प्रमुन रेति । हैर्स सुरु होर सुरु हो भ लेख नु न के न्व र मी के न्व ने स्थान के न्व के है. पी. यद्र, पीश. ग्री. चीयका श्रेयका श्री। अब. देव. भा. भूय. पट्टे. पीका ग्री. य वै वहर्ष प्रत्रे घे वर्ष वे वर्ष वर्ष के राम भेराम में प्रत्रे कि हैं ने पर वर्गा इंडम हैर ग्रे के बेस वाय के लेख हैं के महर यह करेंद्र महिर के

लुब्रस.बुब्रस.चे.च.च.सूर्यांश च रू.सूर्रस्या अ मीच.म.बुब्र.चे.च बु.मीट. विनानिम्मित्र्यानुष्पेद्याने दे दे द्यम्प्यामा प्रदेश रविनास पर्विद्दित च रदा। रवदा में रदा हु पु रवस विकास के लिया है। सर हैंद्र मान पर मार के बारे स्पर्धा नार हैना नार नी हैं डिन कर त. खुंश. ये. य. पा. श्वी श. य. पा. ची बरे. मीट . खुंचा. हुंश. ये. य वे. पर्यंश. ये हुंचे. तर्ये। निर्मायान्त्री कुर्येद्राया लेश च प्रवेश वृत्त्र वर्षा पर्मा देवे वर्षा वर्षा। मोबेश.च.वे.ज्रेंचो चर.भ्र.पचीर हो डिश.चे.च.बु.चाकेश.चर्ही मात्रमान्यमान् मुर्दे सार्वेद्रायात्रमा मेन्नायासे यान्यानु दे लेका नामा र्ष्युर्-पाद-र्ष्य्-पादमान्त्रमानाक्ष्यानाक्ष्य-पादेशनान्त्रम् सुर-पर-नुर्वे॥ हैं स.चे.च.चू.प्रवंश.चे.क्च. व पार्ची क्च दाल वी क्च वाम विवायहाँ। हेर प्यापान, वृ.मी. मार्च १ मार्च मिलिर में निसंस मार द्वार वा नश्चा प्रश्चा प्रश्चा की मिलिर हिमा मिट में हैं। मुं रहेन य रहे लेंदे मारे हैं हैं है हैं हैं लेंद्र सर प्रमुद्ध हैं लेंद्र सर प्रमुद्ध हैं लेंद्र सर याःस्त्रीसायद्। दर् हे म्युवायायाः सङ्ख्यायाः भेषाद्वी हिसायाः यर दि द्वा सुर र्दा म्माय है है हर भेद लेदा महिंद मादे खुस दे लेस मुन्य थ स्वास व र्रेस स्वा नाइन हैनास दे हैं द की से हैं न है। इस न

माहेशाच या देश म यह नाट देना नाट में कें मु केंन्य या उन यह में दे दे इ.स्ट्रं तर कर हे लेश वे व ज स्वेश रही। रेवेबेश एवेंट हैं व.मी. त्यसावि विषान् वात्रे वात्रदाहेशास्य वर्ते व नदाहिंगायादेशायाळेंदाय साम्पेन विं । वन्नाकृतः के सद्दे सर पर्दे स्वर स्वर स्वर हें साम हें ब मिटायशयवे अदेश यर वर्ते या है गु नश्र यस हैं। हे खर वर से प्रेर व ଂଭ୍ୟାନ୍ତ ହୁଣ୍ଡ ପ୍ରିୟନ୍ତ ନ୍ଧ୍ୟ ପ୍ରକ୍ର ନ୍ଧ୍ୟ ପ୍ରକ୍ର ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ वे.शुभल.मी.मी.हेर.रे.१४४.स्टर्श.च.८४४५ ४४४.स.४४४ मीट.शुभल हेर मी.... ন্তিব অব দ্বাধ বৰ ব্যাহ হা। । । दे नेत्र व स्ट्रेश व स्ट्रेश वर्ष व स्ट्रेश तर् है। इरे हैर हेर हेर हेर प्राचेश न स्वाधार हैं से सी। सूर् के सन्ररायन्त्रा में श्र सन्रश यदे विश्वरार्मी नाराने मुसाया वर्षे या निरा लेब'चर'त्रेर'च'रे'हेर'श्चेशशा<u>मी</u>'द्रवर'मीश वहमा'च'लेब मीश। वस्रायदे' रदानी दें विकासी कारी दे हैं हैं दर से क्य हा साहा सामान सुकाया कुर कु. हीर र्रा। वश्चेत्र व रहा लुके रहा हीर मारे केर किर प्राप्त पर हिंसा रहा त्मुर म दे ह्रूर दान्दार सम्हर्भ म हेर् रहेर। मुस्र स्ते रहेर में हिंदी मार भेर मारे वे श्रेस्थ मु र्वर नेश पहुना च सामेर मारे हिराना देखा संसर्भार्श्वित्र पुर्वेद प्रकार सेन् का प्रदाना है है निवास से सिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मिन्द्र मःसःभेद द्वा द्वापवर नु मुर्द्धान स्वर प्रमान स्वर प्रमान स्वर् **ब्र.चट्ट. शटबा,केब. नट्र.वेश.वट्ट.वंबिर.**दे.पवैट.च हेट. पत्त्रीच.टट.ट्र. च.थ.... भुषायम। ट्रे. अट प्यर हुण प्रशायमार मीर च. भुषाया हु संदर्भ विश मदे रदाने दें दें तर्र हैं या अस सामेत। नादानी सात रदाने दें वे ते रदा

मी हे पर लेब पते मुरायश लेब यह रहे हे ब। नुम यदे रह में हे रे तम् तामा स्माया प्रति नावशास्त्र स् । व विद्यात्म व विद्यात्म व विद्यात्म व विद्यात्म व विद्यात्म व विद्यात्म व ने हैं न वे परे व है। व में व र द व द व त त के मार्थ में मार्थ में के त व के मार्थ में के त लक्ष व.रर.त.भर.तर हिर.र्गा इत्ती हूं चूं वे.रेट चूं के.यर जुब चट. क्रीव सम्भ लेखान विषय निष्य प्रताने हैं। विमान में विषय सम्भ उर पर्मी वि १८ व्राचायवीयात्रः हिरात्रः तयरः श्र्यः हिश्चा हिरात्र श्राप्तः । डे.प्रश्चा र्मेर.लट.विश्वार्ट,र्भुवेश.वर्ट,क्रिर.स्री रविश्वाराविट.व.रट देव व.लह. ५न'मे विश्व नु न' व र्श्वन्य प र्ह्स्य प भेद द्या तर्रेर्यं सेर्यं वात्रं लेखा ग्राम ଵୖୄ୵ୠ୕୴୶**୵ୠ୕**ଽ୕୰୵ଽ୕ୣଌ୕୰୷୵୶୷୕ୢ୷୶୷ୗ୶୷ୡ୶ୖୢୠ୕ଽ୕୰୵ୡୢୖ୵୵୰ୢୠ୵୷୶୵୷୶୵ लिमामीश के सेना य केन प्रति श्रीक हो। तमाय लिया मी के प्रति से केन प्रति हैं। **र्भेर माम्मेश कें** 'लेका नु नरे दें कें हो। हे 'हेर कें खेर रहा ने हें वं 'लेक च.चर.श्रूश स्रा। हिम.च.च है। चाट.हुम.श्रमश.मी.रेचट मुंश. र ट. मीट व वहनायान्यक्नायाने के लेका नु मते हिंदारम महेद यह होरा सी **ल्रे.** तर रच.रे. में का दिश है. देश है. तर प्रहेश च कर ही हैं। प्रहेश तर.वेर.वरु.कुर.ढुम व.व.व.वंस.तरु.ह्.त्र्,ववंस.तरु.वंस्त्राचरु.ह्.व्.कुर. र्वे य' वे वहना व 'पेब' हे 'हे हे दे व व 'श्वे र हो। हर 'यहना व हर प्रकाल व व बुस्तिन्ते, न्याने स्त्रित्र प्रत्राचन प्रत्या निस्ति स्त्र स्त्रिक्ष महत्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स् रेते.क्.रेर.ज.ज.स्बंश.तर.रेवैबंश.उवैध.च.रेट.दैवं.च.जम.र्हर.स्मस.केर.ग्री.

तप्रकृतः ह्। दे क्रावाद्यवाशात् वृत्यायात्रा हे या प्राया श्रेयसः १९८१ में प्रताप क्षा के स्वाप्त के स्व माश्राय न हे न प्या मेर पर सुर। श्रेमश यर श्री के लेश प्राय नित्र प माः भेर यादे महामाना भेर की भारत प्रह्मा था नेद यह से हिर लेशन य'वे'क्य यम हेंना'य माहेश य'प्रकर'य'धेव'हे। हे'समाय हे'रे'र्नामीश बोमशः लेश नु न वार्हेनाशः एशः क्षेत्रः नश्तु न राष्प्रेतः जी। वनीन न हे में नर्ते। **ৼ৾৽৴**৶৻য়য়৻য়ড়ৢ৻য়৸৽ড়ৢয়৽ঢ়ৢয়৽ঢ়ৢয়৽ঢ়ৢ৽ঢ়ৢ৽ঢ়য়৽য়ৼঢ়ৢঢ়৽য় प्टा इच यान्। असावर हेन यान्य सेन यदे क्षेर सेसस हैन सेन प्टा बिसाम भूत सामार प्रकाश रहा। भूति में शुक्ष सार्वि मासाम में हान हराहुनी मान्नागुराहेरे कुरा सेर्पया स्वापन विदानम्य विदानम्यामा सर्विद्याया सर्वित्याया सर्वित्याया Ê ॡर 'ঐ'বই' লার্ষ'শ্লবর'শূ'ঔ্ষ'দ্র'ব'ম র্জার'বর'`[†]৽৽ৢর'রের্বর'বর'টুর র্যা हुश शि.पहेब सर हिर स. कुर की में वु श्रंस म के अर १व था के घर म है था है त्येशयर वेद म वेश वः मार्दि क्ष दर प्रमेलाय वे। प्रेक्ष पर वेदि म लेखानु न भेराजी हे क्षर दु तथे रू ने ने प्रमा कि में के हैं में प्रमा के कि में के में में में ଯିଂ.<mark>ପଟ୍.ଶ୍</mark>ଷଷ.ଯି.ସିଂ.ମି.ସିଂଷ.ଅଟ୍.ଯି**. ମ**ୁ.ସଞ୍ଚ. **ପଷ.ଧା**୯ ଥିଷ.ଟ୍.ଅୁ.ଥି.ସିଂଶକ. ट्र.दंद.झेर्.कुमा.लुभस चोरश त.कूर.ब्री। बुश.चर्नेर.चर.पचीर.ड्री चील. है हैंद नु व र्रोह चलेंडा लेख न र र्रोह न र हैंद नु व र्रोह र हैंद नु व र्रोह र हैंद न

माय हे हिंद नु य सँग्रा प दर मर्द्र सं दि स्न १ है है है न हैं रहे हा मी. मू सूरावि. पा. श्चाया. पर्. ७ था. ने. च श्चाया है। प्राचाया में स्वाया है। दिर भप्तिस्यातास्त्र्यास राट्या योशास्याय स्ट्राय स्ट्राय वा सारा ह्या नारा हिना नारा . मु र्जुनस्य या ७३ र भेषाय हेश यु या या से नासा या रे हुँ र या या साम्याय या प्रेश यर " . पर्देर् याले प्राप्त वाके मार लेगा नार मी के क्यू के नाम धाउन फोन वादे हैं है है है हैं ... तनाय लेना ने कें मु मा सदा न के दार हत ही हु ना तमुदान है चर्. तिमाता केश ता केशश वचीर हो हेश चि. य. व. य. व. माता स्वीय पट्र केश या 'मोट.चु.श.सू.चे.कचोश.चु च.४.टु.प्रट.३टे.जू.च.चर.पचीर.बुट.। ३४.च.सूचे. . य प्यट'स्र अर पर'व्या र पर'रे में। हेस य प्रमुवा परे दें वें की में द से द म.ब.लाट.बुंश.चे.च.चुं। व्यटाल श्रृतंश नाय हेशन इसश.विवास च.सुंट. गु.ट्.च्.ही रट.चबुब.च.ज.ल्र्.च.बुश चे.चर.ष्ट्रच.ध्श चर.श्चर.ह्या हे. हे न र माल रन लुका पका वहना या उन्हेंन वा नेनाम हेन या मेन र विदास मा विनामास्त्रेमाने दे न्दात्मायाना के स्त्रेनाया स्त्रेमान हिन सराहेना माननायानान्मेनमानाया क्षेत्र क्षा केमसाने क्षेत्राचाने स्टा विन्याने के से मुन्ये दें दें हों। अर दें र म ने से मान के हों बे.मूंट.रे.सूट.वंब.पूर्य.कुंब.चे.च.के.चे.ची परंब.घत्र.चे.चे.कुंबंब. मादसामा है दुर्द विका या नाती से हैं नार्य सामा समा समा समा सहना सारक मु दिर्श्वायर मुरायादायर से से दादा अटा से से दादा अटा से दादा **होर 'न्दा मा**न्न' केनास में 'सर्वेश' चर्चे 'होंनास' स' नहमा दर्वे होर 'र्हा। वर्के.

वदे वादशः भवश व लटः रेशशः या स्वीशः यदे वा स्वानः विदायर से दिवारः वदे ।। क्षर बर केना या के हिए वर्गा देश में दे खेर वर्ग या हो देश केन के केर के नार विमानादासेन् न अद से त्युराय दे इरावा विनायर न्दायक्यायदे मान्त्र क्रुंबाब.यु.श्र.श्र वेश.तप्त ह्येचाब.ज.चंडिचा.च.जूर.च.था.क्ष.कु.यु. खु.ख.चर्रेय.तर..... पचीर ह्या लार.पचीर वश पचीर.व. र्स्स.व. क्षेट्रं ज. वीस्.वे. श. लूब चर्. पचीर. मानित्रणी विवादास्पेराने। दे दिनावन्यानानार्थात्रानानेनित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामानित्रामितित्रामितित्रामितित्रामितित्रामि क विचायर विदाय त्रवाय वर्षमाश्च यदी। स्टान्ट व्यवेया परे पुरा वे प्रा ल्राच हेर्र्य हो। दे क्षाणेक के निर्मे हें का वासहसादमुर हो। दीर पर भ्रे य चन्न मु त्वुरा विश्व मु नि केश य पर मान्य य केन प्येव वे वि नु मुर य द लेख सु न दे मार में कें के हे न न है न न रुषामालक पुरर्शेन कवाषामालक के हिर गुम्मुर या करें। हिर यर सेर यदे हिर र्रे विश्व मुन्द के नाव राम्नद हेना साम्यायीका याञ्च ना के दार्ची मुन्ता विद्यान इमसःनाल १.५ मुर याता अटा मुद्दायर अदिया मा अदि दे। 11

|ढंद'स'**दस' २**नोवानी दनोवान । निम्न र्ग निष् 20 यकः भ्र. चर्षे च । पर्वैटः चर्षुः च टः चर्षुषः स्थः स्थः स्थः स्टः द्वैतः चर्षुः चटः द्वैतः श्रेम्रशम्पारायाः अर्ग्नान् दे त्युदायदे रदायविदार्य सामायाः ययदा विदायदे दियाः द्धवास्त्र वि दे केद मी के लिख न पर में ने नियं श्वर मी नारम मानस दे केर के के लेख मान नहीं रेन रें। प्याय होना मी के आर म फेब जे। लेश.यु.च.ब्रे.च्यूर.ध.चल्डा.च.ल्या.ल.ट.च्यूर.च.श.ल्डा.च्या. भु. तथर. त रे पविट. यर, यरेवा हेर. में लेश ये. य ज स्वीश. य. ग्रेश. हो वविट. चतु. **चर्ना** के**र. म्री**. रट. चलु ब. लश्च श. प्रस्था चतु. प्रचीर. चतु. वित. चर. चाट. क्रिया च त्यकः याः सेदः याः प्यतः निष्यः याः सः प्येदः देशः अक्षः यः दे । प्रवतः विषाः इस्थात स्वीश राष्ट्र विवीर वर्ष मी विश्व हरे । विश्व क्षेत्र तरे नंदःहेशःशुः सर्वुनः पदेः नाकृतः यो विश्वेन या वुषः या दे दे रहे र्योदः व । पार्शि वः सेन्य स सेन्दे है। यन अर अर अस से सबुद य माल्द से वर्दे से कें दिर्दे क्षे.रूज,मी,र्ट्स म्,र्काश,मीटः खेश,ये.च.ध्रताती,ज. श्चील,च रक्ष मिटाट्री। पहुनीश.त.त.सूर्यश.तश.मैं कर श.ययत.त.प सूर्यश.त.भथ्दश.त.रेच जा.भट. हूं। देंदु, शूक्ष चुर नकर न जम क्रिय है न हे हे दे क्रिक्ष मेंडिय न वहरे. म.पाश. बुस. चे. प वु. येची. पष्ट. रहें. प्रात्ती हु हुर श्र्स , चुरे रा संस्र्य प टे. ब्रुन्द्र-तुस्र-त-दुन्न-विस् विवास्य त्यूर-त्य । वृत्व-वान्त्र-र्स्वन्य । कुर-२-२म द्युर-ऍन वसामावसायर प्रमुद्ध-रे विसाम वे देशाय प्रेव वी। दे⁻ॐ८ बै.जिस.स.विव.तर.वे८ त.खेश.ये.च.च.स.स्योध.तस.तंकर.तर.वे८ ट्री।

८.डेर चिवर.लट. खुश चे.च.डु.रेश.श.लुर.चर.चिडट.च.लट.ट्.।। हु शिर लट पष्ट्र भु प्रमीर । चिट यह में हेट हुन है यह मेट हुन हु बद्दार उदार्शी ट्रिंग प्रति प्रति प्रति स्थित विद्या हें पुरुष्यः सु: पञ्चर प्रदेशः पञ्चर्यायः याः व्याधार्यः प्राप्तः सुन्। स्वाधारः विकासः ग्री.विर.वर.पवैट टर पवीर र्। वाषारु.पक्ष्.वार्षु.पवीर.वाणावार्षेश.वा ৵ঀ ঀৣ৾৾৾৻ড়য়৾৾য়৾ঀ৾৻ঀ৻ড়৻৴য়য়৻ড়ঀ৻ঀৼ৾৻ঀড়৻ঢ়ঀ৻ঀ৾ড়ঢ়ঢ়ঀ৾য়৾য়য়ড়৻ড়ঀ৻ঢ়ৼ৻ৼৼঀ৽ त.लुब.व। विश्वासी.वबट च.बु चर्चिंग च हेर मु.चीर च चांबर जा.चांबर च. लट. लुके कुं। इ. चर्च व. म. महूट च जा चर्डे स. म. भुटे. त. इस स ग्रीट. ही. च. दर से हुं वर प्रमुद में ले वा स भव हे दे है दे मुद य से द्वार पर है है र्रे 'बेश वर्षर 'बेर ही। वेश वाय में प्रवास वर्ष हैं 'के राम विका तमामान्यस्य पर मुरापित्य दे से उटा पर सुरा दि । पर लेखा सर पर्वत होत हैं। १९५४ वर जब १९५१ च १८ १८ १८ १८ वर वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष নাৰ্য সূদ্ৰ নথ প্ৰুৰ নাৰ্য বলু নাৰ্য **५८** ५६ म् पर प्रमुद यहै केंस दे केंस उद्यक्ष वद्य स्था भारत्ये प्रतर त्युर म्यूट व। नाया हे मार्च प्रतर प्रवर प्रवर्ध के दे वे नावहा **য়ঀয় उदाकृदानु केंसाउदाध्येद म दे** हरादारे विना केंसा उदानुराय देशाधीर देश कुर्स्य क्षि.श.क्ष्म त.र्घभम. १८.२. कुंचा त.रट. हुं स पवैट. र.लूब.त ८ .केर.बे.चट... लश्च.चीर.च.ल्रुव। चीर.लश.८८ म.हेट.री.चीर.घडु.चर.चहुव.चीहुमा. ब्रि.पहेम.त रेटा। चार्या श्रेयका सार्टा वार्याचे विश्वीर तर देशातर.

दे.लट.ब.२२.च.लु.च.ट्.लेर.व.चटचा.३२ टे.चीर. वटु. ड्रेट.लुब.ज। रदःचल्वेदःचाठ्येनःचाःहेसःसुः २हमा यासः १०३ व्याः विमायः विमायः भारतः नुप्तह्वायाद्राह्मवायराचुरायदे केषावाकेषाका वाह्मायराद्रेम यदे सक्षा कु**र**-मुर-मुर-मासर्वेद-मदो-सस-स-प्रह्म-ध-स-स-प्रक-ध-द--द-द-- दे-५५: न'ने'के'मानक' भ'क्सरा'गुै' सेर्'चर्य वि'श'र्न 'गुै' खुय'हैर प्रेक हीं। ळॅशच ५५ वा मेर् पा प्येत या दे खुर का प्या केंस कर नहि गानी सार दा नहित यस म.लुर.वट.च.लट.भ.लुर.ट्री लूट्स.सी चीर.तर्र.प्रेश.क्स क्सस.से.त.र्टर. य.ब.रेर.च.भुर.च.रे.क.भु.दिर.चपु.सुर.स्। पवैद.च.र्भभश.लश.ब.रेर.च. नांशकायत्रा लें स.चे.च.चे.चीर.त.चीवर्यात्रात्र सह्यातर भु नांशकाय लें स.ची... नदे र्ने रेने १ रे हिर की के लेस मान है नर रना नेस मुस मदे से समुन भदे नीवंशःश्रेतकःवं त्याः ह्या चीरः तः ने व्यवस्य नः त्येवः हे विश्वः ने न्यः स चीरः य. थु.वैयैट. थेशका. शुष्ट्रका. यट्ट. वारा प्राप्तः य. यट. हुका. श्री. भवेष . यट. प्राप्तिः रूरे । माश्राय-व.बु.श्रेश्वश्च ही.वर्रा। विर.नर.भुर.वर्ष.कुर.र्र. लुश.वे.व.बु.कुर. मुर प्राम्विक दूर दे ते के रूप प्रविक सर्द्ध स्था के दे गुणे से र र मि

त्यां के संभाव के दे के स्त्री पारे प्रकार के प्रकार में प्रकार के प्रकार के स्तर के स्तर के स्तर के स्तर के स माल र केर प्येक के लेश चारा मार्क ग्रम श क्षेत्र हो ... व चुर ग व श दे । वि क केर हाना यर वनुर है। क्षा व दर या मर्थ ये व यरे छेर ही। दे म् ब केर नालक र नाम न महाहै। दे केर ब कार र लेग के अरहा र वेम पर्वे क्रिंग उर्र न्युन य' फेर्र पर 'द्युन य' फेर्र पर 'द्युन रें वे रा द्वीर दे दिए त्रे में च लेश नु न के श्री माला दे दि लेश नु च के र्य उर्ज हैं रटार्ट्।। वर्ष्याच्याच्याक्षेत्राचायाः हीं वहा देवा दे ही वर वया पर हीर है। दे वहा दे दे लहा है नदे सर्व हेन वर् मुंदिन्नेया न सामेन नि। इते नर्ना हेर मुहासा भेर है वर्त्राचरे हिरासी है वर्षे पाउर हो र वाय है वर यो पाउर हो त्युर:वशःष्ट्रिव:य:फ्रेंद्र:य। दे:व्युर:व अर:य:यर्देर:दह्रवाश:य:दे:ह्र्य: 🐰 व विवासर वेदास त्वास व रसेवास व ने व दे है व स व ह्या व विवास व हे खुक्ष हे चर तेव धर वर्दे धर्दे के खुक वृत्य के प्रकार के किया के किया के किया है कि किया के किया के किया के भ्रातिमार्था वर्मेराच द्रायमार्थातमार्थे चराज्येरामार्थेराष्ट्रे (ब्रह्माचीराच्ये यर्ज्जेन्यर्वे। रे.लट.क्षेश्र वकर्यन्य प्रचुर है। वर्षुर व है वर्षर है। · ब्रुवाय स्वासायवाकितायसम्बद्धाः सारम्पुरायासेर्गाया स्वासायम् नमाना ह्युंन मद्रे नच्युंन परा नु न सहित न प्रेम के लिया ने वे है र र्रेंग.प स्वेश.तश में : वुंश में य र्रेश में स्वेश में तम्राञ्चेरानुभावक्षायायायायाचा व्याप्ता है। इस दे। यणुसावायायायाया सामा कि.ज.स्वास वर् उपीर व र पर्व मानार विवासि। बार हिवासिः

में स है वर वो इत्याधिक यर प्रमुद्धाय अद्रायर दे प्रमुद्धायर व अधिक के विश ह्वर व निवर्धन हिल्ला वर्षे व वर्षे व करे व करे व कर्षे व कर्षे व करे व करे व म्द्रियोसाद्भराक्ष्याक्ष्रं याद्वाणुदाके वरावेष वरावणुदावे क्षां यात्र य श्रुर राष्ट्र वर्षीर वर्ष मि शाला राष्ट्र राष्ट्र वार हुन वर्षीर वर्ष वार हुन वर्षीर. यश रुष्. हे. यर ज़ब्र ता भूष ह्यू. बुषा मि. यह मध्य नार मि या पर है. भूश स रुहे. क्रु. ल श्चेश्वर हे वर वर्णेर तथ साह शतर वर्चेर है। वर हे श्रेशर हे हे वर जे र वर त्युर व सेर चर हे वर जेर च क र मी व युर व अर व अर है। ह्र मिट, हे. चर. जुरे तर् वर्ष निमान हरे मिन चर् त्रमुर नशाना वेता त्रमुर न रे है रे दे है नर हो र न प्रे हे लेश रशानरशाया ष्पेदर्शि महिंद्रभे अन्यर हे प्यर स्वेद प्याप्तर । हे प्यर स्वेद प्या कर्रम्या नी विद्यार न वर्द्र यथा न दित्र यथ न दिन वस्तुर म दि के देवे हैं नर लेक म भे के दे देश दमा नक न र नर र हिंदी दे न से न से हिंदी या क्षेत्र इ. श्रें भ. रे. ट्यूटल रूपि डे.ज के जा श्रूपेश च झेरे कुची हेर त बेला है. च'म'र्सेन्स ध'स'देस'ध'सेय वः 'तुर'ही। ऑ.स'सु'१मस'ध'दे' चर्'धरें। दे अर कि सह र तर उर्दे न ना हुन र्लू न रिंग रे र ने पर है न वह अह न के न वर्षीर वसावर्था वेर्. की राज्रां व रटा सर्वा नहीं सक्षर हेर वर्षीर वरावर्षीटाव . दे. बु. दुष्ट् के. चर. मृत्र च. मृत्र रू. (बुम. च च. दु. कर. चर्कीय तर वि च लुक की. दु. क. อีะ.นี้น.ปรู เรณี เ.ป.ชิ.ภ. ชุปพ.บ.วิพ ก.ทะ.พ.ติ.ต. ชุปพ.บ.พ.พูป.... मामाभवाता दे नहा दामा देश वामा भव दे विमामहदायर दिनुरा ही। मभः हे नदः विभावत्युर यश्यः यम् विभानी क्रिक्त कर् या हे हे यह । येवाय स्मेतावा

हे.के.ब.ब्री श्रास्त्री.व.लब.के.वील श्र्येक.तर्र में १.कर त.कर.क्रें.कर व में वे दे दवानी हे बर येव यस अहता दे सूर व मा देशमा है द अव वे वे वे वे हेरे हिर में व र्येन्स धर्म मार्म के लेस मुर्ग मार्थ मार्थ मार्थ स्थान से स्थान लेब.चा.हेर.पह्तमकात्तर.वेर.तर.इं.इर.व। दे.जका.हे.चर.लुश.च.रचीर. मंत्र में बेश हे रेचा वर्षा व मैं रेकर वर वेर व ले वे रहेश से व सार्थ के ले'वा प्रस्थ सुमार लेगायमुर यादे के दे है के वर येव या थे र वें। लेश स्थान्नद्भायर मु न प्ये के के विकास का के के के कि मार्भ्वेश्वः मश्यः है। नामा हैन नाम ही। है। वमायेश्वासाय साथेशमाने देशन वोहिन समानुः। यालेश मु न विश्व मु मु मु मु मु मु मु मु मु स्यां वार्श्चें साह्य वार्ष त्युः सरायाँ वर्गा रेके प्रदेश के पर देवायते के क्षामाणेवारे लेका याता बुद्धानीर या भूर यह अ वर ए राम र नप्ती में चीट जाल में बुधानहरू लह वर्षी. शट. मू विष्। रे. मैं १४. ७ श वे य. दे. मेट. ज. अंब. दें पूर व. ७ श. वे. यर.कूबा.क्ष पर.हीर.हाँ। इ.केर.बु.जिल.ग्री.मै.कथ.बुबा.ये.यर.पकर.वंर. नुरार्ता रे.मै द्यानी,उन्स नामिरान वासिरान वासिस नामान स्वीर प्रवीर न्यू देन मंत्रा तिश. ग्रे. में क्ष में , पंत्रशासि में ने ने ने निर्माण के में ने ने निर्माण के में निर्माण के भूर.सू.रेट.। यर.यर त्र्टा शहर.एसुर.रटा मृदःयमा.प्रश्निशः त.पा. बुंस.चे.च.पा. सूर्यास. तर् प्रीस ग्री.चो रश. श्रीचश स्थाप वेर वेर त्या पा सूर्यास . तर्

मुन्यस्य भेगरा द्वीसप्रस्थ भेर क्षेत्र भेर कर की प्रस्थ ने ही ता की सामित्र हैं। सामित्र सामित्र की सामित्र सा यद्राचेशानु च दे धीरा गुहे स्व यह प्रेशाचा सेर् यह हो। व्याप ने पारे पारे पारे र्स संर देश यदे हिर हाई है में नाइस प भेड़ मा। लेश न घर पर प्राच्य र्दा भिन्दा बदबा मर्दे लु हैर छेष गुन के बुब रही वर्दा। बद्धाः सानु व केरारा संयुद्धाः वाया स्वरा हेना येराया भेराय ये स्वरा ही 💎 रे प्रास्तरा દેગ'ના ૧મ'ર્સ'એફ'**ને)** 'કે' વર'ભે દ્વાસ એક' વલે 'કેુર' દ્વાસ એક' વાર્' વહે ક' રાસ્ इट सेसंस द्वा गुट लेश नु वदे दर्व हों। अस दट सेसस द्वा अट दे सूर हु लेस नु न के स्वर हि ग नारं स पर देश न से द देश हो सर न न देश हैं कि स नु न सुर-र्र 'बेश-व व'ल'स्वास'यस व ११८ हैर व १९८ में सुर-र्।। इटार्श्वे वास्त्रीयामालेसाम्याम के प्यांका इत्र इटार्श्वे इटारे द्वार्य स्ट्राम्यामाटारी या: विदान विदान क्षा प्रमान के प्रम यंत्रे स्त्रसं है 'यम वहार दें। व्या मेर्ने सेन हैं सेन हैं र दें लेश हु व है हैं। यं न्राक्त वरे हुर वाका होन्या व दे नुवाया के राने। व्यन्धान के न्या दन के निक्र में देव भेद पारे खेर र जिस म पर देव हों। दे के प्रदे पार स ें बेस च न मार्चेर प्रसापकर पर चेर हो। हेर हैर मार्चेर पास्य प्राप्त हो हुन याने अर कें सिन या सेने प्राप्त केंग्राम वर्गा केंद्र या है देश के केंद्र में लिसानु व ने माल र ने दिर्देश में मूच यदे मालेर अहें दार व दे र या है न दु व दे र या ध्यें राषा रेविंदा में दाद्दा प्रदेश में दाया अदा है रादा प्रचुदा है। विकास

ने विं व है स्र व कु श झुन दु होन है । वा ने प्या र मी कु यश है न येव मुंखियानु य र्स्सियाने। सेन्यानेन यानेन प्रत्ये प्रत्ये सुर देश मुंकिन प्रत्ये स् लेस'नर्हेर'छे। हैर'कुँ'न्हेंस'यॅस है'स फीर'हेरहेर'सेर'य'हैर'छै छैर हेर लेश मु नरे दर्दे । हेर नलर हेर दु मु र याया महेर मा प्रेंद या हैर गुर विवायाध्येत्राय दे द्वा यन्याय दे स्वेदाय हैदाध्येत्र यादे स्वरादा विवाधरा नुराचादमाय नार्मिनायाचार्।। स्पर् दर्भ हेबासा ह्वाराचार्या सार्चिना य साध्येद द्या दे हैं। स्र दादे र हेंद्र दार्भेद्र य हैंद्र हिया प्र विक्र ले'वा यरेव हे'तेव'गुट'मल र'हेव'६८ यहेव'यते'ह सं दे हीं वस! पाड़े' र्टाम्बि'डर्म्भि'र्ट्स-सं'क्षर्र'हेन यर नुराय र्नायर्र् यरे क्षेर देवे वहासायसा रे भर र पहेर र्या माय हे मा के दे र पर या । मानस परे कु ने किराने । विधानु व प्रेस ने नवर ने वस्त वरे र्नेनस पान यु वर्षी। हेते हेर दु सहेंद धर वहेंद धालेश व न वार्सन्या वस वसद धर हेद हो। हा स भ मीय य कुर हुर बुंश ये व व चार बुंग चार ल खर बर मीर से हैर य बुंश ... निय क स्मिश्च यश्च मित्र क्षेत्र य पर य पार क्षेत्र स्मित्र मित्र मित्र के लिखा मु न देना र सेन स ने हेर सेन स रे हिंब र पन व वेन हेर नुं सुर स स पिर हे " ଜ୍ୟ 3.၁. ଞୂଁ - .ସ.ଖୁଁ ଅନ୍ୟ ଅନ୍ୟ ଅଟେ ମହ୍ନ ପ୍ରମ୍ୟ ଓ ଅଟି .ସ.ଖୁ . ଅଟି . हेन स्थाम बद्ध यरे कुर रे लियान रेन हो। हेन के माफेन हे लेखा नु न भ सम्बर्ध पार्वे मु व पर्वे सव द हुं न औव जी। मुद्दार पर्वे न द्वा कृत्राहेश 5'यादीमार्थायायाँ की रहायत्रेराकृतामहस्यायाधेदाद्वी (वेस.यायदे त्री) रिं। भूबार् रूप स्थान के बार के बार के कि का देवी का के का

मी लेखान या के हे कार्द्र यर पर्दर यस यहे का या मान सं य व रर यहा मुख्य या मार धीवायारे देशमहेवायार्या स्थापन वदाधिक मा देशमायहेदायार्य स्थापन वानी मास्यानेदायवे क्षेत्राची हेरानु सर्देश यर वर्देश यर वर्देश यर वर्देश यर वर्देश यर वित्रचाकित्रहेंनास यास्यादेवास यास ध्येत्रहे। नात्रश्रायर वित् यात्रायर मान्यायारम् मी मान्यायते हेम हेन्सम्मायायते कुरारे विषानु याया प्रयेरा व वंद्रशासर मुद्रायदे नाद्रशासर मुद्रायर महिंद्रायर दिंद्रायदे है राष्ट्रामायायाया । मति हेर हिर मु रामा मा भेर है। मारसाम कर मी सामारसाम मा ने से मु नामारस या खर अन् गुर नुस्राया सेंदादे। दे के नाइस्रायर नुदाय हेदा स्रा हुसाया के द भुकारा भाषा महिकार र ने नियम के विना नुकार मारा में मादा है है है है ने प्रमुखा है। नसान्दे दि दि त वेश व क नाइस व मा स्थान सा व्यव हो। हे हे नाइस मा वह ही सानाइस या खट विषा ग्राम हो दाया साम्ये रामी । येव ग्राम माने साम हो दा ग्री साम समा हो । नं भेदान दे दश्य । दे रे त्रेयाय उद्गान्य नर त्रेंद्र दें लेखा निया हे मानुक पर मुक्ष व अक लेक पुर व मार्केट या क्षेत्र है। यह मार य सेर् यम चया पर प्रमुर। विश्व मु न वे नात्र या चे के असं हिर प्रेन वा ने वर्षुदान इसका गुनिस्थायर मान प्रेंद करे के हना मुक्ते म हेन प्रेंद हें। प्रमुद्दायम्बर्धादमाय हेर् कुँ खेर दी माय हेर् महस्य यर हेर् माध्येष मार्थ मार्

सेन्'यर'वनुर'रें। दे वे'नव्य'यर'नेन्'य'वनुद्याद्यस्य वेयान्य र्सन्साम र्स्नुसामान्यामान्यामान्द्रीत्य विसामु वदै रिन्निति 💎 नान्सामान्त्रीतः म केर है निवस पर रेनर रे निया ये से की विश्व निया पर सिर है तुमायामार्थेन्यायदे इसादे हैंनानी र्देश्य्ये ह्वानी महस्य पर नुरे पर पर्दे रही। र्या की प्रशास मित्र विषय हो निर्मा निर्मा है देशे विषय निषय यर नुर्ध भीर वर्ष त्रास स्वा व सेर यर प्रमुर री। रे प्रवेर नु से प्रद न'यस हुस नरे र्षे १५१ है स हु सरे हुस र पहुँ सह पर पर हुन पर पर हुन रही। दे दिर दे पदियोगास्य म हेर रुदिनायर नेर्पार दे दे दे हा स्वायर वसूर है।। तह्मस यराष्ट्रेरायराबुसायाभारस भारते। प्रदेशायतीमु वनाके यावना र्ट्स में नहेग मर मिस लेंग यर छेर हो। दे सस पहुना मरे क्स कर लेंग मुं न है। रिहुमान दे मुं यस दहना न दे मुं ठर है। मलर मुं मस हिन्स क्साने अर रे. ने हरीं रे हे बिर में रे पहुंचा पर है रे हैं वि पर रे पहुंचा पर रे हुद्रायत्रीत्रहेगायते कुम्मद्राया 💛 । यदगार्भेद्र दहेना यदार्भे त्युद्रायाद्र इदा ব্যান্ত্র দেই ক্রুমান্ত লিনা দ্রান্ত্র ক্রিয়াসন মান্তর মের ক্রিয়া করা ক্রিয়া সমান্ত্রিয়া সাম बै.चक्का वर वि. वर्ष की जका हो। विकास हो विकास विकास है । मि हेर म. प्रम नप्र रेश शर्मा वहना तप्र रेड्स म् ह. क्स. हेर कुस. ने न बु.कु.टु.लक.खुका चे.च.कं.क टटा सेंट.चट चेड्रा। ह.चोरक सहामी,टु.लक.पहुचे. मु दिर खर मु नर दे न बहारा कर पर दे र महेर में है है न हे महिम्द दे रहें हैं महिम क्स. हेर ह्य. चर. वर्चीर. हा। डे. डे. ड्र. जू. हेर. जुंश. ड्रेश. चे. च प. स्वीश. तथ. वळन्यर चेन्द्री। वर्षे या गर्दे या सेन्य कर लेखा चाया वे नाद्य यदी

मुक्षामार्वेर पर मुन्यर के बुक्षास केर के छिर र्या। इस यामावन हेर पान **ঀ৾য়:ব্র'ব'র এইবা'মর '**মর'মর বর্ত্তীর অম 'মর'বর বির'বাপুর ব্রিব'ম'র বর্ত্তী পর্য विसामु व के प्रहेग या से द प्रदेश के कि व दे दे हे हे हर व वे य म के प्रहेग याष्ट्रास्त्रेत्रा माभाने नहना यत्री रहा यक्षेत्र उत्तरे सम याना वत्र हेरानु नाह्या यर मेर् परे परे परे दें ले दरम वलेर यस नल हेर स परे र स पर लेश म व य **स्प्रांस.स.स्प्रां** सित्राचे बेरे देर.चे बेरे दे विदेश वर्ष कर मीत हेस. रदानी के तर से रायदे 'खुसा' सब खुस नावर नु प्रमुदा नदी हिंदा ন্ৰ ব'ৰী। उन दैस दे लेस मु मदे दें में हो। परेर नसूर यरे दें दे के क के से न हें केंद्र मु त्यूं वर कूरा दर हूँ र त स्याया वर तीया रहा व येया यह वरी र य रही र देवी. नुरामा हैदार् मुरायस दार्स् राया संद्रायस हेदानी का स्तर् वि यर विमुदारी। म्बिराल्बरान्त्रात्राक्ष्याक्ष याद्याः याद्याः याद्याः यद्रात्रा वद्राद्राः । विकारक्ष व व्यक्र यः हैर ग्रे खैरार्रे। शक्ते प्राचित्र वाराम्य वार्षे र ने र से र वर म्यु वार्षे। हैशद्रावहेन यदे वद्न हैद कर मिन वर्षेद य दु य दु म भैन वी। दे हर क पर् वे पर्ने म् में वे कुर पर्ने र दें। मालक पर्या सुर पर्ने पर्ने पर्ने स्वा प्रध्या ता सुनासा तर पर्सेर वापरी वाबर मी वी वर्षा वा स्वासाया है। वर पर्रे ही। न लट.ची.चूट्.वि.कूर.लार.ची.र.ल.स्चाल.त.व.य.लार र् लेख.वे व.व. म्बास ... इसः पर मल्ना प १९८ भी हो। व्या व्या विश्व पर पर मार्थ पर देश **७.**च.बे.झुम.च.प.र्नार.सं. लेब.चे.च.च.स्वीश.चर्]। वर्चेट.च.पस्य.चीर. राष्ट्र च बेच्या है. च बेच्या स्टर्स ट्र. हैं. दर हैं ज्या सर्चा व हैं। त्या हैं। त्या के स्टर्स स्टर्स ही न देश भी वर्ट न केट मुद्द हो। यह सह देश प्रश्नेय के प्रमुद्ध न में प्रमुद्ध के प्रमुद् है। पहेन यं सेर्पर राम न्यार में नाय प्रे प्रहेन यदे मैं जब नर्रे हम में नजा स्वीत वस र्वर वर्ष हर व वर हर व हेर में हिर ही। वरे. שישב קבמי בו באמיבי בי פּק־יחַמי תבחים אק ים פּק־ישׁמי פּבין पहुन, नपुंची पनप बुना नुझ पहुना नर पेनी र नप्स। ह्र म् हेर क्रीस हेनाच है। नाय है नालर यस र इस रहेना द लेख न च ता सेनाय पा ही सः र्शे । भ्रम्पर हेन्याय महिश यदी द्वा नु सर्दर यहा दूर स्था श्रेद्र.तर.पह्रच.य.त्रात्र.वेश.चे.च.ज.स्चेश.च.श्रेंश.च.ज। दे चविद्रश्चेद वर. पहुंच, वे वेक्टर. तर नुरेर तर वे उहुंच. वर मुं बेश वे व जा सूर्वास तर्गा रह. हिन प्रदेश यदे वन्न हैर उर प्रदेश यर खेरा प्रहेन यदे मुं वन है न उर सेर 리도·ME·서울리·리도·스텔도·호·영화·집·리조·월도·호[학·우· 학·미지지 다구 전 इमस कुर केर कर लेस न पर देन मर हेर य दे रे मार्थ पर मु मदे हेर बस्य नु न य स्वास प्रमा मावर द्वा वे र ह केर प्रहेमा पर नदम केर उद प्रेर यन्सं लेश व न न में मुन्दे नु वेद र ने पे दे प्रवेश न भेद य स भेद है। तम मी मा कर पर अर देर मेगा व नगर लेगा में प्रचेत में में देरी है रह्म मा उर् मार्था सर पर वर्टे या लेखा ने न पकर पर प्रमान ने कि ही व कर लह लेक लागुक लह लेक न वह के निय के निव मार्क वर्षे वर्षे

लिस मुन्द देना हनास तर स्वास सरे दें। से देना य हेर हे व के व स्वास सर क्रिनेश्वाचा व्यक्तिसारत्। देवे अट माल र दट देवे अट माल र अक्र माल क्राना केंद्रे लेना सुका मार्ग अनु करा मुक्त कर में मार्ग हैं। प्रे देन भेग लेहे। दे दना में WE'र द के द की उसाय थीर तारे दना नी WE'र द के द हैं स या ये नावर भेर या दे " हरान अवायना वर ह्या महेशा में नर हुवे। देवे अदाह वा सारवाहना प्रवे यर दु देव भेद वा दे प्रशाद रे खिन हु या माहेश मा दे दना दु नावस्था या भेद केरा रेट्रे. र्बे. यं ग्रीश. रेस. पश्चमस. त. रट.। विभाव जा स्र्रे. वर्डे. लय. लया वर्डे. ची. रवट. मुनायरे वर दुर्शा दर्स र्वे वनार क्ना नार धेर य लेस नु व ता र्वे दरे हैं हर प्रमुद्र माल्य प्रमुद्र के माल्य प्रसाद है नास मा प्रदेश है माध्येत विभान प्रस्ति हर प्रत्यत्त प्रमा दे के के प्रत्य के प्रति EE. ब्रिंग. ब्रुब. में प्रति के प्रति मह्रें म प्रमु में लेस मु म मे मिर् पर में। अस में स्या मुद प्रमुव म विस.च न वा ता सा होंसा च के अस हो र वें करे न वें करे ना संग्राय के हे न र मर्द्भन भेष वें। दें हैर ग्रे न पर पश है शिश ग्रे प्र हैर हैश न पर ने में प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र प्रेन्'ग्रे'ऑन् **२४.ह्र्म.त.तम्मभ.त.८.चस्म्मभ.त.**तम्भ.त.त.तम् मीस लेस मानदे देव दें। विस्ताय के नदे न न दर सुद यर मुद है ग हैस यदे य दृष्ट स्व पर पर्दे पर्दा के हि है है सुम क्व परे हुन वहा स लस.स.स्ट्र.पर चीर.कुचा कुस.स्वा वर्षात्र दे वंच वर पर्टेर वंच्या वह की निन्यते निन्यम् नि द्वेषान नि प्रतियायाया वर्षेषा पासे न यापा प्रदेश ।

লাটাল্লী প্ৰতিবাদি নিৰ্ভাৱ কৰি সংলা বিচাৰ লীবাদ্য আৰু আৰু জীয়া প্ৰকাশ स्ता, रे बैट च दर्। ठचीच स अभव श्रि.श्रूट, च बुम च च र ही हून. मार भेर रा परे के सर मेदे दिं या संग्राम। संग्राय हो मुंद के मौत स दर हु मु य संग्राय महर है। दे य वहेंस य मेद य रे दें र है वहेंस है च व र्रोन्य च के क्रिक्र करे हो ना या चक्रिय च केर च र्रो हो च र्रेड के माला सूनाम.तर्.हो। रुप गुरे.तर् हमासे.वर्षः व.११ ध्रम लुरे.ब्रेस वी. यते हुंब हुं। इंस.च.खेब.च व जा सूर्याया जानाम खेना छेर वार छिर. पर म्री. पत्रुजा चार्ट प्रयुचायारमा मोशासुक र्युचाया १ महीचाया १ महा श्रि.श्रुट्र.च.ब्रेश चे चर श्रुच रही। अभाश श्रे सूर चाविद्रादार हासे व बुचा ह ती नर्सि स.भर.स. क्या.च.च.च स्वायाचा र्यूबारी वाट लेना चेर पर होते. नर मुक्त पर्वेत पर्ट वर्गे न न लेक में न वर्गे य नि में हैर नहें र न भेद हो । त्यकानित स्यान्ति म्यान्ति वात्राच्या वात्राच्या वात्राच्या वात्राच्या स्वामिन्ति स्वामिनति स्वामिन्ति स्वामिनिति स्वामिनिति स्वामिनिति स्वामिनिति स्वामिनिति स्वामिन व्रयेथायान्दरावर्षेकायार्वि महाय भेदायाने के। वर्षेकाया सेदायते हिनायहै विर्यः मुक्षायस्याय दिः वर्षेयाय उत्ता दे त्यायहूँ वारा से द्यार विष् व.चट.च्.टुरेच.मार्चकूर.त.रट.चवस व.रट.चट.ग्र.चेट व.चकूरा.व.छर.ट्... बुका न व वहामा पर देव के वहा देव हैं के नर हिन पर में वर बुका ने प बु.चर.प्र.स्य.रे.चैर.व.रेट वर्चेव राष्ट्र में.ही के उरर एव बडू में लूरे.. य.हे.वे.बे.ब.चे.च.क्र्य.क्ष्म यर.बेर.र्.। वहे.वे.चक्क्षेत्र.चर.चे.च.केवा. क्षेत्र विश

गुन्देशया है हुँदान न्दावनीय नदे कु है । यस नावन से है। नाद नहें राय से दें म बु.सिम.दे-विट चर्टाचनीय म अवश शि.ह्यूर्य तार्थरे हे दु. खु.हे वर पूर्वर हरू ... मैं क्ये.रे. भुष्टी रे.स्. अम वे.वर् रूपे हैं। वसी व.वर व.व.व.वर त्या पार्टीश वर्षा रद्रम्बुन मु मानु र द्वेषार स्रेन है। न्देश कु देवे हैं देश देवे या वाद्र देवे वे न्द्रमानीयास्यार् जिंदान्द्रात्त्रीयार्भेशकासी,शिंदान्य्यार्टाह्यासी वर्षेत्र मा बरु है दु प्येका परे हीरा । दे हे वर प्येका पा कर है दानु कर प्यरमार्का पा प्येक ही। मञ्जयम् नियानाम्भियायायायम् वर्षे क्याद्यायायसं विवास न्येषास्य प्रेत कें विसाम म ने। ने के मर मेन म स्वाके एके र प्येत म रहें। हे के कर प्येत पांडव के र म भेदाम के दनाय न भेद बिटा। देखें हिन म है दे है दे न म न नहें र महिन नर खेल र ने विकास के कार्य के कार्य के विकास के पर्ताम तर नेर पार्टे में में हु का लेम में पार है। यह से पार प्राप्त पार पार प्राप्त पार पार प्राप्त प विरायक्षक के सम्बद्धि करें निर्मा के मार्चित वर्ष में कि स्वीत करें कि में कि में कि में कि ैं **धर्मीतरा लेखा का विदासरा ने ज़िर् कुटा ने जल ग्रिटा जेखार व का श्रृत्या पर विदे** यम् द्राप्त मान क्षेत्र क्षेत्र संदेश य भेर वे लेख न व ने न क्षेत्र वर न म के स्ट्रिंस सके मान्त्र के मान प्रमाप प्रमाप दे हैं है से दे व दे व दे व से कर्म भिर्मेय राष्ट्र श्री स्थ मिर वर्षे स्वास दस्या वर्षे वा वर्षे वा वर्षे वा वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व सद्भु मुस य दर्द कन्य य स्थित यह सायह सार है वर के पर है में दर्द हों हैं रमास धर देस न दे किया प्र पर्दे कित प्रेया दिए निर्दे देवस है हिए नर जुन ता वर्जुन नर नेर निर नेस र व के विद पर ही। अंगरा पर हैस

है.रर.तर ह्रेंदश.पवंद हूं।। चाट ची.ष्ट्र.श्रेश.च.म.श्र्येश.च.ल्र.व.खेश.चे. याचा क्ष्र १ तु चे १ पा ले का चा वा के जुका या वा के ज्ञान पा के र वा व दे दे र क ज्ञान वा के र व मयामाना भागा मार् मुका चराय चुरारे विष्य शक्ष्य दुः चेदाद विष्य चुः चरे " ्र्र हों। अंश्रथ केर केर केर के हेश ख यद पर्रेन्थ न पर्रे पारे ने प लेख न व दे दना के केद दरे व दर केद के वदे वर्षा वरे व दर हुन वह समान के सम मु ल्रा १८५.चस. प्रम.च. वर्. चर्चास. त ज.लूर.चर्.च.रट. रूचा चर्चा हो. खुसःनार्द्रसः च दे और से वरे व हो वर वश्चर स्था के दे वस द वरे व दि ह्ना वहाय ने क्षे दश दे दन क्षे वर दन्न रो। देना नुरे सुर वर देन पर डेर्'य वेंसरेग्'नुदे'इय यर'लेस'य व्याबेश नु च दे'म्ट मेरेग्'नुदे'सुर्'यर" बहेरियर नेर वर अषाके द्यापर पे यायामार या देख न वरे रेर्डी। येर मालुदसः परे छेदः परे दृहसः मदः मैसः प्येद मानुदस मदः छेदः यर्थे। यहदः ग्रीसः त्ये**, रट.**त्ये. चीवेट्स.तर.हेर.त. ७ ४.चे.च.चे.चें.चच्ये. त्ये.चें.चच्ये. ยูาสาลิาราทายูดิาเลูร นะาณพาพัก รุกะาณัณพาตุพายูาสาลิาราราราร ณีณิ महेर लक्ष हे रही सहरे नहीं। है सर भेन सार्श्निस माला सर पर्ने सामा पर मार्दे न्याने न्य द्या द्या द्या द्या वर्ष द्या वरा के वर्षा मर हेर्यर प्रमुद्द वेशन वर रेव हो। देवे वशय अध्यक्त दिन्न मान्दर याद्यान्य्रित्यान्तेत्राचेद्रायदे क्षित्राक्षेत्रा द्रात्यास्य दे त्रमुद्राचेदे हिस साहेद्राया वे से समुद्र मदे हिंग्स य नहुण च से र दते हुर स हे स य स से देशे । दवर र्याधार देवे द्रमायर व्यापते हे न भेन पर नहार है। रदर र नहार मा

खुंस स ट्रेंद्र, क्ष्मानर खुंस. सपूर में कुरे रे वडिट ह्या बट ट्रेंग सिर तर जस हैंस. यत। । रामी देव द्वार संवार होया वेश न न है हैंद हे देव देश गुर हेश मु'व र्श्चेश है। हैव के द्वार वें वें। देश के बद में दें र मुंश मद्दें भे अपन वर्षे क्रें अबायाय स्वास या स्रिवास या स्रिवास या स्वारी नावन माबर व्या में बा केट.रट मिंबा दुश वे त वे जिल टवे वर्ता महूट व रट है हूं में त. प्रश्न विश्व ने व केवा हुं श च देहा। सिना अहु हार जश विश्व में देश प्रवेश हैं श्चरः र्रो । दे नले वर्ष प्रत्रापर द्वा व्रं पर की तम ले स मु प्रथा तकर मर वेर र वें के देवे हेम खु में वेर प्रे के देर रें हे मान व के दूर से खु र दे दे दे प्रचीर प्रपृ. हिंश श्रे. मु. दे दे प्राचे हिंदा में हिंदा में है द्रा में हिंद है वर प्रे पर प्राचे पर है द लेश न पर श्वर हो। हे सर हेश श नेर पात्र प्रेन लेख। दे दे पे हेश सर देश में न ता स्थाय पर हों सर है। इस में देश में र में न देश में माता स्वाहा पर दे सक र केर उद नार प्येश पारी। हिसायर हिस सु पहना पा संभित्य देवे कुर। ब्रिंट के देवे हेब हा कुर हैं देव का का के के कि · ଜିଂ.ଥି.ନି.୩ ରି.୩ ଜ ଓଡ଼ା ପି.ସ ଧୁ.ହ୍ୟ ହା ଅଧି ଧି.୯୯ ଅପ୍ରାଧ୍ୟ ପ୍ରାଧି । · 복속호리. 링스. 저성. 현. 영화 의. 도 환도 및 수는화. 원. 음식. डिना ने दे ने मुंदे दे में दे मे दे में दे मे में दे मे में दे में में दे में में में दे में रेर निर्मा निमानरे पाट लेस निमान के समानिया निमानिया के स्मानिया के स्मानिया के समानिया के सम हैं। निर्देश श्रे क्षेत्र हैन हैन हैन ने प्रमुद्द प्रमुद्द प्रमुद्द हैं स ख नेर पर प्रमुर मा दे हैर दे रचेर द लेश न न म संग्राय हाँ स दाया

सिन में हम शे.पहेंचे च बुंब.चे.च.ही सिन में रेट्ब शे.रेचट स् पु. चेंब स्के देव के गाउँ र पंचे के त्या र निम्म द्राम द्राम द्राम है निमा स्कार है का सुर है न म प्रेन है। हे नाम य न है र है है स हु हो र प्रेन हैं र है। मा म हे दें विकेष्टरायेर्यायाद्रास्त्र्वाचेना होदायादे । हितायारामाराध्येत्रावेषा ल्चा.यश.पक्रट. ८४.८चीर. ऱ्री र्ट्य शि हे. बर . जुरे. तपु. में हेट. श्र. लूरे च. बै'वन्य न' भेब'या। देश बै'देने हेश हु भे बहुन याया हिन या दे हुन ब' दनाभावसान्वराय द्वेनसायाध्ये रहें। द्रस्य सु स्दृ हेन हेन प्रते कुंस क्षेत्र, दे देश में नपूर महीन तर में में नाम है भारा है भारा है भारा में मारा में विच सक्ष नुसेन्स म की हो। हे हिंगा धार है देश धर होना च माने रेडि है चर लेक पत्रे कु केर तथा देव रहेक शु झर हेवा नेर पर्वे कु हैर सेर वर्ष ्र विवास भी राष्ट्रा विवास के दे दे से के वर को दा के दा रेरे इंद हेन हुर परे केर हिर कर केर मारे हुर व हुन पर हुर पर नाय पर रेश्चयंत्र तत्। विश्वयं में क्ष्रुं शुंशशाय हुशासर शाय हैटा च . ब्रेश चि.च. . हो. चाड़ेर.जूच व.रट.चचैत्र.च.ज.स्चाश ह चारशः श्रेचशः के कूर्ता। चरेशः ्र मुझ'या में १ है। यु व र व ले ६ दू अटें व यर यह या यह र स्मुट रें ले हा मुखा में ३ है हि च न वे ४ तु वे के स्वाद वेचा माद सर घर हो र द है के ४ ते। मांबर, म हूरे. न प सूची म. चर्री वर वेश च. भट्रे. चर चीशण च.रू. वश्यात क्षेत्र हेश श्रु मधुक भये । वर्ष वस वर्ष । हुर जल बियान न बे. हुस. यात्रास्य में सान हुं सान हुंस में मन दें सर में है मन ळन्याणी निर्ने यर त्या लेखा उपरे दें के हैं। प्रेंब न्वे अहेंब यर न्यास्ताय लेखा उ स्वाकः **ोक्षा**रवाद्य धोदावाबुद शायाया स्वाकाया क्षेत्रावीया वाक्षेत्रायवे क्षित्रा क्षुर-र्रा। विकासुन्द दे। सकार्द मुंधिर १५४ महिमाहिर प्येद ८ का सी। देते.रट.च**७४.हेर.ज.रे.प**ेंब.चेश.चर चैंद स हेर.क्रिश.चिव.त.ल्रेर.ज। पंट्रस दे भेदायादे द्वारा वाष्ट्र या हिराया से दसेनसाय दें। विसाया सामा सेना पायासा भाषीयातात्रात्रात्र न्नरी, हेश वि याता सूचाश या सूधाता जा हैटा यह हेरी जाया हेश चि.च.दे.पिस.ग्रे.ल्य्.२४.८भ्रचास.त.इ.सक्.र.३८.ग्रेस.ग्री.त.३८.पस.स्। वाजा **दे. व्रस्थाना जार्शका राज्या प्रसामिका जी लाजा प्रसाम क्रिया माले स्वराम प्रमाम क्रिया माले क्रिय माले क्रिया माले क्रिया माले क्रिया माले क्रिय माले क्रिया माले क्रिय माले क्रिय माले क्रिय माले क्रिय माले क्रिय माले क्रिय मा** हे.लट,रेशुक्र संक.पंचीक,यी 💎 ह्र्स,त,ज.स्चीश,तश रटेस वेस,व,वेट,तवु, क्ट्रेंद्र सर्वे पर प्रथम दवे दुर्व व अर मे दे प्राय है। प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप मा.ज.लट अंग.ज.वि. तर भेर.तर केर हो। वन भेर वह अंग व न के वन सेन्'यस हॅम'य'उद्देशी से मार्ट : च न्द्राम्य स'य'र्स्नार्थ च ने ने हु बुंश-वे.त.को भू.चंद्र-. वर् .चंरेल रेट.चंत्रार शर्व .चंरेल हे .चंर्या दे नम द'नम र निवस दे जिस है । कर्ष मा के के के कि के के कि के निवस के कि के र्बेन'म'न्म'र्नेर मम पर्नेर्'यासेन याने 'हमान सामेसामाक्रेन'नु'वनुमारी लेन। म्रराक् नादा सर्दिक प्रदार क्या साया होई। दुः स्वरा चार ते वित्र स्वरा प्रदेश प श्रे.जुर्य.त.बुर्य.त.च.च.च.च.च.च.च.च.इ.चि.कू.च्य.स सरीय तर सेंच्या.पा. प्रह्मा या सेर र्शी माया ने नवट खुना थ स्रेंन य वयद साया है न प्रेंब यह खेरा र्श्वन क्रम्ब स्रम्भ उत्र माल्य मी वर्षे दर ने द्वार के दर्भ के लिया करमा वर

य लट स ले द हे विश न प स न स न स स मि स द र पर क न स प र हिंद र द **स्ट. च. ६३. मी. ११ व. ११ a. ११ a.** मार्थाः भवशः वर् दे दे रदः वर्षेष नीया वश्चा व केराया व वि वर्षे द्रा हो वर्षा व मान्द्र केवारा परि दे हो के सा अपने पर प्रमुद्र स्त्र प्रमुद्र प्र माद्रसार्व्याद्रसा सुरायेद्रायामाराष्ट्रद्रायाचे दे है हे हिना मुद्दुरा व दंस है वराये हाया हिन क्षेत्र सामाना सद् स्थ्रीर दरा। दर्माना धरे (वश्वर सः के द् ग्री खेर। वश्वर सः दशःमीर तरु अक्षेत्र हेर हरे है अप्तर के पर रेत्र हो। हेरदर प्रेर प्रेर प्रेर पर र्देश र्च दशका के पर से प्रमुर र्देश विश हेंद पर प्रमुर र्देश माल्य के र्यट. मुझ.ग्राट. रसर. तर् . मारस ही. दर्जे. य. स. १८१ है। र्यट. ही मार स्ट्रें य. यामा. माकेराग्रे मुहरार्गा मुक्तराय वर्षा अदाया अपने । ख्रिया दरान्त्र दराना द्या स्वायाक्ट व वहेशरु परावर्षी वास प्रेशरी वास्त्री दिन्द्र वितरि द्वारी वितरि त.लुरे.व हुस.त.र.भटज.ज.स्रे. चर्ट्र.चोर्थस.लूट्स.श्रे जुरे.तर.श्रु वेट.चट्ट. हुर. र्दी भग्दासुभाभावरामे वार्सिन्धायान्ने परावनुदारी दे पश्चादार्रा मी है 'चर 'मेंब' च हिंब टू बॉट च उन मी हीं है है है से चर दसव चरे 'च्बस से में चर ड्रेन्'य'ने द्वर दर्'देश यर प्रथ वस यो वा प्रथ हो। हस य हेंद् नु संद म उद् नमद मदे मादस मेद पायर मुद्द है में मी मी में स प्रदस्स मदे सिंद पर कन्रसाया सेन् या साधीरायाने स्राप्त के किंसा मायते सामुवाया हैन साधीरार्दे।। হলাৰ মন্ত্ৰৰ দহণ্ট দং ঐৰ্থান হলা শুৰা দণ্ট্ৰ 'দু' ক্ৰি' আম **বেলা ব্ৰু** দম দ नु'न'र्भक्र'र'क्'रे'विना'यर्दर नवना'र्नो । नार नी दुर्राद्भर् पद नाद्रश'या

शहूर तर क्यांश त. व. धुंश में .च.ज. श्र्यांश चंडाती शहूर तर क्यांश तर में केर. तुर तुर केर वर वर्गशावश हैना वहार वर वर हिं वे अर्व केर डन हैर ने खेन हैं लॉन पर हें महें नम क्षाय मारी हों। यह यह हि हैर है भट्रे. तर. कवाश त. भ ला १ खाँ। में बे. वर्षा म वरे. वर्ष में प्र रट वर्ष १ . वर्ष १ १९ वे इना नह्य में नार्श य सुब है स र्यन पर हैं ये प्रें लुब. ब्रु. खुक. चे च.बु. भटता. ची. चेबस. टु. कुट. ब्र. चट्ट. च. लुब. टु. खे. चेट्ट. वेश. ट्रे. खे. चेट्ट. वेश. ट्रे. चेट. वेश. ट्रे. खे. चेट्ट. वेश. ट्रे. खे. चेट्ट. वेश. ट्रे. खे. चेट्ट. वेश. चेट. वेश. ट्रे. खे. चेट. खे. चेट. वेश. ट्रे. खे. चेट. खे. यर.वहनात.क्षेत.ब्रा ट्रेड्स् कर.क्षेत.ब्र्.खेश.वे.व.क्षेत.कु.ज्ञ.ग्रंश.ख्रं द. मीं. वर हो। लट दे हेर वे हैं ने वहार रट वर व बुक मित प्र में मार्थिक हें। त्रिया मुक्षा त्रिय वर्ष वर्ष र वर्ष र वर्ष र वर्ष र स्था वर्ष या र स्था या र स्था वर स्था वर्ष या र स्था वर स्था या र स्था या र्<u>चेत् पदे सक्तर हेर छन त्यर हे ल</u>िशाच वर वसु वर प्रति। र्वेन यते मान विकास से देश मान से मान से देश में देश हो से प्राप्त में में देश हो से प्राप्त में में प्राप्त में में रेट.क्रेंब.वर्ष्टा.वर्ष्ट्र.वर्ड. क्रेंट.चर्ड. क्रेंट्रक चरवा.वे.क्रवंश च.लट.... **८षट्स.व.३८.११३.८। इ.४८.वर.१९४०.७.४८.**वर मेर.५०० हेर. यर ने दे व के हुँ र पर ने दे भर है। सक्ष न्द म र मे व से दे पा लट हो द व वुट व क्ष. बु. मी. वर्षे या. मी. बु. खुम. खंटा तमा चिरा यह खेट हो। हिर है. ज्वा पद हीं होंस प्रशाद साहिता प्रशाद कर के प्रशाद साहित साहित साहित साहित साहित साहित साहित साहित साहित स तर खुंश चे न व प्र म ट्रिंश रार्च हैं नर हा। के हैं मंबर रेन मुंश मेर भहेंट. न दे लुर द नात्र केनास के देव दे है द स नावा म स में दे लेस व त के नाल्य . द्वा मोस स सर्हेट लेस न द ने ने लिक मी टे यर क्या या स स्पेत के ॥ विवाद "

यशःस् ॥ देव वर्तेः वर्तः खेर वर्तः समार्यवा द्वा वर्षा वर्षे । र्भ भूष्र्यत्या क्ष्यु व्यक्ष हेश शुर्द्यम् य प्यट विद्वा हे हे हिल ने व ्रे । अंशस.यु.म्बार.भर्ये तपु.के.चर.जार.त.ज.म्बा.लीस त.लारे व्.. खंस ये. वत् क्रिंग मीस दूर वाहेस शुर्यमा धायन्तर के ने हैं।। हे नह दे तसेन बित व्याद विषय । । विषय ग्राट दे द्वाद द्वाद वर विषय । विषय विषय विषय । द्यार हे मु स रूट व से र वदे खेर विस मु व व से स्वास व वह क प्राप्त के कार्य भाहेशासुर्वनायरावत्रकेषात्। द्येरावारानीयि केष्ट्रास्ति। ्लेखानु नार्के नार्के नार्के नार्के नार्के ने निर्देश के नार्के न नस विनाया भेदाया वरे तारे सेराया रे हिराव हिया यर हिराय से रही ना से रही ना साय रे ।। रे'निहर्नु'निहर्न्न'त्र'प्रत्सुर'नर'नुर्दे। श्रथ'नरे'निहर्नेकेन्स'स म्युय-हिट-विश्व-मु-त-हे। महाक्षेत्र-महास्थान्त-त्रसासेन्या-विश्व-मु-त-त्र श्रृं यश वत्र प्रमान भेतर भेतर परि ता मिट पा मार्से र पा भट समा पा नि व नि ्**यः स्रेर** ध्ये प्रत्ना केर उद्युष्पेद दें 'लेख नु प्रदे मान्द के नुस नाट ध्येर या दे दे स माट विनामाट नाम 'न दे मार्थ ना विभाग ना विभाग ना मार विनामार विनामार विनामार मार विनामार विनामार विनामार विनामार विनामार मार विनामार विनामार विनामार विनामार विनामार विनामार विनामार विनाम चर्षेय.त.लुब.हा जना.त.र्टर.म्ट.न.ज.स्चाश.न.व.रट.नर. प्रश्न हुरे तपु. क्षेर दें। शन्त यर मुन य दे खु यात्र र हेत् दें।। शन्त चीट.बुची.चीट.लब्र.कंब्र.क.क्ब्र.ची लिंग.व रेट.त.क्ब्र.बुब्र ची.च.ज.वंब्र.चे... स्दायां कदावा देवी ख्रायां के स्वतायां कदा ख्रायां कदा

ध्ययम् द्राप्त वर्षः द्राप्त वर्षः द्राप्त वर्षः द्राप्त वर्षः द्राप्त 회 고립니다. न.लट.चस्चेचश.च.हेर.लेर.स्। ७४.चे.च.च.च.च.च.च्य. न'वे हैं 'बेर' त्रव' त्रना स' नहीं नस' प' सहूर' च'डे, हेर हिं वास नावु ने नीस नहीं नस' श्चित्र गुर सर्वेद नर वितुर है। र्युन्य मार्वे ना नौस नहीं नस सु है न गुर **ब्रिंट.ग्री.मिंबेट.पुंश.लब.जचा.क्र्य.भ**.चश्चीयक.त.क्रेट.जूब.ब्र्या लब.जचा. बन् नारायाध्यन्यमायहेन् यदे व्यवसामर्वे या दे सार् स्मार् से साम्या **पश्चेत्राः त.वे.बे.म.चे.**प्य.प्रमा.पश्चेत्राः त.वेर्त्। लव.प्रचा.क्य.सम्ब. उन् मर्वेद च श्रेन प्र व लेश मु न त्या माय ने 'अन यमा वस्र श उन सर्वेद पर . . . · ব্লুম'ন'
দৃষ্ট ক্ল'ব্ৰাব'
ভ্ৰিনালীম'ক্ল'মবাব্ৰাব্ৰ'
ম্ব্ৰাম্ব্ৰ'ম্ব্ৰাম্ব্ৰাম্বৰ্ र्रो "हे दुवन्य द्राप्त स्र निर्म के निर्म के प्रमार प्रमार स्र है । प्रमार प्रम प्रमार प्रम प्रमार प्रम प्रमार प् व्याम्बर्टर पर भरामिश खेद पारी प्रशासी भराम विस्था सर् से सर्हर . **च.२५.५.३८.।घम.** चट.पर.वेर्गा टे.केर.व.सूच्या पश्चेत्रा पश्चेत्रा तथा.पीट. म.पिस.च.भक्ट.चर.वचीर.हा। चाल.टे.र्जा.चारेश.वुस.चे.च.त श्चास. ্ব'নাধাম'নহ'ন্ত্রিব'ন'ম'র্থনাধানহ' দ্রীনাধান্তামান হিন্দ্রামান বর্ণা হা चल्व. विर. तर भेर चर हैर है। रवह च लश वर्ष वह नाक्ष भवश **87** पर से पर के हिमा स हेर स प्येव पर हिं परम्य प्याप्त में मर्द्र में प्राप्त में स्थापत हैं सर्द्र में प्राप्त में स्थापत हैं

मान्द्रके मान्द्रा मान्द्रिया प्राप्ति वर्षेति हुत्यास् स्वाप्ति स्वाप्ति द्राप्ति द्राप्ति हिन्द्र र्षर देलास्य र पाणी र दायने राजे तारे हिर क्र्याश शाचिक गुदार सास्य केराले र ब्रुंबेश.वे.चर.बैर.र्ज्ञा चारेथ.कूर्याश.रं.कुर.ग्रे ब्रैर.रेचर.त्र्य.परंश.परंश. य हेर प्रेक् कें। में हैं गहा लेश नु व है अर्च प्रेक् कें। प्रेक प्रकार परे प्यात्र भ्रुमा मुझ गुद्र लिख अप या या ख्रुम्ब मुद्रा । की मुझ प्रेट हर ही ही ही कुर्रायश्चर्यश्चा मामेर्याय जिसामु पर है रहूर मु नादस म्राट्स सु विनुराय उद्गेस . वेश.त.वु.र्घर.मु.टू. त्.लश.पक्.च.भुर.त.च८.ल.लूरं त.लुश.चे.उर.कूचे.क्श. तर हिर हा। किंस रट है स हे स है नह रट हार रट हार रेट ने हेश है. चते.र्ब.र्गा चून संस्वाब अत् वेवा मानेत खेर धरे हर वुषा या सेर् त. झेब. कु च. चुेर. तर्. भुंर. रह. सर. त. जमाना वारा अवस रे. वु. हेर च. भुं. व. चावर.. केर केर है। देस दे नाउन हैं नाय दूर में स नाय न पर हो। वुसाम है त्रात्रस्य प्रदेश ता बुंश वि.च.ज. स्वांश चशा चीवे के स्वांस चीवेश प से मीच वर् यद्भेष.श्री हुँच.नुरं.ब्र.महूट.चर्.वचरा.ज.चह्नैयम् नोल्वारा.च वर्गक्रियं चर. नु नंबर्य हैर्द्री। व्याषाय है रूट ने खुयानु ना वर्ष पत्र चरे मोना वर्षेत्र तर्या। दे.कर. हेर. त. ७ अ. च. च. च च है च हो पता स्वास च हेर. च हा। दे. कर. ब. चार्यर. देर. देश. कपुरं में मार्च रच देश मार्चर । विस्वर के बर् के बर् क्र्याय द्वेरारे द्वेवा हराव समय प्रते भागा त्या त्या त्या तही वा पर त्यार त्रां नाम्न-द्रा-द्रियाकु त्राक्षांचाहा य अदः व्यन् उद्गान् हें मार् होता होता लट संक्षित है। देनाश से समुद्राय हमश्रे हुँस या यो हेर साहित सदि हैर र्राः । दिन्द्रिद्दे द्वायस रेन्स सेन्स समुद्र य लेस नु य व्यस्त सम्बद्ध सी। स्य. व्याप्तराचीराचा लेखा चित्रा व त्या व्याप्तरा व्याप्तरा वर्षे । हे कर द व द पा कीर द अप लेख है । ह य दे हिर पड़े द है अप कर द के पा से द द । ने नमान क्षापर मेसायदे है हिन्दूर के नेदाय में ओव ले**स** न न धेर वा वै: अवास्त्रों। स्र प्रें के स्वास क्रास वै: क्रु 'के प्रें प्रें प्र प्र प्र प्र प्र वि वि यादे केदाया विवास माध्येयायादे स्वराय दे होदायाय राज्ये की विवास है। हु किंद, थे. हू, बाडिबोश्व, पा श्वीश, त. किंथ, त. बुश, ये. प. थे. प. धेव वा वैना वर्दः व विमाय र् मांडियोश.च बट.सू रेट. हु. खेश सू. ११ . ७४ . खेश. च **श्रुप:पु:वेप:यास्राय**पुटायार्च पटायाह्यम्सायार्स्यसायाप्टाव्याया ल. सूर्यांश. ततु. त्वीविट. ज. सुर. हुट.। वी.र. श. मा सूर्यांश च र्यांश के सिवेश. त. पट्टेश.त. प्रश्न. केट. कंट. से. त्यर. प्रती त. व. प्रती श श. शरी व. त क्षार ... गिट देश विदे हर हैं हैं से पर होर। चर्ट विश्व ने चर्ट अब समा ब्रु'ल्रॅ-त.भ.लुरे.मु.ड्रेर्.मी.चंर्रेर.चंरे.चंर्येर.चंर्येर.चं.कुरं... वर्द्र व स्पेद या स्व व र्ने नाइनाबाया सेनाबाय द्वा ग्रद हैं।। अर्व १३ दशकाया अर्व १५ सेना तर्वर्रातरे हरावा वर्टावर र्रात्वा वर्षायर वर्षाया लुब, तर मु, वचीर हा। वर्टर व विधाय वा श्वाय श्वाय र दर भ्राय विश्व विष् दश.र.वु.चर्ट.च.ज.चिडिचेश.ज.स्चोस.च.रभुचोश.च.रभ्भश.चेविर.चु.स. भु.पहूर.च.कुर.र.वर्षर.तदु.बुर। रेज.संश.क्षम.मी.चांडेचांश.ज.स्चांश.त.

लेस.च.न. त.स्वास म झूंश.च हो। हे.हर.य. हे हेना महिमाश ताहे दमा वहुंद न'दर'स्व पा ठव साधिव हो। व्यव हव दमसाय स्व १५ १ सेराय हेर ही ही राही। **નુ** '** સ.ખ. શ્રું ચોલા તા. તેવા. તું સ. ખાદ. સ. જો યે. ટ્રી रे.रच.ची.कंष.च.७चा.नस. रे.ज.र्मेथा.भू.भवेष.त.रेट.उर्ड्स.तट्रर्जेल.सं. **८**हेना थ छे ५ कु छे ५ देश रवःचित्रन्थः संग्रायः स्र्रायः प्रदे यःचारः स्र्रायः दे द्वाः श्रुषः यरः विद्युरः हो। हुयः स्र-दार्-द्रनानीस्र-प्रवस्त वुर्स्सायायदास्त्राच्याः नाटायाक्त्र-नार्नेनास्र सद्रः व्यविष्यात्र, शूच्या तथा पश्चर्या तट्र, प्रचेश, येट्र, चिष्ठिया था, शूच्या प्र, प्रचेश, प दे [,] हे द दे . दे नाम . में . पर . प्रमा . में . पर . प्रमा . प्रम . प्रमा . प्रम . यर.पंचीर.र्गी पाउदामाध्याप्ते वालेका नुप्ता क्षेत्रा क्षेत्र क्षा क्षेत्र क महिनास या स्नास पद नार्य स्नायस स्नाहिट च फ्रेंब हें ले बा नन्न केर जुर न्वर वे अस वर्ष य अद लेस नु न र्से र है। पावनासाथार्सनासायादहितायासायादाहे। देवे हेदारीव नुःर्सना नुःर्मुना नुःर्मुन ग्रे.क्रेर:र्श

क्र्याक्ष्मात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्याः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः वर्षाः

त्य न्द्रिंश न्दर के वर वन्नाय प्रवे केंस नारे ना नार यस व्ये पारे वा ने वा ने न्द्रिंश न्दर के सर महमास में देवे केंस कर हों। वेस स मह त्य देश दर के मर महत यदे कु महन भेर पर दे दे दे के महन हर हो। दे दे कु महन पर दे लुक् ला ने स.त. घेष्ट्रेट्य.त.लट.लुक् .बुका.कुना.क्स.तर.क्रेर.र्. डेट्र. ख्य दे दे द्वा म भेद दे विश मु नर री। विश म सहिद्य पर पर सि म केद वाद्र्यम्माभवादार्भः वरावद्वामायामाभवायार्भेदायादेवी क्रियास्वराभवाया मिन पार्श्वर वादे दिए व नावा न अपर दिसादर है नर वह नाम महेदी केंग्र कर भेरायादे स्ट्रान् हियायर होतायायम्याद भेषास यद् । दे वे यद्या हेत **ॲव :**५व : क्रेन : प्रेव : सर्व : मुस्य : न्या के : मुस्य : न्या के स्व : ५व : क्रेन : नु : म्या : लेक् पर्वे द्वीर ही। यह स वर्त व दह स्वक र केंद्र है। दहर व कें मु रे रे स रदर वर मुर यदे देर व हैर सं म से रही। वहर पर ना सह <u> এর.च.४.चोटश.ण পূর্বাश स.चहूरे.तर.चुरे.तरु.झे.लश.श्र्रा</u> स.स्टे. त्र्रा मञ्जूषारमानुष्यायायायाच्यूराव्याविस मान्यान्य मान्यान्या मान्यान्या वस्ति चरः च.व.रटः च्.ज.वर्ड्शवश्वे विचयारे हेर् की वर्षा हैर

्र्रे (देश मेंट्र शे. ठचीर बुट, बुर, बेश रे. वेश रा. १८. मडियश ज. स्त्रीश. चर् अतः दर् हर कर चरे किर द्री विर द्री विष च य संस्थित च लेस च व व स्त्रायाः **स्र्रायाः स्रायाः विश्वायाः विश्वायः विश्व** मारेशायर्गा र्द्ध स् स.र्र. हुंशास्य त्या न्यते लेशा नु नाया स.र् स.र् म्बर्स्य वर्षे थिव'हे! सूद य'वे'द्रेश यें'द्रेश यें मल्द्र'द्र' व्ये य'न्वे। दे'लस ह्मां पारी अप वर्षे या न दें मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ म मिट्टेन'र्ले दुर्ग सर्'र्मा यर देश महे रहिंस मू ग्रह मिंच र में र मे प्रहर् यर विद्युद्ध यदी दिहें के विष्य विदेश खरा देश देश वर हैं न य की ही। यहेब र माल र र ना माल पर हिन र र न देश दे हेब न हेना यह हर यह बुद'यशःस्त्रा दं सुर'गुर'नु हेंनी र दे 'ले स' बुः म' वे 'व छेना'य सेना घ' सर हेंनी' महर्ते। देव लेश नुःम हे मान्नमधः अः स्नाध म वर्षे। धर्मः ५४: नु चन्द्राद्य त लेखानु चार्त व्यव द्वार कर्त्र के हिंग हैं विर.तर.वर्षाक्षरात माचीटका जासूचीसाताचीटाचीका विर.तर.रे.वेश.च.रे.वु .. विर्चर भेर क्रा माय है म रद चर विर यर सर्च य दे स दे स है कि न हैं हे है माट य इ दर पर केंब लेख हैं न य स्वीस पस वकर पर हेद हैं। मिं के हेरे दे हमा वसा वहना या विशायाना वा लेरे या है ता वर्षेश वा सेर यस पहुनाय रुद व्या दे प्यतः प्रदेशका प्रमाण व के विश्व प्राप्त के विश्व प्रमाण के विश्व प्राप्त के विश्व प्राप्त के विश्व प्रमाण के विश्व प्राप्त के विश्व के विश्व प्राप्त के विश्व के प स्वासायर महिनाय मार प्रमान दे प्राच के वर वह महिन पर से हैं ... त्यार है। विश्व नु निर्व हैं। ये विश्व के प्रदानियाम

निह्नाताःस्वाराः प्रत्रेसं पासेन् प्रशायह्नाः या छतः छेन् प्रेतः यदैः छेन् न्ये। देः हेर्दे ना हुन्य नहिना र्ट लेश नु नय स स नाय स ही शर्मा स्निधाना व ररा न हो। व व व क्या पर क्या रहा स्था पर रहे था पर रहे । मीटश का.सूचीश.तपु.व. २८.तपु. ११ श.४८. केश.त. ११ मीट्री। च लेख मुन्द के रेना मुन्द का मिन्द के कि के मिन्द के मिन् MEN. मिस. तर्र. व. वस व. म. स्वीश व. च व वे च स. म. स्वास. तर्र. व रच. के र. वर्र. ला र. स्वा र्दे, नहेन ने खु य हर अहे परमा ले स न न के न र हेन स नहेन में ॔ **५५**ॱय**े**ॱखुअॱ७४ॱमःप्येदः ५े 'बे्बः नुःच दे 'माॐबः ५ २ ।। र्दः या वर्षेश दश रदः वही । मी मा द कैंन थ प्या र से सस है। ्म्प्र**ाशुः इया**चराम् विनायते के रेवान्तिनायते सुवारक केर् रहे सम्हे सुवारक न क्रेर.लुब.नर्.ह्रेर.स्रा वसीय.तर.वे.च.चक्रेश.व ल.चक्र्य.वश. विव.तर.ह्रेर. यः **अ'र्-अ**न्न सः प्येत्र त्रॅ. लेश.वे.च.व र् य.व.र्-. चर् .लेजः छतः र देश पर . ट लेगः याय र्वे शर्द्रप्रे स्व म्व सक्त स्व मी वियाया से दाया रे.पर्.ज.भुर.त. ्र न्वान् प्रते **स्वा** सूर परे खेर र्वे। र्वे न्वेन परे खेय उर के के 9. चर्रः श्रुवः चर छेर चर्रे के श्रुवः सदे श्रिकः ध्येषः ध्येषः हे स्यः हिवः सर छेरः । या में द्रमेनाम य प्रेइ विं। वनायाय द्रमेनामाया प्रेइ यर देनामाने। देव ୕୴ୡ୕୴୕୳ୡୖ*୕*ଊ୷୕ଌ୶ୣ**୵୵ୖୣ୵**୶୕ଌ୵ୣ୵୕୰ୡୄ୵ଊ୷୕ଌ୶୵ଵ୲୕ୡ୴ଈ୕୳ୡୢୖ୵

हे हुर श्रेन य यह के न यह कर यह हुन स्ट्रिंग से न य मा भेन में। ५८ मह्मिन्यते समान लेखानु न हो। धुयानहिनाय हर हे**९ प**हेन **८** मार खुयार हा च**ु च.ज.सूच्या.च**ु.सू.चू.सू.चू.स्य.भ.जू.स्य.कुर्.चु.दुर.चु.दुर.चय.च.ल.स.ट्रस्... यदे संभायीत्र केर संभायीत्र केर संभायीत्र केर संभायीत्र वर् हेर ज़ुर सप सुर। वर्जेच रप सम्बन्ध साम कार्य साम हेर लेर हो। स <u> ५२.७४.वे.वरं.भरं.लुश्ली</u> વર્ડેવે.વન્ધર.વ.કુરે.સ.રેરે.નકુ જૈલા.**વર્ય**. कुर हेश न प्रेम ही। रे रे सहर महित महित महित महित हैं लेश न यरे र्रेन र्रो। नाट दमा र्नेन महिमा मीक्ष स्थाय रहत स्मेन मद्रम लेक मु न य শ্বাধারজাবাবপ্রবানারজাবার,জামানীবারাঞ্ধাসুধার 🗼 নাতুনালা र्स्रास परे सु इस स है र्दे निहेन परे पुष्य हर है र स मुन परे हुर रे বম'ৰ'ল্ল'রমহা'ৡব'ম'ঊহ' এই'ল্লীহ'ল্ল'ই'ব'ৰ'ই'ব'ৰ ই'ড্ৰ'ম'তৰ'৯ই'''' लेश.वु.चये.च्चिंग.तप्र धय य.चार.काश.य.डे.चे.चीय.य.ज.सीय य.कुथहो। स्मिंग. यदे व दर यस महिनाय सेन्य गयदे हा इसस द्रेश व दर यदे खेला रह हे र मैं व.प.इ.सुर.र्।। क्या वर सु. ४४१.७४१.चे व दे वे वे ४.जीस.पीट पर १३८. भारत्र द्वारा प्रत्ये स्वार प्रत्ये क्वार म् देशहे ने विश्व पर प्रति पर विशेष पर क्षय य.ज.स्वास य.३.चर दे ब्रेट्.तश.स्.। स.चीच.च.ज.स्वास.च.रट.ख्स. वि.च.ज.सून्।स.चटु.स्रेश बु.चीच.त.ज.स्रेचि.त.मिबेट ह्रा। भ.मीच.तर.लट. वयान हिन्दर न में नर ने नर

्र्रायदे सुरावर् र्रायदे र्र्रा कर हेर में लिया ने न हिंद्र सम्मास लेब चाया स्वास चर्रा सु स्वा चा व दद चरे खेर व दर चरी। देव कर लेब याने खूर नहिना या लॉन्स याने झू अट की दें न वेद न कर मार् लब पा अ अविष्या पर दे मु रें ब नह ना पर ए लुया उर लो ह न ला देश मार्था स रें ब यर'वर्द्र'हेट्र' इस'म्ट्रिस'धिर'इ अट्टर्द्र'इन्द्र'यदे'ख्याठर'धेर'य ने मूर व स देश य हैर गुट थी र कें। केंश मल र इस यर महेर यर हैर मा लीक क् लिया न न के क्या कर दे ता क्या चर नाक्य रादे क्या क्या हीं चर चुेदायाध्येदार्दे लेबानु नते देवादी। देख्या दान्याय हाराया लेबानु न पर्ने खंद्र पर्द श्रुषा वुमाया वा व्याप्त पर्दे । या के दा वा स्वापा श्रुष्ट मा विषय । विषय विषय । म्बिन्द्राचरामा केद्राचार साम्बर्धा म्बिन्द्र्या द्रिन्नि म्विन्द्र्या द्रश्रायर लेश नु न के दे मिं क के द द्वा क्रिंग न के न दे न के कि मिर.तर.चिर.सूट.व.र.। श्र.सूट.व.रच.चुम श्र्णा झे.उर्.पा हश. मन्त्रा हेश मुन्त व के मुक्त व व क्रिक्स च के सुक्ता दे के महिनास व क्रिक्स यद्र.कूर्यकाताक्ष्याकाता नहा त्यम वेशावाक्षराता वाश्वर हर लहा यर नु वदे सुर रु यहर नुषाय भेष नी भवा अव समा हव मीका हवा है। सं भेष रहे। दे वै ह्रिर वर्गना के र व है दे गि हीर हो। से र र र देश व व र देर प सेना के इसासर केसाय लेखा नुप्ताय स्वासाय था मानुपार के व्यवसाय सेपार में इंग पर वेश व चेर वर वृश व भेर वा इ ते क्षेत्र क्य पर वेश व डेर यर कुषाय भेदार्वे। दे विविद् नु विविद न्या मीषा अद रदा मी दश्य यर विष यात्मायक्ष्मायह्रद्रायराद्वद्र। श्वरकावकाविकानुः रात्मेदा नरःर्गा दे.पंचेंशःभभेटशःगःखेशःयःतःश्चोंशःयःत्रो येथःनरू. **८च्चैतस.करे.**चिष्टिबास.ज. श्र्यास.ट्.ट्ये.चूं.पट्टस.चे.कर्ष्ट्रस.त.चार.जूर ८ूट्चे.चूं... भुष.त.हो रुंट.ज.सूर्यमा.वर्.रचेत्र.वर्र.की.चा वेचाश.ज.सूर्यमा.त.र्.स्मस. मार्डिर्यामादाधीर्यादेश्य प्रह्मायर प्रह्मायर प्रमुद्रार्था देहेर् देह्र न्'म'लेम'नु'न'म'र्स्नाम'नम'नम'नम'नम'हेन'न्। हम'नु'म'र्र्भ भर्द न'प्पर' कुं नावनार १८. ट्रे.ज. स्वास तर हस ल्रे.व.ल८. ह्रा नाम ने नम हे नुस राय स्चित्रात्तर्भे क्ष्मित्रात्तर्भे त्यर विदायाणी रायादे वसाव दुष्मिरे एत्या व राष्ट्रेद्रा लुब.तर्. ब्रैस. थूबा.चा दुवा.तर. थ्रा.पवीर. स्. खे.वी वाञ्च वाश्वास.स. स्त्रंश त. बुरा,ने,न ज. सूर्य श्रम् स्था हुंस है। विचित्रा, ज. सूर्य श्रम् श्रम् स. राजु, टर्च में हुंसे है। रे.वैट.च हेरे लुब.चर् होता विवास.ज.स्वास चार्.स्ट च हेर हल मी.वेस. माध्यम् निष्य केर साधिशयारे हिम्मा हिं वें केर केर के प्रवेर न.करं.लूरे बु. खंश वि.कुचे ८ हूरे.ह्या विश्व तपु. श्रीस उच्च वे भूच ज. स्योकात्तव, मेंबातर पुषातं हिरे तर अध्ये केर कर छी. स् स्टाहसातर हरे. र्श्वेदः व नार त्येश्वर दे वहेंद्र चरे द्रार दुवा नार वा व्यर् च दे द्रवा के दे व श्वेद व वा वा इन हैना नुमायदे ज्ञान्ति मनुन यामेरायदे कुरारी रेनामा स्वामान्या नहेंद्र पर के कुर के नाम नहेंद्र पर के द पर के मार्थित के कि प्राप्त के कि प्राप्त कि पर चुदःयाचाया स्वायाय भेदासायया न्याया स्वायाया स्वायाया स्वायाया स्वायाया स्वायाया स्वायाया स्वायाया स्वायाया स्व त.लुब.तुर क्रुंस.स्रा देत्र विदःवर भ्रःब्रुंट वत्र क्रेंब्र ब्रुंब क्रेंब्र वे क्रेंब्र वे क्रेंब्र वे क्रेंब्र

मु.विदे.चर.चुट.चे.च.च.ख्यंबश.त.लूट्श.शे.उर्दूर.च.भुटे.चर.ट्रा इ.चश. रु.पुट.मु.मु.ट्रं ल्ट्बाशिम मिट्याताचाट लुय.त.ट्रं ज मुट.च.चा मु ह्रं तर. नुन्याक्षेत्र यदे सुन्य मेदाम्य मेदामेदार् लेखानु या निवस्त सुन्य प्रमुन्य नित्रम्भ दरक्ष्मभाय ह्रिन् नेदायके लेखानु नाया स्रीम्थायाया मु मु दे रद ने १६८ तर में मुंद पर भी के ला के निया पर में में हैं हैं र पार्य में। येशन्तर स.लट.येशन्तर विर.पर.जा.चर्सात्रश्र.रचित्र ह्र.तर.टुर.प.भ.लुर. ले न देते क्षेत्र देनास दह र्केन्स च नहिंद केर चते लेस मु न ता माडिमाश ज. शूर्याश तपु . पूर्याश ता वर्ष जा र हुँ श वश . র্মধান শ্রম্প দী। भेदामी र्द्धेन्य प्रति मिर्प्य त्यावर्षे प्रति वेश के स्वर्ध के स्वर्ध के लेश मुन्य के हिंदी । <u>दे.७ूर.मु.द्वैर.चा9वाश्व.ल.सूर्यश्व.तदु.</u>कूर्यश्व.तदु.सू.७ूर.टा.चावु.शर्वेर.त् यर रूर प्रत्र वेद के लेख पर्द पर्द स्र देख लेख नु व व सन्धा । क्षेत्र र्वे व रदःयात्मावक्षेत्रावस गुदःदेनामाहिद्यायाः वदेदःय हेदःद्रावदेदः दे लेवा वसा यदै-द्ध-वहूर्-व दे लट. दुश-वि.च. श्राम्य व रहीं स.चे। वार्य र.ज. श्राम्य तपु.चोदस्.औतस्.२५.ची.चोडचोश्र.ज.स्.चं.स.त.चेथः चपु.दैधःतर.चोदशःचादुः हुचीका सप् विदेशसरा है जा चर्चे का बेका ये का चाहरी ना लोबा है। ব্যথা এই. मानुमायामाओकापराइमायरायवदायाक्ष्रायरे कुरार्या दे क्षेत्रमायरे **बिर.तर.क्षक.भु.सूर.पक.**बुकाचि.च.च.हुचेका हूरे.चर.बुटे.चरु.वेकाचढ सी... देशक्रियाम् पर्दे मिन पर देशस्य शे श्रेट राम। क्रियाम पर्दे मिन पर हर्दे पर नुरायानासरायसानुसायातास्त्रासायार् देन्त्व राष्ट्रिका हेन निवे अधुकायाहेर क्र्मास.चर्र.से.वंशस.वर.क्र्मास.चर् विरे तर ए.चर्ड्स.वंश. **ব**'বশুব'র্ন্।

रेनारा में ह्मर त्युर रसा वर्ष है साथे वर्ष के वर्ष वर्ष पर दे ह्म के दसाय माकेश. ने . खेश ने . च . मा . स् र्याश . च . स् र्या . स्ट . ची . कू बाश . च . च . स् र्या . व स् रा . व स् रा . व स् **बेस'मु'न'कै'म्बिम्स'न्ट'**ने 'न्ट'रे' अ'सँग्राय'य'य'म्ब्र्स'क्स'स्य' स्था हेस'कै' না**ঙুবা.ব.জ.পেচ.বা**ণ্ডিৰাজ.জ.ধূ.বাজ নতু.স্থ্ৰ.ব'ছিব.ব.বু.কুনাজ.নতু ব**ে**বা... केर्स्थिक प्रते हमाया तहना या केर्दियाया प्रति पा केर्द्रा प्रम्य खुना-मो-खुंस-चे.च-द्रे-चेश-च,ज.स्च्या स्वर्गा लिय-मी-विद.तर ज.चर्ड्स. **दशः देशः नुः नः देः रूटः** मीः र्क्षेण्यः नः उदः त्यः नर्द्धेशः दशः र्क्षेण्यः सर्वः सुर्वे हरः ने देने ः ः क्रुंचीश.चटु.स.रेर.ज.चर्ड्श रेश क्रुंचीश.दटु.सै.रेट.क्र्यीश.चटु.स.रेर.ज.ह्रा.... बरा रेनारा मुं भू रेनारा नहीं ना है हैं वी रेनारा नहीं नारा नहीं नारा नहीं नारा है बुर्-चर्-मूं वश्रम्। चडिनाश.ज.श्चीश.व.र.र्-च.मूं.श्र. श्र.हश.चर्. वेश. वर्. वि. तर. व. पर्यंश वे भूचे. ची. क्ष तर. पुंषात हे मी. व शूचेश त. टे. देव. য়ৣয়ৼ৻ঢ়য়৻য়ঢ়ৢ৻ঢ়ৣ৻য়ৣ৽ঀয়য়য়ঢ়ৢ৻য়ঀয়য়য়৾য়য়৾য়৻য়৾য়৻য়৴য়৻ড়৴য়৻ৼয়য়৻ঀ৾৻ড়৽ हु.शूर्.रे.चिडियो**स.ज.शू**र्यश्चर के ज.पहूर्य सर.वेंश.चर.हेंब्.च.ट्र. श्चित्र तुम्र परे माह्यमास स्थाने स्थान है हैं। दे हैं तुस्य य तर चि.चपु.बुर.स्री विभाताजासूचीमात बुमाचि.वाजाजासूच सात सूसारी चाडिया **त. श्र्मेश. पर्र. पर्**ची. हेरे. चीट. ज. श्रमेश. ची. ईस चर. रुंश च. ज श्र्मेश. पर्र र चेश . वु क् क्रिटेक प व्यून प दे क्षन है का वु क् है न महे पन्न हैन कर

में न्ना यस नहेना से द द प्रुट न यस नु सि द र स् यदे देव दे। प्यदायाकेट. भीका विवादा प्रतियामा दे. देट. प्रतीयाचा दे. या स्वायाचा विवादा प्रतियाचा विवादा प्रतियाचा <u> ३५.लब.तम् किश्रामुश्चाताम्बर्धानान् अर्थानान् अर्थाना</u> विवासम् विदासम् विदासम् मर्देश दे के सं प्ये र दे स्मार में द्वा मा प्यार विश्व मु मा से स्मार में से से से स भैना ने स इस पर के साया था स्वीताया से न पा के न न न कर के त परे हिर ने । मस्य दे मुस्य मुख्य साम्प्रदे नम् दे दे स्वाप्त मान्य दे स्वाप्त मान्य स्वाप्त मान्य स्वाप्त मान्य स्वाप्त स्वापत न.है। ियवैट.व क्षशास.ब्रैश.रट.वर.वर.कर.लट.वे.चच.भुर.त.हेर.ग्री. क्षेरार्सा वशुरावा वे वर्त्रावावशुरावाष्ट्रायरा सेरायरा उदाराना रेसा हेरा निवेद न्'विद्वार व रहती स्वद रहेना नेन्'या नाद्य साव र माव र या नहें स द्वार है सा मी इस यर नेस य ने दें ले वा दे दे में र दे र में र म यले र दे व न व्यामी नार्यास्य माल्राप्ता गुद्द लेखा अः मास्त्री स्यामी संस्था भीरा यर वेर्ताबुशावितराष्ट्रीयारे। स्वर्धास्त्रवस्यान्त्रवित्राचर्त्रवस्य क्षेत्र'यते: क्षेत्र: र्ह्या विवास: बहुदाय: द्वाय: स्रमानु अदे नर्गाहेर कर भेराओं। का पहेर या या स्वासाय रे हुर र विस चि.न.इ.पडिवारार्टा वर्वेट नर प्रमध मेमाल् मासी वर्द्र तर्र से मेहकाता. द्रथम.ग्रेश.पंटूर.तर.द्रयात.तथ.ल्य.त्री. स्योश घर.स्यत.पु स्योश पहेंचित. माय श्रेन्सामा नायाहेर मानु से ले ले से मान या से नाया तार्थभात्तरः चेश्वात्तः चोद्धनाता व्यवाता स्त्रेत्रः ता स्त्रेत् की खेश की वाता स्त्रेत्रः वा स्त्रेत्रः यदे लुक कर महर महर पहर प्रमुद कर हैं लुक निय के मिर यह हैं। महर भ्रवशासु भद्र वित् वर मोर नु वर कुषाय सेर वा कर वार प्रेर वा रे है के देर रवि केर दे सह्य तर पर पर दे रे ता भेष वा इस मी प्र वि व व व व मी मी कुर मुक्त वियाय प्रतिया दे द्वाप्य या अदा दे चा अव य दे मु च.टे.केर.व.विय.तर.ट्रेट.च.रचाम.च.टभुचस.चर्। वैर.चर्र.चर्र. भनमण्णे मिर्त्यर र्टर्ज्यर मिर्म्यर प्रमायर मेश त्याय स्ट्रिय लेश यात्र है स्थार है । श्र्वास.तर्.स्रीस.ध.भ्राचा.ज.भ्राचारा.तं स.चर.चं स.च.च वेष.च.चवेष. ब्रेस.ब्रेट.चर.ब्रेट चर.बिट.चर.ब्रट.चर.ब्रंस.वे.च.३.ब्रेस.ब्रेट.चर.वेट.तप्र..... रदःचलेषादे त्यसः विदायरासेदायात्रवृदायदे वद्या हेदाहेशानु वदाहुराही । देने प्रवस्त व केराया रे किराव प्रवास विवास क्षेत्राया दे सेराया दे बर व विव वर चेर व भे रसे नम वर्ष। हे बर महेन ने मुं मर्क व हैं लेब.च.खेब.चे.च.ब्रुं.चेद.च.क्र्यं.चेद.च.व्यं.चेद्व.च.व्यं.चेट्यं.चे.चें.चें.चेट्यं.चे.चें. मु मक्त रें। है अर रे नित्र पर हैं में मीर लेक ने न है। बर.रंभ.तर.पुंबात.भट.त्बारपितैट.यष्ट.ध्र्य.भीवाड्। रवेबाबायवीट.य. निहन केर कर देन के में रिनर्र नियुर् हो। नाय है त युर व मर भर क्रिया । मदः व क्रित् मु मुद्द क्रिया मा क्रिया में देश के द्वया मा व व व व व व े हैर्नहिन्यत्म नवर्र च पर्दे च के मार्थि मेर्स ही। विक् गुट के महिन के महिन के क्षेत्र के लेख है म्नद् नु निम्द प केत्र लें। भूद केना म हेद क्षेत्र क अद द न द लिना नी कें द्वनास प्रमुद्दान सद सं ही नर द्वन र हो। दे खुर र हेन र इस यर मेश्रायाम्यार्य विद्युदायर विद्युर य हिंदा प्रोत्रार्थे हे ते । हिंदी के स्टार्स्टरेट

मेन नरे नुस कन देट लेश नु न क्रिंग है। रद मी रेन्स मी नुस ता मानावन मार्के रहारे मार्का से स्वर्ता महासार्थे दाय दे स्म दे स्मर् छेरा नुर्देश मारमी कें लेश मु न ता वा का निकार कर निकार के निकार कर निकार कर निकार के निकार कर निकार के नि ल्र.म.भ.लू ४.बुझ.चे.च.दु.मेर्च.चे.इच.ज.र.च.जम.च ५.८वेचेश ८ वैट.च.र्घ.भ. - भॅर्न य म भेर है। वहैन हैर य र्स्य महा में तोर यदे हुर र्से। मश्र देर बायाय देना हेता सार्या मुनाय भेदाय हे त्रुराद यह पा हो हो। या हा वा रना पते रवनास प्रवृद्धान अदारे दे रे के पर मेन पते मुं स स्पेर है। मुर नावन mरमालमायादे कुरार्टा प्रमेलायहे हे पर लेदा हेर से उटा यहे हीरार्टी। **रे.के.स.लुश्च.च.रवे५** पर्वेट.व.रे.ब्र.रे.लश चिषयातातास प्राप्तास पार्च रवे५. त्रुट्यान:न्द्रत्त्र नदेखास्य मेर्नुन्यास्याः सक्तिनु व्युद्धिः हे। हे नरः त्ये अपरे मु नहेन हेर प्रे अपरे पर हिर हो। परे के देन का रहीं पर प्रमुर नशाने विनामिलनाम् विन्तरम् ।वार्तरम् ध्रियाकश्चिराने विश्व विन्तर्भातः हुन भानाद्यता.ज.स.र.र.तायश.च.र.वीयास.परीं: त भक्ष्य सर.हेर.की.वार्यता. खुत्माच**रदायात्मान्याच** र्रम्यायायायायाय्येत्वी। दे न्यादाखुयायू र्रम्यायाः द्यं में द्विनास द्विदः च द्वा के सद देवा स नहिना स संद हरा स स्के के लेखा हेर्नाश्चरर त्मुर हो। दे हे सुय मार्चर र जिला ना सेन्य या सेन्य या सेन्य या सेन्य महन् महन् कर्द के अदा क्षा पर वेश पर के द्युर दें है से मुन के नहने मे **ঐটি: গ্রীর বরুদারা বরুদানার্মাননা নিমানতী ক্রাজের নারী বরুদারা বরুদারা করি জী 🐧** कें प्येत यादे खरादेश यादे या हिंद वदे प्येत यर वह यर मुर्वे। दरे र वा मिं व्याच्ह्रदाया हा नुव्र लेखानाय है असस सुर हिंदा यह यह यह कर दारा । सुवा

मु दमान कर हिराम स्वाहार न तर पर पहर पा हिर में हिरा ही रहा में हिरा में ल.लट. के. पर हीर . प. देश स पड़ियों केर . सं लेश तर चेश तर चेश तर चेश तर चेश तर चेश त ผ**พ.ล.२८.ก.พู८.กษ. कु.४.५** ॥ ล.२८.ก.४.४.४ भ.त. . जुरू. म.ज. क्ट. अर. क्र. नुसायर से प्रमुद्द रें। दे प्रसाद के प्रदेश हुँ र पर दे खर्द प्रमास से प्रमुद्द रें ले'व। नहेंद्र पान्द्रीत्माद्यकानु न्यायान द्रिकार्यर नुरायान हेना सहेंद्र नु चैशार्यमा सर् ११ क्या पर अधि १६ म्या स्था १६ १ म्या स्था स्था पर विषय य स'प्येद'द्र| नार'मीश्र'द'श'द्रद'श'द्रद'श'द्र'शेद्र'यदे दुर्गेद'यदहुना'यर'द्रमुद्र। तें ब जीत के तम हैं से मार्थ से देश सम है देश मार्थ मार्थ से हैं। विश्व से वे कुं तु अ यश्यत्व द्वार पर मुराध के देश अशायते राय विव रे देश पर मार्थ डर-देत्राच्याः देन्द्र-दान्यान्ते स्त्रेन्य यारनाः यशायाः देन्दे देने द्रमायरः चुंस.तर.चैर.चउभा विश्वचारा.व्रथ जरूचे.जश.च.ट्रंट्रे.श्रे हिंदर.भूचे. मी भर हैन साम है साथ से नार्ड स ने स है रर होत या उर् देस। ৾*৽ৠ*৴৽৽ৢঀ৾৻য়৾৻৸ঀঀ৾৸য়৽৻ঽয়৾৻ঀৣ৾৽ৡ৾৻৸ৼ৾৻ড়৾৽য়ৼ৻ড়৾৽৻ঢ়ৣ৾৽ঽ৾ঀয়৻৸ড়৾৻৸ৼ৾ঀ৻ড়৾ৼ माने विस्तर माना विश्वाय दे प्याप्त माने विश्वाय है न्या विश्य <u>त्रचुर र्रे । रे 'नम व पर्रेर भेर्</u>न (या हेर्न या भार हेर या भार हेर या भार हेर या भार हेर या भार व विसार्देन्सामर'वर्गा नामनी कुर मेगायस देसाम रे खुया हता के राप्ता लीतात्रक चीक्रतात्र देश त्र देविक र हेविक र हैविक र है े**न्यायते प्येन् या मेन्यार्थ स**ायान मा प्याया प्रस्त हेर्न्य स्वर्ग पर्ना हेन् स्वर्ग पर्ना हिन रत्यबुद्धाः अत्याद्वेदाः अत्या अत्याद्वाः माञ्चनासः द्वाः मिल्ले स्वरः सुद्धाः यसः

ग्रद्भावश्चेत्रयाधिक्षात्रम्य वर्षात्राच कर्षा वर्षे वरते वर्षे वर यमाराधेरावादरे द्राप्तरे केर के वर ब्रिंग्वरे हिरावर धेर वे बेश है वादरे भेजा नायाने क्रिनाया देवका नर्देका या हेन क्रेन या क्षेत्र माये होन है हिए वा न त्रका हा हुन लाय खे.या र्स्ना तर देश तर हुना पर इंशायर जेश तथ प्रवास विश्व प्र च थिद लेस सु लेना झु द्र गाद मु दु स यस से हो स दे द द द मु र यदे र द मी मर्जन केन कर की निर्देश यें नाट प्रेश व निर्देश में नाय है निर्देश की सामित कर के निर्देश की सामित कर की सामित श्चिमायायेन यादे सम्दर्भे दे तिस्मा वास्मा वास्मा विदेशा वह ता वह दे वासा दे रहे. म्र्रे.क्रि.इ.खेना.चलना.स् ।रेश्व.क्रंर.स्रे.ध्यायर.पुश्र.पद्र हरा श्र.चेर ना सर.त. लेश'मु'राजे हेस'सु'मुद्दात दे'से'नासय'यर'द्रमुद रें। दे'सूर दक्सपर प्रेस त. शु. चोलक. चतु. के भाष्य चर. जेश. व. हूर्य. दे. चोलक. च. थी । व्हेश. चर. जेश. च. मार्थ मि.च.धु.इंभ.तर.पुल त.वेंश.व.रेट.चेंक.च.टु लल.कुंश.में इस.तर.पुल.तस् । बुस.मे. क्या. तर क्या. तर ह्या. शं. यधे १ तथा दे. पथे १ . र वी १ . व ७ था. वे. व श्चर्रा मृष्यदेहेशस्य सम्बद्धा मधुरायामा द्वीया गुह्मा पर देव सामा दिसा हेसी सम्बद्धा मर्जा देवे देवे कुर्द न्य व के दे ले य व व व माद ले न है स सु समु र त.रट.। इंश् भु.भरीय त.इंश शि.पुर.त.र्.यु.मी.लूरे का चट.चूल इंश.शि.रेश. मंद्राच्याव के हुं रह से त्युर हिर। साच्यावस ही वर द्याराव के के बी श्रात्रेशकार्स्याशासर्. संश्रायी क्षेत्राय हे वैद् एका ये.च.की विश्वायी संस्थित नर.व.च.क.रेट्श.रेट.के.ज.रु.ट्र्येश.नर.वे.चपु.रेत्र.जूर.ट्री अ.स्र्ये.ज.

नु चन्द्रन प्रें के देश की नियम के नेद्राया अपने प्रें के वा कर में बरा **ୢୖ**୰୕ଽ**୕୵୶**ଵୖୣ୶୴ଽୖ୴୶୕ଌ୕ୖୣଽ୴ଈୄୄୠୣଽ୕୵ଽୖ୶ୣଽ୰ଊ୶ୖୣ୶ୖୠ୕ୡ୕ୢୠ୷ୠ୕୳ଵୖୄ୷ୢୡୢ୶ यते क्षेट्रा क्षेत्र की मात्र वस् पर्या वामाने खिला है सेसला की लेख है नामा र्सेन्थायस्य न्वत्र मु १ दर्दे देवे देन्य स्यान्य स्यान्य स्वा। न्य १ देवे विकास र् । भेरे प्रशाद द्वारा या मेरे मा त्या प्राप्त द्वाया या देवा हा पर हो। देवे.लग्नम्ने विक्रित्रकेश मुन्न के ब्रुश्चरात्में नवी। हे है र से से र से सम् নাধ্ধানত্ত্র, দী, লগ্ন পর্ত, মৌ, জাড়ার, বা, লাগ্র্য, নগ্ন, প্রস্কর, নগ্ন, দী, লগ্ন্য, केर कथा मुन्य है के र केर पदे मक्द केर हो। हे हर द रे है न पर्दे य दायाया व मेर दे लेख नु न दे म मेरे हा मार्व र मार्व र मेर् मार्व न मार्व र मारुषामी कर्मा मेरा वरे किरासी मुना वर मेरा भार पर दें लिया वस्ता परे मुरा दर्भामा माने भी महर हिं मु त्यर हेन हर्र हेम हर्र हेम सामि त श्रुंबर्देश्वया लेखान्तर के प्रवायान खेर नाय दे पर्दे प्रवाय लेवा यहा ही। रदः नविष्यं दर्भाराम्याम् विष्यं नुभव केन्स्र केन्स्य केराध्ये स्वर् सुर हाः म.रेट. दी.भर्ट. श्री.भष्ट्रे. कि.मोड्डा केर.लु रे.स्.स.रे. नश्रम मह्यू रिक्ट. क्षां इत्र स मुनाय प्रेन दें लेख नियन है। हैं सकेन स्निन के नाम हैं सो है दिये किस હ્યું.ત્યું હુંદ્ર, કું.જાજું કં.જાજું તાલા કું હું તાલા કું તાલા કું તેને કું તાલા કો. કું તાલા કું તેને કું पते क्लिंब्स र्के भ उद्गम् १ वर्ष प्रमान भी में है। महिमा या स्मान प्रमान के निर्मा

स्रेर दें। वान्य नावन नु न्यूर यात्वा नाय गुर वियान न के नि केर ने दे वास माल्य या वे द्वार यो वास अद् केन माम व्यव यार अर्व वार वर्षेत्र पर रद्भ विद्यास्य मिल्य हैर या मु नस्य पार्व सार्श्वेश स्त्रा। विसान परिवास मुर मुंबार नालकार रे रामार ता सदा मार मिर हो ने पार हुर हिर । सर् सहर परा वु.पर्टर.पर्वेष क्षम न नावेष कुर चर्मियश.तर चे.व.ण। पर्वीर.च.भर्मूर स्रेर. ७ स.चे.च.चे.चहेर त.रू.स.हींस.त.हो। टे.र्थ.७ च.चहेर.ची.चेश.चर.रू.स. ले दे लेश न नदे र्रे हो। मलक के कर लट मे उट हे लेस न नर इस चर यहर दशादर्र सर चेर दे। यह मेश हिर रहा यह ग्रेश हर वह वह स्थाय पह मेश हिर रहा वह स्थाय पह स्थाय पह स्थाय स्थाय स नम्बः चैदःपमः नत्रामः वना पदे हुदः मीसः देनम दे हरः अटः मे दि दे देशः नः यते देव हों। मानसः यार्चे वाच दर्या सेन यते हीर रूट विवेशनु सुराय की र बिरायक क्षेत्र सन्तर पर पर प्राचिर मुरायक अवश की हिरायर पर से वि मा मार्स्स्र मालेश मितर क्रिन हमायर ह्यूर रही नाम हे खरामर हे हि व लेश माना मार्श्वर वशार्व वर्ष्म्य वरायाय हूट वार्रेट राया शाया तर्राया है। महेर ভিত্ত, ঋথ, প্রবাস, র্ম মত্র, ধ্রু, মত্র, মন্ত্র, মঙ্গুই, মহ্মপ্র, র্মীর, ব শ প্রের, ন্রী । त्र्यादासाक्षरकृत्तासान्वदार्या इससाय वृद्धद वास्त्रेश हो वी नवदार्य समाय वान्त ्रदर खेद से दे हैं से वा संगुधाया सामहिंगुसाय। मासद ये दे खेश द्रवर ये दे ्यर्मा हैर उद हैर प्रमुर न हैर भेद पर दे सेर ही। नाय हे हे सम र हू सरे मालुद्र'यस द्वदार्थे (यस देवा मुदे वहका के दा कर में हा वा वह र से दा स से हा

य:दे:दे:दे:दे:त्रापटः। वदे:भेर-दे:देवटः त्रापटः त्रापटः त्रापटः वर्षः नः अः १८ अरे भे ला स्वीधारा सिर्मा पते । समा स्वीधारा भे ते लेखा पत् यर मुर्देश न्यर वे त्यक्ष भ द्राप्त से दा के दा के दा के ता से के की के की । न्नर में न्ना दे स प्येद दे विश्व नु न न्नर प्यश्च प्रदे न स देव गुर सेद में दे हैं म् ल श्र्वामान्त्र मक्षराक्षेट्रप्तरायं क्षरामान्त्रा व्यामान्त्रा इसायर हेनायायरीयाष्ट्र सायनेदानुष्यायरायनुरालेसान याद सर्पिद वी । रेते हिस सुरत्यत्स वसायम्यायायायात्रत्री अत्र न्वतार्यात् सार्वेवा उर वया বম বেলুম র্ম বি বম মী স্থান প্র মাবলীর বু লি মার ব দী লি স্থম স্থান रेमामेर्यायात्रवात्रमायरानेमायाक्षीत्र स्वत्रात्र विमाउरामायीत्रवृता यर प्रचीर बुंश हर यथेर य रह पर वर प्रश्वा कार प्रच र हैं। य के व राम यर विद्युर हो। दे यस व हमा उर द्वार से दुर सा विद्युर पर विद्युर हे विस नु व दे ह्यानी, र्रेक् अव ब्र्. कुब्रा वक्षा यर प्रचीर हूं ब्रेश मि.च. प्रचीत्र सामा विदाय मीट... भेक् स.टे.कु.ट्रे.ट्राइका खे.कबेके सडू त्यां व त्यां व तर के व त्या है। हे खे.कर कर के व मा**बुदायदेये मा**बुदामा इतायरा चायते देवे की विकार प्रसार के सामे दाय स्वीता स्वीता प्रसार के साम स्वीता स् स्थान पर्दे अस्ति विषय हें ब पर मुराया है। ये पर्दे सिश्वास स्वास ना स्वास ना स्वास ना स्वास ना स्वास ना स्वास ्रवद व विषायर विचीर वह हीर हा साम हिंदा रे हिंदा रे विचीर हैं। हे हे ने सा लब.जन.कब.मी इस.चड्च.छ्च.लुब.क्या इ.र्ज सं.रच.रंश.चर.ही.च.लुब. म्मादान से लिना निहन है साधिन है है निमाना हैन सके खुर हो। ु हु से हैन समाहै रे रे मु भेर नमा वर्त हे केंन्स य भेर मार ना मुं सार में स्था है नम में

इत् मेर् रा व्यान्तर विवादर विवाद है। विवेश रा या पर पर प्रमान विदा लट.१८.म.भ.१८.५.लट.५१८.स. श्रु.पर.भ्र.७मुर. विटा। के.पर.श्रुर. चर्-वि-तर लट वर्षे रार विज् (ब्रा-वे.च.ण सूच्या वर्ड स्थित हासर लूर त. चि.य.जा अस.ग्री.चर्चा.कुर. १४.मी.चचैट.च.चट.लू४.टा.ट्र.कुर.मी.लू४. दि देवी चर्ष्या तर तर्देर तर्द में शिका चे खें का चे तर है । वर्षा कर है । वर्षा कर है । वर्षा कर है । मुर पासून नेर झन सर जैर पर लेख न न के रमद र्मा सामा मार है समा सर **त्रुवः (तेषः यः मार्श्वावायः दे : अवा मार्नः अवः यः यः यदः यः यदः (तेवा : दुः मा अदः** मुं देवसाझमामरमुरायादि अटाझमामाद्रायाया मार् हेद्रमाल्द्रपु सद्द्रप्रस्पर्वर्द्द्र सदे सुद्धाः सामाद्वार स्वित्ते स्वित्ते स्वित्ते भ्रियर अस्य मावर या दर मीवी अस्य मावर ना दे भ्री य 'पर्नेदे'स्यायानावयाचा कर्ना मुक्तिया प्रदेश स्ते । क्षुंच व वर्षेश दशक्षेत्र वर्षे भागवर्ग व उर्धी रोगस्त ते वहेन हेव माल्यन मद्रे नर बर्टे नर्जितिश जानिश न क्रे. मी. श्रेमा है म. प्रमा नर्ज मी. मह्रे अञ्चलमाल्य द्राक्षेत्रमञ्जू माल्य हिराय प्रश्नि । क्षेत्रस्य वाल्य ही सम्मन न्वतुन वृत्तिमान पर्वे। न्येर व वना पर्वे से सर्थ रिट हेर सहस्र स्था स्थिर न्दां से स्था निष्म की से प्राप्त प्रति । प्रत . सुरे मी र्रेर में व देर ताल रची लका च केर में का लेव चका थी में व न्दःयत्रे स्वायाम्बद्धाः पाद्वा पाद्वा विक्रा दिन्त्रा महत्त्वा स्वाया स्वया स्वाया स्

रेतर. थ. रेचा. तपु. जिमाज चारेश. त. २४ ने मा तपु. जिमाजा चारेश त १४ ने जुन स. न्दा केट सर्वस्य क्षेट्र य से दाय हुन्यों पर्दे पर है प्रमुद्ध के क्षेत्र म्बिर मु अस्यायान्त्रायाः उर्व कृतान्त्र द्वास सु प्रमुद्द ले वा देवे सुर दें अट स नु व र पेर हें लेस हु न क्रिंग है। रे से स र र न हैन में क्रिंग पर B्र-तर लट कुर विविधक्त केर माना वारा है र हो। रेकेर के ही वायमस कर त्र बुकानुः वायाः स्वाकायः स्वाकार्याः स्वाकार्याः विकानुः विकानुः म.बु में ने अ जा भारतह ना तर् हो र हो। अश्राक्ष ना विश्वा माना माने हो र लेखानु न वे त्युष यक्षा क्षेत्र या महत्त्व या ने ह्यूर न गुना यह सुर । खिसारा नर्राय त्य नामसायदे खेरा लेस सायदे नामम के नाम प्रदेशमा मुनामिन । । ब्रु. बुरा चि. च. च. च्या च्या है पर है में मालका नाम के ता है ने मालका मालका नाम के मालका मालका के मालका मालका बार्विकाहे ब्रुराद्वराचि ते क्षायर वेषायाद्वराची मावहेव वहा क्षेत्र वहेंद् द्वदः य् विश्वान्ते व वश्चा क्षेत्रं वे श्वश्वाः यहे व वश्चे वश्च क्षेत्रः विश्वान्तः विश्वानः हेदः स्वेवः है। असाने देवे वदना हेद उन भेन वरे छैर हो। दे इर न सुरा भागना न वाक्षेत् भेदाद्वा देव वित्रा देश विद्याता विद्या स्था सा यार्झ्स है। वावर वे वहेराय हेर की क्षा त्रसाय समस्य वारस पर्हर है। हे खे बर बीर पर नाम साया अदावना मारा ले में हो। है स बहे देश ही बादी मा भीता मा दे जिस बर्किंग प्रांत मा भीत व्या है। हे समामहेता मा के गिराकी इटाले.च। तीजा.च.भु.चरमातायु.द्वीर.ट्. जुन्न ये.च.श्र्यं संसा प्रचीराय थू. **कर्देर**'न'नरेन'म हेर सें'न्यायुवाया केंद्रया नन्याया ने आफ्रेर हो। वेंद्र गुड़ा र्भाया वहेन न्या हु । व हेर प्येश व्या हे । व्या मान्य के महामा हु अप सामा

लेना देवे क्षेत्रदेश्वर के स्वरं क्षेत्र व स्वरं न क्षेत्र के के के के के हे. विश्व त्रश्च श्रीसाय हेर ता. श्रीसम. मी. वार्स वर तर्रेर ता. देवे. क्रा दे . सं. वर्रे. इम्रायास्त्रम् में नित्रम् वाया वे त्यसास्य मानु मुद्दायात्मात्मरा में प्राप्त में वे श्चित्र ते.वे.वे.वे. त्र वे.च.च. ह्यू र हो हे.चय. १.वच.वर्. त्र स.ले.व.टे... चैर.व.जम.वेयवर व.स्ययः श्रेय.व. ७ स ५च.वर्. जिय.ज.च १स.तर.पचैर .. बिदा दे.ज.चार्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्राचावराज्यात्रेटासम्बद्धात्रात्रात्रीयात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात् मु.मैर.ज.वेट.भञ्चमश्रास्त्र्र.चढा.सेट.भ.ट्रश.चर.७मीट.र्.।। तीज.ज.प.व्र. नर्यान्यं मात्रान्ते त्यस्तित्यरः रे.चे.चर्रः हीरा नायः रे नवदः स्र्रः प्रमीदः च ब. ब्रिश्न च व. ज. श्रूचार्य व. च. श्रूर्य ।। १ व्यापा ने श्रूर्य जा चावर व. केट्र चणा च व. मुन वर हेर्य हर्मार क्रिंग वर लेखा मुन वर हेर्य प्राप्त लेखा नु वर वर श्चिम् व र्श्वम् १ हेद रेपद याया न्याया याया स्मिम याया लेखा न व व न्द्रमार्च ते वह वह वह क्षेत्र प्रदेश पर दे हुर हे न किन प्रदेश प्रदेश प्रस बिश नं न महर् हे। द्रवह रमश हे हे व्यान विद् र विश न न विश से न से पश महेद नश्राय न महि हैद हैं। नहि श्रु कर है देश नहिंद में देश नहिंद में म्बार्थात्य विश्व तथ हुर्त्ता वर है. में ने त्या ले हैं।। हुर् में ने ने हिंद के किया है. ेग्री'ऑर् '5व' केर' गठव' केंग्रस' प्येव'वेद' । ब्रिंद' पं पाकेस' य' त्य' ने स्मर्थ' प व्यद्भावत्यम् हर्त्त्वयुर्वाक्षेत्रवे त्रेशन्यके महत्यम् दे। इन त. बुंश.चे. त. बुं. चेट. चेंचा श. जश वंध रें . चेंट. चेंचा श. चा हेश टेट. सेशिश. ज. श्चांश. र्मर्रि।। दे: अद्'र्'निवृद्'त्र'मा त्रेव नी। सामर या दर्भ नह र्द्धव कर् र् । अक्टूट्स दस दर्जे च देस ने जार । निय के प्यक्त च केर मिस द

लट. । विट.चेबंश.चवेर यु.सबूट मु.वेश ॥ खंश शिंश.त.लुव तू।। द्येर द दर्द क्र व्याय स्वाय स्वाय स्वाय दे त्वेय मुक्त के क्र से सबुद य हें द उद मुक्ष.प्रहेम.तर.कृ.पचीर.च.कं.ये.र्.। ह.श्रेर.चर्यर.वर्.वर्.वर्.वं. लेश चि.च.बु.भक्ट्र.च.पा.स्त्रीस चतु.भक्ष्र.कुर.कब.बु।। नालव.रे.च.च्या. मि.श.भ.मू च. कुट. तपु. लुट. चडु. च.कुट. बु.टचा ४. चपू. ।। हम.श्र.कचा था. त. इटामिंटार्सि विते कुते खुवाब वर्ष्यक्र काश्वरामिंटार्सि व द्राव्यक्ष के दि की विद्रा र्टा। रटेज.के.रेट यु.चेशर.स्त्रीश.चर्डर हेश.चे च.चु.टेंचा.तर्चा। रेत्र. ब से व स्थान स्थान के ता व स्थान रट.ची. टट चेशाय है व. च. हे वलेब. रे. अंशक मी. वह व ला श्र्वांशाय लट. लेब. ब्रें। इड्च.क्ट्रु.लट.सूर व.धु.रट्ज.क्.धु.उह्र्.वर.चे वड्.ज.स्.स्वेबश.च.चर्.त. मार केंद्र माने क्विर च लेका न वर वहेंद्र हो। है वर हे पर पर वरे वहें वर केंद्र केंद्र นว์ ฐั เร้ารุกาศิพาภัมพานารุราธิพาผูาผยู รายราวศิพาลาชีวานารุศา ธิพา चि.वर् . ह्रेरे. हे ।। प्रत्याम क्रेट्ड्याम. क्रेर्याम. ह्यांस. सर्वेट्स. तर् ह्रेर. में.स. च्रे.पहचान रट.चमान हेर ग्रेश.विच न.लीराल हे रट.पचल वाहे हेर मईटश. मद्रे कर मुः शार्व र पहना मार्डे प्रवे पार दे हिर वा व मुन्य सर ने न मार्डे शास ल.चर्ड्स.वंस विव.तर.चेर.त.वंबाज.च.रंभुवास.त्र्रा। क्रिंस.चंबुव.रं... न'न्द्रिस'न्द्रोस'दस'न्दर्द्द्र'न'फ्रिन'र्द्द्र् । रद्द्र्द्र्स'देस'न'फ्रिन'लेस'नु'न

दर्भा दे दिये था च कर् देशाय कर वस्तर हैं। र्स्म साम समित वस दे स्पेर मु र्लेड नेड नावर लाट लेख ने ने व है निया कर्ट व ने ट रहें अंश्रे मार स्वास वर्षे ।। यहें प र्षः क्रम्स द्वाया ह्वा स्वास माल्य र्म मी उस र प्राप्त र दे य था र्स्मास य र व प्र न व व न मी ले व लेश प्र है पर है । यह य प्र पर प्र दि क न स द्राप्त्रयान्द्रा र्श्वायाः स्वायाः व्यविष्यान्त्रे स्वायाः स्वयाः स्याः स्वयः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वय ले'वा प्रवर्त्रां सेस्था क्रिंग गुर्दे 'लेब न न ह्यूंब है। सेस्थ र में दर में था ५६न'च'लेश' न नदे 'र्द्र र्हे ।। धेर'में ॐश'न'दे'हिर'चर र्'नु'नदे 'हैरा न्मस्यायाके त्री क्षेत्र में स्थान नियम वा प्रमान के विक्रा विक्र भेदःगुः रूपं गुः हिदः यरः ग्रेंस्यायाः स् वुर्ते। लेया वुः य वे पर्दे पर्दे परः वर्ते दरम् मु भ संबंधाय वस पर्य १८५ वर लेश व वर दे १६॥ वर वर पर ह्मना वर्ष्ट्रभारत्ना अने वार्ष्ट्र । क्षेत्र के दार्थ र वर्ष्ट्र के विद्या वार्ष्य । वदे पाक्ष क्रुं वादी क्रवायाचा सेद या है दा भी दालिया ले इंग्या क्रिं वा सेदाया वि सिर्ट मिं व मेर् या है। - हेतु र्रा ह व रव स्थाय महिर्य यर रेमिश या पहिन ब्रुक्ति नु निर्देश हैं। नु के निर्माद विष्य प्रमुद्देश पर विष्य निर्माद विषय । म्यून पर महर् देश दर्दर श्रूर प प्येन हो। वर्मी च मा पद पर मलेर प हेर क्तर य.लुरे.ब्रा १८८ भागीय जना वर्ष तपु .सेवा तपूर्ण यह .सूर्या श. मकर्पयी वर्जीयामायर पर पर्नेर या देश मुद्र वर्ष क्रिंग मिर देश पर पर्नेर या वे हिसा सु द्वाना या प्रेरा या देश दस्य पर द्वाद पा वे देवाश पा प्रेर है। हिसा खु-दवना समाद्युद्वद्वद्वद्वद्वर् वर्षेद्रः की खुराव्या अदाद्युद्वर् भवमानामा

'स्पेन'ने 'न्युर' म 'मे 'नुम मुम 'त्युर' न 'खन 'खेर 'हे 'के न खर' स्राप्तः दे.ज.रभुधास.पंता जुस.चे.व.ज.च.ज.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य.च.स्य. ्यत्मः लेमः मुः वः देः सुः व ह्य ः भन्ने । ववमः लेसः मुः वः । विदः वदमः निवः । वदमः । लेशनु नदे ह्य दे ह्यूर पदे देव प्येश हो स्वर नी नहर परे हर सार हि हा सार ्रथा चुराय द्रमायर दर्धेराय भेत्र मी विषा चायर रेव रेवा केरे रामा प्रवर न्मामाध्येत ले ता ने देर न नग्न नामामाद्यान महिना प्रते हीर रेनामा मानित्रि के त्राप्त विन में के पहना सर प्रमुर री। दे दर वर्ष के पर कि है मात्रे हैर से नहिसाम उदायहेर माये है। तमा वेना है सूर मामसम्म मलेब-र्-देश-म-र्म वनाय-लेन सिर-मे हिशं स् वर्मम्य वसान हना मार्थः र्वे लेख. चर्च हो। वर्षेत्र. प्रचंत्राच क्ष्य तर वे बाल् वे बाले वह से वह स्वर्थ. मर्चर हैर रट पर्वेया यहे कुं लेश या व के कुं पहेंचे मर्वर हैर रट । हिंग यह या प्रस्थापते मुप्र है से बहेर्गा महास मुर्देश प्रमाय स्पर्य हेश मुप्तर क्रिना इस पर ह्युर हो। कु में हना य लेख सु पर दे रहें। हना य हिर्णि ए यरेंदे कुर में त्युर रें लेश नु पदे ख़ेंद पाद रे पहेंद पर नुदें लेश नु पादी। ंम्राटालेन'रेस'वमात'व'णेव'य'रे के मुंदिन पर विश्वर'व स'मेव'रे। रयर'र ्रश्चे.ची.ज.शूचेश्व.च.के.चेत्। ७.श.च.च.ज.शूचेश तथ विव.चर.चेर.त.टच. .. ्याद्रश्रेन्थायते हुँ रायाव**ँद्रा**यर मुर्ते (ब्रेश मुःयदे देश हो। 🐪 दे (व्वेश दुःक्र) न.मोबेंश.ची.मोश.मोट.बुंश.चे.च.चूं। र्सेंच.चर्चार च हुंर में. इस्र या त्यस मालक या चन्ना सेन या त्या स्वीस यदे हम्म या न्ना मीस गुट हो। कु **ल्या विकास मार्थ में मार्थ के क्या मार्थ के मार्थ मार्थ में मिर्** यर र्रो। दे द्वर ब स्वा नहा नर्ना सेर य भेवा नर्ना सेर य नः लुक्तारे.लट.रट.मुक्तापहिचा.त.क्षे.का.लुक्तार्य, र्याची पर्ट.के.मुक्तापचुरः वासायित्रा कुरोपा मार्गियाम् स्टान्यर बु.मै.हेर.लुब.त.भु २८.वरु.बुर.र.खुब.चे.च.ज.ध्ये ४ तश.लूटश.श चरेता.च. सहरे.ह्या हे.हेर.हेंचा.चर्चा.ची.ची.चारश त.लुश.चे.च.ध्र.४हच.च.घ.श.ख्र. तर्या रेश्वेचेश त.बु.लीज.लुब.ज.हुजू.उह्न.वर्जु.बेश.चं.लुब.ब्रा चरेचे. ८८. चर्चा. चूर. पेहूरे. चेश. चरु. खेश. चे. च. श्चाश. मं खेच ही. चरु चै. चे । हैंग वहता है रे. ह. जून हैं. रहा हैर त. में रे रेश वह वह वह में लिश है. वस.चन्द्र-चेद्र-संगु-द्रीर-र्शा क्वारा व कु.लेद व् वेद्र-व-र-ह्युर हे। ट्रे.लट.भट्र.लुब.ब्र्या कवास.त.बुस.चे.चढ्र.क्स.चर.वच्चीम.च.र्र.चुर.च. ब्रेस.चे.च.लुब.ब्रा इंन्न्यम्यः दुःनुक.चर्यः वर्षः च्रेसः ब्रेसःचः चः वर्षः ३। इंग.पर्रतामी में पु.लेजायहे ३.१। यर्ग. १८ १.१८ १.१८ १.१८ १ **शन्द्रायामेद्रायामेद्रायदे स्कुरायद्याद्राया व्यव्यामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्रायामेद्राय** दे.रवट.रे.वेश.तश.श्रमश.१४.में) ट्र.व्.श.र्हेट.व.३८.हेर.वर्याम्।रट.येण.च. पार्चाः इर वर्षेत् वर्षेत् क्षेत्र केर क्षेत्र केर वेश विषय दे प्राप्त वर्षेत्र हो । विषय 'লে : . ভুগ : বি. ব. দে. গুৰুষ : ব. ব. ব. ব. গুৰুষ : প্ৰত্য : প্ৰত্য : কৰা শাৰ্ম : প্ৰত্য : ব. ব. প্ৰত্য : ব. এ त्रेश.चेश.ग्रे.श्रेर्.लेज.वर् रे.चर्षेश.तथा हैच.चर्ज मी मी.धु.चरच.क्रेर. त. भर्त्र, व. पत्र. द्वेष. व. प्राची. व. रे प्रची मान हे. क्षेत्र त हो र प्रची मान हो न चर्चल.टे.चैं र.तर्, पर्टेश.चेश.चरचे.रेट.चरचे.चु.रेट चल.च.ज.चरेव!.रेट.चरचे.

के द्रमायर महेद्रायर हिन यस यहनाया हेम यहर् प्रते श्री रहे ।। द्रमा असा र्घ विश्व नु न पर्देश दे मुद्द से प्रकर् यर म्ब्रिश च न मून्य सेर प ॱ१**ऀॸॱॻॖऀॳॱॸऄॱ**ঌॱॸ॔ॸॱঽ<u>ॸॱ</u>१ऀॸॱॻॖऀॱॷऀॱॸॱॸॸॱॺॸॺॱक़ॗॺॱॺॱॸऄॱঌॱढ़॓ॺॱॸॷॱॱॸऀॱ क्स.तर.भ.त्रे.च.क्य.यु.चाट.चीस.भु.भवीय.त्रु.त्रेच्।स.सिट.चर.पी.चा.स्रेच्।रा मानेद:स् ते.स्वेंमंश्राताश्वामी,त्य्य प्रयमी,विदानराहशानराशानविदानी कुर्रामाशा यर श्रुर र्रो। दे दना हेस मु च है से समुद्र पदे हीं नस दर नहेत पे दे हीं नस रना.म् ।सिना.४ क्ष्म यद्र क्रूनाम.शं. चन्द्र. तर बुन च व व रूर.मीर.त.चट्र.मोचेचोत्र.भ्रेचो ।४स्त्र.च.ज.तर.चर चढ्रीर.प.सीच.४क्स. র্ষুর'বহ'য়ৼ৾র'ব'য়ৢ৾র'ঀ'ঢ়ৢ৾৾৾র'ড়ৗয়'বয়'য়য়'য়'য়য়'য়'ড়৻ঢ়য়'৸য়ৢয়ৢ भेता दम्भानु वे व्राप्त मह्दाय के दा भेदा है। भेरा माल र परे **द्यमालस्य विराधरा उना ने खिसायी अध्याम्य स्थाना स्थान स्थानरा होना रहे।** व्यक्तात्म विराधर करेरे वहेशन भूषे था। दु यह तर मिल्मेश पड ही हुए. मिश्रमार्च्य नास्त्र न ल विद.तर.क्षा.त.चाश्रिष्ठ.चलेचो.त.क्षेत्र.खे.वो ट्राटश.व.शिष्ट.श्रेष्ट.खे पट्ट.खेश.चे. यः व र में व र पर्टर के र् व.चावब.चाश्रम होर. त.लुब.व्.बुब.हुब.तर प्रचीर र् ॥ स्वेच.वर्षण. र्हा । दे.केर.व.केव.वर्षा.व.वर्षाश्चाश.त.श.लव.श्व। दे.लूटश.शे.सेटश.वस.

मालेमारायदे हुर वश्नाम पर मालेनाम प्रकृति का माय हे ने के हे हे महर लेक लेका प्रहेन हेक अप लेका नु नाम संनाया मार्झियामा हि दे दे मु वालेशानु वाने वने वने कुरानुरायरे पर्देशार्वेर पर्दे पर्देश वे पर्देश वित् वित् वर्देरकग्राह्मान्यवा। देशेष्ट्रियाकेर्युक्षानुष्टान्येष्ट्रिया भै'वर्देर्'य'केर गुरेश र्शे रे'स्र 'देस श'देंन अदे'-पु'व'दर' वर्दे दि 'हेन है त्रार्श्यम् वाराम्यात्र के त्र्र्न्य के त्रुष्ट के त्रुष के त्रुष्ट के त्रुष तर विदाय का श्र्वाश वद क्ष वर लिट स स्रा वहनाश दश विदायर हिर ही। हुची. जुंस. धुं. भ लाब. हे. खुंस. दी. च हु. च हुचा. च हुं हा च. सूर्य सर सी र यदी महन केन की मार्गा दे पहनाय न लेखा न व के क्षे मान महन मार्थ न प्रमुद्धाः यर प्रमुद्धाः रहे । यहेशः व ५५ वहवा है ५ गुमाले सामुः व व १ वहवा से ५ यं अर्बेद नि दे द्वा विदायर अव विशेष दे अवदे हाय वे छै रहे अ स्वास वित्राची वार्त्या वित्रामानु वार्ता वार्ता वित्रामानु वार्ता वार् यन्नाकृत्रवे से सस्यान्दानी पदानी साम वहना याके द्राती स नदान विवाहित के दासी ब्रिट हो। क्रममिश्रम विसादने चान्य संग्रह साम्यान के हो है है है । वै.मर्ब.म.केर.मीस.लेस.मे.म जास्वास ससायकर तर हेर्स्स्। वर्ष्या े है**र भे**त पते सेर त्वर हैं ये में हें माय में नेर पा क्ष मुख्य में पर मा मेर प हैर सर्वेद व स्मद न्ना य स्मेन ना दे वसय वर नु वरे दे वीस्मा वर नु व

<u>ଛି 'ୱ୍ୟ' ଶ'ୟ ସମ୍ବ ଝିଁୟା ଝିଁୟା ପମ୍ବ ଶ୍ରିକ 'ମି' ଅଟ 'ଧ୍ୟ' ମ୍ୟକ୍ 'ବିଶ୍ୱ 'ମି' ଜିଲା ପ୍ର 'ସ ଶ୍ରିକ ଛି' ସ' ''</u> सेर-दर-अट्रनार्देश । रदःयन्दर्भः से के के विकासना । वह दर्दर स्वर अदः मार्वेद् सेद दे। वि वे दे खेंन्य दे दे खेंद दे । विश्व मार्स्टर पदे खेंद दे। विकासिया में के दे से दे पार्थ हिंद कर से दे पार्थ है। विकास सामित के दे पार्थ है। · धेर रे दे है दे निर्देश मार्टिय से दे पा लेखा हु वा प्रेर स्वर्थ मार्थ से से हिं। हे स्वर् व न श्रुंश.स्। म्रीनास. चम. ज. पास मिर् भेर त लेश. प ने हो दे. दे. वर्षर्मामान्ये द्वा भक्ट्राबुदायम् नायास्त्रम्यायावेशानायायदे सूर श्चित्र मुर परे तर्दे अन्य दः मुलाम। शूर म्लास परे द्रार मीस पर्दे । श्रुंसम ता सूर्यश तर मैं यह रेस.थ.भश्रूर. बुट.ठमी य बेस.व व.थ बट.लर बे न्मद्रशः रेवाश वर्हेन् यात्रा स्वा सामित्रा तुर् नु हुन् वा लेश नु वा वे। न्ये ना व त्यन्य भारत्नु वर्ष्यायाये के इ.ते. क्षेत्र महार्ये राम्य के स्क्षेत्र प्रते । हे ฐัง. ปุ่งพ. สนานา เปลา สมาย มหา เจา. เพ. รพ เพ รูป พ. พ. . ชูป . ชูป . รา. วั. บั. รับ. เพ. क्ष व्रेशा सन्दूर मध्य द्वा द्वा द्वा निवाद नि श्रमका मुद्रा । श्राचार्य हेराया स्वामा प्रवेश मुन्दर स्वामा प्रवेश सुका है लूर् चाकुरार्टा जुंच चाकुर वास्त्राचाचड्टाह्या दे अर्चु काटामहूक तर् दासीय क्यानी हुन हुन होता ने किया है र दें। रहे हुन हुन हा सर्द्ध : १ दे : १ वि. १ वि हुन्नस.तर.प्रमीर. बुद्ध झप्रा विषये दे प्रमीर. बुद्ध ये या गुरभट हुट स्थ. ब्रिन् भाषा अंग्रिस पर रेग्। नाट कें क रहेश स र्टा द केंद्र स रे दे रे

वेर विन मुन्निक्स य विस सहर है। रेन्माय केर केर वेर विन विन मुन्निकाय केर म्मादमाय प्रेंद्र है। देश दमाद प्रमुद्द प्र के मार्थ प्र के मार्य के मार्थ प्र के हा। विद्वार्वे के पार्ट्य ने श्रद्धान कर की लेखा निकाल श्रम्था ना हैं। कं सेर्'य रट मेंर्'य र्टा शेर हु ये सेवास यरे ॥ वार्त्र केवास वाहेश याध्येव वे लेखा छ न वे नाट बद्दा पर प्रवस र्थित यास स्पेव वे लेखा छ न स स्र यस.च वर मं चार लेव पर है। कु वनाय च लहा है खेव या रहा च लेव लहा केंद्र य दे म्ब्रिश च पदि ते केंद्र य लेश नु वर केंन् द्रम दर हुर रे ॥ द्रेर ब्रम्म में व्यास्त्र विदे कु विन्यं नदे रेट विकेर मेर् न सु नि । रे से नर मीरेब.कूर्यास.सं.स.स.मीव.त.स.लूब.प.बुश.चे.च.बु.ची.प्रांची.प्रांच रू. रूट. रखेरे..... म्राम्य मा द्वर नार प्रेन मारे दे लिया हारा मार्थ मार् बैदान हैंदियों हैर लेंब नु न दी विदे दें में दें न बार हैर। भरी व.स्.च मार के प्राप्त के प्राप्त के मार के प्राप्त महर्नित क्षेत्र क्री : रिकासट त्र प्राप्त देश व सट त्र्र लेश व स स्वास दश में दमायानदे रदानिक मुंशका नार्लर नाउका लदानक्षा नारे के के की मान ने महुते मुक्किन मा भर तुक पर्ने हैं रेर मानक पर्ने छैर हुँ र पर्नर में दें

वर्ति वास्त्रीय राहे देरो वे प्रश्नुत वाह प्रवाहित वास्त्र है वा वह वास्त्र मा यदे क्रिं वेश यदे दूर वे के लेश में न कर्ण शास हैं शहे। वे में मार्थ मार्थ में मैंश वेंश तपु हू तु हु नविश अवश मैं १ कर पर मैं र हैर पश्चीय तर ने य रदास्यामाने के के स्रिन्या दे स्थार स्थर यासा के बार्च लेश सुन वर हुन हो। वर्नु ता.श्रमाश्राता. ह. ह. में माश्राता माश्रम भेट के हे ने में मी माश्रम माह ते के हे में में कर्माकृर्णे क्षेत्रामादालकामञ्जूनायरामु चार्दास्य माकृराक्षेत्र। मायाने रो नुर.रे.चैंब.कर.त.इ.डेर.ट्रेचश्राच.लुब.खं.वा चाट.हुच.वाट.ज.रेश्चेश.चड्. यलेक रोगका यरे सळक हैर व्येर यालेक केंगा क्रायर सुर में विदे र ट यलेक रेपे अठन केर ही। रे जेस म रे केर झे जेन म रेस मझूव यर मु व से तारे अद. कुरा विद्या रहेर व विदाय स्थान के विदा है कि विदाय है है र्श्रेनासायते तर्नावि सेया यह से तसारे हैं निहेत् हीं हैया सराया स्वांधाय हे सार्ध यर पुरा स : भृ दुर्शी व प्रकृतिका वा शुक्रा या अपा का बावा या अपा के कि का वा বারী নাম প্রামান ছব, বার, ধারক, সুমাক, বাংল প্রামান প্রামান প্রামান প্রামান यस नवर व न रे से पर्या रे हैर के लेख स म के गुक हुँ र र र हर पर्यो हिस सुर्स्द्र पर्दे के विद्या विद्या नामस पर्दे हैं भी र वि किस मान विद्या विद्या य.चिश्वभः ही दे.ज.इ.उर्देश भट्रेश तर पुश्च त.वु.इ.उर्देश मी.क्.उर्देश मी मिलर मी. शंभभ भट्रे नर जेश त. थे. भीर हेरे नर कू पर में गार्मी अमे. य. मर नर्भाष्ट्र पर नेशामा दे हिशा शे हर्ष पर हे उन्हीं में हा। हि । रह्म व हे हे

लेबावरे सुरावर र बूबायामा जटारे अवाकेश करा है अर बावर हुरे न.ज.श्चित.त.बुंश.नहूर.कु.च। रेडू.हुर.चाट.चुंश.श्चंश वय.देशश.शुंच.तर. मह्रे.च. बुंश.चे.च ह्यूंश.श्र्रा। मैं.क श.क्.भश. बुंश.चे.च.व.व.च.पा. सर्यार. वलेर म हैर राष्ट्र केर म हैर में केर में वर म ने ने मार म हैर राष्ट्र म मोचेनश्राच हेर ग्रेस श्रुव पा हेर वश्चवस्य पा भेर द्या वार मेश हेर ति पूँ प ल.तथ.तर.चर्षेर.त.रुंड, ब्रेंद्र.घवश.देशश.ज.ष्ट्रश.हंर.बह्रंट्र. इं.चश. ब.हेंब.त.केंट्र.चक्रेश.त.लब.ब्रा वयश.च्रांशश.च.क्य.वयश.पश वैट.व.चट्र. मर मिलेन्स य १९८ महेस्य भेर औ। इत्राय स्य नु व द दे दे कु सर्दे र **ผมาวามสาราสมาริเราเลิง** เอามาณ์จายราลังายรามสรายลาเลิราลีจายาธิรา सकें स.त.लुर. स्। वहां वे.ही.म.ही.म.हे.म.र.तु. म.हे.वंश.तु. हीं वंश की ही. भारीय नालटा द्रना मर हिंद पर लेश न पर दे दर्श न है । अ ही अदे के दे के है । अ ही अ ले हे । क्र.भ.क.भ.बुश.व.च.इ.ट्रं.ट्रं। डे.चेंच.त.ला.चे नर.क्र्य.तश.बुश.वे.च व. क्रियास केर जिसास रे पर माने नास था केर पर माने नास अहर जिस र्षेत्रपाकृद्रिक्षानु नाता स्वाहाया सूत्राय राष्ट्रीत रही। स्वाय देवा विकास वि'न'के क्रेन्निन माने हेश क्ष नयना मका भीका नुष्के होन म न्याना या महका या नाट प्येक ब्रिलेश व वरे रेव हैं। अद्दर्भेश वरे रेव लाहे वर सम वरे द्वारी ज्राहर श्र भित्राय भर्म केर कर मी करा भाकिर नहीं में दें प्र कर भी मी र्स्ता क्रनाश गु.मोटश ज. सूर्याश रा. लूटश शे. पुरा तर अर्थ के दे हेर कर हु सा लूब हो। यदेष.त.प्रि.व. मह्रेष.भह्रे. त्राचे त्रेष.च. व.च. मंत्रा वर्षा ची पर्वा ची पर्वे प्राचे हे. वर प्रेष

यदै सुद य व्या गुर व तुद में पदे व पार्वे न हैं र से व पद स दे न व दि । त्वर्मनायदे पदेव या वे ख्ना २ ख्या रवा नु 'वे पदें। असा में 'वरें वे पदें वे पदें वे पदें वे वयस पर्मा से द मा है द सर्वेद पर्दा। दे ता पर्दे के पर दे हे ता लेसे उ मे ता र्स्रन्सः सात्रः क्षेत्रः द्रदः दिनाः या उद्या के दिनाः स्वी स्वा स्वर्ताः स्वी स्वर्ताः स्वर्ताः स्वर्ताः स्वर् मुरायदे सुरासुना वस्यादि स्तादि स्ति यदि । रदानीरद प्रवेशन्दायम् प्रवे हिर प्रविभागिताम् । प्रश्नि वंश हेर प्रवे हेर ग्रीबार में हैं हैं। मुंदी हैं न हिर प्रकार में मुंदी में हैं। रह दह हैं हैं। सप्तुत्र'पत्रे'त्रस्य तुः तुर्'पदे 'खेर 'में के केंग विदेश पदे 'में कि केंद्र हैं र 'में प रे. भु नर्।। सेट. त् . बुचा तर . सेट प्राचा राष्ट्र।। ल्ट्र श्रु . मार्टेट यार्ट सहा स्टर. वि नरे मुंद वे नरे ।। यह म हेद की में हैं दे महेद माद के देहें में स्पेक महेद सुर-मु-र्वेम-पर्र ।। सुर-वमका उद द्दान्य प्रते सुर-देश वर विनुद्ध पर्र ।। विप्र.च.पश दुश.चर.उचैद.चषु.घचश हुर.लुब.चरु.ब्रीर जभ.स् 📗 इ.स.स. मान्द्रास्त्र पदि सुर देनास पर्यो। आर द्वीयर बीच पर दे हैं से से सूच मर्ने॥ वैशनुः अदः द्वायर वर्षः वरः वेदः यदे हैं रादेशं वरः वही शयं हेदः र्दे । "धुना वस्त्रा न्दा गुर र नुदानी वर्ष यान्न के सुव यर नेन विकेट नि रच.रे.मी. त. १८ में अ एवं स ये. य हो। की ग. यक्त. ही है. हा ज्या हिरा हिरा त.पीय. यस त्रप्टट. चर्. मी वृश ये. च. प्र. श्र्याश. चर् ।। ही य चर्न म. टर्से र. **นะ.อ.น.อู่ร.วิ ะน.วิ.น**ลี่ วะเพน.ลูงฐ์ II ลี่ ฉ.นะ.อู**้ะ**.น.ชู.ธู.**ม**ี่ ร.วั. मन्तर्भात्रे. गुरु विद्वामी मरे दे सार्मा अव सारे स्वाद । रे बिन स्ना नरूल.भु. दश्य.त.८८.। गीय. वर्चेट.चु. दश्य.च च्र्र. इथ.च धुर.टे. रचचे चश्य.

त.लुर.धे 🐃 अच.रा.रट.पक्स.रा.पंसंस वि.चीर.त.र्सेच. ठर्जल.रट.। 📲र. म्बरायागुनादवृद्दामी लेश नाह्यद्दर्भाय दे दे दे सामान दे दे दे सामान है । . मु:५ट्स्:संदे, मिर.तर.५८:। अना.भ.ती१.५ विट.मी.४स.तर.मीव.तर.५ मी४.ट्रा लिस नु न वे गुव व नु द हुर र ।। मार दे ते मु र द र हैं नु उब वें। ेर्दे मुं उद अट दे अद दारे दे मुं उद मी रहें से है। रूप वह य मी वह य मालेशनु:मदे:र्वेदर्गा देदे:छ्रि:धर:वै:से:ह्ना:धर:स्ट्रि:ध:रा:। वरना ्रेन्, मद्रु, इस तर् ।। डीचा स.पीय. पचिंद्र, ची. थस. त. व.ची. दर. मी. य. दर्ग ्रनु: क्रेनिते क्रायामीकाने। देनिन के क्रिना नहाम नहाम नहान निकार ना मूर्यात प्रमुचातालूर् तार्यारे वश्चीयश्चरायश्चर्याचाराषु रं स्थायर नम्रेयश्र म. भूष. थ्री। डे. हे. लूरे व. देश. ह. झे मे. श्र ही म. य श्र्वाश व. या र. प्रमुद्दश दे प्रवेद दे प्रमुख अदा मुद्द अदा मुद्द से वद है दे वद ना से द भक्र.व.धुंश.चे.च.ज.रा.श्चीम.तश.हीची.चर्जाल.४व.चे.धु.चट्र.वचरा.चर्वर.व.ला.व ्रें । दे नहर पश इस या ह्या स मुच व ॥ व विरावरे ह्या महता र्ट कु र्ट रंच रु ले न र्ट बनस नेस न रे न हैं न हैं।

क्र-स इस दिनेस में दिने व प्रति। प्रस र्य प्रति पर्छ स दुनाय।

ୟ⊂.ମୂ..कृ.च≌ଏଖ.ખ.ଖୂ**ଐକ**.ଘ ଔଶ.ସି.ସ.୪ୁ.ଘ≌ଘାଶ.୯୯.। ଝୁ.୯.ସ.୯୯.। नर् नेश रहा। दर्भे देहारा के इमायर केशाय लेशाय है।। हैंग, वर्ष म. म. मी व त. यू। हैंग, वर्ष म मु. हैं या वर्ष म. भूरे रेटा। उर्वीर. यत्रै.र्ह्मा.यहात्र.केट.रटा। वर्टे.युट.ग्री.र्ह्म्या.यहात्र.केट.<u>र्</u>ट्छा ट्र.ज. ৼৄৼ৴৻ঽ৽য়৾ঀ৻ঀয়৸৻ৼ৴৻ৼয়৽য়৽য়৾ঀ৴য়য়৸৻ঀৣ৽য়৾ঀ৻৸য়৸৻ৡ৴৻ঀৢয়৻য়৾ঀ৻ঀয়৸৻৻ र्षेत्रहो देवे कुरेके कुरके कुर पर्वे क्षेत्र र्षे ग्रेश न व. रह्म श. वर्चीर. नपु. र्सेच पर्ज म. केर. मी र्स्चा. पर्व प्रे । डेपु. मी. रेपु. मुद्दे मुद्दे निर्मा क्षेत्र क नः स्थापनः व नद्शासान् नुन्यो स्यापन्य । नेता ग्रीट.लट.र्थम.रा.चीवेर म्री.स्.रंश.रं य.रे.वश्चें यश.रं प्रे.स्रीट.लट.यो म.ट्री श्रेमशं. নপু.ধুনাধ্য.ন.বধ্ব.ন.পুর্বু॥ ই.ল.২৮.ন্ এধ্য.ম.ম.খ.খুমধ্যেম ম.ইধ্য राप्तु. हेब. रट. हुश. राप्तु चिवश सेवश. व. लट. हु। चाट. ज. च्या शहार. व. शहार. माउदावर्षाके म्यामायाम्याम्याम् म्यामायाम्याम्याम् मार्थे । मार्थे ब्र.चिव्यातामा स्थापान्यात्रा स्थापान्या स्थापान्यात्रा पते हिरानुनास में तहेना हेव हा सर में रखारा हिंदा रु खेट मा हव हेर खेद रहर

त्युरायदेष्ट्रावः सुंभावाष्ट्रायायाय्येवः वी। देरदायदायाः देर **য়য়৴ঀ৾য়য়**ঀয়৾য়ৢৢ৾য়ৢৢৢৢৢৢৢয়৾ঢ়৸ড়য়য়য়ঢ়ঢ়ঢ়ৣ৾য়য়ৢয়ঢ়ঢ়৾ঀয়য়ৢ৸ঢ়৾য়য়৾য়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়৾য় **५२** स. इर है अर रे वर्ष र तर के लें रे रे के नमा मार लें वर है है। दहने हैन स्मान मिन्न पार्सिन दुर्गित वास्तर सेन कर सेन कर से मिन्न पारे के देव दाव कर मिन्न स मार्थेक नु स्वर्ग न स्वर मुन्ति न स्वर्ग न दे न दे न दे न स्वर्ग स्वर मार्थे स मार्खेद दे सूरान साम्मर दे हिद मिट हा। रट हूर पर्टर क्षांश पास्त्रीक न **ज.चीश्रज.वर.विश.जुरे.**थी व्रेश.तश.चुश्रश.वर.भ.चेश.चर्य सैपश. ผู ฉริสาริส ซ พราสัมพายาซัฐาราชัยาสาธสามรายาเลิสมาติ สุมพายา... वा मामसायामहित्यते क्रिन् न्या सहत नदे हैं र द्या दे प्यद हिंद ने रदान विद सहद स पर उस च हेद ये द सेंद हैं विश्वानु न हुं न हा में दर्र रहा नविश्वान देश नुस्र वा भेशन अहारी। दे नस สาสังษาพราศัพณามาอังการณ์การเหลา เหลา เมื่อ เกาะ เป้านาตาวา เปลี่องกา नशः हुँदः नामः भुवावस बुका नामः वावस रन्या करा है। विकारिया है। न्मिसाय हिंदिन सर्व केर सम्बन्ध प्रति संस्थित स स्व है। इनास सेर या उदा हिन व सुवा वर वु वा हिन प्रेदा प्रेदा प्रेदे हैं र दे हैं । दे दे हैं है । दे दे हैं । दे दे हैं । दे दे म्राम्याम् वित्रु द्वारा वित्रु देशु विद्वार वर वित्र देश विद्वार वर वित्र देश वस्य अट व मुक्ट म केट म **५८ वंदे नश्यान निस्तान सर्वे**दान र्ह्य नुर्ह्य नारु १३८ सन्तर हिन्दे ही दे

क्रिक्निकारे केर् ଜ୍ୟୁନ୍ତ୍ର ଜ୍ୟାପ୍ତ ସଂଖ୍ୟା ପ୍ରତ୍ୟ ନ୍ତି ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର୍ମ ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର୍ଗ ଅନ୍ତର यर नुद्राय के दे त्या का विद्याय कर के दा प्रकार वा दे द्राय विद्याय विद्याय मानुन्योत्रायाने स्वरात्रायर हेन्य वयायान न्योत्रायाची हेरी रहान्त्री देश मदे अंद ५३ वा मदेव या भेव देश मु न वे नर गाव में में रहा महेव र हो से संदे व्यक्त न्द्र मार प्येद सादे दे त्या यहेद या भेद लेखा नु यह दि हैं। रेते. खुरा चे. च. चे. सिंहा नहीं रात है. द सं ची. में. हर सं मी. में. हर सं मी. में. हिव.चर.वेर.च.र.व.र.भ्यंदरमाच ल्र्रमा हे भ्राभवंदमानामेर.च.हेर. धिरमारे दरादन्याय वे से सहराय हेर धिराय रे हर को विवाय र हिर न.पंचाजाय.रंभुवाबावाज्या वज यादेट.वज य व्यापारेवा.घाएब. बू. (बुंबा में . म. हु. में . मर्थ्य हरा ता. १४ . (बुंबा चीट. क्रुंबा म. ट्रे. हु) व्य म्हेंब्बा सर . द्र में र बिस-व न'म'र्सेन्स'यरे'वय'न स देस'य'भेद'दे। महम्स'स संग्रेन्स मः **षष्ट्रायाक्रेरायान्त्रायायायाच्यास्त्राय उर**्हेरार्येर्पये खेरार्या वर्षा <u> हुना.चट भष्ट्रेटम.सी.चुन.पीट. हुना. चे.च.जा सूर्याम.च.चूर्या.च.म.ट्रम.च.ता.पूर.हे ।</u> चित्रम् ता स्त्रीया पात चुरा त दश नि क्षा स्त्रा दा प्रति । महिरा सा स्तर् दा स म रुमेन्स मरे सुरे रे) विवास संग्रास विवास मरे कु हैर फैर यर दर्दियामाणीदानम। दे है । इंस व वया यहर हिना या या ना हुना है। स्मेना मासुनिकाश्च नेराहे वा नेरहमानु किरायानामानामाने में देश के निकाना मामार्ज्या महिन मामा महिन प्राप्त महिन

พะ.ผู้น.หี.ผู้ไ.ช.ฟฺลปห.พ.ชุปห.ตรู.ชป็ะ.ฉรู.ปี้.จร.ไ.หหีะผ.พ.พะ. भर्ष्ट्य.त.स्<u>र</u>्च.तर.पंचीर.त.टु.र्जर.थ। ट्रंड.प्र्.िपश.चेंटश.त.लश.३भश.तर. विचीर ह्या दु कर कुर के विचीर के खेंका ची चाला सूर्याका ताथ ताथ वारा नर हुर ह्या मामाने दे त्या लेश वि.च. दे रहा मी मीवा तार संवर तार्ता वहां शार हुई तार । तर्रेर्न्सार्द्रम्यायर्वार्यराषुर्यः सुरुष्याः द्वस्यस्य गुरुष्यः स्टर्न्स्यः केर्न्न् वस्य मद्रु तिचैदः च देशसः कृ। चिविदाः मः स्र्यासः च विदानः च व म्येय.पष्र,भवंप.जम्म.प्रम्थः श्वरः त.लुश्.ज। पर्वेटः च. व्या.पे.र्झे. चष्रः उर्वेटः च. य **६५**'य'**ओ** द प'क्रेद'द्वा'यस'वाह्ययथ'य'र्थ व्याय'य'य'र्य प्राय'र्थ द्वार्य देवे'' क्री वस व दे पर से रे लिका च व रे के व व प व व र र व व दे र से मिल र यर · सम्रावेश.मे.च.वे.मीर.चपु विर.दर.ध्र्य.म.सम्बंधाये यह ह्व.ध्रा वाम.टे. रद्राची द्रा के दे मुक्षा मुराय रे हिदायर प्येव व् वे वा मु सक्व सेर यर विश वु'न'व'र्स्रेन्स'न'र्स्नेस'र्स्। देस'न'से'रुद्द'नदे'सुर'ने गुर्द्र'व'र्स्स्राह्द' कार्योद्राह्म विश्वाची नद्रम् । यह माश्रामा अपार हे माश्रामा अपार हे लेशाची वि.च बे.च वै.च वै.च.वंश्वता.के विरायर लेव चार्यास द्याच लेव हे. रवैदाव व ररासः दे.रचा.हेर.पाश.चाडचाश.पा.श्चाश.पार्च. हिर.तर. ही. चर्च. हो.र.र्गा हे.इर. है.वर्षेश.तदुःषी.६१.३८.ल१.लट.७४.वे.च.च सूर्यश.त.व। नट.ज. केश चप्रे में भूर मा लेश कूर्य देश मार श्रिर मी क्रियं ने हे मीर मा नालव लूर ব'লেনে, ভ্রামার, মার্মার, বরা প্রামান না ক্রামান না ক্রামান ক

श्रॅनाश.तर्हो। दे.पखेंग.दे.श्लॅंग.वोखय.टेचा.ज.लट.कु.प्रचीश.तर.वहूरे.वर. <u> वृत्रा</u> ह.कंर.क्षेश.वै.दुष्ठ.जुम.रव.भष्टिश.वठ.१८८.क्षेत्र.वर.२.४वीर.व. दे स्ट र दे रे स्ट मान मान दे हैं। र र र पिल दे र दे दे मान मान र र र समुर प क्य.मी.टी.ट.च.रटा। देज.ज.श्चीश.तर्र.ष्ट्रश.मीट कुर्य.सी.र.भास्त्रट बेश. यक्षर्यान्यान्याः व्यवस्य वर विश्वरात्री हे स्ट्रां अपादिसानु वाया स्ट्रा माब्रे मुवामरे सह र ह्या वर्षे प्रेरे है। वर्षि साविष्य ह्या मुक्त हरे रहा चलिक मी प्राप्त प्रकार रे रे के दुर प्राप्त मुक्त है । स्वाप्त के स्वाप्त प्राप्त के स्वाप्त के स्व मालर मी. प्रे. प्र. रे. दे. रे. दे. हे स. मी. च. वे. प्र. म. मी. मी. प्र. मी. च. च. प्र. मी. च. प्र. म तपु.मिर्ता टु.३ इ. इर प्रेश र व. च. खूर्य म. च र मि. शहेश पर प्राथम स्था दे :लूर्थ शि.चैर.त.रे.केर। हि.चंट्र.ची.सी.मी.मी.कर.लूर.य.कुर ह्र् **बेस** श्चराय भेर हो। व ५५ म बेस श्चर या भेर हो। व ५५५ म बेस मुन दे **พื่ะ.**พ.ร ร.พ.ช.24.ยพช. ๑८.พิ.พิ.ชิ.ชิ.ว.โะช.ซีะพ.สป. ซึ่ง.ร.แ กลัง तर.श्रेज.व.भ्रथेम.वषु.मैं.वर्ड्स.वर.वे.व.चिथे रिश भ धिरम्रतपु.होर.ट्र । मान्द्र के नाम मानुवाव भेद के लिखानुवाव है। वहें द कनामा मान्द्र में मान्द्र म र्दे लेश.च.च.परेट.ज्रा वर्ष हे.श्रुंब.बंबस विर.चर.लूर्ब लट लेश. नि.चन्ने.चिबर.चर्षचाश.च.लुब.स्. बुश.चे.च.बु.सुंब, बंधश.चिर.चर लूरे.ब.लह **छित्यर सेत्** छैर मुन हेत् सेद लेश मन्त्र याना सेदा याते वसून या केदा है

हिंस नु विदे दें दें दें | विवेश के सक्त या वा वा राजा के या वा लेश नु विदे वा दें ना दें क्रैंग्र के के विषय के **प्रसःना**लक् यदे लेखा नु व के नार्दे पर ने ने प्रदेश हिना हिन । स्राम्य के स्राहिना पहुंचानार्ज्ञा दे. १ व.म. में कर १ हेन जा दे हुन जा दे हुन जा है है जा मार **ल्यं प्रमान्त्र मा केंद्र मा केंद्र** य.टे.केर.था विव.तर.वेट.त.पंचात्र.व.टंशुचाश.तप्। चाञ्चचार.ट्ट. मि.च.पा.श्रमाश्वाचान्या प्राप्त प्राप्त के मिट एक प्राप्त के प्रा मीय.य.पश्च मीय.य.थेर.लुब ब्.लुब.चे.य.बु.चाड्याब.र्टा प्.य.व.ब्य.ची. किंदासाध्मेदाया हेरादे पर्दर् कम्बाया वर्दर या हेरा की खेरा दें। मालदा वर्दर क्वासाग्री मु हेर र नहंद ना लेस न न हो। समध क सहसा वा सार्वास त्रां। हि.च.जम.च ह्र्या.च.उर्ट्र.क्योम.ग्री.४८.च व्यं केट.जमा.चारम च.बेम. निनद्भः मिन्यायस महिना प्रमाय प्रम प्रमाय प् ग्रामी'यर्नाकर्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्रा यादे दि से ब्रम्य पर रहार विकार के दे मी विवास पर दे तहार वह में ना **८नायः नदे र्राः न्वेकः मेः** नाक्षः स्नेनसः प्रेकः राः देः स्वरः कः **प्र**वः यरः ने दः नः तनावः ... यन्त्रीनाश्चर्या दे 'यानाइशायते 'लेश मु म दे 'यह र कन्या मु रहा मलेद कनास-८८ ले इस्ट-नी नर् गार्-८८। अहिस-नर न्या निक्रानर न्या निक्रानर न्या निक्रानर न्या निक्रानर न्या निक्रानर निक्रानर न्या निक्रानर न्या निक्रानर निक्रा नि न्तुस य सस माहिस गा हे पर्टे किया स लि हार पहना माँ । दे परा द पर्टे र क्वांसामी रदावित हैंदायश ले इदाव वुदाव साधित दें क्षेत्र रें श्रेया री ।

मिकेश मात्रहमायर हेमाय परिणय प्रायस्थाय हे हा साय प्रवर्ते। हिन्दर **७.४। प**ट्टेच,त.भथ्दरस.तर.सज.चस.बुस.चे.च.श्रूस.ट्रे। स्ट्रिस.चर्. मुद्रे केश या दरा विश्वास्य द्वा द्वा या श्रेत्रा र वेश प्रत्य पर प्रवेश यादे.देवां.पीटा सर्वेटस तरावहेवा.च.क्यादेशवाचरा वर्ची वर्षा। वाकाहे. हु.के**र.(बेश.ये.प.ण.श्**यो**श.तश.भ**ष्ट्रेटश.तर.४९००, तर.वंज. पण्ड, लश्र.सी. र्स्योश. **खिया या श्रेम्स प्रश** र्ह्स दमाद विषा मा हैं ति हुना या द्राह्मा चा दे हुना चा दे तह । रदायबुर्व मुक्का खायर्का मायरीया अद्या विमाय बेना यह माया ब्रिया या सर्द्धिया पदे रदः पत्ने व स्मेव हो। वेस र प स स्मास य वसस उद् वे स सेव वें। दे वे क्रमाश विद्राह्मर तथा | रमा त र नश है . यह न प कर लेख व व है . हमाश मरीये.त.चोट,लपुरे.त.टे.यु. रूचांश अरीये. त.हे.पंडुचा.क्यूचांश.ज.हे वर्णा क्रमांशा की विराधार के हैं र वह र क्रमांशा मा स्मान वह न वह सार के वह न र्मा शास्त्र राय दा यम कराश में विदायर लेश में या है ने वर्गा है ला रमाःससायसायहमायास्। हीयान्य सर्पन्यारास्त्रे हेसापुर्वे। श्. श्रु दु, ही. तु दु, चोरक, क्षेत्रव र. ८ हूर क्योब ज. रूचा श्राच, चा, का, जा, जा, चा, जा, **লক্ষ.বর.ব**ইনার হঠ্টুই.সুই.ছা। নাচ্ডবরন্ধ,মর্লেম,লক্ষ.ইচেডেও **८स्थास.** पट्टी हुं में भर हुं रे भूट स. तट्टी सुसस हुं प हु हे जा 92.854.A. नार भेर य दे हैं चना कनाश की हिन बर व्यारना व्यव य धेर है। पद्मग्रम् यते प्रमामी नुसाद के ब्रिट्स या उदानी प्रमान स्ते होता ती हो स्ता है सार स्

ह्नेना प्रदेश प्रदेश में प्रत्य के विश्व का सम्बद्ध के का सम्बद्ध के कि विश्व के कि मैंतु,विदेतर. खेब.चे.च.ज. श्र्यां मात्रान्य न्यां क्यां में मिटे. तर जा रनात्मरा समात्रह्मा याकृत्यम् कृत्रि विश्व हो। 💎 दे द्ना वै दमायर विश्व याकृत्वीया यम्बिक् न्दरम्बिक विश्वानु न वार्थिन स्टाया देन्न हेरानु न सर्वे वर्देन क्रम्बारा स्र्यं सारा पटा। इं क्रम्बारा लेश मु नश है ने नश मु मु न पर पटा। मालकुर्द्रमालकुर्लेखानु नात्मार्खेन्स दासाले क्षेत्र हेमा साकुर् नहार ही। अहा **ह. क्र. ५.५र्ट्र. प्रचाम. ज. सूचाम च. व्हें**ट. ज. सूचाम. चट्टे. कून हेंटे. जूब उंच्ये व च. . ब.ववै: वपु क्र्स.हेर.लुर व.लर.वज्जावर वर्जै र.खे या किर.ल.स्चारा मदे केषामा इसका है त्युदायदे रदाय विकास कर है न त्ये में स्टे सुराही विकास म र्श्वें अ'दे। पर्' स्ट्र अहिसाय है प्रवृद्य के हों से प्राप्त है प्रवृद् च के इ र्यों कु है रहा चले द प्येद त्या कु हा है रहा मी क्षा है द ग्रीका चल द रही। विवा वस्तान्त्र द्वर अर्गुर सेन्य लेख पुर व दे। प्राह्म पालक स्त्राक पालक पालक **र्ष्य मा अपने हो। वाद्याय राष्ट्रीय वाद्याय स्थाय है। यो वाद्याय स्थाय वाद्याय है। वाद्याय वाद्याय वाद्याय वाद्याय है। वाद्याय वाद्य** · พิงฺ च พะ ม มิงฺ ริ मा हुन्या वा र्येन्य प्र प्र १८ १५ वर्ष के र ५ र १००० के बुर दि मुंबे ३८ ३ महा सदी बुर मा विषय है है र छेर। विषय साम र्सेन्स'पदम! े दर्दे कन्स'य संग्राय देव फीन दें। दे हर व रिस यर वेसाय दे हमाद्वा हेसा नुप्य है प्येद गु इस दर देस य दवा है। 🕟 प्येद

याम्माने व व के वारा व दे प्येव व । दिनदारी निकेना नी व नहार न के दान के ना मते :भुँद :ऑर् : धरे : धुँद : र् लेश : मु : परे : श्वॅंबश : परे : श्वूंश : दे : नहिना : भुै : द : स्रक्ष खर : उ भ्रे.च.दटा चाङ्गात्रवींना राज्यसम्बद्धात्रवींना राज्यसम्बद्धात्रवीं प्रायायहराही। मिसान्नरसाद्रसाद्रम् वर्षे प्राप्त वर्षे प्राप्त हे दे द्वार विसानु वर्षा स्थान पार्स्स् साही यादेकेरेकर्दावरेकावदेदा वर देशायदे रदावहेकादि स्वीकावाहेका वाया त्युद्रायते हेर्रुंद्रिशायते प्रदायत्रिं प्रवेत्रायत् । हें अपने रे रे प्रति विश्वा माथ हे रे ख़र के 'दर्द य देवे के दे द्वा नी अरहा पलिब दिसायां सेन वा लेश मु न परे हैं न गुरिश कर्म पर में व परे दि च्.सुर.तश.७ुंस.चे.च.लुंब.ब्र्या क्वैर.चेश.तट्र.चिड्यांश.१८.क्रे.ट्र.क्र.तट्र.सु.च्टर. तद. द्रेर. र बुश्न. ये. पर्वेट. य. रंग. मीर. टेश. थ्रा ची बिर्याश स्वीश. य मेथ्स.त.रेप्ट्र.सेर। चिव्यास.ज.स्यांश.त.केर.मीर.रीस.तप्र.मीवियास क्रांस.स् **७ स.च.**च.च.चे.चेंच्.चेंच्.चेंच राष्ट्र.चोंचेच स क्षेट्र.की.हस.स.भु देह हूं।। डे.नस. क्तियुद्दायात्वा अवीक्षा यदी हो कान्या यहे वा यदी दि विद्रादेश यदी नदा यहे का यह . मझ पर मुर्ने। विश्व मु पर द्वीर स्वा दे त्य यह दे हर हैं न द है विश वित्व के अकार्या। पर्रें क्योश या स्योधान रची प्रविदान र्यो प्रविदान या स्था मुर य महैर द देर दंद वहेर यह देर अवह हे गर द अद लेश मु नह देर ही। महेब मदे दिवस्य अरा के प्यत्न के दार के में हेब में दाव के सार है न स्था केर संस्थेत पर पिस सेत परे छिर हों। सुस परेत परे हिंदि हों में हों। दे दवा

यावी माहिमासाया संवीधाया प्रविश् पूर्वे । वाद्याया से प्रविश्वा या प्रविश्वा हे लेखानु ना दे दे ने न दि से में न दे । खर दे सा न स्रायदे से सहा मी ना रहा स्चामाना कुर्ण कु.मं.पर्ट.क्यामाना स्वामाना मु.मं. या.मा.मानमा शु.तिस.क्स.त.चालेश.टे.पचींर.पर.पर्ट्रश वीर.चास.व.पट्ट्रक्चस.प. **श्र्माश्र.स.भु. चेथा.स.भुर.सर. प्रचीर.च.रपु भू। दशास संख्या** मारे मात्रवृत्तानात्वाहे दानी स्तापले दामेरायका यह वा स्वर प्ये स्तर हो। ने दूर व क्रन् केना स हैन स प्येश्य हमश्यार द्यू र में लेख न विस्था श्री पहुंचाता अरे. थे. बुंबा चे. प्र हे. हे. बेंबा पर्ट्य क्या शास श्वीश या शाहीशाय रे... रुषान'भर''त्वुद्राय'न्न'श्रूर'मुं'द्रा व्याद्रेन्न'य सेन्'य'नेते.हे। श्रूर अद **ॲन्स**प्रेन्द्रुटाचान्नाने राकेन सप्येत सरावसावदे हिरासी है। हे। इस हेन.भ.लून.त.ट्रे.इर.भुकातद्र.वादस ध्रवसामालट.विर.वर.भूट.वर्ड. शूर..... हाँ । तर्द्रायर वे प्रमुश्ता दुशारमक उर् र तु शाद्र य मेदायर पर्दर्क्त्वांसायार्स्त्रासायायह्नायाकेराधेरार्वे लेखा देते हिरादे स्ट पर माध्येद्राने विसास नार्झिसाने । हिंदास्य यात्राप्ता विना मी कें लेका पार्थिदा सीसा ्षमधाक्त वसमाक्त मी कें न माध्येत हों। हेत न्यावहेत या हेत है से से देश भारे अवार्त्र न केर्यार नाइका वहा हिनाय केराय। दे दिर दन्याय व्यद

झ-५५-तर-विषक्ष-तन्त्रुष-म-६-क्रिर-प-१-विच-तर-विच-त-प्रविक-तन्त्रुन्। क्रिं मुरायायालेश नुपार के सुर्धि सर मुरायायो। देव दसायहै लेशन न वेश.च.लट.कट. बेश.चे चर्या रहूश.पहचा पर्चीर.ची. बेश.च.च.ता. सूर्यांशाल. मान्द्राय दे तहेना पर त्नुर है। नित्र हैन या सामुन स धेव वे लेश न न वे য়ৣ৾য়৾য়ৡ৾৾৽ঀয়৾য়য়ড়য়য়ৢয়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়ড়ৢৼঢ়ৢৢ৾৽য়ৢৼৼৢৗ৻ मान्त क्रेंनाश्रास्मानायायर्दिरायाकृत स्मेत हे लेशा न या विश्वास स्थाप यह दस्या म पर्म मिः श्रिश्सप्रे बेश मान पर्मा में ग्रामर होना नहा नाम है नाम में न यर नावसाय हेर ध्येव वी विश्व वये दें। ही कर स कर व से र वर र मोर्थासपु : स् त्र्रामा रक्षाया स्था वर्षा वर्षा यो चरे । से स् स् । से स् । से स् । से स् । से स् मान् ह्रेना स है : व: ५५ र न्यू हु व प भे । ब ले हा व दे हर ले स नु व स ह्यें नहा न भ्रेंस श्री चीर. में के भ्रींस यह रेस न व ररे न स चीन न रहे भ्रे र्सेरिस. मने हे र दर महे र मने दिर्देश वे निव भावर नु म रे छि । अद्भ मुख्यस मन्तरायदे नात्र केन स मुनाय हैन नु नहराय है हो । नार विगानार मिंद भेर म.रे.बे.बुस.च.च.म.श्र्मश त श्रुंशश्र्मा दैर च.व.र.र.च वर.हे.देशरूर विश्वायान्यात्यायुत्र हुँ इस्रायराष्ट्रियारे स्वरादेशानु हे । दे रनान्त्रीश निवर्तरहर्तानावर्तम् निवर्तानारान्त्रे स्वरायरान्त्रे सामानान्त्रे सामानान्त्रे सामाना म्बर्यायम् स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र म्वर्य स्वास्त्र म्वर्षेत्र मुक्ति स्वास्त्र स्विस स्वर्ते ।

लट.रेची.चर.रूची.चर.वेरे.त.व. शुश्रश्रश. ११ वी. देश तपु.चे थरा श्रीचीर.त. द्वे पर नी रेमा पर्दा विभाने प्राप्त में मुद्दाया सुराद्दा सेस साम हिन हैना दसेना सा परे क्षेरं हेना हेर प्रेर हें ले दा इर हेना रसेना सामा प्राप्त लेखा मुक्त वा सामा मः भ्रांसारा व्या हिता प्राप्त विका नु प्राप्त मान्य मी सुक्षा स्था मान्य प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त '**बेबक:ग्रे**'लेकं'नु'न'कें'नाले'अधुक'य'न्टा। र्नेमेनाब'यर नुेन'यरे 'क्रेब 'स्टेने श्रेमसम्पद्धाः क्षेत्रमः लेसः मुःचरः सुरः र्साः अदः स्मःचः नाल्यः पुःवः लेखः मुःचः सैः **इंदर्य मान्द्र क्र हिंद्र खेर लेखानु यदी सदी दे इस** या मालकानु पक्र यर होरा र्ने लेखानु नदे र्ने के प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त के प्राप्त चॅद्रमामिन मी.रवट.त्साम्। इमाचर.प्रेशास लट.चिवर.केर.केश वशाचाव ्मा**क्षेत्रस्य प्रसेत्**रस्य स्थान्य स्थान्य स्थान्त स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्य **१.लूब.३८.३।** ्रेच.ज्.पंचाश्रःभःवचा.च.लू। क्य.ज्ञाचाराणुवः **रट. थट. मुं. रुच. चे. लेब.चे. च**. केंद्र में बेचे से चे. चे. रेट. ट्रा. हाया म्बूट मी देन नु अस में दिया मिया है स्वर्ता । मिया है असे हैं स र्मा.सम.चोडेट.वर चे.च.वे.चंबो च ज.शूचोश. קאיםפבים בים יילבין ्यःह्रसःम्बेदेनःस्पेद्रःयः वर्देद्रःयःदेवे क्वें। इतःयः वः दर्यः वः विकास्ति हृतः मरामु नाभारामा हैना है नाभी राधारी खुर रहा र्रो साहिका या प्यित है ले का ्य दर सेवा व दवा वीस देश नु व व स्रवाध या र्ह्स्स है। प्रदायना उद्गेनी **इसः धरः पण्नाः** बेदः पः १९ गुँ। सुरः र्रो। वार्तः द्वासः धः सः लेसः प्रः पः देः १३ ः यर सर्कें य भेद मुं पंदेश य ता भर दश य पर देश य तरे हैर मुस स देश य स भेद हैं। माल्ब भेर गु र्ना माल्ब भेर में राम माल्ब भी माल माहारायर मुन्य केरासाधिक की प्रसाद का वास का साम का निष्य का का निष्य का नि त्यार्खेन्द्राच्ये रहेन्द्राच्यात् वात्राच्यात् वात्राच्यात् वात्राच्यात् वात्राच्यात् वात्राच्यात् विकास्त्राच्या यदै नाम् केन्स सन्त्र नाय दे ले है। नाय में अर दर में दून या से दर्द ब.लट, बुब.चे.च.ज. शूचांबात श्रुंबा श्रुं। डे.लट जुब च.श्रेंच तर चुंदे.त. व. **५५'**स'ठ४ हैर प्रेर'यरे मुंर लेख मु न के दवह ये ते हिंदी प्रेय परे हिंदी न होदाय हे वर सर्हें प्राये दें दें दुर्ग वहेंदाय भे र दें लेखा नु वरे दें र ही। मर् श्रुपंपर है । य दे भेषा पर श्रुपंपर है। वाराय दे व रहा या ग्रीर मुर य हैर सेर चये खेर से मरा वहर व हैर स के र वें ले न हेर्-हैं-पड़्-पर-चु-प-म-प्रेर्-पर्-प्रेर-लस न न-प्र-स्नाध-प-झूस-स्ग्री <u> हैर गुें अनियास हना बेर किस सं से हैं र पार्य हिंध नार सिंध लेख नुपर के हुसा</u> द्वी वर्ता अम्यासरे नावेर हैं चर्ना हैर गुं सर्दे हुस थे र या हिंदा मर सम्बर्ध वर्गान्य मात्र ने भेरती दे र्गाण्य घरर राजे वर्षी दे ल वहेर्यदे नहन् स्निस वहेर रे लेस च व हे रे त क जित कर वहेर नह वाडवास स् ग्राचलेर नेत्र वन्तर समारा इता में हेरा में हेरा में व व व वर्टर कर म स्र मायदान्य वार्ष्य या यदान्य वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य क्षेत्र वार्ष्य वार्षः व्याप्त वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः द्या तेश्वास्त्राचात्राद्या तेशाणी। १३ राजेदासेदार्श्वराष्ट्रीय विशाना देशा पर विश्वापते रूटा विश्वास्थेश वाक्ष्मा पर विश्वाचर के वर येव चरे कुष्मा """

दे द्वर व सु दूर वर की दर्श रा वसस उर हैर ध्वेष या केद ग्री खेद रें व्यन्त्रायाः स्रेत्रायरा स्रमः यरा चल्ना या ते हे । यरा से द्राय व बै.ब.रर्-च.र्टा र्ट्सार्ट इससागु हु। न ३ हे चर भेव पर्ट प्रथ ক্রুমানুষামান্ট্র শৌরারী क्स स्पेर् या साम्भेर में। इंदा या सम नुदार व दिया ने में दिया किया में विरे.तर.रवेबाश.चवैद.व.ज.श्र्वास.तरु.स्यु. विरे.तर.चाट. लुव.त.रे.रवा.रे.... **यदनाश्रायादे र्**ना गुटा हैनाश्रासंदुदायते कुते छुदायराञ्चाया ॲराया हेदा भेदा वी। नामाने वसायावसथा उदार्भेदाय वे स्थेदावा वास्ये नादसास्यवसाद वदे वे क्रुइ के ना हो द न प्रेक ना विदेश हैं न द ले व न प्रेक हैं ले का हा नवे च द द यात्रेमारायसायेत्वे वो प्रेमा हेदाङ्गान न्राव्यसाये यस सहित्र यातात्रविकार्यात्रमळ्याके हो न्यात्रमा हेत्र हेना बुद्रायते क्षायर रवे प्रति दे वे वे साम दुर्जि कर लार पार् म्यान साम कर्ते । । **६५. डेंब. १ अ. गुंर. य. र्ज. थ. जश. त्रे अ. ग्रे.** भूच. ज. शूर. तप्. क्रूंघ. ता. ही. यर. उचीर... र्दे । भुद्रे त्या झुद्र हेना चुद्र त्य हे त्य र त्येद त्या द्या खाद्र त्य से द ता हे ते । हे ते । हे ते । **इस'पर'वेस'प'ऒ॔२'ग्रै'३**स'पर'वेस'पदे'श्चे'च'हेस'सु'वेद'ग्रै। नावनासः दना मी 'स्र' भेदा सेना नी 'स्र' सु द्रमंश्रातपुर्ट, य्रंभाक्नीर्ज्याची वीव्यशामी वीव्यक्ती हंशासी हैराता नेर्जा भ.रंगुरी वीडियोश ग्री.सेंदे.कुयो.भ.योकेश.त.लाट.चडियोश.ग्री.हेंग्रे.यंदे.हंश.ही. बुद्रायमायहनामी द्वामायदे द्वा व्या केता ने महामाय केता ने महाम विकास केता ने महामाय केता ने महामाय केता ने महामाय के किया ने महाम ने महामाय के किया ने महाम ने महामाय के किया ने महामाय के किया ने महामाय के किया ने महामाय ने महामाय के किया ने महामाय के किया ने महामाय ने महामाय ने महाम ने महामाय ने महाम ने महामाय ने महाम ने महामाय ने महाम ने महामाय ने महाम ने महाम ने महामाय ने महामाय ने महाम ने महामाय ने महामाय ने महामाय ने महाम न माधीका दे द्वाराक्षान् के नामा के नाम के नामा के नामा

देना मु त्यः स्वांसायायव दुव झुक हेना छे ५ या क्षस्य गु मुक मी प्रांदर या बदे नारा मुश्र-विश्वन्तः रूपे। मार में हें मुन्निव्य मुः स्थानः वेशन वर्ष वर्षः मुर **ก.พช.นี้** 2.ฟอง.พ.ชพ.พร.ชุช.ค.พี้.น.รุโ ชูชู.ลู้ ร.นี้ 2.ผอง. ๔ะ. पर्युत्रायर से प्रचीर। दे प्रबीर रे साम स्वीका सर मी सका सीका सर मीर तप्रश्चित्रास्त्र्यम् मुक्त्रमु हस्राप्त्रम् नियातप्रमु वह्रायर हर्। देश्यसंद्र रैनास सबुद य द्र देनास सबुद य सा अव य देने विकास देश य य प्राप्त विकास म.बु.कु.चर.लुब.चश.चश.स.कुर.लुब ब्रा इ. इ. शर्वे १ च.कुर.मिट.इ.चश.भर्वे १ मलना मक्षा मुं से दार द द द व मुंदा द द व महा महिला मह तत्रस्रमाकेर्यात्राम् स्वार्थात्राक्षेत्राच्यात्राक्षेत्राच्यात्राक्षेत्राच्यात्रा द्धर त्युदायारे त्या केत्र प्रात्ता सेतायर बहुनाय धेश तुः हेश कुट शःद्वाये रे रेनास अनुक प्रति के पर भो र पर पुरा पर पो अर के । किना प्राह्म र के ने नास र मपु.टू. स्.स लुरे.तरु.के.यर.जुरे.त.तशा श्रमस पर्वे चर्रात्यीर २.थ। प्रवृद्यम् मुक्ताप्र मुक्ताप्रयुद्धायाद्वराचमार्द्भावायदे स्टायले रामाध्ये राव " हैंद.रे पर्वीर रूपी वालटाची हैं। वाल ह्यां हा ताल हा वाल वाल वाल हा वाल प्रमुद्दान्य रे. भुर्म के. यर खेद प्रमुख्य मा अविदान मा की. प्रमुख्या दे प्रमुख्य दें के म रस्र पर पहेंद्र या प्येक मा दे हिरा करे लेगा है र माया द्या मी वाय र मी.क्चै.च.३.चर.जंरच.भ.जूर.मी त्र्र.मिट.इश.टटश.टह.चे.सं.मेर्ड्. म.सं. रमाध्येषायर वर्षेत्रक्षां मारकारक्षायात्वामार वास्यानो क्षेत्रवरे व्यक्षिमा **ग्री यद**ना केदा करा व्यव १३ ना खर मी यदना केदा कर ग्री भारत मारी सार में

पर्देर्द्रा हे वना रुक्षाचाया स्नाया ना ना ना निया है ना सामा नी क्षे व लेश नु च ता सं न स य रे इस न ह न र स र र र स र से र नी र र नि र न मात्रमास प्राप्त देवा चार्या स्वापार मात्रमा स्वापार मात्रमा स्वापार स **दे.ज.माञ्चनमा**की.के.चर.जांब.च.जांबेचांबाकी.क्षे.खंडरंडे.चंबुब.टे.ड्र.चंबुब.टे.ज्यंब्र.ट्र.जांब्र. माने हिम्दान नेपाल सम्बद्धा माने ने हिम्दा है न मते हे पर मेर पहेर पर मानुदान माने के मेर पर मेर पर मानु **ह्य न न्ना ल अट ही र्रल मी र्न मान य सेन य है न मो है र क्या यर लेखा य है न ग त्रशः दशः तरः भेदाः प्रतृदः यः भेदः यः देः स्वरः** देः सः देः रहादः यः हेदः स्वरः यामाध्येत्रवा । यान्दामदीत्त्रम योद्यादीस याष्ट्राक्षेत्रायामाध्येत्रहे। दे कुर रह पर तर दे दे कुर पड़े लायर वियान है है रासी के कि कर की दे हैं के कि द्भारा द्भारा मित्र वा सामा स्वासाय प्राप्त क्षेत्र स्व विकास स्वासाय स्वासाय स्वासाय स्वासाय स्वासाय स्वासाय स **९२.५८५.य.अट.चस रे.बुम.चब्म.च् ।**रे.चस.स.स्.चाट.का घट. स्ट.चा मुद्रायसानुदावरेददार्द्धमान्ने हास रे के वरामे राम हद मेन दे। द्येर दार कर मी के वर्गा अदम मार्थ मार्थ हर्षे मार्थ महिन स्तर है के च व.बु.पर्यक.वे.इ चारेब क्ट्रनंब छा। चलब हे.चर.ज़र.चटु.चिं.हुर.दशका. न दर। के भूद तर हैं। व वर्गना या के वर्षेत्र या संबूर्ण साथ संबूर्ण सर्वे से स्ट्रिंश क्षेत्रत्। देख्रायायायाचे क्रिया च राउ र हिरामायेव के दिख्रा ंद प्रचुटायादम्ब अदा छेना मालेदार् प्रसास्त्र वर्ष। प्रदेश है शक्ता स्वराया र्क्**य'न'नमें र्य'रे'र्म्य ग्र**म्प सुदाय हे पर स्थेष या है र स्थेष या नम्या या है र ग्री'

क्षेर नश्यान प्राची पर लेश नि पर है श नि पर है। इस पेश मुब्दान्द्रमा पुराक्रीमा के नमाने मुक्दाने महिमाने महिमाने महिमाने महिमाने लेब.तह होता देव.वंशस.यं.वंश्याकाला सूचीशाया चाहुचा वरा ही चर मुः पर्दर् प्रते द्वाक्ष प्राप्त सु प्राप्त कर्ता। माप्त्र क्व मुक्ष से द पा हु प्राप्ते द तप्र, ख्रेर.रेट.। वशका करे.रे.इक.मुश.ईक.तर खेका स मौरात.रेशू चेका तर् स्रेरा वसकावर जार्थनायर जेल तर् वेलाया विकास सर में है। पर केर मिटात् कुल स्वांश रा दे जा स्वांश रा हा वा रा हिर मिटा होत ता वर ... भेदामहोम्बर्षे हैं द्वामी दुसाम दे हास हैं में है से वार्शेवा मामा लट.ल्र्ने.च.भ लुब.ब्र्रा अप्यश्न भट्टर.चर.चश्रम.च.भ.लुब.च.बर.च्री.पचैंट. माद्रमधाता श्रूदा पत्रे पत्ना केत उर मी माद्रशास्त्र माद्रशामी दे हे ते से सह माद्र से याने हैं ने प्रति पर प्रवेश के विश्व निष्य में हैं ने विश्व में के विश स्त्रा द्वार प्रदेश वर्षा हेर् रहत् की व्यवस्था स्रवस मी र्रे व्यविर स्पेर य रे हेर् स्पेर वा लेब दें लेब हुर री। शेमक र मैन्य परे हुन पर ने राम में न मार्से र मन्ने त्र मुक्त मु चल्रिन् सहर्षे पर सामाया न रामात्रामात्रा न सामाया स्थाना न हिन वसका करा का द्वारा मेरी पर त्या प्राप्त है है हैं। 💎 वस्त्र से हैं का याया नेपाया मेन्या मेया मेया मेया मेया मेय मिल्यासर भे विद्रा मिल्यासर दे हे स्त्रे हे लेखा व व वे मिटा व के मि

चरे.चरे.ट्. च् भ .लच व.दच.ची.खंश चे.च.च. चर च.स.लच. প্রবাধ নত্ন यते दिं वें कर नी सूना नम्य भेर ने दे के परे पर प्रमुख या में कें। देश्रेरालेबाबालेबानावी व्यायरामहर्गयरावर्रायाम्याराची केरन्नुभार्य यर'नास्त्राच'दर'सेसस'हेद'स्याँ। नावर'णेर'यस'वेस'तु'च'सेसेना'य'स्येर' मामाद्धाः मद्भा विराधरायरी है र उदानाराधिदाले सामु वदे वदाय दाया है समुदा मास्यान् नुदानायायदेव वया लेखानायायाया । न्युक्रक विकासिका मारुषालेशानुभाषी यादायानुवाकरां प्रदेशक्षा प्रदेश में गुरुषा स्वारी हिंश **र्भेर-मन्दर्श्वा** पर्रेर-कन्यायार्थेन्यायरे निरायर में प्रवेश वेश विश्वा म'है। नाट'ल'वर्द्र'कर'ल'स्वास'वदी'द्यस्य'नु'स्द्र'च'लेस मु'तर हैं गरस यर श्रुर री। दे खर दे प्रमुर सर्गे लेश न न स संग्र प्रश्रे न न न न न नममः पर्ने द्वामाया पश्चापर्ने क्रिकारी पर्ने क्रिकार दियान दिवा ग्राम् ही वर प्रमुद्द दे विश्व मु न दे के स भेव वी। वार में खेर र र्दर कनाय या र्या र **য়৾ঀ৾৾৾য়ৣ৾৾৾৽৻ৼ৾ঀয়৾৽৴৾৻ৼ৾৽ঀ৾ৢ৸৽৸য়ৼৼয়৸ৼৼয়য়ৼৼৼ৾**ৢ৾৾৾ৼয়ৼয়ৣ৽৽৽ पर्यो न'नर्न हैर'मर्डिमाना मार क्रिया दे की बराव हे हैं रहें। मार हे हेस व्या अर्था मार्थ हे देवे निम्ना प्रकार हो। वरना हेर ५ र लेश नि न के हि देन्द्रिन् ग्रीष्ट्रिन्देन्द्रे म्बू सर्द्राचार्यायकालेका वयदायायेक है। **८९ँ२.क्यास.ज स्यांश च.४.८च.**ची. मधित्राच वाट.लुर.च.४.जस.उचीट.च.७स. वि.सर्दर्भ हु। मैं.सर्दरस.तपु.चर्चा.क्रेर.तसा.वैट.च टु.इर.१ चर्चा.क्रेर. न्याने न्यर्ना केरा सर्वेटस या प्राम्य से में ने ने प्र **भ**ष्ट्रदश्च.त.जश्च वैट.वर्त्रा। न'र्दः स्र न'वेश नु'न' व र्स्नाकाय दे वका हैर व नु र ले हा व र महना हैर

भक्ष्टमायार्स् १ वेसामु व स्मिन्स व र्झ्स स्मा वर्ना केर मर्द्धारमा व **१८**। केश.विश्वानाकृत्वाभारकेवाकर त्रवृत्वाक्सकाळा ॲरायाकेश ब्बी दु.ता.सर्वेटस.त जशान्ट्रे.क्येश.ज.श्र्मश.त.उकर.तर.स. स.विदर. **बुटा।** कुश.चुन.पे.च.मश ब्रमश.बर.ने.उट्टे.क्यश.ण श्यामा.सक्देटस. मामाधीरार्वे लेखा देवे श्वीरामहिनायामहे नार्येद य माध्येव दे लेखा नुप्ता षाः श्रम् भाषाः चाञ्चेशः श्रा प्राप्तः भाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्य मत्र मानुद नीस स्था प्रेंत १५३ के मादस ४३ भ स्वी स वर्त १ वहुद नीस स्थी। दे लार बेश नु व ता क्षेत्र या व दे लार बेश नु न के हैं न के हों। हिर यर यदशः परे मान्द्र कें पा श लेश मानु पर है मार हिमा केंस्र रहत मुंहे, से मास स्था। पर् **२४.२४.** मु. द्रवाशाचाटाता. खे.च. व.३. विराधरा द्रुव हे। ट्रवाशाय हेश. मरके हर्स उदा है र मा भेदा १८१। हैं न है र हर्स उदा है र भेदा पर हैं है र सी। **दे'नस'द'स'देस'च'**हेद'स'प्पेद'र्बे। दे'स'प्पट'र्ट्रे'नदे'विद'नर देश नु'न'य' र्सिनासाम मा दे मार्चे च हैर दे न युदा चाले हामे प्ये हाम दे हैर ष्ट्र्य.कथ.ल्ये स्रा ंपट्ट. कर. ट्रं.च.ट्र.जाय.प वैट.च जय.चैट. व. ही पवर. यदें माञ्जनस रहते से लेस पु न के ते न के त पर्यक्ष,ये.पंचर,यष्ट्र,चिडियोश.क्षे.क्षेत्र,तंचर,तंचर्चे। मै.सुरं ४.उयेक. मु से द 'यदे ' सु र 'द्रा 💮 हे 'यस' ६' दरर 'यदे 'या हुनास' रह माट 'ये द य प्रदे 'या र्हें न ख़िन च ख़ेर या अ को बें। रेपे ख़ैर प्रवर परे कें ल कर राहु सुर या वा हॅ^ॱच३ेॱर्क्स'सुया<u>नु यु</u>दाया**न्दास्य यान्ते अेदारा**मारामीसारादे कदायाओदास भ. हुश. तर प्रचीर। चाजा है . प्रवर व क्ष्य क्षय त्रिय स्तर में है। हे व डिवार

१८. मु. मे. मे. सर्. त्र. हर ग्रे. चर्च. के. १०३. लु. मं. हर में हे. में हेन. व.रदाचिवास.पा. हुस.चे.च.पा. सूचासास. सूस.स्। ह. ह. ह. द. ट्र.च. हेर. ही. प्यट. ल्रेन्द्रक्षात्वनातुः मुरामुक्षाः मुरामुक्षायके हिंदाक्ष्रायक्षाया सामिताय न्गर व्याम स्मान है न यह हैं स स स्मान है। यह न यह न यह से महि स स सुस र्ह्स स स्पेर विष् । र्गार ये ता स्निसं पर्दा । वरे व ता स्निस प वै प'यद्द्र-दिशाग्री'म् अप्तिव वे विश्व दश्याचर दिने च वश्चर वश्च ह्यूर वर " वित्। कुचाः त्राक्राक्राक्षाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाक्षात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्रात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्रात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्ठात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्याकष्ठात्वाकष्याकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्याकष्रात्वाकष्याकष्याकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्रात्वाकष्याकष्रात्वाकष्रात्वाकष . थे. हापा तर विची । चारा हे. पी श्रा श्रभ भाषा के ह्या श्री विची र हिरा। रेगी र म् त्रात्मा स्वाप्ता व्याप्ता व्याप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वाप मालदार्दाख्यामाद्रमादाध्येर्वदान्त्रम् चेत्यास्त्रव्याचार्द्रा । तर्द्राक्ष्यका हैंद फीब है। भी में दर के कु अर लेख च नवे देव हो। मालक के देवे - मान्देदी केंस क्षेत्र चादी क्षेत्र हो। मान्द्र केंचा का गुरू केंसा कर वा मन्दरा श्रमनावसम्यावा क्रिंसन्तम् य यास्याक्ष य द्राः दर्दः । क्योशांमा स्याम पातकर वट. क्रा. ४ वट १ च लश. चे. च. चार्य ताचा क्रा. ७ ४. ट्राचःक्ष्यःक्षयःब्राप्तः वाड्यक्षायःब्राच्यःच्यःच्यःच्यःचारःव्यक्षाःचःचरः . ब्रेंग. १३ ब्रा ब्रेग्बेंश. म. व्रे विर. तर देशश वु. विज. तर् देश होर हा कर.

पर्टर् कन्य ता स्मित्राय च न्दर् प्रधा वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र मात हैंने खेर लेश मुन नदेश सुकार प्रमहार्मा व रद य वस्तुवहा यह खेर हैं। क्षेत्रक्षाक तहना तर हैर लेश निय है। नारक से नहा नमक कर राज दर् कवारा भारत्वारा सेन् यदे दीर स्। नाय ने दर्द कवारा यार्सवारा यदे वृष्य म न्ना नु र्भेर पते हुन हा । हेना नहना पार्भे र वे वा वृष्य परे में वे ณ์ร.ช.พะ.ผิส.น.ม.ช.ส.ส.น.มีพ.ว่า ชะ.ช.ช.ช.ช.ช. कैना'नादस यर देस यदे सळ र हैर ठर में घरर पासेर व स्मेर कें लेस य नर् मार प्रवेश हे म्युव मर वस्व हो। वहुँ र वर भे वसुर में वसुर में अब में वर मे **ৡ৴.৽৴**.ঀৣ৾৻৴ঀ৾৾ঽ৾৻ৢ৸৻য়৻য়য়য়য়৻য়য়য়ড়৽ঽ৴৻৸৻৴৴৴৻ৼ৽৸৻য়৻য়৾ঀ৸৻য়৻য়য়য়ৼ৾৻৻ हर मु हिना हर दुस प प्पर् या दे प्रधान। पर्दर समझ प्रधान हिना हर हु मराम्यायाचे मुनामात्राञ्च वायाप्राजी लेखा व्यापारे रदान ने रायरे र लट पर्रे क्यास परे रट में हें वे पहना पाउर लेस मारा से गमाय हैं से है। बुसामान्युदानिते वर्गाकेराकुँ स्टावलैका भेकाका भदार दिर्दा स्रामा स्वीता रदः नी दें दें। रद महिदानाश्रया पदे दिन्दा ह्वायदे महिनाय नदः सार्थेद या देवी वर्देरक्रायास्त्रावरीयानी देवित्वनायाकर्दे र्वेत्यावस्य वरे मण्याचे रायते क्षेरार्से पर्देर कराया स्यासाय वृद्धाया दया। मस्याय दे विर.तर.प्रश्च धरकारे.वचर.वका र.बु.वैश व.रट.चश्चर वर्ग्न विर.तर.हेर. भै'नवर्'र्'लेभ'नव्यायरे'सेर'र्गा पत्रुट'वर्र'रट'ववेन र्'हिर्'यर भेर त.लुर.व.लट.खुरा.वे.च.हूंश.ट्री पविट.च.रंशश वे.संट.व्या.स.लुर.पट..हुरा

रदःवर्षेदःग्रेःछदःयरःखद्रःयःसःखेदःब। देवेःरदःवर्षेदःबेस्यःग्रःवःवर्गुदः न'इसस'ग्रे'रद'नविद्र'न् नद्रम हेद्र'म्डिस'य'द्रद्र'। वहा भ'नदे हिद्र'यः मैंडदःवदे केर है। महिना भारत है वार्य दें हैर संदेश से से हे बनाया यद्रक्षेर.र॥ चायानु त्युट यदे रहा वल्द र स्यायसाय दे दे क्षासाय स्यास नुसम्बन्धाः उत्तर् पामा प्रवास दे सरामा मा कराया मे साम प्रवास मा के पा क्र-रूर्-भर्न्न मुन्न मुन्न मिन्न पर वहना सेर् यस विसानु नाता स्वीसान स्वीसान स्वीसानी वार परि वितायर प्रह्मा सेर पार सम्ब रे. ब्रेस्थान अप्टरा । ल्राह्मा श्री चीर तर प्रिटे वर मार् ग्राम वर्षा या **७ अ.२.५॥** वैश्वाहासूर्याचारायात्रे विश्वसायास्य स्वाहासूरायुः देशस्य स्वाहास्य भष्ट्रात है। रूपाम नाष्ट्रेया म नीर नश स्थित पर नि न रूपा समारा **शॅर मंदे : ब्रॅं प्रसम उर : उ**र्जा उर : उरे : श्रेर : यह जा : यर : श्रे : यह रा देवनुरःस्र्रेन्गुः वर्द्रः कम्रावार्स्यकाराय देन्त्रं देन्दे वा अत्रत्तेना सारे देने देसाः मलैकानु मुनाम दे पटा रहे भारत मही मुना चार ने पा प्रेका के ले का हिये ही रा . अर. कुन. भ. ५ रू. मीर. त लह. खेश. ये. य. ग्रा. श्चीश हो मीर. तर. मी. **अष्ट्रान**चैदानाद्भाखदा अर्चादा क्षेत्र । पुर्वे क्षान्य वा मा सूर्याचा प्राप्त हो स् सेर्पारक केरिपु पकर्पर होर दें। विदुर विदेश मास हक हिर के दें मार्डनाय स्रेन्य मेर्डेर दिया दे स्पर हना नु बुद्धाय हैर सेन्य मेर्डेर। सूर माध्यस्य कर् हेगा वर न्यू वर न्यू दार दे देश नु न दे न्यू स मे दे दे परि हा ।

बेदेःयः बेदःयः 🎚 👸तः यः ब्लेबःयसः दे**ः बेः श्रः हरः रः कुयः यः ऋँ ग्रः सः म्**हर**ः र**ा दे नश्च ही नदे दुश्व विश्व न न दे हैं हैं केंद्र भं में हैं न द नद्व ने दिस में मर्देर.वर.ट्रेर.र्शा रम्.व.ज.स्वीय.वर् जमान्ये.वे.व.ज.ल्य.बुर.। रुष्ट.वंवेय. त परे पर्ष स्वाप्य स्वाप के व्यवस्था स्वाप के का निष्य में के के माले दे सर हेर्'याम प्रेम या लेखा छ या है रो हैर पु क ब्रिंग्यर छा या मा प्रेम यह प्राप्त विष् हुस.वे.चश.स्॥ ८५ स.त्र प्वीर.चर्. हुस.से.वेर.त.वर.चर.लय च र.व. हुस. वि.च.चं.चैं र टेंड्स.च्र. वचैंर.चर्. हंस शि.वैंर तपु. ८८. ६४. २४. व८. ज. लं. व... लेश'मु'मर'ळॅन'इस'मर'सूर'र्रो। ग्रंभ'हे रेन्'मु'र्स्पर'द'र'सेग'ने' इस'मर च दरास्य यदी र्ह्म या है रार्थित यह से रार्थी से मान समा समा तर. पुरायात विद्यातर श्रेमका या भीत हो। हे हा म भीता वा प्याप निराय में महत १९८४ मी स्वापाया लेखा मुन्य के मुक्त हमा हमा है न न स्वाप के सामा है सामा है सामा है सामा है सामा है सामा है स होर् यर हेर्न या के न स्राय के सकत्र हेर्ड कर ही हेर्न या प्रेय है। रेड्ड युर मुर्यरे द्वेन प हैर या मु मलक रु मुर या के प्येक की। रे हिर के रे दिर के लेश नु न ता स्नास प्रशाहर ही। से दाय तर्दे पादी विदाय है। भु तरे निवस रट विश्व प्राच ता स्वाम समा रक्ता सर हेर ही। भु तरे निवस दु:श्रद्भःप्रःश्चीशःवर्ता। नाद**शःश्चनशःदुःभःदःः सःश्चीशः**वर्ता। हेः मूँ गुरु खुर पर्ये। यरे नहे नहे कुरे कुर है स है स है न है मुर पदे नहा स वर्षे

यर्जेर.तर. स्वतं केर क्रिसं लेखा से ते हैं। से से से मिर विर विर विर कर्य केर कर मुःमसुम्रायाक्षराहे। वर्षेद्रायराचु पर्देश वर्षा व र्द्रा इर र्ल्ट्र्य लेश नु: य दे अदय नु ज्व स र्ल्ट्स सु रे य तस हराने इं के रूटा में है वर ते का पार मा लाम पार है र में इंमा म मेर पार उर्केर नुम्बूवस प केर कु कुरा हिरा हर सर् पर केर नुमूव प स्वर ही। दे ताबुश्राचाराकु ताराकु पर प्रमाद्या पर असाध्या महाया प्रमाद्या वागुवादबुदावर्गा श्रेनाय वे श्रेनाय विषय पर्वे श्रेनार्वे वार्वे निया विषय म ७३ दी रे १ १ में १ नुन्रां संभित्र के देशी निष्य में प्रति स्वाप्त के देशी स्वाप् क्रमभारी दे.रचा.रट. च वसास वे.चींच की.विर.तर भी.च.च.चेंचाला देशातर पर्मा न स्पेत में अर्दा सार प्रत्य प्रसाद का की का की की विदे र कना सामा है सा मर्श्वेद्य पर स्वर प सेर पते हिर र्सा हे ल र्नार्नार वे र हर ही र र्स ल.रेश्चेत्रां वधुः हुर्श्याचा ११ वी ११ विष्या विषया বহু-বুর্লের্ অ'ব্রুল্খান্ত্র্মর্থান্ত্র্রা नाम नी खेर दे खेर ने खेर दे दे ता कर मी देना र ना दे हैं। यह कर् ्याक्षु:वादेदे: खुरादे: खुरावुरावुरायारा दालशाष्ट्रदाररा दुः व्यवसाष्ट्रदार वाद्यानीया भाष्ट्याती.ला.पर्ट्रवरात्रेये हें क्यांचर्त्याचरांचित्रह्। राह्याचन्नु हैं है द्वरास वेंद्रसाम वेंद्रान केंद्र ना है राजा में दाले हैं। वे द्वर दे वा सर्वेंद्र नार द्वार वेत्रात्त्र क्ष्या क्ष्य क्ष्य व व श्री मा हो। होर् वार्ट लूट्या होर् वार्याया सम्मा

उर अञ्चरभर सेर पर र्देश र माकेर प्रति **क्रां पा उर प्रति हैं।** ८९५ भन्न भन्न अर्थ १५ दु निष्टे र न व व दि दु र स्तर से दे न स्तर न शेर मदे मिश्रस र्दे र् मोर्डेर मार्डे श्रेर मद श्रेर भदी। श्रुवा महाय र खार यर वर्रिय है तहेना मदे होर मदीं। यरे मदे होर म वहना मदे कु मळेड चार लुब रा दे बु बुझ मिन हो। पहेंचा सप्टर में सक्य चार लुब साहे सहें सदे रमक्तान नरे नरे कुं हे**र.रे.**चिवट.य.लश.श्री ल.लर.पहेच.चर्.चरचा.रे. ক্ৰবাধানা টুব আকু তৌৰ দ্বী ৰৌষান্ত ব বী বেদী ৰাষ্ট্ৰ মান্তী ৰাষ্ট্ৰ ৰো ৰাষ্ট্ৰ ৰাষ্ট্ৰ বৰ্মী বৰ্মী ব कतंश रामिक्षेर त्रामपुतिर स्ट्रा **७४.३.४४.श्रीर** स्ट्रा स्टिम्स तीराजा लेश में न हैं शास्त्री। नहें न न हास मानस नलर ने लेस में न हैं हैं पहर्मास यहे रहे दिस्मा से संस्थेत हो। यदना पुरक्षा समें से सुर सहना सः हु:स.मु²्ट्रा रेट्स.सम.चर्यै.तस.बुहाय.या चार.यु.कू.सस. श्रुंशश्राधश्रामुश्राधरामुहरायराम् वर मी.र्मा.मुहे.मुन्यराश्चेशायदे यरे स मानदेशका पर्ने क्यां स्ट्रें क्या का से पर्ने के के मुन्यां मार ने के के स्था तवार होता हु स.च.च. व. जास मी. वेस. तप्ते हे. चर हीं र पट हिर चर ही। रे ब्र- व दे.ज.रेश्चेचेश.त.पचैंट.त.ल्रे.त.रेश्चे.क्श.त.क्षे हे**र**.पट्टे.क्येश.त.स्.. य सर् प्रद्वांशायाध्येद हो। 🌉 नादा स्मारा खुका कुका या शाक्यां का मार्ग्य व पकुरा द्यापर्ट्रक्षण्यातास्त्रम्यायास्त्रीत्रादेश्वाकाराद्ये मान्यास्त्रावसास्याव

बर्मी सर पर्नाक्ष पः है र प्रांत प्र प्रांत प्रांत प्रांत प्रांत प्रांत प्रांत प्रांत प्रांत प्रांत मिन्यामा संग्रमायामा लेखानु माने पर्दे दे कनासामा संनियामा दार देना ही प्रते की मुक् मुक् २६न य दरा नोनाक ने दार है दन्य य ने के व ही दाय वि हिन्द्रर देवाल सर्वे राप्ट्रे हे पर प्रेक्टर देश पर हे पर हिंद्र पर है स्वर प्रेक्टर स्त्रे मदे मुंदे देश भर मुंदे न माना म स्त्रे में। दनाय न स्त्रे भर साम स्त्रे में ब् ७ म.च.च.च.वा विश्व विषय निर्मात्तर प्राची पर्म वे खे खे म.च.च.व्य केर भैक्ष स्त्रे हिर हा। रर्देर क्यां का केर मर लेख नियम स्त्राम लक्ष में ब्र्चिश.में भेर बर चर चेर हा। अदश.मेश तश.पर्ट कचश.मेर पर.से. यामामार्चित्वर मुक्तार्गा क्षेप्य पर्वर पर्वर क्षामा क्षेप्य वर्षे वर्षे प्राप्त वर्षे वर् वर्षे वर्षे वर्षे यन्तर् यदे देनास नार व्यवस्य पर वे वे। देनास दरे खर पर्टर कनास गुः कु है र ं भैडायर वर्रेर यादा अका सेर वर वर्रेर कनासास सर्वेदा वरि हुँ र वर्रेर कासा मु मु भेद पर री देवस म वरे हैर मुंश नु न दे। रुप महम र वहूट न उद्गे हैं ए प्रेर पर छेर हो। कु मेर पा उदा पा मा मेद है। द्या नु पर्न प निम्मेर् यर व्यापद सेर मा व्यं न्द्रिं व व स्थापदे हरा ही व वे न वर में विषुर में लेश न वरे में नहीं कुर है विवादि में वे ना या में स्वाध मन् ने के क्या मा मक्ष के के का मी मार्ट्स मार्ट्स महिला है कि रे ने नर महिला न्दः र विक्रमु लेखानु व के के मान का साम्यान का विक्रम में विक्रम में विक्रम **अर.रे.न बर.नपु.मैंपु.रट.नधुर.बुस.मे.न.वु.सुर.नपु.सुर.न.हु** मैंपु.रट.नबुर. क्रिं । त्रम्युव हैर अद लेख न न व न क्रिया अप्यान वर्ष है । यद्वा म श्वांश्वायायावात्वात होता ग्री क्षेत्र में होशान वर्ष्य म्था प्रकार कर्

ैं हर अ इस विमेश में प्रमेश में प्रमाद यह वह उड़ वर्ड रहा

नाया है व्यक्ति वा पा त्वाव विवा हेस ना व वे वहना है वह । हर विवा हर ता. स्वीसातात्मा वस्त्रसाता त्रीकाता देते हें साम्यावाता त्रीका हे खेसा न वाकी विराहे हें " क्याल स्याधाराका मि व्रत्वर हूला नेर हैं लेखा नाय है नेर हराया यहीर चरे क्षेर**ः स्। मायारे अरामर्गार्भर मायाये समारे अरामरे असामरा** के सामा हिरा वन्नान्दःवन्नान्नेरः क्रिविस्यास सस्य विस्यानरः हैसाय वा नेस या अया निर्माता चक्रा.च.चेर.चेरा.वर्षा.भक्ट.ट्र बुर्ग.नह्र्ट्री। देश.तर.चुरा.तपु.चैंट.टु हेट. णुःक्कॅर**्र्नश्रायायाम्बर्दरायदे खेरा** है इरायदम् अदारु विकास हराया **นฆฆ.ส.๔ะ.นฺฺมฺพ.ส.ต.**ฺฺญฺปฺฆ.สซฺ.รฺฆ.ปฺิฆ.๙๘ัฑ.ฮํ.ฆฺ๔.สะ.ฆฺ ๙ป๊ะ.ฉ... दे.केर। दे.हेर.बु.ह्रस.म.लस.चैट.चरु.खेस.चे.च.ल.स्चेश.चस.पकर.चर. मूर्नाय दे नार विवा नार या वेश नु न या स्वाधाय परेश पर्वा नु 35.51 क्रम्भायायहन्त्राच्ये कुर् भेरायरायश्राहे। मारामी दशायर ही वर्षेत्रा दे वाकन्याया है सर्दे पर कन्या पारे निराया पर पारे दे वारे বর্ষা ह्में पर्वाश मधु क्यांश सम विश तह पहिंच वार र्राट हो र श्रद्रा हेस निर् बाट. बुचा चाट. ज.क्यां स रा. नेट केंगे. ता हे. बु. हे. ज. महूरे सर क्यां श. 4211 मस विसायते पहिना य निर्माय स्थाप भाराधित के लेखा न म के पहिसाय रे देश हैं। मह्येतर क्ष्में भारत स्थाप रची जमार केर की मार्थ प्रति । सेर हर हर हिंदी ही .

मान्द्र हैं न्या मान्य निर्मा प्रमान के विमान्त्र ना नु तिहेंद्र पा विसान प्रमान विमान मान्य यदना-नु:वहाँदःयदे:वहाँदःय:प्यदःय:दे:वादे:अदःहेश:नुवा। देवे:द्वःदः देश्यार्वन्%द्राद्रेन्त्वासुदार्वे स्वामास्येद्राधि साद्रेन्यस्य द्रस्य विवासरा विश्वान्य स्था विश्वान्य स्था विश्वान्य विश्वा त.ज.रच.जम.तम.वहच.तर्.र्स.टेंस्.टेंस्. अर्द्धर मदे में १४४ दे मार्थ पर प्रधित य क्षेत्र मा सर्द्र-व-भेर-त-रे-केर-व-मैं-भु-रभु-वाश-तर्त्। ्वविष-त्र-त्र-तर्वाश-श्रम्भः ৾**ঽঌৢ৽য়৽ঌ৽ঀয়৽ঀঢ়৾৽ঀৢ৾ৼ৾৽য়৽**ড়৾৾ৡ<mark>৽ঀৼ৽ঀৢয়৽ঢ়৾৽য়ৼ৾ঌ৽য়ৼ৽ঌঢ়৽ঀ</mark>৽য়ৣ৾ৼয়৽ঢ়ঢ়৾৽৽ केर र्। केर पर लेक पर में सुदारी सुदारी है वि के वि में में केर में केर हैं ने में में में दे अद्रेश प्रदेश दे में क्षेत्र कार्य कार्य के कि के प्रताम कार्य के कि के कि के कि के कि के कि के कि कि कि कि लब है। दे नदमा मी नदे नदे दूर दु र व अद म लेद । क्रमा यस गुद्रास से दे ने विद्रा गुद्र विद्रा मिं देश स्पेद दें। वदे वहेंदिन र नेदायामा भेदालेटा लेका नाया दे दे वहूँ नायर नेदाया माया दे । वाया दे लट.वर.भ.ट्र.मोनाय.नुर.त.१.क्षेत्र.भ.भूर.वर्ष.क. १४४ वर्षात.लूब.... नतु.हुर.ह्या मोनास.ट्रेर.तूर.वुस.त.व्व.मी.लश.गू.स.पदारस.ततु.शूर्य. र्भिन्द्र देन्सा वा पदि प्यदानी दे के सामेर व हेश पर प्रश्न देश प्रया प्रयास यदी दुरा देश या उद की श्रीदाय ता वर मंदिर मो हे हे या सेदाय के द म सेदारी। म्राप्ताद्व याप्ता म्राप्ति देव लेखा अपने देव मालक केर सामेका से

नुनाया म स्वीत्राधारी वन्ता निकार के विकास निकार पर वर ताल से दाया व त्रा व्यामिद्धाः वास्त्रामा वास्त्रामा विश्वेषा छ व दे हेवा हो। हे सेवा है। व्यन्ने भी सामाने द्रना पर्ना । वरे माथा स्वास वरे हिं वर वह देश वही स्रोधार कर दे अन्य क्षित दे स्टानाक करे दे नाम विवास में के स्टान मान कला मुभमकरे ने कि कि कि प्राप्त कर मोर्ट कर के कि कि कि कि कि कि कि प्नाम न ने में ने प्राप्त के प्रा बाह्ने दे त्युक्ते दे वर्षाती के व सिंहा सामा वर्षाते के व हिंहा शृह व क्य मी हिंहे. रेट मुक्ति त कुर्यातिमा विदाय कुर्यातिमा कुर्यातिमा मुख्य मिल्या स्थापन मुक्केट हुन अध्यम् नेट क्षेत्र त. १. इ. देट त्या मार्ग १ र त्या वर्षेत्र स्त्र हुर हो। ्रहे देश.चा्चेश्वानी अभयःक्ष्ये.ज.रेश्वेशकातारेटा क्ष्मालःसंग्रेशका सर्था। देनानक केट इक्तामान नद्यां का नहिंदा है दे हैं है है से में में में में ं बाकानश्चरायाक्षेत्राचे । वर्तेत्रक्षेत्राद्यायाव द्वाया वेद्र्येमस हर् या द्र्येत , यद्र श्रेट हिम्मश्र भू जिल्ला में खुर हो। वह हे श्रेट हे महिला हैश या अश पहें न वश मह्द्रिय भी का के के देश विकास मानिक कर्त्राम का मानिक मद्राश्चिदाहे के अध्यक्ष कर वा महे महिंदा है अद्भाव कर है दार या मुवाम है दार्थी । उ देखे श्रेमस. कर्ष करियां सम्बद्धा स पाड करिये खेश ये. य स्मारा या हूर्य. स्री ीर्वाट.ची.होर.वर्र्शकवाम.रह.चक्षे वः दशसःग्री क्र्स.ज.रश्चेवाश.राप्ते हीट. है दें द्वाय भेद में अबस क्राय द्वाय प्राय भाषा भाषा में प्राप्त में है है है है है है हिर नामक्ष्य न ज अध्यापिक हिना मानिक मानिक मानिक मिन न इसस नदना

5.क.च.क्र. ट.श्ट. च.कर. में क्षेट हुंदी श्रेशश रट खर या हेर सामुन मारे में राही . श्रेमा. वर्षा. पुष. त. बुष. चे. च. व. श्रेमा. वर्षा. मी. चर्षा त. पुष. त. देश ता. विश्व ता. वर्षा. त. च. क्षेत्र हे हे ने के हमा भारत हुन न क्षेत्र न न हमा भारत हुन न क्षेत्र हो। न श्चिम है। नहीं के पर नियं नहुन न प्रमेन है। हुमा नहाम नेश म पर्न न विसानामदे द्वारी विस्टास्मामा उदानी विदाना विस्टार देवहेना हेर्न न नर्ने प्राप्त कर भेर प्राप्त हैर ले हिर हिर हार सार हर भेर है। त्राप यः मेर् पत्रे लेस पहेर् पाये का नाम हे प्यार हुन प्रमा प्रमा प्रमा पर्दे . क्रनामात्मार्यम्यायात्माराष्ट्रस्यायात्मेन य दे सि.य.ल..। बे.र्ह्यर स्त्रीयात विवा मानार केष माने के केर है निर्मा ही ले हार निरायमान केर केर केर में ८5्र देना दश देश पु न ता दश ह्या श्रे र दे हिना धर ही तर्ने श्रे पा हिन्स । सर् छेर र्। हिं कु लेश स्व व ले इस मी कुर्। रे किर व र र मा र 2.चर्चैर.स्रा ट्रे.भूर.तर म्.चर.म्.बे.ब्रह्म.भ.लूर.ब्रु.खुका ट्रब.चिट. **नर्**ना रु म्हे न हैं र पर्र के ले इंट व दुट हैं , लेख रु नते र के हैं । के है र के देश व.नर्न.र्ट दर्म.नु.रंभ.नंडु.खंश.ची.न.ह्यूंश.स्था ह डेर.व. खंस.ची.राज. स्निधासम्बन्धियाताता महीतातातास्त्रीय पार्टिमाम्पेरीय महिनास्तराहर र्। 'दे अर मिर पुरक्ष मर के अर है। मार प्राहेर कुश हर केर स्व हुस.चे.प.वे.सिंट.मू.पू.हुँब.भूर.त.झुर.त.प। ४र्ट्र.क्बीश.रेट.रॅज.च.चट. ब्रिय:क्षेत्र: क्षेत्रक्षं नित्र क्षेत्र क्षेत

क्सरा वे पास मु नुस यं बद यं छत्र स धीर है। र्रे न्या प्रसंस छद से नावस **ब्रु लेख नु मार्च श्रेमाया सेर्प मां ब्रु मां। सेस्रा ब्रु मी द्रु अराया नुरायश** निर्माय लेखा निर्मा निर्मा वर्षा निर्मा निर्मा में निर्मा से निर्म से निर्मा से निर्म से निर्मा से निर्म से निर्मा स म'म'भेर'देश मु वं दे वाहेश पर्दा 🔧 वार्य म दे ही महित पहुंचा या उस दिन हेस सु प्रतियान कर के के दाये प्रति प्रति स्विक स्वी मान्य के नाया स्वी . ୠ.୯୬.୯୬.୯୬.୯.୯.୯୬.୬୬୯.୮.୭୬୯.୯୬.୯୬୯.୮ बुर्ने निर प्रमाय केर लाग पर होगा विश्व पर निर्मे या पर निर्मे स्था पर पर होश. दशः विच.तर नुर. व.पंचात्राच.केर.रश्चेबाश.तज्ञा विष्ट्रभात र्नु. लशः रट. भुः श्चितः त्रम, बु. त्रम, दे त् त् त् त् व क्षि. व क्षि. व क्षि. व क्षेत्र क नहार की नदेश वा सर्वेदाव केद्र की सर्दे द्वा मी साय है गा केंवा सास है वा सिर साय भेदार्देश विम्हण्याया देशमध्य पर्वे स्थान स्र रहेन स्रेश पार रे स्नि मासर पर पर पर पर समासर महार पर **ৼ৾৾৾৻**ঀ৾ঀ৾৽ঀৢ৾ৼ৽য়ৣ৻য়৽য়৾৾৽য়৾৾৽ঀয়৽য়ৢ৽ঀঽ৾৽য়৾ঀ৾৽য়৽য়ৼ৽য়ৼ৽য়ৼ৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽৽ इदानाने के नक्ष्मान ने नामा केना केना केना में नामा में त्रनार् क्यास्तराम्सायेरायाक्षेत्रणे द्वीर। 🏥 क्रुन्रु विनासायाय याह्ने केना मुक्तायन में में का वा खें न हैं विंवा व्यून प्यापन कें लेका वह ने यन खें न न द्रामी े सुर-वाद-विवा-८-बुं**श-भग्न्-अ-१-१-(ब्रा-१-१-१**) व.च. श्रुवाश-व.श्रुर-श्री। **B** 24.

सुरे नाइन क्रेनास स्विधान पार्व अट होर धर केट सर्वस से हिराय के राम्य क्यारा सत् त्र्रा व केर प्रेर पर सेर रही। मार र क्रेंग्र र ने केर दे र मुक्य प พล - दे : ले स : न : न दे दार्टर : न : अ : द : ले स : न : न द : १ . अ : द : ले स : न : न द : १ . अ : द : ले स प्रमामा अदार प्राची के के लिया ना प्राची के की प्राची के कि लिया ने कि की प्रदे स्टर लेख मु च न्या अर्था श्राम मा क्षेत्र मा का ना ना ना से हिर से । ने अन् प्रते कुर ने त्यावङ्ग क्षा वृत्तर पार्ट सार का प्रताय का प्रताय के ता 'च'द्र'शर'च'३द'द्र'चर्नाथ'च'स'मुच'च अद हैं' लेख'नु'चर'द्र्नीट्स'स्।। व्यविष्युत्रावसाक्ष्यास्यायान्याः इसायराम्यानास्यानार्वे वर्षान्यस्य E'३८'भेद'ले'दा देंद'णुट'म देन'य'र्भेद'द'लेस'ठु'व'भार्सेम्स'य'र्झ्स'र्से । र.रे. ७ थ.व. वर्. में. यु. पर्टे. वेटे. लूरे. वे. वं भारार. पुंचारा रेवारा वेचारा लूर्य, भूट रेट. चेडिचेश बुश चे.च.ज. श्चाश च.ज.श्रुर. थूं। चोट चो. चरेचा ज रूप्र. त. सुर. तर .लट. भ. रूबे. त. ज सूर्वाश. त. हू. च्. केर. ग्रेश मीं .रट. उचेश .वेर् .रहुंश सूर पुरानपुरराय भेरे १ वर्ष वासर प्रचीर जो े टे.पहेचा ता क्षेर्यात प्रमूर च. खुंबर ब क्षेर्-चर्चाम. खाँ। पचीन चट्ट. में १. के.च. जब चिट. मी. चक्रु ग. नपु. से. वेशा सः हवा याञ्चलाया द्वाता वर्षाया वर्षाया क्षेत्र प्राप्ते वर्षा वर्षाया वर्षे वर्षाया वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व वर्ष्यातपुर्वात्रा वर्ष्यात्राम् वर्ष्यात्राम् वर्षात्राम् वर्षात्राम् न.लूब.हो इ.रट.पंचाल.च.क्रेट.इ.र्झची.चर्छल.डी च.रट.चल.च.क्रेट.लब.च. ने अर के विवासर ने ने साद ना या ना ने में स सर्वे। विवास के सरे के के के के नष्ट्रया क्षे निर्मु निर्मा हैन प्ये निर्मे हैं नाइन केनास सम्मुन संपेद दें ले ना

देवे खेर पर दे दे म नुवाय प्येद पर प्रस्य पर से मु हो। विश मु व हिंदा ही। के देना प दना दें पह पर पे पर भी दें पर होते हो से पर स्था है दें पर से निकेषान्द्रम्य पार्केद्राध्येद्राय पद्दिर्दित्ता देख्य वर्षा वर्षे द्रार्थ वर्षे स्रिन्य संस्थित है। दिस्य च व कि समायामा के नाम हिनाय के दारी है र स्था दे **१९ देर ना सार्ट से हमा पार्म देलें साम पार्स मार्स मार्स हो।** प्रवाहित मिटशास दे. तथ. व्येथ. मिटशासा हो हे हे हि स्वास मार्था हे शामार्थ स्वर्थ हो है. ह्मा यं न्दः में हमा यं नदः नमा र्लेन य ने नमा वा ने भ्रम खेश नुवा। ने वे नदेश चॅंभेरं यं दे १९५७ में हैंदा इनाया श्रुद्या दे माहना यदी सह राष्ट्रीय हैना वास ं य दर्भ में ह्ना य सुरस है हैना धरे सर्द्र है द न न कर र प्रेस के लेश न ं दार्श्वेस स्ता वाद अना वार सेना स रावे दे से से वाद र ते न या बार्डिमा द्रमायमा यहन् या न्या - व्याद्रमा शुम्बार्डिन या वारा के बारा ने निवारि द्वायमाना विद्यादना यहा की हमाया व्याप्त स्थात्य स्थापर वर्ष्याम्हास्य परिसेत्व से वर्षे वर्षे प्रस्ति से हिराया है। क्रिंच क् ्रे में द्वा य प्रतिश मुक्त दो से द के त्यु द व के अं के व व श्रुद्रवारा विकार्यर पर्वर पार्टा। विद्यास मुजिर्ग पार्टिक सुमिर्वर पा न्द्रं देश मरे मार्ड प्रामेद दासी के मुंदर मार्ड प्रीद दें देश महत्य मर मार्च र

े दे स्थान नाया है जार बना था हैना स**्वस** सर पर ह न से हैना सामस्या सर महि न'देदे ख्रैर'मे द्रमाय १६८ प्रदेर पर प्राच प्राचर प्राचर प्राचित है हो द्रमा **य'र्जिदस'सु'नार्डेद्'य'देते'र्क्के'अट'के'**'इन्'य'क्स'चंर्रे'नडद्'च'देते'हैंर्' किन्ने य हैर प्रेर प्रश् र हेरा या हैर प्रवहर्त पर हो या भेरा या हैर दे विश्व र ही। दे सिल्हा बुर-देबाय-कुर-दे-पहूर-तर-वी-वालीश्तर-प्रमुर-र्गा। है है से देना व र्थेद्रशासु नहिंद् या भी र या दे हिन अदा हैना या द साय र यह दाया भेदाया दे हिन्द न देश'यर'भे'द्रमाय'३५'र् पर्हेर्'यर'तु'य'भेद'य'३५'र् पत्तुर'र्सा हेर् ि हे लेखानाय दिये प्रते याना अपने हेना माहित पुलियाना व परिवास के के लेप य हिन भेर वे लेश न य है भन हैन य हैन य भेर य के देश न र न है सम्म चल.च.केर.कीश.चंट.त.केट.लार.चर्.चेट.ट्रा। दंद.क्र.थ.चट्रटश.च.क्.खंश.च. मार्चे तिकेट या भेरा यक्षा भाव केटका यहीं नाम ५ १ ६ मा या हेरा रे यहेरी सम्भी यामण्येत्रयते खुर। क्षेत्र मेर् रिले बले य उपनि नाम हेर् गाम हेर् गाम हेर् वना नहेंद्र यर नु न पेदायका मिका ब्रह्म दका क्षा की पा हेदा न हिंदा न है । माणेश्वराङ्कावरावयुराव देवे कें भेराया हैरामाणेश्वरावयात्वाराहे। ् **५८** हिम्'डर र्दे तुर्ध प्रवास प्रते हुर र्से । वार वी कें द्वाप हैर् गुक्ष महर् यर नु य मा भी र य दे रे हैं। हिंद पर दे प्यान भी र वें ल का हम्मून न्दामान्त्रा सालेस सामार्थनासायात्रान्त्रा यान्त्रा सामान्त्रा सामान्त्रा सामान्त्रा - दर्चि दे हैन नदाइना नदाय प्रेंद्र यादे यादे अद् छेष उद्यो ह गया दहा से देना । यर खट पहें थरे भेर पर क्रिंग निर्वेश में पर पहें रे पर वि व क्रिंग पर है।

सद्भानम् वर्षान्य केषाया देवार्ष्यस्य सुनुदायाम् देवा केषायाद्दा वदसार लेश नि व ता स्वार म हिंदा है। यस देव वर्ग हैर वा लेश नि व बै'सम्मानी रद वनेद्रिन्यवा। दे'मिंद्रिन्मर्वेद वदे वद्या क्रिंच्द्रि मिलेस नु न है दर्स में है इस न निक् नु न दस मार दे न न न है र उह न न न मुनदेर्द्रा इत्माद्राद्रम्यायदे द्रमाय दे मुद्रे के विनामी दमायदे । **दे.रट.इस.स.**पत्रेन.प.४.३.वर.पश्चर.च.हे। ३स.च.च.ट.५१.व.८५ वर्च. हैद'ठद'र्'मे वशुर'र्री। अंस्रशहे वर हेद'संदर्भ वर वेद'यशक हे वरे १८४ में में प्राप्त के प्राप्त के मान्य **ल.स्**चेश.चर.स्र्.चरेचेश.तश.पंहचे.तपु.चंदित.तपु.चेश.त.व स्.चं.चे.केंचे भेर है। दे कर सदे मूर्वास स भेर य है द ही दे र मार्वेद य · **लॅर्-१**-१ ते मानु न मानु निराय दे मानु निराय के स्वर्थ न न्त्न सेद्रये वस्य न्य प्रमान व्यवस्य न्य विद्यान प्रमान विद्यान प्रमान विद्यान मनेर्भ महरू पारे हेरा व के पर्या मेर पारे ताम हेरे पर्या हैर वा महरू मन्त्रं रूप्यार् दे सूर्य गुरु खुना सार्य र माने १ मेर प्रेर पर से से से स्टर्स ं लेखानु माने प्रदेश में है है मानका मानिकार विकास किया माने प्रदेश मेर मुर्मामा भीता है ने हैं। इसाया निवाद है ने प्रायम् नःमःभदः वे लेखानु नदे देव है॥ देवेषानदे क्रिव वे नायद व के नायद व के नायद

म्बद्रान् प्रदेश निक्र प्रति । प्रदेश मानिक्ष प्रति । क्रुचारा मा चीता तर प्रचीर हैं हो या सामीय ता मा मेर हैं हो स वे ता स्प्रची स म क्रिंग क्रीं। देव दम पर दम पर में भ म के देव पर दे दे पर दे दे पर लेश मुन्याया द्रिन्स सर दस्याधर मेहा याद्र वहिं य हेद दे स भेद है। माइट नःमः मुवःवरे छैः ह्या 🎆 द्रवः ग्रदः देवन छैः ह्या छै ह्या छै ह्या छै ह्या प्रदेश वर्षे मार भेर य देश तरे द्रार देर पर विदेश वहर पदे हेर दे क्रार हिर प लेब.ब्रा द्वि.र्.ज. जमा लेब.वे.च व.परं.च.मावब.रट.मावब.परंचेंट.च.ज.स्र्र. सरे प्रमित्रासर होर सप्ते देश सर्हा इमार्स्थ लेश नि न देश कर में नर्ना हैर ब्रम्भुःस्रुर् देशस्त्राम् नी द्रमः यर हिन् यर वन्न क्रम् लेखानु वस वस्त्र यर्गा देरे ૹ઼ૢ.ૹ૽ૺ૱ઌ<u>૽દૢ</u>ૣૡ૽૱ૹૣૹૹૣૹઌૢૡૺૡૢૹ૱૱૱૱ૢઌૢ૱૱ઌૢૡ૱ૡ૽ૢૹ૽૽૽ૺ૱ૢઌ૱ र्षेद्रायामाणेदारते दुमाया वहेदायते क्षेरारी हे केदा दे हे दादा हे हरा दे हे ये.च.ज.धूर्यां व.सं.सं.॥ ४८८.तर बु.उचीर.स्ट्रेमेश के.स्य.मी.र्ट्य.मीच.त. सेन् स्र्रा इसायर देशाय है राय दु मुयाय ध्येद द द्रिय व वस्र उदास मुन मालबार्गा देश नियाने केरे हिरामहर् हेरा नेयामालट हैरा हे राज्य में देश त.ज.रेभुवेश.तर्. ब्रुट. र. बुंश वि.वर श्रुंशही चाट. चुं कु क्षेश्व. तर खेश ता लीज. नु नुरायाया ने स याना व र नु । खाया नु दे हैं दे । वा या महा नि नि स पर हैं द्याताक्षेत्रके स्वरालकार्ते विराहित्रका क्षाताव्यवाद्यात्रका निवामाव्यवाद्यात्रका

न्यते रहामले व उव पुंचायर त्यार हो। हे १३५ वे दे खे य पह खेया उव सी न्द्रं द्र्यायर प्रविन प्रकृत के नार्य स्रवय प्रवेश के विश्व न के हिंग है। ख्रिय न्दराख्यभारु र १९ दे ने सामदे ना रहा स्राम्य १ दे १ दर् । व विना प्ये र विहास वरे एवं स दरास्त्र भारत है स्थापर प्रविद्या विद्यापर प्रविद्या विद्यापर विद् क्रां ए या तहें न या भेरत्या वित्त हैं न भेरते वा भेरते या न्त्रभावसाय राजी देशमा गाने स्वापा नहीं सा परिक्रिश की राजे विशाहन न्य विवास देवें के वेस पदे वेस पा भेर के प्यान विवास दे र पर र द महीकानु त्रमुद्र न ने देश नादायका लेकाचा मुनाया धेका दे । अदा लेका सा - माल्य मुक्षः अस्य शुः झॅट व प्योब वे लेख मु व व पालु ट देर हें ना वर मुर्वे। रह रेण मामाने हिंद पर भेदायामा भेदा विशेष देशे पर प्रति । यह से स्वरं से स यसः वेसामः केन साने साने स्पेन या केन की सामिताया स्पेन स्पेन साने स्पेन ्यासाधीकाकालेकाचु न विषया सर चेद यादशेवाका प्रशा रूपा विषय दे । व द्रमः भावत्र नुः त्यु र ना ठदावे र ना विदे दे तथा द्रमः या नावदानु र यु र या हर्रे म् निरंभा में विरंपरे में रे श्रीया श्रीया प्रेर्परे के लेख य सुर्या पर्रे र्तुर्यं वर्षात्रर दह्यं पालेश मुन्य ता श्रिम् । वार ता श्रि चुर परे कुर्व मुझ.वेश.वर्ट.पविजातपु.लील.श्रेंज.मी.क्श.तर.बेवीश.तपु.रट.वबुर्व.लश्र. क्रामामालका नु तम्मरामा व्यन्ति या दे के लेखा न यर के निका क्रायर हुन है। र्स्त्राचात्रात्रे लेखान वार्म्यात्र मुल्या मार्डे द्वा देवे देवा वार्षिक रे.लचीर तपु. स्वा.पद्धी अव्य. वु. खुंश तायम वक्र तर नुरं हा। रट.रट. ्रेन्**शःस्त्रु**द्रायते हे.स्राये द्रायते विस्तातान देन्नवि सञ्ज्ञाति ।

नेषास समुद्र पत्रे कु वे विवास दे भेषायवी। वेष पुर पुर वर्मे प्रेम से प्रेम र्वे लेख सामये प्रेक मुंदि स्थान के प्रेक्ट मार्थ मार्थ में मुक्त मुंदि स्थान या व र्सेन्स'य'क्षे'स्रॅर'ण्रै'रे'सॅ'स'न्रॅर्'क्षेर्र'तृ'त्वुय'य'न्द'त्रद्र'नर'दे'स'वर्'वस्र यर विशुर व सप्पे व व विश हेव हैं। वैव र हे ही व र ने व र ने वर्ष व र ने व र लार मार्बेर् या उन हिन नुसाय ने हिरायाँ उन हिन लोग या ने हर ना हिन यर नेदायवे तन्त्र माना प्रमान माने विकास माने व के.च.चढ्रे.टे.हुस.च.च.ड्री रतुर.ये.चैर.क्स.तर.पकर.तदूर.वेस.ये इ.स. ' मस'मैर्'नु'मळंर'केन'से'पर्'पर्'स्न डेन्'स'न्विर'सर्'र्स्स हुस'नु हुर'रदे हुर। मान्मेन्यायाल्यान वदासर्वास्यानीयान्यानान्त्रायान्त्रात्रा द्रिष्ट्रवसः क्रैशान्द्रना सेदाय हिदाद्यायर दिलायर हिदाद्या दे द्याय स्मित्र यह रेस मर्दिन्य उद्यक्ति सक्दर हिन् प्येद वि । मान मी के तुर्य य हिन स स्वाय पदे <u> देशका ग्रीका यद्या केदाया वा क्या वा यदी ह्या वा ग्रीका यद्या केदाया है वा प्राप्त</u> वस्रा चस्रम त रेट.चस्त्रभात जास्येग्यात.इम.चर्ड्य.च.ट्रंट्र मूं हुस.सी. द्यन्'य'अद्मुं' सळेत् हेर खेद जी वन्य व देन के न अर्'यदे खैर र लेशानु नावे हे सूर वामान्सिंशाचा हेश वाही नार्दा े वन्यान स्वर्धान रे सूर हेसायदे मद्वामा मा ही मद्दा १८ वया व स्वर्ग । देला न्या हे.सवायायर भक्षत्याय प्रायु हो। हेया ये वद्य हेर करायां यमा से सरे ब्र-'यम'र्म्स्य'य'यद'हेर्'हेर'हेर'तेषे व'म'र्भे 'ब्रिंग'वशमस'यद्री।

२२५ हें व. लट. हेश. त. शर्वेट. य. इ. सं. ५श. बुंद. य. २ श्रू. १ व. १. १ श. १ मार लेग वर्जे ग पर न वरे छैर हो। वर्र हैं य नेर वर वर्ष य नेर वर वर्ष य सर्वेद वादे दे के वाद हिंग है दाया के हादे। के साथा दद ख्राया के दादे दाय दें स तालुक वर्षा के सावाइसक के खेर के लोगा लेहा वर्ष हो न वै : वि दे दे दे दे हैं कि दे हैं के दे है के दे हैं के दे है के दे हैं के दे है के दे हैं के दे है के दे हैं के दे है है के दे हैं के द ଂ**ଘଽ'୕୕ୣ୷ୢ୷୕୷ୖଽ**'ଢ଼୕୶୴୕୴୕୴୕ୢଽ୕ଽ୶ଽ୕ୣ୴ଽ୲୴ୖୢଌୄ୵ୄ୕ୢୠୖୄ୕ଢ଼୕ୣ୕୕୕୕୕୕୕୕୕୴ଊ୕୲ୢ୕ୢୄ୷ଽ୷ୖୄ୴ୢୠ୕୕ **लट.ल्यु.२४.२८, म्य.न.३८.३.** ह्यूप्राज्यश्चीर.त.लु.यु. ख.या चर्ह्य.८८.म्य. लट.बुझ.चे.च.झूझ.सू॥ क्षेत्र.झ.झ.स.रेट.चर्ट्या कूत्रश.स.चटर. **ॻॱय़ॸऀॱॸॖऀॸॱॵॖॱॻ**ॴॸॱॻॱॿऀॱॾॆॱॿॖॸॱऒख़ॖॖॱॸॣॖॸॱय़ॕ॔ॸॻऻॗॖॸॱॺॾ॔ॸॱॻॱढ़ॺॱॻॸॱख़ॗ॓ॱॻॱॸ॓ॱॱॱ **ढ्रा २नाम 'म'प्रेर'नु: डेर'गु म लेश मु:म'रे।** इर डेना में नार्थ मार्थ से मार्थ **ୢଌୖୣ୵୕୵୷୷୷୷ୖ୷**୶୕୷ଽ<u>ୢୄ୕୶</u>ଢ଼୶୕ଊୄ୕ୗ୲୕୕ୣୠ୕୕୷ଌୖ୕ଡ଼୲ୢଌୖ୵ୖ୷୶୕୷ୡ୕୕୶ୠ୕୷ୡ୕୷ଊୄ୕୶ **१९५७ क्षा अ ५० ।** वि स्ट दे द न नी नी दि द द से है । वृद द द है न किं ना अ है । वृद द र द है न किं ना अ है । वृद द बुंस.वे.चं.चं.र.ल्र्.स ४५.५ क्यंत्र सम.बु.र्ह्न.च्यंत्र रेचे.र.चं.र.वंदर.चं.र.वंदर. मने दिरान में देश दे हीर यान निर्देश में मानर वना है नम त्युर या केर वें। न दे वर्दे क्या प्राप्त विष्ट्र प्राप्त विष्ट्र वर्षे वर्ष **क्रम् अन्दर ले खूर द्रम् क्रु** मार्डम् **स उद** केर्र अदि सेर हैन से स्राह्म

यर से विश्वर ले वा डिया उर से यहनाय भर लेश उर रासे गरा स संहं शही नुदामी विदायर महिमालस प्रवृदाय हरानी मे द्वार पार सामित सामित . नामनी कें खेरी क्षर हिना श्रास रदा रूस सक्रम रूप युदा वरे पीर नी क्षर हेना सः लब्दुंबाक्षे निर्मु प्रते क्षित्र के नाम त्युद्ध तर त्युद्ध या देवे के । दे द्वा के त्येद मी विर पर महिना सम दुर व उद्य केर प्रेय जी। महर्र पर दी व र पर महिर यर नुेर्यते र्द्श सं त्य कुं च रूर य केर कुं कि उस स्वराया रे र र द स्वाय य.लट.मी.बे॰बे॰वे.च.७४.७८.लूब.न.ट्र.हेर.४ वि ग.वर.पीट.व.चबज.च.८भूबाह्य. यद्री वदना नृःद्वाच नृदः वदना नृः कन्या च ढ्या वुः वः व्रुवः नृवे वर्दे । वहना कूर्याक्ष.ज.क्येक.च.रेट.बुक्र.चे य.डु.बु.य.तक.३.४ह्राय.कु । 💎 🐒 तर्र. पहिना यालेखानु पति र्दे हें॥ र्हेन्य या वे के नर ये वारे खुर ये हि तर्या माही श्रेन्नामते द्वार्य स्थाय क्रम्याय विश्व नु वदे देशी की नु म्स्रिक्षः सप्तृः रचटः मुक्षः स्वरं द्धेत् चार्रेदः यः चेदः यः चाटः स्वरं सः देः द्वाः यक्षः चुः दटः । पर्यक्ष.वेपु.रेट्झ.च्.घ.लुश.तश.चिय.त.लुश.च। इ.८८ ४ अल.च.क. चि. **२८.वर्चश.वेतु.ट्**ट्श.च् लुब.व.टु.झे.बी ट्यूट.च.चेश्रेश.च.लट.विच.वट. विदःयात्रवायाःवादम्यवासायाःकृदःव्येदार्गे। वससायाःद्वाःसायाः व्यक्तः याने लेखान नाया से नार्य ना ने निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश चर-शिब,पनु, बेसात वर मु. जुंस,रच.चू। श्रुष्ट च.श्रुंश,पश.बु.रचेनश. ดอูกรูสาดรู้สายาณัสสุขานาล สูการัก คัฐา**ท**ูกาลิาลักาลามามอุสา पदी सेस्था म्यामका पा नाक्षा परी लेख प्र पा के प्रमा पा वा स्वाधा पर होना सा सा सबुद्दायते संसद्धाने द्वा केटार्ना वर्णान कर की नद्रा के वर्ण के वर्णान कर की

व्यन्ते त्यान वित्ता से दे त्या के से त्राचा व्या वित्ता व तहनाः ह्वांशासुः स्याभाराध्येतायाः नार्वेद्रायरः नेद् मु अदःदे अदःया म'स' प्रेक् कॅ ब्रेस मु पर केंग क्य पर सुर हो। दें क नाय है मुस्स य व्यःस्विक्षः च वर्ष्द्रं क्रवाक्षः व्यःस्विक्षः च देः नाक्षेत्रः च व्यः स्व व्यः स्व व्यः स्व व्यः स्व व्यः स्व नविष:नु:पर्न्,कनामाजी भामांदर:न:नरहाहान्तर महिमानपु:भरःहानःकेष:स् ले इट में निस्स याद्र है हिर है है र के व र्या भेद यादे'विषया विषया व ब्रु. बुंब.चिश्वटब.चु.वा देरु.कुर.चेंट.दट.भष्ट्रब च.रट.बुंब.चे.च.ज.स्वीश. न झूंब.रो। कूब.पा.रंभुवाश.रा.ज.सूर्याश.रा.ज.सूर्याश.रा.ज. न्न्रिंस दस न पर पा भेद दें लेश न पर ख़ुर री। श्रेनिश धरे ख़ुर दे रुमेन्यन्यामेर्पर्ये नुमस यायास्नियायान्त हराही। दे रामा हे पर्या सेर् मन्द्रमाधर पहना य हेर भेर यदे हैं।। नहिना नु नहेर वे हें नह **भेरात्रा देन्द्रेदर्गन्त्रहर्मायाध्यालेशन्यायायायाया**न्या हिस वर्ह्निय भेत वी। देश अदा दुस दे होन दु न विद् या भेत यह हैं न सायर हुये लेश मु नते देव देश में नाम मन नदे दें वें लेश मु नदे हें नाम म मेर परे दें वें वें। रद्रमी झे.च.बे.वे.सना.रे.सि.च.ज.स्बंश.चल्। सेंब के.ल्यून.नर.हेर्नेश.चल्. ଝିଁ ସଂଖ୍ୟ ନ୍ତି , ଆବ୍ୟ ପ୍ରୟ 'ଜ୍ୟ 'ଞ୍ଚିଟ 'ମ୍ବ୍ୟ' ଅ'ଟ୍ର' भः १९७७ खेर स्था - दे नारे खना छेश मानन्दा ने स्थान देश प्रते । खन

क्रमा मह्ये ता प्रमास मान्ये ता त्री क्रमा मान्ये हो। विश्व हो। विश्व हो। मि'वर्गुर दें। दे'अद रे लेग डे स नु न क स्वा स न स ने दे के लेग नु हें न स मानुनासामा संनासामा प्राप्त देन स्वाप्त होर र लेश पु न न न सामा अर **୕୶ଵଽୢ୶୵୷**ୡ୕୵୳ୡ୵ୡ୵୷ଽୖଽ୶୲୳ଽ୕୵ୠ୷୳ୡୖ୵ୢଌ୕ୡଽୖ୵୲୲ रह्रात् पु.सक्यः **૾ૢ૾ૺઽ૽ઌ૽૾ૺૼ૾ૹ૽૽ઌૹ**૾ૹ૾૾૱ઌઌ૾૽૾ૹ૾ૢૺ૱ૼૡ૽ૺૹ૱૱૱૾૽૱૽૱૽૽ૡૡ૽ૹ૱૱૱૱૽ૼૹ૽૽ૼૡ૽૽૾ૺ૽ૺ૽ महंदाकेर मुला दास्यायानात लेखानु वाया श्रेताया दरे स्टा रेषा पदी नाकेक से दे खेंनाक केर र मान पर द सुर से। रे 'हर के द सुर है ं सर्-गी-विश्व-व-त्र-स्वाय-त्र-विवावश्यी प्येष-त्र प्राप्ति-र्वः सर्वेद-प्यः बिसानु नायास्त्रम् न वे वाकायोकार्ति है है वर्द्र से ग्री अदाद न वाकार्ति यासेदावार्डमाने द्वेदावासायी शर्देश विद्वारी मशासी। व्याणित हे वे हे मिं व के दासर्वत व लेश मिनवे वह संस्कृति व नाम पर पहेंद्र प प्रेवा रे प्रदास रे ने प्रदेश संस्कृत के प्रदेश प्रेव ने ने ने प्रदेश रेना यस महिट पर दु बदे हमाय के बद्धा के द द द श्रम याञ्चित्र र्रा

क्ष.धर.ब्रैर.र्॥ मार नीस र्नेनास थ प्राप्त त्राय व ते नार प्र रेनास य वन्यान्त्री। न्यानेते रूटा वन्याने अपन्याने स्वरं स्वर चरे.चर्.दरे.जेश.चे.च.ज.<u>श्रृ</u>.च.ज.<mark>श्रृ</mark>च.चह्नज.च्चे.दरे.जेश.रट.प्रचेत्र.च.हर. ट्ट. च्ट.लुब.च.के.वेट्रा हेब.रट.रेश्चनश.च.रट.रेश.रटा इश.सर्वेटश.च. विदानम्बद्धरक्षायम् विदायाम् । यो दानम् विदार्गा दे त्यानाया दे सामेना विदारम् मामेर्पते हें वे किर्पत्रे के किष्मायायार्ट क्यायर सर्वः साधर स्रोप्त की प्रमुद्रा र्भे १२ ता हेब पट प्रमेगरा यास ईटसाय वे से मा वा संग्राय परे क्स वर में अपार्ता है वर्र द्रियोश पास खुदश पत्र कुर रो। इस य . अर्थ्यस्य.प.प्रे.शुष्त्रस्य.पट.अर्थ्यस्य.प.कुट.क्रे.सुट.प्री. 24.48c4.1.g. र्या. अर्थ: विवाद का कर के दि त्ये कर के दि त्ये के विवाद के कि ता के विवाद के विवा **त्राम्यस्य द्रशान् हे नृ प्येश्व दे न्द्ररा सेम्रस्य व्यस्य नुदान प्रदाह्य रे ने दे न्द्रम्य प्रम्य व्यस्य नुदान प्रदाह्य रे ने दे नि नि** कुर्क्ष भव मारे स्ट्रास्य सर्द्धारा वाकुर भव की दे नवा व सेमस यस चुदान केर प्रेक पर खेर। सामेनाय के देनाया या सेर पर दे वें केर सा के हैं नाम प्राप्त हैं में प्रीक नु जे के गुप्त लेश नु च ता स्वाध प्राप्त स्वाध वर्ष हैं त.य.श्चेंर.वर्ष.रची.वर्ष.तस.य.वस्त्र.वस्त्रस.स्री वर्ज्चेच.वर्ष.वस्त्रस. म्बन्धर्म्य महिन्द्र महिन्द्र

नर्ते। तर् छेर दे रना नीश लेश छ न दे न से र देश र न नीश हो। प्रदेश शि. तम्नुस्य तप्, मुभय. में . य. यूर्. ज. देर. वस्य वेस. पद्र. वेस. प. में स. पद्र. वेस. प. में देर. व र्रो । भार्यक्रेने प्यतः वन्यान्य द्रान्यक्क्षः या प्योक्षः हे। दे त्या द्रश्चेनाका यदी ৡ৾ঀ<mark>৾৾ৠ৻য়৾৻য়য়য়৻৻৴৾ঀৣয়৻৸ৼ৻৸ঀ</mark>৾ৼ৾৻৸ৡ৾ৼ৻ৼৣ৾৻ য়ৢ৾ঀ৻য়৻৸৻ৠ৾৸য়৾ मञ्जूनिमान्द्र है तर्मा नु तर्मे निय में मुर है नर ले न मान्द्र निय में है यर्ते। दे अर्दे वर त्वीव हर। दे वर्ष व हे हे हे वर हे वर वह वह मायसानुदानाप्येताने दे त्यासानुदानाप्येतायरे क्षेत्राची। देराने न्यारे स् स्दायर्गा मुन्दायदेश है स्ट्राक्ष न्यान्त्र मान्या याकेन स्व न भेर हैं न पर्रे हैं र म भ र म र म र म र म र म न हे स न म से म स नमार्थः श्रिमानातात्रे हेरायालेश.व.न.व.म ह्या.नह लक्षाया समाराय वेदः क्षेर-र्शा पर्रेर-लट लेख-वि-च-ल स्मार पर्यान विक् में ह्ना शाय पर्यान . क्षेत्र व्या 📑 पर्यम् लाहा लेखा छ न्या है ने खा होता है त्र है न पर प्रेमें न परी 'बर्ड्र-'अट्ट्रा अर्डेन'य'र्ट्ट' श्र द्वेट्स यर ख्राय प्रे के लेखानु वाया मार्मित रहाकुर महर्मा विश्वकार विश्वकार महिल्या महर्मित है है हार्सी है रस के.रट.ची.टू. च्.चनदे.च.श.लुब.मी.लूब.मिट्रेष.सू.ब्रू.चे ्राम्बर्टा सर् सर सर मेर पर मेर मेर पर मेर म

स नेवाय मधुन्य प्रेमिन के बिस हैं वायर से मुद्री। नाय है । है ते । है र ले ना श.रची.पष्ट, द्राची.ट्र. यू.चर्ड्रतर.चे.च.७४.चे.च.७४.चे.च.४.छ्येश.छ्र। 1 दे⁻श्नद्द्रप्रचायाल्यान्यक्षान्यक्षेत्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्षात्रक्ष त्हेनार्केन्शासु स् व केद्रमा हेना यामा भेक रहें लेस दे स्तर नु पहेंद्र य वारिकाया क्षेत्राया केत्रपति क्षेत्रा हे नेत्रवाया केत्रपति क्षेत्रा दे लेका वु पति हिंत्रही। मायाने प्रहेना र्हेना सं सु सु परे रादा पत्रिक होता वा प्रहेन सारिता पा हिन पर्व का प्राप्त होता से माया हैना पर य भेदार्दे लेशानु मायदी ता देशायदानुदाय के लेगा र्वेदा हे हा है भिदादा मान्दा मंदी द्वाद्वासाया भटा लेस नु न वा स्वाहा या स्वाहा स्वाहा वि दि हो हो लेस नु न.ज.स्वेश.तश.इ.७वी.ठ व्येत.त.हेंर.तर.वेर.ट्री भश्रेटश.तर.कंश.तर. र्दे प्रदास संस्थित दें लेखानु न दे मालक प्राप्त मालक स्वर साधिक स्था दे **ॱ୴**८ॱড়ৢॱয়ॱ६८ॱয়ॱৼ৾ঀৢ৾৾৽য়৾৾৽য়৾ঀয়ঀঀৢ৾৽ঀৼ৾৽ৢ৾৾ঢ়ৼ৾ঢ়ৢ৾ৼ৽ঢ়ৢ৾৽য়৾৽য় नद्नाः कृदः नद्ना द्रदः लेस मु न त्यास्त्रास या श्रीस स्त्री। श्रीदः नद्रदः नद्री सहस् १९-म.त्रुब.मी.खंब.चे.च.बु.मामस.चेट्च ता.मामस.तम.चैट.च.च.कुश.मर्थेटस.. यर स्दर्य देश मुर्दे। स्त्री स्त्र मुर्देश में देश में देश में देश में पर्नाथ मिन्न स्त्रा व मिन्न स्त्रा व मिन्न स्त्रा व मिन्न स्त्रा मन्द्रसम्बं लेश.व.व.दे.ट्रेंन्ज्ञा के दे.ज.श्रीर व्यक्त पर पहिला च.द स हैर तर्दर सुंगंस नेश्वन है तहना कूनेश शे के न ज र संगंध नहीं हेंस. क्रिना नी र्दे न प्रहेना र्केनास शु झ म र्दा महित्स स्वर स्वर स्वर म रेन पा दहिना क्रियासासु मृत्य लेसाना वार्षित्रसाम्य मार्या मार्या मित्रा मार्थिता या निर्मा या निर्

नःस्ति। यादी विमासामिति। यात्रामी स्ति। सामितामा देवे वहना केंनासा शुः मुं न दे मुंबास न हमा य प्येम दे लेस मु न दरे प्येद द्या न न दर प्याप प्र के.बैर.बौर.नपु.मंद्र्रम.तर.किंश.चहु.र्र्य.भह्र्र.ट्र. खेश.चहेंथ.तर्रे हीरा रेतर. ब.त.ज.च.ज.ज्ञ.च.च.ट.जंब.तत्र.येचाब.खेब.च.च.झॅब.ट्रेंत च.ज.चे.ज. स्विमान्त्रे क्ष्मान्त्र विमान्त्र निमान्त्र मान्त्र म इक् स के स लेक स मा लेक का कि सम स दि के स हिटस चर इक सि रेक लेक के लेका देव के मान देव निकास देव निकास देव निकास देव निकास निकास के निय नः भेराते। वर्षे ग्राट हे पर ह्यूर पर दे नायम पर हे र पर भेरा दे लेखा है यर.रेजूट्श श्रा : स्त्रेचांश्व.तपु ट्र. तु. खेश.ये.य.यु.भ.रूता.राषु.सुंचांश. मारुपान्यते रूट महिन हो निर्मा मात्र हे स रेमा मार्ट स्व मद्भाकित्र के देश के दे ं <mark>कॅ्र्न यर चे</mark> ने चे के ना ने ते चे र ने खेर नह न यह ने यह के ची साम के नास या ्रिश्याक्षा देते.रदायनेशक्षाच यातापदेर देवे.स्र अवर्गा देखानादर के.चपु.रूट.चबुर.मु.मिर.तर.११ रेट.बुस.मे.च.ण. श्रूर.त.श्रूस.त.ण चर्चा.रे. ंश्वःचत्रे रदः बलेश है। हिर् यर छन्। के श्वः वार्ये रदा व वार्ये रदा वर्गा १९८५ । स ष्ये राष्ट्री विदेश विद्या के प्रमान क्रवांशामा स्वतंत्राता है है स्वरा चैटाच रेवी लोहे हैं। कराय हेश मिना स्वतंत्रा स.धु.र्स. वामाकेश.च.लुब.प्रे। इ.स.ज.ध.चर्चा.कर.च भग्र. च केर. च केर. च

इर.लर्.ज.प.ट्र.बर.क्र.जर्दर.क्षत्रश्चात्र.ज.स्.च.ट्रे.प्र.च.च.व्रेश.ल.क्र.च्र. व्रेश.चे.च. बे.बिर.तर.लुब.स्। हर.ययर.तर्.सेर.तषु.स्ट.त**बु**ब.सु.कुर.कुर. च.च.धु.च.ध्र.ज.स्वोम.वपु.र्वा.चरु.घिर.वर.स्री.ध्र. खेम.चे**र**.व.ज.स्वोम.वः.. **बहेना क्रेंन्स ह्यान्य न्यान्य राज्य न्यान्य मान्य म** म.लट.भ.लुब.ट्रे.बुंश.चे.च.ज.स्चेश.च.য়ूंश.स्र्। चार्श.अवस.ट्रेट्र.बट.च. क्रमामा भेदामा है दा गुमा हिवा ना भेदा था दे दिए दा ना माना भारत देवे क्रिंश स्पेद या दे खेर दे वियायर मेर्दे या द्याया व रशेनाया यही क्रिन परि परि यादे के क्रिन परि परि । देवे निर्धा या के क्रिन परि या दस हेन **दे.रह्स.स् ५.मे**ब.मे.सबस.में.रट.चंस.वेद्र.पंत्रंग.तामह्र.त.लब.ट्रा डे. मत्रे खेर र्स्या कुर्दा र व्यवस्य विदे दूर्य य द स ले स व र व दे र दे र दे र स नमः व में व मा कटा नदे छिर लेस छ न व है न दमा से द प है द सर्वेद व में मस पस न्त्नानु द्राय सर्व र हित्य सर्व र हित्र र्या दे त्यार मा सर्थ य उत्ती **શુ.વ.લુજ્ઞ.વ.વ.કુ.૬.ૠેટ**.ટે.વત્તેટ.તું. મુંચ.ખ.રના.ખજ્ઞ.ત.વરા.ગુ.શું.વર્સા કટે. **न.लट. बुझ.चे.च. ज. सू**चीश.च.ठर्ट्. क्येश.ज. सूचीश.च. बु. सूचीश.कु. क्स. र्षे द दे ले स मु न पदी। रह न व दे द द म ले स मु न द ने नह में हें के स गुःश्चार्यायवेशनुग्वहें पाद्या देशसमुद्रायायावेशनुग्वहें क्रम.मी.मै.पर्वम.वे.पहूरे.च.४५ू॥ ४८.वधुर.मी.पूर्.चमना.च.३८.मीम.खम. यः वः वे अर्था क्ष्मा के प्रदान विव के दे दे लाय वर्षे क्षा वर्षे क्षा वा स्वारा यते.श्रं श्रश्र.क्री.पट पर्धर.हेर.रे.लट.विश.यट.चर.व.प.थ्री अश.रेट.रेवट.

ฉัานาพัสผาผลิ ระบาลดิสามาพิสาดินามิมมาที่ระบาลดิสาวุรัร สๆพาน.... र्स्तास यामा भेताते। रदायले वा ने दिन मास्याय कुन नुप्यस्य के विता रदःवित्रकृत्यारेश्चादवादाद्वदःयासाधिकायाकृत्यीशानुवायाधिकायादेत्दः प्यायाचालरारेशायवावाववुरावाक्याक्षेत्राचारे खराया विवाधरा वेदा ব.৫ ব.স.ব.২ শুবাধ.বড়া। 🧘 চুধ.ব.ম.বার্থ.শু.স.বম.শচ্ব্.ব.বীম.বা.বাম. **त्रार्भेद्रायादे के हिसायर सहेर्वादु मुद्दायादे हिंसाउदार्वा** सहेर्वादु त्या सहेर्वाद्या मेर्या देश न्या देश में विष्ण हैं या हैर गुरे के देश नु विष् नु विष्ठ हैं। देश मेर विष्ठ देश नु विष्ठ हैं। **लहालेश.मे.म.र्थ.भाराहाती** स्वाहालेग्री.हा.चे.रहाचलेश.लेश. मालेस'मु'न'यां संनास'यारे खेंद्र'यां माट लेग'माट में रह प्रेश करेंद्र **देवै:द्वे:श्वेश:प्रवाप: व्य:दे रट:**क्षेत्र: हेना प्रवाय: वर्म्य रहे : हेश:य: व: श्रः हेना स पश्चामहास्थर प्रभित्ता त्या मुक्ता पर स्वेत पर प्रमुद्दे । पर्दे र स्वाहा या स्वाहा र्रें विकास प्रसामस मेर या भारत नी सुन मी हैं। सर्वेद न हिंद न हिंद न हिंद न हिंद नदी खुर्द मुह्म प्राप्त कर्षा है दिहै स होन् य दे बुर्द के हियायर हैन यासी दस्या हित पर स्थान हित मुंच सर्वे स्थान हित स्थान हित स्थान हित स्थान हित स्थान स्यान स्थान मसाचेर्यसादारेम २र्देर् कर्सार्से। ८५ ग हेर् से २२५ पते धुर देस मु न दें न द्वा के दाय हे दा कार्य र या दे र कर्ष र हु का हे दा है से पर दें दार ते हिंद हैं। दे सेदासर अदावद्वापु कवासायदे खुवाबा हुँद सर्वेदाया हेदारी हुरारी। शुर्द्रमश्रार्भद्राचालेशानुन्द्राते निक्तान्त्रा वाक्रावाला यत्। व्यवन्तरहेद्रायम् नेदानेकान्य विज्ञायः ने व्यवन्तर ने विक्रान्य विज्ञान में दे र्ल्यास्त्र मुहद् यादे स्ट्रिया स्त्रित हुन हमसा सेयायर होदायर वर्षीर या मः ध्येषु विश्वा यद्वा वी श्चिष्ठ है वर सर्वेद व सः वद्वा वी वदे व सः सर्वेद श श्चेर च र्र व्यव व से र रहा विव च र भेद या दे र्र व वाय व र पर वर्ग मी नदे न ता व्याप्टिका ह्या हो दा पर हो दा चा विकास की दा ता विकास की दा विकास की का विकास की का विकास की का विकास ব.২খুনার.বর্। শ্লীরম.ব..বি.ব.নাৡম.ব.ড.বর্গ.বরা मी निन्न के निका प्रेन वे ले का नाम के प्रिन निन्न ने निन्न मी नरे का प्रिका शुं शेर्पान्दाक्त पाकृर्र सं मार्टिस शुं प्रतेष पत्रे होर मा हो साव पत्रा नु अर्घेद नस ने नद्ना नु कन्स या या स्नास न दे खेद पस लेश नु न दे नद्ना नु क्रमास्यत्रे.रेवट.मांस.वरेबा.केर.ज.वरेबा.चार.वीस.व.रं.क्रर.चरेबा.रे.क्यास.व. **त.श्र्मेश्र.तश्र.वटु.चर्टु.क्.ट्र.त.टु.**ज.होट्.च.डु.चरचा.टे.क्.चश्र.त.त श्र्मेश.तप्र. नद्ना-नु-कन्म-धम-श्रेद्-धन्दे-ब्रेश-नु-वदे-द्र-न्। दे-भ्रदः ब्रेन्यकी ने क. चयु. क्रुचंब. श्व. चढ्ट. च लब. मिट. क्रचंब. चंडे. ल. श्रेट. प्रचीर खुटा। होट. मश्रक्तिंद्धमश्रक्षेत्राचर मेन् हेस चलन या क्षेत्र हो। हिंद ने हेन मेल नहें दे महन् श्रू सं प्येद दें। नालक दन वे चर्ना दे कन्य सं साम र्क्न साम दन साम होन्या**लेखान्**कर्यम् होन् न्या स्वाधायते ह्यूसाने पर्वे केर्य केर्याया म.चीडिर.स्.।। चरेबो.चीर.लूट्बा.शि.पह्रवे.च.च.स्.स्.वंश त श्र्यांश स स्थाश.. मदे महर केर केर केर मिर मिर में देश का मानद्वा में केर दे महर नदे होर पहे स्रिक्श हुन् के सक्षेत्र के दान कर्ता ही दिहा स्राया सर्वे नियम हिन दे हिन दान **दर्मित्रहर्मान है प्रत्या श्वायहर्म पर्ता। ०० हर्मान है मर्ट्या परावह्नियार हो।** श्चिशःचदेःस्रुसाने सर्देन्यर सुवाया नान्याय लेखा नु वारे दे वु वार्यम्याया

म्बद्धार्द्धा देख्राके वहेंद्रायाम्हर्णेद्रायाद्या यद्या हेश देख्रा से **८हर् पर्या ८८ द्यादल के लेख मुग्य ऑटक शुः १ हर् मादल का नामा** विसामान्यायत्व सति क्रिनासामा हेसामान्ति। दे हिन्दे तिर्दे तमासान्य वे हिन्दे तमा क्षेत्र हे लेख हा नश द्वा पर हो नश नश्या नर हो र र ।। पर्ना ह स् न १९९१की केर दे द्वा व्यवस्थ उदः पर्दे यास क्षेत्र या लेखा नु या ते पद्वा पु कवारा या **बेर्'य'र्द'। यर्'य'र्ब्'बेर्'य'र्द'। य्यॅ**र्'र्द'नु'य'य'य्यंत्र्यंत्र'य'र्दे'स' वना नु 'यद्भाय' नाम 'भेर मादे 'शमक 'उद 'भेर्द 'या मा भेराय में। यदना नु क्रम्सः सः नृष्टः स्वतः या यन् मा नृष्टः त्र हो सः या सः सः ही सः युक्षः यत्रे ः स्वाराः स्वर्षः या लुर.बु. खुर.वे.च.चु.चन्ना.ची.कवार्याताचाट.लुर.च हे.चरचा.चे.कवार्याताचाटाला भेदार्दे।। दश्चेषाम दे भटानुकाशमका उदाष्ट्रियाम सेदाया भेदार्दे देश नु वर दर्गे द्या से । दे के द वे हिंद नि ही वय प्रकर प्र हे र दें। वर्देर क्ष्यंश्राद्राञ्चयाय वे मुवाणु र्ध्वेत्राश्चायदे स्वावश्वा विवादा सेदाय वे यन क्रिंस अ' में क्र प्येर ने। पर माहेश में मिर पर के रे प्येर के मिर . स. तर्दे . क्यां स. दंदा चार प्रतान देश विकास स्थाप के स्थाप के स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप केर. प स्वासान पर्ट्राय द्राया दा केर ग्रीस हिनाय केरिया है दे राजना त्मायायान्त्रीम् वर्षे । देःस्प्नायास्यान् । वर्षे प्रावर्षे । वर्षे प्रावर्षे । वर्षे प्रावर्षे । · **ऄऀ**रः रॅ 'लेस'नु च ने 'नद्ना 'नु 'ढन्सा स' वे 'नद्ना 'र्ये द्राय हे द्र दु 'से 'रा ह स' यह ''' · **हुंस'य'ठद'ेंद'धेद'यदे'हें**दर्द विश'तु:वदे:द्र्रेन्ट्रा अध्य सुध खुयः उद्गानश्चरायाध्येत्राते प्रमु 'तत्र'त्र 'सुर्व 'मिन्स्' मिन्स्' मिन्स्' प्रमु प्रमु प्रमु प्रमु प्रमु प्रमु प्रमु यन्तरायाध्येदावा वर्दरक्षाता स्वामा याचा वर्षा है। वर्षे वरमे वर्षे वर्ष दे अर्मा श्री साम के स्टार दे अर कर दे अर के ଵୖୄୣ୴୷୷୷୷୷*୷୕*ଽ୵ଽ୵୶ୡ୕ଽ୵୰ୢଌ୶ୢଌ୵ଽୗ୷୵୰୶ୄୖୄୠ୷୷୷୷ୄୡ୷ୄଌ୷ୄଌ୷୷ वसः दक्षरं वर नेर हो। वर्ग हैंर हे से व वर्ष रे मुं सक्षरं सर्वेट वस ख्ना द्वात्यःश्वासायःविशानुःवात्यःदर्शयाःसादद्वायःपराद्वायः स्वतं वाद्वायः र्नाम । गान नम कनाया परे हेन मी निर्मा में हैंन पाने सेर के पर लिसी वि न'वा खेन्या पा पहेंद् पर विशेष केंद्र पते विषय के विदेश हिंद न कर्ष मर पर्देर य हिर फ्रेंग वर लेश मु पर वे मु या प्रम् था मु ने मर महन्म था यह से द र्दे भित्रकारे प्यतमार प्यकले कात्र के सुर्थे हैं के पर लेखे हैं वा वा का महा या क्किंबायात्वा दे द्वा हे सामु १ व दे मुंदाद्वा में १ द्वा साम सर्वेद १ व स बै.बनस.प्रमुद्र-व.स.क्षेत्र है। सेर्-व.व.वे.मे.स.क्षेत्रचये.खेर-ही। द्रिश्चिट **ल्यू निवास स**र्वेद च नि निवास सर्वेद चरा वर्दे निक नाम निवास है। या दे **त.च्. इम.चढुर.च.ल्.१३.स**च्.च.च.भ.लुर.च.रेट.। श्रुर.भह्ट.च.भ.लुर. याकेरामाध्ये यर र्माना पर्मा सर्वेदाय मेन पर हिसा प्रमा से केर में वाकालदाल्य्ये प्रवास विदाय से ने प्रवास के साम के प्रवास के ने किया साम के विद्या मा य'सर्वेद'म'र्केद'र्फेक् पर पर पर पर निर्देश दिया है 'वा लेस निय के में दे रेंबा है रेंबा है रेंबा है रेंबा है दे अर्वेद प्राप्ति द अद्याय दे अर्वेद प्राप्त के के सम्बेद के स यामेंबुरवादे द्रात्ववायायाभेंबुरवाद द्रात्ववायायाभेरा महिला वास्त्र लेब यादे खुराबा विवायर वेदाय वनाया वाद्या वा

मी कें यन्ना नु कमा आया व्यव प्रवाहन नु क्षा या विंती भ हे ते कें विंता या प्रवाहन कें नसान्नानुःकन्साराता व्यदान्तानुः स्वारान्तानुः कन्साराक्षेताने । **ॱ इ.स.चार्य क्रुन्य मान्याचारा क्रया है. है. है. है. है. चीरा है. वर्या है. वर्या है. क्यारा है.** यात्मार्खेद्र १५९५ व्हारा त्यस लेस मु राया स्वीकारा हो सार हो । विषा विषा ना मी मु उद्गारी कर में दे विकास माना माना माना में निर्देश में निर विना निर मी मु उद भेद य दे दे मु उद भेद य हिस मु न दे द्र रा में द्र रा भेद दे। दे सा कर मा से दे पा स्पर्त के लेखा नु न के मुर्जे। दे सा कर न के दा पर्से द व.पंचंत्र.वे.क्रंट.ताजादेषु.क्रें.क्रंच श.लुब.च.क्रेट.क्रेंश.वित.त.लुब.जा र्टात्मायायावादेते क्षां करायवा यादे स्वराद्याविय यरा हेर यावनायायाद्यां स्वा तर् । नाट तथा शंभ ह केर ज़ेश री राजा सभ मी में वे ह रहे. **ঀঽ'বঽ৾'ঀ৾৽ঀ৾ৢ।** नार'য়য়'ঀয়'ঀৢ৾৾ঀ'ঀ৾ঀ৾য়'য়৾৽ঀয়৽য়'য়ঢ়৾ঀৼ৾৾৽ঢ়৾৻! हैं दिर खें श वे ते हो ते हैं नर है नर हैं नर है नर हैं नर याने मान्य के मान्य वहूर्य प्रवेदाया रिये राय प्रविचा विकास विकास विकास मह्र्नियाम्बर्ग्ना वर्त्र कनाशान्द्रात्यायायायाम्बर्गे ह्रित् वशान्व याः भेषः मा दे दि दि नियाना अदा लेखा स्वार्था सा श्रुद्धा या भेषा दे दि र ब्राप्तियःसरः विद्यायः वनायः व र सेनासः सर्वे ।। दे स्वरः से विद्यारः से दः ग्रीः लेसः मिनाया स्वाकारा ताया दे तेर निमानु क्वाकारा वा स्वाकार निमाला दे र र्स्स-दरः ह्रस्य संस्थेद या ह्रस्य विदा। दे दस्य ह्री या यस है दे स्पर्य सामिद ॅब्रॅ **१६ पर ५ अर नर नर के सूना नरूम मैं** कुर स प्रेश के रे हेर कनास

मात्रा श्र्वाशामात्रभार वार्श्व ना वहाम मी में श्राप्ति दे लेश ह्वा लूट्य श्री नश्चर वस श्चर नर मुर्दे।। नावव वे नर्ना मेर् चर कर च म र्शेर च मक मह्रेरियर परे विराव क्रिरेटे श्रुर्य विशेष्ट्रिय श्रुष्य श्रुप्य क्रिया विषय यंर वुषायामा भेदायर पर्दे दिन्। वुषाय कुराय किराधिक वापट व द्रायर दिना यर्देव सेन्य प्रेव के । नित्र के बार स देश द स्व के लेख द के देखे पर्वार्टि क्रियाप्ते स्ट्रीय क्रिया ता र्श्वित प्राप्त का के प्राप्त के के प्राप्त के के प्राप्त के के प्राप्त के कि के कि के कि के कि के कि के कि यते मान्त केंप्र रूट केंद्र माटेक रा प्ये के हैं। दे हिर्दे में के के हिर्दे हमान्यसम्बद्धारम् हिन्तुसार्स्य । ्रिने वे सेन्यने विकास विकास विकास मारमीस भिर्वासहित्यायारे वासे प्रितायि पर्यास्ति । दे दसामी मुक्ति उन लिमानु पा के माहि मा ता सिन सहित्र सहिता के सामि की महत्र पर देन के महिता व्यापानातायार्थेरायारेखारेखारेखानुवि। देखेरायवेदार ह्या उदादा **५५ॅ२.१५**८.यज्ञाचाचाद्वचाची स्त्रियानु चित्राचाने त्याकेश्वायासहित्यायासेन्।यश विवाय स्मेरिया दे दिर प्रयोग च लार हेशा म महिर य पाहेर स्मेर से से मार विव.तर.वुर.त वचात्राव.दंशुर.वर्त् ।। ईचावक्र क्रुश्चाव.द्व क्यात्र वंश्व.व्य तर. मेर्र.त. खेश. मे. य. ये. श्रील. मेडिट. च र. लये. लये. हे. ल. हे यो. वहां का कर्या त.रेट.केंब.तम.स्रा। तारेब.कुर्.म मीच.त.कुब्ब् . खुन्न.चे.च.कु कर्त्र कर ज. स्वाम.राष्ट्र. लट.यर्वा.रट.भुर.भव्दरश.रा.लुक.ब्र. (ब्रेक.वे.क कुर्वरूर कवाकाज. श्चांस पर्यापर नर्मार्ट महत्याय प्येक के लेखान मन्द्र हैं ने संपर्या

म्यापाय क्षेत्रहे। पर्मास्य पर्मात्र वर्षा क्षेत्र वर्षा स्थापाय स्थाप यन्ता भ ते संभित् यते : श्रीर र ी व्यटम . ସଞ୍ଜିର ଅନ୍ୟ ନିଥା श्चिर् पर्दे हैं के हिं ते लिया ने के विद्या हिंदी पर ने नया के में दस हिंदा रे पर्दे ।। देन देन देन ने ने ने के के देन देन के लिया में ने देन हैं। किर्ने स्थेत हैं लिस मान व निम्मित लिनानित या ख्ना नहाय हैं साथ नि हान पर दे हैं। देशक्षिय द्रायान संभित्र हे लेस नु न वह व ।। वहना नी में ऑस्स सुर्दर व सेर् वर्ष्य वर्ष्य वर्ष्य सेर व र्षेर् द राय दे र व सेर व दे हैं र दे । न्वर में ते सेन्य वर्ष स्थित परे। ।देश हैन नु वे पहर नाम। ।रूर हैर है वे नार नेश पहुँचा । दे त्य क्वाश स्था रे नार त्यश । विश्व वर्ष केन्र स् चठर यदे स्था र्वट र्य मा र्श्वर पदी हिन हैर दे व वह न ला मिर तम प्रेम हिन मुन्यायी किनादे इसायर प्रमेण नाम के क्षेत्रिया च म पर्देने वेंद्र हीं परे हेर सूर्य पर हेर पर्देन हैं ने अर्जी। केंद्र श्चेर पर दे के केर के अर के खर व बर व से हैं। हे हैं के दे के केर कर कर में यदे य श्रीस यदे छैर र्या। विद्या श्रीत श्रीय यर हित यस रवंट य रवंट य र्षेत्रहो देन अस्ति वर्षे हैं वर्षे हैं वर्षे वर्षेत्रका के प्रकार सिरंगी पार असे में दे दे विश्व से वर वर्ग वर्ग के से भी हैं वर है ने दे विश्व विभवी। वर्त्र क्रम्भान्द व्रम व विश व्यव के कर्ति वह द व व्यव है। दे मिट यस वर्दे केन्स न्द्र म्या म प्रेक दिस मु न्य देव हैं। देव न वर्षिय मु य. १. प्रस. प्रस. में प्रस. त्र व्यास. त्र प्रम. प्रम. स. स्त. त. है। दे. रे. प्र. रे. प्रस्ट दश का मायालेशानु नवे दे र हो। दे हे दे गु द्वार लेगाय लेशानु न या स्मारा ष्ठे स.बे.म.चतर च.लार.ब्रा चरना मी केर हैं गार वहार ने व्यर्ग सहस्य नि.च.ब्र.चरना मीर निषा त लूर वर्गा। चरना मी.मी.क्रिंग तर मी. जूर शार्मिर ข้าริสาติราราสาคสะาคาราระาวจากาลาดักตัดสาลาสิราข้าริสาติราราสสราสาริ क्र-विक्री विकास सम्बद्धाः हे स्वयः नाववः सार्थान् विकास स्वर् वनुरावासामेदायालेसानु वादे नाटाम्प्रादा वात्या वाद्या वाद् मानसः पत्रे त्री। दे प्र्राप्ते सुर हुन्यर सेन्या सामा लेश नान देखा वान्त्रम् प्रते स्थात्म स्वतं रत्ते रता प्रति । **र्ना.ज.ल**ट. बुंश.चे. नरु. ट्रंड. हुं। श. त्रंड. ल. श्र्नी श.च. प्रश. श्रु. मी. श्रुंश.च. माट. व्यवनार्वेशनम्भेद्राचाके में सामाने विद्यान वि वाले क्युं मा वर्षे विश्व वर्षे वर्ष **बर.ग्रे.चेश.च.डे.चेज्ञा डंश.च.च.झॅश.ट्रा श.ट्र्ट्र**ट्रे प्रचंश.चे.श्रे. मिलिट.हू.। श्र्मकानाश्चरानश्चरानश्चरान्त्रेश्चरान्त्राच्या वर्षे र वर्षे न वर्षे न वर्षे वर्षे न वर्षे में न वर्षे में न वर्षे न **ଽୖୄ୴ଽ୕୶୵ଽ୳ଵୗ୶୳**ଽୄୄୖୠ୕୶ୠ୕୳ୠ୴୷୷୷ୡ୕୷ୢୄ୕୳ୖ୶ଽୄ୕ୢଡ଼୕୶୴ୖୣ୵ୢ୕ୢୄ୕୴୕ୢଌ୵୴୕୵୶ୄ୲ मुक्ष'गुट मूंव'नदे नादश श्रवश द अट प्रदे पर सेद पर पर प्रेर पर हिन

क्र-सार्मिय मी पर्मे या पर्म पर्म पर्मित स्थाप में विकास से पर्मित सा

देश व ना नव के माना या भेव व विशेष ने व व विशेष के निर्देश मार मिश्र कर मी हैर र ना बाद न र ना र ने र क ना मान र दे में में में भी भी हैं लिया है ने में में में म मिंह दु प्रत्र पर मिंदर हैं है से मुव प के दे । रहे में हैं के में देर्दर **८६्र.ब**षु.क्र्र्याचषु.भ्री.क्रेर.लूब.च.ट्र.कंर.ब.विच चर.वुट.त.पचीज.च.रश्चेतास. माठ्या.रे.रे.रे.रे.सेया.यक्त.सुव.बुल.ये.च.पा.स्यांश.य.व्.मीय.तट्. मध्यः श्चा पर्दे । दे : अतः नु : स्वा : स्वा सं । स्व : स्व स : से : **५२५ म**दे र्द्धर मदे मुं हेर प्येष माला नाय हे से पर्दर या र्द्धर मदे मुं प्येष के र् **बेसप्टेस**'यर'न्वडर'न'पर्देर'य'रेपे'ळें'ना५४'ळें'र'म'नुवाय'भेकरें' बेसप्यस्क मर त्र के हे प्रवाद लेवा की के अपदर्र धरे के र पर की की बेस-मु-व-देवे कें। स-देस-य-अक-दे-वन्न-वेन-में कें से वर्देद-यवे केंर. र् । भेरे हैर के नार करना नु कन्मा या यह मध्य लेख सु न या स्ट्रें यह हींर ट्रे.हेंच.चर्चल.मु.मैं.३८.लुश.चर.चुश.च.लट.बुश चे.च. नसःनष्ट्रः है। बु.नट्रे.चर्.मु.र्थ.चीटस.ग्रेश.र्बेच.चक्रज.मु.मैं.ट्रे.हेट.ल्ब.नर.चेश.रेश.लट... ह्ना। वरे.च.३.वर.वेर.वर मुं.वर.२.वर्वेर.१.७४.२.व.४.वरे.च.मुं.र यते क्विंड द द प्रत्या दे खार प्रत्या निवास मार्वेद

मञ्ज्ञानुन्यते लेखानु न दे नुनान्द यहस्य याया सन्मान्य याया सामान्य नुनान्द । महस्रामामाध्येदायवी। देवे हिरास्नि। तार्स्न्यसामादारा वरे वरे वर्षे वर्षा ह्येर. चुर. रे. विर. चर. १६४ . च च. च. स्व्यंश्वा स्वयंश विर. वर . १६४ . चे. चरे. **ज.सूर्यम.राप्र.सैंश.र्.ह्रेवश.र्टा.वि.ट्र्य.ज.स्यम.य.ववटाट्रा** सूर्याज. स्निमायान्दर्वे वर्षे वर्षे स्रम् मुद्दर् विक्रम् प्रमायक विक्रम् वर्षे **७४.मु.पर्.प.म्रु**व.घर.मुर.व.ल.श्र्याथ। ट्रे.लश.चालश्र.पट्र.पर्.स्वायर. - वेद.त.पवेंट.पवं.टट.१५७.१६५.तर.यटे.ज.होट.प.लूब.७४.वे.प इ.तम. कुर.र्बेचा.यक्त.स्वेंच चर.खेट.य टु.जश चुर.टे.चावर.चडु.टु.खे.वेर.चीर.त.ताट. दे भेदाना वदे व सुव धर हे पा अद दे भेदा साम विकास है । ् **नःश्चुनःमरः नुदायद्रो ् देः सम्भावनुदानदेः दरः दुः सम्मानः स्पर्दः यः देः सम्** श्चेर्यान्सार्सा रेपसानावर्यये पर्दे या हेरासेर्यरे खेरा लेस अपने नुमान्द्रः वरुषा पद्रे अथायशायक्री पद्रे पद्रे मु माल्दा सेन् पद्रे खेर री लेश मु पद्रे । र्देश हो। कि. चर्मा मार्च त्र विषय मार्च मार्च विषय मार्च मार्य मते खेरमा लर्मा मा कर्षा है है दूर र्द्र नुमार्कर मदी छेर देश पर्दर महिते

ब्रें - व्राप्त श्रुर् वार्य न वर्ष पर दे दे दे वर्ष कर दे दे वर्ष पर वर्ष न वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष मेर्पर नेर्पर मेर्पर येरे छैर ल्या न पर दे स्र न्या मारी सुना नक्ष्या यास्निसान दना नी व्यर्ग हता मी हैन नदना नी रहा नी ही विदे वास १ अस्य स दे प्रस द द व से द स है द द प्रमा है। र द में द द मिस से हे दे मत्रे क्षेर दर। हर् व्यावक क्षेर मेर पत्रे क्षेर ही। हर् व्यावक क्षेर बै न्यन्त केन से न्या प केन न प्राप्त केन से लेख न पर न विद्या सी। क्या साम न्न । गुरु: में 'हें व' वे' वं न' च' च द वे सर् प्येद वें। अस्य शु: सिं वाद्राः क्ष्युर्द्राः। व्यवः ५वः द्वारा तेषः चुः वाके विकास्तरे विकास्तरे वा असमा खु ख्रीं पा पा वा क्षर पर प्या के कि के कि के कि कि कि कि कि यर द्वान दशायर श्वर र्या 🐉 रे हेर दे हम अध्य शुः ह्वार प्रश्य उर ही हेर ह्वार द्रराद्राविके सेन्यायसाने दे विदानी कुषा स्वासायसा लेखा नु विदे दिन हैं। रदःविते भी नाइन केंद्र लेखान न ने नद्या मेद य हैन ने हम भं शु हिंद म न शहर **८८.लूब.२४.३४.३४.३८.कू.व. त.३५.कु.प्रे.५५.५५.३४.२८.हूश.से.**४५ याचन केर प्रेन प्रेन प्रेन हो हो हो हि हि स्वर ने देन हो प्रेन हि स्वर ने हि चरावै प्पर पा हिरापीर है। दे लिया पर दे हो अससा सु हिराय होरा पर होरा यते द्व मी न न तरे के शक्ष भव क्या र न न न मह मिन म भी र व है हर क रदायिक्र सेर्पर से प्रमुर किरा १ १ अस्य शुः श्रंद य द्रा श्रंद द्रा स्रा श्रंद प्रमा

न्तरवस्तरं उद् की हेन स्मिन या उन पु निर्देश या समस्र उद सेद यह पर्देश यह । विवासक्तिन्ते देः लटा स्रेटास दे ख्रियास हे दे सास निवास मिर् ब्राट.**बुंचा.बाट.लूर्.४.लाट.भु.उचीर.व**.७४.चे.च.च.म्.शूर.चषु.शुँर.च.ल.बाट.लूर्.. ୕୶**ୖଈଂନ୍**ଶୃ**ଽ୕୕**୷ୖ**ଵ୕୕୶୕ୠ୕୕୵୕୵୕୵ୖ**୴ୖ୶୶୶ୖୠୣ**୵୕**୳ଽ୕ୢ୶୕ୣ୕୶୕୷ୖଡ଼ୣ୵୕ୡ୕ୡୄ୷ୠ୕୕୷ୖ୵ୄୠ୕ୣ୵୕୳ଽ मझ नर नुर्देश दे दुः स भी दे व हर व नव का मदे का मदि स मह न व सु नु प्र न हु नु पर नमामिक्ति। देख्र क्रेदेवे मुंग्रह्म उद्गिष्ट व्याविका प्राप्त विकार **लट.य.विस्तरार् विश्वायात्रार्य्यकाताः व्याप्तरायाः विद्यायाः विद्य 'इर'हर'द'म्बरस'यरे'स'चेद'मुे'मु'सर्कद'उद'रु'**छ'म्'स'दमुर'न'हेर'प्येद'हे। ने के अद हिना मानिक त्यारना शिका महे ही चारक हिर भेरा सह हिर हैं।। कुरे **चै.**३८.लुर.चर.कु.चर.चरचश्च.वश्च.द.ज.चेंर.व.केंट.टे.वेश.च.लुर.त.टु. **द्धर-द-**क्किंद-स-स-स-स्पेद-वि । देने कुःसक्त-द-द-हेद-स-दे-स्दि-द-स्द-स-विवासाम्बेदामार्ने निरायनामा सरामेर्ने भेरामेदास हे हरादाविवासर हेर् यादमात्रायान् केनास पर्दे ॥ दे अदार्स्ने वासेना केना से व **लेसा** छ म.बु.नर्न.रे.क्बाब.तर्.॥ र.जब.क्षेचा.नर्.च्यं स.वेट्र.विर.तर.चीत. पृष्टिची.च.८.जश्र.क्षेची.चठ.जर्चश.चै.इ.चि.चर.चीव.च.श्रुर.चठु.क्षेट्र.स् सर्दे सुम:मु: तहन प:३९ पर्झेमस प:य:र्सन्स:यदे त्र्स:यु:७६ दिस: चित्रहेर्न्नि । रेप्पर्नम्पटलिय विराधार्मियायायार्थ रहे ही वेर ्र मोथ**मः श्रे**चशः वशा स्वान्यक्षयः भट्दे श्रिशः ने . चेश चः लूरे व . लटः ४ रूरे . क्ष्रः ्रदान्यायाम् मे त्रुदाया वे वि । देश्यर अदावे लेम नाम वे विदेश क्षाम रदान्य च.भ.लुर.तपु.चेरस.सेवस.रेत्।। इ.ज.तर्ट्.क्येश.रेट.चेज.च.स्व.लवु. मी. इ.इ.ज.क्षेत्राचाकुर. त.हेर. लाइ.जा इ.रेट प्यांताचाकुक्ष्याचारहः क्षय त. त्रुव. त्रा इ.क्र. व.क्. प्रचात्र. च. रश्चाश्चर वर्षा चार्य क्रून श. म देश यत्म लेख नु न ते पर्व पु कर पर्द श्वर प म भी द अर्थ । नर् खुमाना नर्द् कामान्द्र न्या न न्या मान्या निष्यु । के हे सादेश यद्र.श्चर् नश्रवा वर वे.यद्र.श्चर.श्चर.श. श्वर्टा या र्ल्यूर्य प्रत्या प्रता वर्षा दिल्ला मते विराम् नाम् रामराप्रायक्षायते नार्त्रक्र विराम महेताया भी रामरे वार् र म मुन य हिर भेर दे लेस हूस है। वर यह नार्य नार्य भन्य र दर चर है **नरे.र्ट्स.त्.प.**स्स्रें.टे.स.सह्-.न.केरं.स.चीव.तप.स्रें.र.र्.। तीज.चालय.ज. पर्वेद.च.वर.म्री.पर्ट्रे.क्यास.म्री.क्षेत्रा.भ.व.बुरा.च च.बु.चेर.भूर.चोटाजा.पर्ट्रे.क्रेरे. **रट.भ.र्यम**्य म्रायाय वैट.भ.र्ये व्या विट.भ्रेर.ट्राय लटाख्या.रे.चाब्रु. नाद्याः समान्याः विना नी वर्षेत्रः कन्यान्यः समान्ये॥ दे हिर्दे दे कराय होता वर्षा वर वर्षा स्मिश्रायात्रवृद्याय रे द्वार्ट्य अक्षार् रे रे स्मित्राया लेश वाया वे वर्षा पुरक्राय त्य: र्राम्य प्यायः प्रवृत्ता वर्षे पारक्षेत्र कर् त्ये । र्स्तु र प्रवृत्त क्षेत्र प्रवृत्त हिंदे र ते हिंदे र क्षेत्र प्रवृत्त हिंदे र क्षेत्र हिंदे र क्षेत्र प्रवृत्त हिंदे र क्षेत्र हिंदे हिंदे र क्षेत्र हिंदे र क्षेत्र हिंदे र क्षेत्र हिंदे हिंदे र क्ष र्मन्यत्रम्यान्त्रम् क्रिन्यत्रम् । क्रम्यायान्ते वे यन्त व्यत्रायार्थे । दे.चस.४.३.तर.७.च.ल.५ ८.मैं.ल.चेर्ट्र. ८४.१८.सम.विव. च स्पूर्णा दे पदे पा से द पा दे हिर व विव पर हे दे पा से दसे नहा पर्या य स्मद्र देन्। संस्थित क्रिं। खेश.च.च.चे.चर्चा. मेर **क्या**श.च दे मु

मीराङ्गासार्की ुद्धानार्देर्**यर होराय हेर**ार्स्सुरासबदाय प्येत यादे स्वरास। यर्गा य नद्राक्ष वन् वन्त्र नाहतः केंनास सम्मूय पर द्रान्य पानार प्रदेश सम्मूय पर व माध्येव विवास प्रति विवास प्रति विवास प्रति विवास प्रति विवास विवा वे बेबानुःवादेगादानो कें **धूरायद्या**मी १५ व्यद्धादाः यद्धाः याया स्वाधादारा त्नुराते। ते सम्बद्धाः स्त्रान् के स्वत्वाः कुष्टा स्वत्वाः के स्त्रान् के सम्बद्धाः स्वत्वाः स्वत्वाः स्वत्वा च नदे द्वार । दे दे नि न द ने के नद्वा ने दे अट ले अ च या का की न्या प्र तकर्थर वेदर्शा देश व्यक्त निर्मा करें वास्त्र निर्मा करें वास्त्र निर्मा स्थापन नु:बेद'गुद:क्विंद'सेद'पर'सर्वेद'त्रश विच'य'लेद'य'दे'द्दादवायाच'अट क्विंद'..... मर्वेदायाकृत् भेव यादे स्वरावा क्ष्यूरायामाकृषायबायवा विवासर वेदायायमा न'नुसन्स'न'भी दे व दे 'क्र है 'नुस् है 'नुस् से दे 'गु 'नद्न में र कन्स 'नदे 'हेस' मु'न'स'र्सेन्स'न्स'न्त्र'ति वसम'न रेन्स्स'न'न्सु न'ओर्स्स्। नात्र करः **मानुवादा**र्भेद बॅलिक् विवादा व वे द्वादा सार्थे व्याप्त या साम्यादा है । मदनानो ह्या व्याप्त वर्ष या हिलामान वेता सरा होता चार प्राप्त प्राप्त वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष ळॅन्साक्षाय १९१८ रे सामुरायाधी रहे। इस गावस्थाय से साथ १ वर्गमी से **त्रान**्ति स्वर १ र स्वेश्वर्षे**ष्ट्रेश मन्त्रास वर्गा महिल्ला महिल्ला स** माराहराक्षेत्र व अर्जानात ग्रेशास्त्र नशासाध्याध्य स्थित । अर्थित सः ब्रैं क्ये अ ल्येये तारे हीर विषाय ताये चे नाट माल्ये प्रति सब्हा नदे के ल्ये वा वे या वि.च.वु.चवि.श्रट.स्.चर्रा। बट.बुबा.चा.चाट.चा की.ज.चार्र्य.तर.विर.त.श.लुब. यन्ते के दे त्यक्ष दे हैं तर ले ताक प्येत्र है। द्येर क तर मृत्ती कर में निले त्य मार्रेट्. व. मुट्टे. य. भ. ले र. त. भटर . ब्रेट. त श्रुप. ल. हुं भ य. ज. श्रुपंश. व. वर्. . पेर्. मी बर्-रच-नुः ले-य-स-सेब-य-स्वादाः <u>र्</u>चन-यह्म स-य-स्वादाः व्याद्याः श्चिश्राचरे खुयायक वार्ष वरे कुं वर्षामी हैं या गर्वेर या हेर वास करे हें लेखा सम्बादायाधारमध्येदाद्वांलेशानु ना दे वहा ख्रान्ताना में में प्रदे १५५ **भ**र्ते: नदे क्वां हर सा क्षेत्र की हर्ने किट नदे न कि स्था हे सा ह्ना नह्य हैं सपान्दर्य व देर्पायास भेदाय दे हाद सम्मुवाय भारत सामेद्र है। अक्रूच, मिट. टु. भूष. ज. चिष्य. लट. लुय. त. खुरा. चे. च. वे विट. चर. छी. चर्चे चर विट... यर द्रायम् सायदे द्वेर भेरायरे द्वेर अर्डन सर्वा भेरावी। वेना व्हारे भेरा भेरायदे द्येर'म्बर'प्येर'हे। हेन'र्ज्र हिर'यर'र्नु'द्यन्य य'र्ज्र'नु'न्हेर'यदे कुर लेख मु न न दे दे दे हो। दे हिर दे नार में हिर लेख मु न स से नाय प्रस तकर यर वेर र्रा। **ढेना डेस'नु'न'**ल'सॅन्**स'म**ं र्झूस'र्से। १चेर'५'झस'नुेन हे स्नर'र्'न्यपर'स्ते. **इश.त.७ंश.चे.प.४.तर्वा.तश.च.लट.ता.श्र्याकातात्व रे.र.तपु.चें पु.मेंश्रेभर्या.** हेस शु दर्ने व व हर हो। अद य रह स केर हे लेस ह व रहे हन हु हन ৽ কিন্তু কিন্ত

इटा<u>च्रभावते स्थित से प्रता</u> वर्ष के रायरे खेरायी स्थित से स्वरे वर्ष का स्वरे का स्वरे का स्वरे का स्वरे का स्वर क्षे.चर.पर्वीर.च.४.ल्.स.स.ट्र.च.प.चर्झ्स.४४.क्षे.चर.पर्वीर ख्टा। ल्ट्स.स. र्श्वेद यते द्वारा उद अद ले इद जिद वा अद या अद दें दे वह वा दें लेश **नम्रदान्ते भुरा द्येरादाव्य गराया नाइसावहराय रे लेखा नाया स्विधा** नःश्चिंभः ने दे के दे की खेरा वि स्था **क्षे** 'वर्देर 'दें। दे'न्ना में खुद में 'हिन पर मिट त्या अट न्या पर का पार के रद्याने विद्यापर्दे पारे त्या प्राप्ता प्राप्ता त्या वित्या प्राप्ता विद्या त्या प्राप्ता विद्या प्राप्ता विद्य **रोमस'ग्रे पहुन्'य'**प्पेन्द्र'य'म्ब्रिं प्येत् ग्रे। प्रेन् में यदे यामा प्रेन **बेस.इ.रच.मुश्र.मश्र.चरश.च.त्र.च्या** श्चे.च.रटा श्च.च.श्चर.चत्र. मक्ष केर कर कर कर प्रेर प्रेर प्रेर में लेख वा व वे पर्दे के यह दर व्याप व मले **इट.रट.हुंग.श.क्याम.त.म्रंट.तपुंर.रट.यक्षेर.क्ये.रेट.क्षेर तपुंर.र.व्हेश.ये...** पते दें दें। नाम हे ते व दे नका व वि श्रा दा व व दाका यर व्यव र भेद म्रोपदे पाक्षेत्र प्यत् यादे प्रकाता स्रोप्ति प्रकार प्रका न्न १९८१ न १९८१ न १९८१ मा १९४१ मा १९४१ मा १९४१ मा १९४१ मा १९४१ मा न्ना भेर वुदायते वुर लेखा वु याया र्काषा वा यध्याया रे के ब्रूट विषर भेर लेखा वर्ष्ट्रमास्त्र पर्याणीयायी से वरे वरे वरे वरे वर्षा **र्ने न**्ने क्र हीर पर नेर पर केर कर पर खेर लेश न नहीं दे सहा कर द्भारतमारेकायर देवे पाने के प्रत्ये पर्से पाने के प्रत्ये पाने के प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये मोट.ची.क्ट्र.लट.ट्र.पटिची.चट्र.चैं.चेट.पेचील.चट्र.मुेंब.खेश.चे.च.च.क्र्येश.च.न.जो

. इ. गाम प्रमान्ते पहना प्रते कु नाट प्रमास दे दिन बनायान वदे वर्षे कु है है जिसा लेश व वरे दें हो। द वरना ने दूर्य वे लेश व के वर्ष में बढ़ हैं है। क्ष्यां होर त प्रकालेका मु न के नाले अधुक पर के निर्देश कर निर्वेश कर निर्देश कर निर्देश कर निर्देश कर निर्देश कर निर्देश **्र**प्तर् चर लेश मु च ताय द चर्ते स्व के सर्द्ध्य पर्ते क्या मु स्व के के के दे क्षे क्षेत्र हर दर दर हो है उन्नादर वहा व लेख सुव क्षेत्र की कि हो है दे हैं दे हैं ल.भैंश.चे.चोडुवे.शुभथ.रर.त.६४.मी.७ंश.चे.च.ल.श्रूरे.तश.चश्रा.वर.चेर.ट्री ने नवेशन् उत्तर्भातः हेतु नवा वा प्रेत्ने विश्व न न ने वे विश्व मान्य सर्व पर क्रम्बादासाभित्रक्षित्वाचा न देख्याचा हिल्दा क्षेत्राचा नेदास स्था **श्वाळवश्वानान्**राव्यां नासेनायाने खुरावनाना केतु होता स्माना वासा MC. ट्र. बुंब. चे. प्यू. ट्रंब. २०११ - व्याय. हे. क्यां पर्वास मात्रा हुंब. प्यायः विकास विकास हो वाया विकास विकास हो वाया है। क्यां प्राया विकास हो व्याय विकास हो व्याय हो विकास हो स्मिश्रामा परे हरामालुदायरेश हैं प्रेर सर्वेदाय स्थायहना पर पर्टे. कुट. लट. लूब २४. भ. भक्ट. चश. हिंद. च. चहुरे. चश. व। रट. हेर हिंचा. वर्षाः स्थानमा तर्राचा स्राचित्रा वर्षा वरा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्ष तर विष्युत्र हो सथ न्दा से सथ तस दुव धर्ते । हे न्दा प्रदेश साम सथ बु.र्बे.ब.चर्ना.बु.३मश.शे.शूट.चरु.उचीर.चर्नु.ले.म.जू। ह्या.चर.ए.वीर.स्. बिश्राम् महिन् श्रुमानु ने प्रदेश हो। दरे विश्राम न के पर्ना भारत था है। परना न्नामा स्वाप्त के निष्य विकास के निष्य कृत्र भेत्र भेत्र हो। व्यक्त हार् हे त्यूदायायाया स्वास हार होत्र नुष्यूदा त.लेब्रेब्र्रा

र्रालेशन्त्राचायायम् स्वराहर्त्राभेर्त्राणे मार्यान्ये मिर्परामेशन्यस्य र्द्ध सम्बद्ध स्वरं तु स्वरं के से से से से सिक्त से स्वरं से प्याप्त के ले के हिन्दू र के दे सुर के सिक्त र के कु वद्वासे मेर्प केर् सर्वेद स द्वाप वर से द्वाप स्यास स्वास पार अप कि माध्येव द्या वितर त्यरमा ह्येर नर्या में महव हैर छव ही वे खेश वित वे वित 55'लिटस'र्श्वेर'णे हेब'ध्येब'चस'रे नु'च'र्ना सेंटस'र्श्वेर'र्छे हो रना'मेश वयर री। **9.न.र्ट.ल्ट्स.श्रेर्.क्र.नर्न.क्रेर.वर्र.क्र.**च्य.च्य.ट्र.च्य. ट्र.ट्र.च्याय.च. ME.चै.च.रट.ज्र्ट्स.श्चेर्. रट.चेल.च.३हे. लुब.च.टु.केर.ब. र.चेलुब.पचाता.च. र्भ्यम्बरम्प्रा अदः ब लेश नु न व व क्विं न न न के साम है। पर र प्रस विश्व.तपु.ववश.वे.स्ट्रा.भु ह्यूर्.त.बुश.वहूर्.ग्री रूट गुश.वेश.वर्.बुश. च.च.भ.कुथ.त.टु.केर.व.विट.तर.वु.टु.लूट ट्रा टु.लट.चेश.तर.चकेर.चुय. र्रे विश्व न न ने लेख न स्ट्रास्टर हर सामा प्येत यर है। सान्दर हरे हैंस. ल्य मी. ख्रा.च.च.च.च. ख्रा.च. क्रि.च.च. क्रि.च.च. क्रि.च.च. म्बन्यायायायाया हिता वात के से हैं या स्वीका वर्षा वात है। वर्षः सर्व १७८ स्त्रेत्र यारे वे रेते । से र्या मी से याया यहार मुद्दा स षेक्षी देखेरवेखं यस्मिष्य दी वर्ष हैर राविष्य हैर वेखेर वि.च.ज.सूर्यकाता श्रुंबास्त्रा। भूचा.ज. सूर्यक च.जि.चटालूट वे. मि.मकुट्टे. वृत्तान्त्र । त्रवृत्त्रात्रवृत् व अस नुर २ १ र र से स अस वृत्र व र न न ने के है देवास दे दर हा व रहे वा त वुर वर्षे । विवास के सादर है स्वर वुर व वै क्ता. प्रेश.रट. हे हे. प्रश्च. विटा । हो र रट. हा। हे र ना र ट म हेट म हेट म

इन्द्राचन्ने स्थान देवे निवदानी शर्से ॥ दे हिन्दे हे स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स - इ. बुश.च.च.च.च. इस्म चर्म चर्म इ.इ.इ.स्म.च्र.५८.। ।ह्रेर.स.मीच.वस. ८ कृट. चर्र. मी विष्यु. भी. च. लेश. चे.च ल. स्वीश. चश्र. स्था देवे हुर. दे.चड्द.श्चे.भु.चजुरा विह्र्र.चर.श्चे चर.भु.चजुर.र्रा विवद्भः वना पते से सका दे नार्डेद पका वा दे प्रवर् पते के मधा पते सक्षेत्र हेद रहत มู.พฆ.ลี.ฆ.ลี.ฆ.ฆะุช. กะ.ชไฆ.วิฆ.ก.พฆะผู่พ.วิ.บ.ชู.ผิป.กะ.ฉุป.ภู... ्रुस मन्द्र स्व स्वे अद् रेना स से स से स से व स से व स्व लेश न स्वे दें हैं।। ेरे हेर है है अ लेश नु नश नकर पर नेर हैं।। व सदे लेश नु न है रहस . **७५ ग्रे.से.** १। वुरू याचे मे प्रेन या से राया ठवाहे। नार **ने स** वना नुः क्षेत्रायदे ॥ वित्रम्यायम् हेव प्यवाहे लेखान् न वे न ने न्या वे लेब व्या हेर्नाश्च पर नद सह वे पर पर देर पर वि नवस्य ही ही व व ही न दर ही र न **ଵୖ୶.ସ.୰ୢଌୖ୵ୢୖ୵୷୶.୯.୵୵.୶**ୢ୕ୡ୵୳ଽ୵ଵୖୄୖଽ୵୰ୢଌ୵୷ୡ୶ୄଌୢ୕ଌୢ୶୰୵ୣ୷୷୶ୡୄୢୣଌୣ୷୷ यर बेर पर्वे 'लेख अपने र्वे र्वे र्वे। र्वे पर्ट से र्वे हैं प्रे वे लेख व व **८६म' मर्थ मही १ मर्द १ ५ १ हे स** सु न है न है स न न न न में भेर की न न न न द्वेत्राक्षासामुदायाप्रकार्ते 'वेकानु'न' के क्षेत्रानु'न्वरान्दरा**स्कारा**का अराक्षेत्रान्दे कुः क्टान स्पूर्त मा स्पूर विश्व मुन परि देश नाम प्रमुख मुन परि मुन परि के नाम पर इत्यान रुद लेख न न दे नाद या वहका न दि हो दाव हैं नाम या दह इत्यान स्पर्

त.बुश.ष्ट्र्चश.धंश.तर हिर.ट्रा श्रिश.वे.र्घर.रेघट सेर.च.त्रेश.चे.च.वु.श्रेश. च देवर.वश्चर.व.कुश.चे.वर्॥ तील बेधरे.जश.भट्ट्रावर.वर्ट्रावर.खेश. वु'न'य स्रेंह प्रश्च वद्वस्य पर वेद्देश पद्वामी स्रेंद रद्वा स्रेंह पदि विद यर'भ'लेश'मु'न'के'न्न्ना'नी'र्भेद'5र्राभ अर्वेद्र'न्देन्त्री। र्शेट्र'म् दे'त्र्यस'मु' रट नेर पर केंग्र पर रद पर्वेर मार भेर पर 187 पर ता है। रवट वसुर मीरा लट. मुटे. त. मुटे. तथा त. मा. पहुंस त. दे. ता. पहुंस , देश , द माटेसाचार्भेदार्दे लेखादालेखानु वादी स्थेमशायानी हेखाद्वा सहास्त्रा सही स्थापित **ह्या स्त्रिन स्वराहे स्नर्नु न्यर पर्दे स्वर्कन हेन् ने र्यर्ग्य स्वरान्त्र बेदःयदे:बुदःबेधःवःयःश्रव्यादःयः।** नायःदेःस्टःवज्ञेदःयःनाद्देःयः **बेन्'य'३न्'**ब'यर्बे्ब'व्य'र्ब्स'र्बेन्'यथ र्वेन्'य'य र्वेन्'य'र्वेन्'यर'र्वेन्'यर'र्वेन्'के " द्वद वश्चर वरे हॉ न्वद प्येश पारे हिर की नाबुद नेश वेर या इस व के रूट विश त्यान्वर्देन्यामेन्यते हिराह्ये ने त्यस श्रेमस है। द्वार नीस हिन्य वास्त्रास याः प्रमुच,म.ज.श्र्याश.नर भू,प्रचीर.र् ७ था.चे.च.व वर्षेश.तंपूर्ट्य.क्रुव.श्रा हि पू ष्ठर्भर रदाहे द्वर पहनाय वहेग र हेर परे कु र परे क लेखा छ व हो ते ष्ठर सर वर्षेत्र संदर्भ स द्रा उँ अर वहना स वले १ दु छेत् सरी कुन गर्भेत यालेशानुपाने हिंशान्ने पर्ते। हेरायात्रेवराये हिं यालेशान्य हैरा यात्र वेद मा अटा दे 'श्रेद अ क्रि. अटा अहे के वेद के विदाय में किर पर की टक्के नहीं। ટું.શ.જેશલા.મુંશ છેં.શજ્સશ.શેંટ્ર.નન વેટે. કુદ.નકુટે.નન.વેટે.કુશ.વે નન.કૈંદ.ની

र्वटावश्चर व है स इसराया लेखानु व या स्वाधाय के माल र मी व्यवहार पश्चर न देश में में मारा भावार् र पा हिद्दारा मारी र वे हिंश व व व व पा पा मारी में मन्दरमायन्त्र विवानो के विवानु नाया विवास ने वे नुवास के से विवास के विवास मुद्दाना मानेदार्च वे स्वाध पदमासेदाया **छै मेरे छर यर लेश छ न ने यह प्रेट स्ट्रिंग हुँ स्ट्रा में उस से मेरे हैं हिर यर प्रेट से** ने केन अक मार्स अर अर विश्व वि **रम्भे छेर नुसर्**ण हु। ।वर्ण केर र्व के वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष के स्वेर नु नर्म केन महित्साय फेन कें लेक मु मारे रेन हो। रे केन के र मारा मह्य.तर. पर्ट. व.रेट हुंश.व.च.ल. श्चीश.व.श्चीश.हे। भट्र. तर पर्ट्र. म'द्रामद्र्वापर वर्द्द्रायाम प्रेकाया के मीं देसका यहेका दु प्रदूषा मु हिराधाद्रा वर्**र, तर्र, नुस्य प्रमाय स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य**

लेक.च.च.च.च.व.व.च.इ.से.स.च.च.च.इ.स्थ्रमश्र.श.चेर.व.च.इ.ट्रा स्थ्रम. चेत्रे.पर्ट्र.त.हेर.लश.खंश.चे.च.बु. होश.चेत्रे.होर.तश.श्र्रा रट.चडेर. म्द्राधेदायादे त्याना द्राहेम्था मानुवाय द्राह्म त्याया सूचाया सामित्र दे। लीया. लूट्स, श्रूर, ता. थु. श्रु अस.च. २४. खूं। रूट. चलु १. ४ ची म.च. र भू ची स.च. **ব্যান্ত্রাব্রান্তরারা বর্ষা প্রবাহর বর্ষা শ্রাহর স্থার বর্ষা শর্কার করা এটা বর্ষা প্রবাহর পর প্রবাহর প্রবাহর প্রবাহর প্রবাহর প্রবাহর প্রবাহর প্রবাহর প্রবাহর** र्हें भूते स्थार के देव के दिल त्राया स्थाप के त्राया स्थाप स्थाप के त्राया स्था स्थाप स्था स्थाप स्था स्थाप स्याप स्थाप **में अस्य स्थार्स्य मिल्यामी प्रामाण्य में अप्रामाण्य में अप्राम्य में अप्राम में अप्राम्य में अप** यद्वासिन्द्र्र्र्पसादे विवासाम्बर्द्र्र् । स्वास्त्राम् विवासाम्बर्द्रः । स्वास्त्राम् विवासिन्द्रः क्षेर दें। रेश तमार पर देश या भेर क्षेर दें लेश वा व के देश या से रहा . न्यः क्ष्मि न्यामि व विष्या भे प्रदेश हैं लेश न वर्ष हैं। स्री मा प्रमाण अभवासी श्रुट्-पाया श्र्वांशा प्रशादे प्रकर्ता प्रशास होता होता भागा अभवासी श्रुट् प्रथा 54.य.परीट. बुंब.ये.य.पर्शा. सेंट. कुंब. भार हेंटे. लेंग.य. केंटे. ला में ये. वाक्ता. करहें... त्युर मु मूर्य वर्ष भारते स भीत कें। विद्यान स्वत्य भारत कें। नाय हे हो राया में मा द्यटा ढवा व्यद्राया सामा व्यव्या व्यव्या व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यापत व्यव्यापत व्यव र्वे क्रिक् प्रेक्ष व्यद्भाव के प्रमानिक के कि क्षेत्र विका देवे क्रिक्ष च.चन्यं अंध्याचा मुं चर्याश्वाता अंशाची च.चं देश च. भेश श. श्री. मूट चट्र देह्स म् ८ देशानर हिर तस्ति नात्रात्र देश तह तत्र हेराय हिर पार् हेर

नु में निर्वासामान्द्राख्या हे निसामाने हार वर् हेराओ मदे से में निमासामा हेर ष्येद पादे नमाद दिसाय दे मुद्राधिक दे लिया न पदि देव देश मुद्राहिया था लिया नु'न'के' खेक' के व्यान ने क्या पारक मी हीं भर्गा हराय दर या पर प्राप्त मान केरा है **लेश चे.च.बु.सू.पर्**चेश.चर.चेर.नपु.सूंश.क्ष.तर.चालग.च.बु.वु.दु.रुगश.नर... मर्द्रिश द्वा हेश शुर्पाय वाद्याप्याय ते सुरार्थ हो सर द्वार य निरुष् त्यापाय प्रति हे हे र प्रति हे हे ये प्रति है । यह दें हे प्रविधार दे ही यदना सेदाय १ दि । यदे । सेदार मिल दे देना दु । यद मिल दे देना दु । यद । १९८८ में अन्य के अन्य के अपने का श्री का स्था का के अपने के कि का के नु'न दे'न्न ना मेर्'य केर् मु त्यम ना केद ये दे खें नहा केर विद पर रे सर दे सूना नष्ट्रया में मुद्दे नाहेद में दे खेंनास हिर प्रेंद प्रेंद विस मान मान **बेद् प्रदे त्यम केद्र द्री।** दे प्यट स देवा य वस दुर व दश तर् विरंतर क्षेत्रं सेट के अ वि व के सिट ने के पहिन के से महास के के प **७९ : प्रेंब य देवे : क्रें स** देवा या अस युदा दर्शी वादा वी : क्रें व्यवा यदे : वे**स** या हमा भेद:प:देदे: के स:देन:परे: हिर:यर: प्येद की क्स प:माहे:मा:हर: पट वर्ना: मेर्या हैर मर्बेर वादे होर्या राय माया प्रश्ति लेखा मुप्तर हुर हो। यर्या मे द'य हैद'मर्घर व दे प्रदाय हैना है द। मारे मारा दा विमान दे हैं मानुदासर्वेदावाद्यात्राच्या द्रियां स्थाना हुवा है। स्या सदी स्थान धेद दें लेख नु म दे स मेन मदि दसे नह म मदे दस में पह हैं भदे दस मिन हों। दे

त्रसः द्वेदः हे : त्रेन्: प्रदे : क्वें दश : त्रेन् : क्वें दश : त्रेन् : क्वें दः यहे : दशेन् श मते द्रमाना हो १ के लिना या के दान हा सम्मान हो निर्मा में होना सारेना या कृद<u>्रणे क्रमः स</u>्वे**न्सः रेन** य**्देशः ग्र**म् (वेशः नुः स्वः स्वाधः सः व्यवः स्वाधः सः विदः स्वाधः स हीं ची.चर्निता.ता.बुंदा.ची.च.दू.सँची.चर्निजा.ची.चट्चे.च.ता.च.चे.च.चुंदा.ची.चट्चे.संस.... मर तहेंद्र सर होद सत्। प्रें के के के के के ना पाय स्था स्वा सर ही प्रवास द्वा यंवर याधिक के लिखानु याके माना के की हना या लखा महिना या केरा भेका यह ही र्ह्स भूमे हमा यायम यहिंवा यस हमा या हुंसाय हैन सामाया यह सर्सा यहरा **पर दिस मान्य के ते सा के दे हो र पहें या में साम में साम में मान में में** यस हमा स लेस नहें न सर नु न ता के निकाय हैं र है र दे हैं र पर ने र है **घर हिना पु. मार्थ प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप** यात्मार्सन् साथरा नाइसायते पटा दुव ठइ नुसाम् वह नुमा दसाय ठइ माटा है द न ने वस्त्र उद्देश प्रदेश हैं ने प्रदेश पर प्र केन्द्रे सं ध्येत के लेश ने प्रमुद्र पर प्रमुद्र के ।। सर् सर् सहन प्रमान में ह्ये.ज.चर्ये.च.झॅश्च.चश्चरवे.व.लुवे.ब्री डे.केंट.वे.डुं.केंट.वेंश.च.चेंडुंश्च.वे. मा अदायहत् या लेखा यहूर्या दे 'ह्या या त्या अदा केत वि । दे 'यह के मा स्रामाध्येष् पराङ्क्षायानाराध्येष् यारे त्वाणुटाक्ष्यायराङ्क्षा वर्षेत्रव्यवहन या कुर अब ब्रा ः रे रदा लेख मुन्य के मा या दर यह सामा सामा विस चि.च.ज. सूर्यास, च.ज.र्सेचे वर्षेज.ची.१ स.च.जश कि १. व.जूचे चस. चट्रे वपु. १ स... न्त्।। , भ्रमान्यत्वक्रान् ३८ भी र्मिमानह्म त्राप्ते ३। ३. यर प्रयं न्त्रे सिर् स् र हिन प्रमान कर हैं विश्व पर के निवर के र निवर के र निवर के र

ব্ৰহ'ব্ৰশ্বর'হুবা,বহুল,জুব,সু ভ্রান্ত্রারার,বার্মার ममान्द्रे प्रमाद्रे पर्धिया प्रमात्र माना प्रमाय माना मिन्ने प्रमाय मु.रवः जम होरे १ ज्या त. व. वरं वरं १ वरं १ थ व. लुबे थे। श्यामा सुस् विश्वास्त्राम् । दे नवित्र द्वामा मान्यामा महेन म.लुबे.च रेट.। ची.बुक्.च.च.लुबे.च.रेट.। टुक्.चर.पचैंट.च.म.लुबे. यदे देशः तर ह्ये (पर्माय पर्मा) विषय ही विषय संजीत पर्मा के सम्बद्धः **यामाणेदायाद्रा ज्ञू**यायामाणेदायाद्रा हेमायमाद्रीद्र यामाणेद्राः मत्रीक्षायर क्षित्र द्वाकायत्। दे अका बुदावाद्द देवे रदाविकाकर क्षे देश मु न दे हैं। व वार्ष रद वह दे दे दे हैं। दश दे लिट्स शु शे दे हे स नु न र के न न न स र में न द न स न स् र द र र र र य:वर-मु.शुर.त.कुर.तका म.चर. च हो र न.ला म.ख् । ह्यू चरेना स चतु.ले म. **या प्रह्मा धर्षे : ब्रोट पादे : यादे : यादे : व्याधा :** त्रत्रं देश त.करे. मु. तीया.करे. मी. हेरे. मूट्या. त.रेट. हे. यपु. हेरे. मूट्या ता राषा सार पर कृदः सन्तेन 'या कृदः प्रेन यादे खुनः वादे दे नियान पात्र विवास मान्य प्राप्त विवास विवास विवास विवास विवास विवास **શ્રેન'ન'ખદ'ર્દેલ'મી'તનામ'ન'8ન'ઍ**કાર્વે 'લેશ'મું'ન'કે 'શ્રેર નરે 'મું'**નન**ા'નું સું'ન' त्रमात्रात्रात्रात्र त्रात्रात्रात्रात्रात्र क्षेत्र त्रात्र क्षेत्र त्रात्र क्षेत्र त्रात्र क्षेत्र त्रात्र क्षेत्र मन्दरायर द्वान्य पर विवास पर वर्ष दे हैं दे हैं विकास सर्वे हैं । हिना नहाता मु मुद्रे रदा नहीत सम सुद्र है । सेना न रहे दार मुर है । है साम में मारेना

यान्द्रा होत् या हे सूना प्रध्या में कु हित व्यव हे खेड है सेना सदे रदा प्रवेद स्व म्बर्पा दे हे हर दूर हो। वर्षे हर यहना सेदाय हैर मी वस में स श्रुट्श.च.झंटश.चटु.झॅ.वश का श्राष्ट्रका कार्याका मानु त्यका निर खिश खर चर चरे .चरे . क्युं कर् सम् न्यु र त हैर प्येर के लेका र दे के हिर दे हे क्षा महेत सं दे त्र्वास वे अर केर दर लेस क मा पर में मास धर में बुस प हिर गी छेर हैं।। लेशनुवं मिंद प्रशादनुष्ट्यम नुवन्य प्रशाद । लेशनुव क्रेंशं स् भर-र-पश्यापर विश्वापर है। जानेय में हैं हैं निय में मेर हीर रें लेश हानके सर्ने **१९२४:** हॅह पर से जुस य हैन के खेर हैं वेस सुक्ष राम कि कर नुरूप पर देश र दना में दें र है नदमा दु स् नदे ले द न महे र हें हैं हैं हैं हैं चरं.चर्,खरश्च.चूर पेश ापश्चरेट.जिश.चरं.च.वश्च,चूरा.चरा.श्चित्वश. मानेदास दे ख्रीबारा हेनाया या सेदाय दे पुर है। से स्वाय हिन ही खेर हैं बेशनु मानदि प्येत हैं।। े देन्यमान देन या है दासे न यह यह या प्येत नी महेन च दे ख्रिक्स दे स भेद दे। नाम देन हैंना मार्श्व मुन महिंद न अदि भेद अदि में रट. चर्च र.भू. चेश ता वर त्येर ता है. बु. बुश विः द्ये. त्याः ची श्रीश है। भा विश्वास ना ने हैं. मा अदः न द केंद्र हैर दु न इर हो। मार्थ हे हैं मा में में हैं हैं दे नहेंद्र के प्राप्त सीवः ्षेट देते रह प्रवेश में भेश राउद दु भट म्युक न अमेर की पह प्रेश हुन न्यर वि वर्षे रतावित में भेरा सह देहिक्दावर्षेत् में केराम के कें। दे द्रम्य म् व्यापा साध्ये दे विश्व द्वापा विषय स्थान स्थान स्थान स्थित बर्द्रअन्तात वे क्ष्या अपक्षित्व क्षेत्र मान्य विकास मान्य क्षा निकास मान्य

'तुर्'तु दुर तुन सम्भेर पक्षित्'तु सावह नहा सर लेखा तु वारे से दुर मुर अरेड न्ये केन प्रमृत पा जिन लें। ने हिन ने मान पार्मि केन प्रमृत प्रमृ **डिट दॅर्का वे केंक्स जाया ऑर्या योदे त्या हैं गाया दर्मा या सूरा या सूरा यह गाया है हा गाया है है । ।** क्षेत्र'हे। देख्युक् मुद्र'यायापह्नायमाहेदाया वे हेनायाद्रायायायायाया ं यासाप्येक के लेखान वर् भिरात्री के इंगरी या स्कार के के निकर ५'प्यदायदे'ख्यायायह्यायादेने संदायले रावेशाय-७ राकेराक्रीशाष्ट्रवाया े**दे** 'द्राद्र व्याप ने प्यादे देवी प्राप्त विकास के अपने 'ठक स्थीक सादे 'ह्या के हिन स्पर होद ्यादनायावादमेनसायर्गा 🔠 अधारकाविधारव स्वायः लेखानु वरासुरार्गा ्रम्र विना गुट वे थ व व वे व म मिर्ट वें अंश वर र ये य वेद थ से नाम मिर्टी। ्रथमः विकासः देरकासः स्वारास्य के अद्भारता । व्यवसः स्व क्रार्क्षण्या सर्वेदः स्वतः । व्यवसः स्व क्रार्क्षण्या विर विश्व व त त श्वा श च देवे इस चर व मेवा व देवे सह र देवे । विनामीत्रास्त्रमित्रमित्रारुक्षारुक्षात्र वत्रवामाराधिकार्विके क्स'रे'विमात्मे भाषाचे दाया पद्मा हेदा ग्रीका दे सा वदीर भारती के मार्च प्याप्त हुस्ताताला, बुरा ची. चार्याचा ता हुर्या ची चार्याचा हुस्याचा त्या है। दिसा चीरिया ं न म म र्स न्य पत् सक्र के प्रकार के मान प्रकार के मान क्रिया में के ह्र्ये,विकातपु,जर्भाक्री,वर्षेत्राची,कार्लुक्षेत्राची,चर्माक्षाची, ् लूट्स.श्रुट्र.त.७स.चे.च.च्येट्ट.चक.चश्चेट्र.त मृ.चट्र्र.त.७सश.श्रे.श्चर. ्रेन्डन् मुन्द्रमा स्राप्तिका श्रुर्वे मार्था अमा ्रिक्केश.मदीक्रियानस्य क्रिंग्की.तथाक्रीक्षानिश.म.भूग.यू. खे.यो - पर्ट्र पर्ट्र पर्ट्र पर्ट्र

मीस'यहनाम भेदायरे क्षेत्रस्ट लेस ग्राया ह्यास है। 📑 वर्दर यहे द्वार नीस वहना मानाराधिकायादे वे त्यहरू की दस्रायरा ह्यीका सामाराधिका हो। दसेर व द्वीर व द्वीर व पश्चामु नुर्देश के दे दूर करे दूर दे दि दे दे दारा के की हर्त है शानु न व स्वाहर लेब लेब नु न के झ त नम न न ले र्जिय पति नु न पाय न के ब पति। सकेन खर् में के खर मी लेश में न के महिम्स या स्वास मा खरे न में नास मा उठ हैं। दे प्रसाद मान्द कें नास पर से सारेस पार्येद कें विकास व दे पर्दे पर दे द्वार मी ... तहनायाध्येत्रायते क्षेत्रार्यः वृष्यानु नित्राक्षेत्राया क्षेत्रा वेषा वाष्येत्रा वृष्याः ् चु:पदे:र्वर्हाः दे:बे:पदाश:चु:ब्रं:क्ष्याम:मह्द:पदे:खेर:खेश:च:प:स्वाध: मन् द्वारास पर्टत प्रत्यासूर् हेर हेर प्रति दि लेश मु न मा स्नाय पर पर हर । । धर नेद च व व्यव्या होते के व व केर दर कर केर व दर। प्रमाण व दर हिटालमा अर्खन्य पार्वट याहै असार्मीय महिगामी व्यसाय हूँ कैंग्या पर्दे॥ द्यो प माठेवा मो प्यट ह्या र्ह्मेवाश परे प्रदेश गु प्येत हो। गुर दश हेत संस्था मत्रीत्रम् तास्त्राह्मे ह्राम् । वास्त्रामी लेखानु न हे ब्राप्त स्वापायते सह (१९८ ग्रार वस देव स्प्रांच चतु नचसाच है। भूनास चाना लाल्ने चाने सारे सारे सारे सार दशायार्श्वन्यायदेश्यार्वद्राष्ट्रेराद्ये हेराप्येदार्थे। प्रत्यात्त्वेतात् वेतात्वेतात् द्रेदा मर विश्वायातात्रविश्वास श्रास्त्रीमा पान्त्र के देशाओवायशानियामा लेव वा हे दि **दन्यायायायायाया** द्वारा वुः द्वार्था क्वार्या क्वार्या हुन दादन्य वार्यात्र तर्रे। त्यंश्वराद्रात्र्याच्याप्रेया परारेश्वराधाः वेशाता वर्ताता वर्षाता वर्षाता वर्षाता वर्षाता वर्षाता वर्षाता

च माहेगा रचेरा यह तेरा यह हेर के किया ना कर ला हे र त्या या ना अटा स्वसात का र्श. क्षेत्र. ता. पट्टेर. तर र वेश. ता. हेरे. त्रेर. ता. रे. केर. था ्रश्चेर. पा. पहेश. ता. लाहा वि तर पुर प्रत्यकार प्रभाकार प्रतिकृति स्राप्त कार्य । स्राप्त कार्य । प्रतिकृतिकार स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप · अमस शुःर्ह्यर प्राथमा देवे प्रवृक्ष वु उत्र हिर ग्रै । शक्ष से दर्दि वा चर पा है । सु म्मो य दर्दे य रे दास्य मु उद मार प्ये र य रे अद हे हर प्येद है। दिने य दे - शे. ४र्ट्र. तपु. पर्यंत्र. ये. १९११ मा. १९५ त.लूबे,बे,ट्रे.ज.झे,उर्वल,च.ल.श्चेश.वर्ड केंचे,वर्कल वुट तथ.केंच वर्ष मांची.... मार्द्र-वामा प्रमान स्थाप वामान स्थाप वामान स्थाप मार्द्र-वामा स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य पत्रभावः नात्रभृत्योसः प्रयापः भारते माध्यकः विष्या । कित्र ना स्वर्धासरः ं मु नदे छुर न्या हे झुक् हेना मेर्नाय के मुद्राय र प्रिंत यर प्रेंत या र र से दा स्वास्त्र से लेखा. चित्रात्मार्थित्र वार्धिकार्थे॥ देश्चेद्रात्वेकानुत्रात्मार्थेनान्नेद्रा त मिश्रानर होर नश होर नर्। मि रर नाम स द्वीराय कर लेश से न े **दे.३.चर.प्रदेशतर.ची.र.च.इस.शे.भधेर.चर्.पस.**तस.चंट.च.कर.ब्री की.स. दे केर मुंब न बुद न द न व प्याप केर वें लेख मु न के मुत कर केंद्र में द स माने ही मी ं महिना महा शक्त इसका बदाया संभित्त है विकानु नादे हैं दा मुद्देश कि है दा विका वि.च.ज.स्चेबल.चस.चसम.च.दम च.चाकेस.स.ट्रेच चर.वेद.चर्चा 💛 वेंस्त.च. ं पड़ेस.च.६४.३८.४.परंचंश.चे.चांबर.ज टुश.चड्र.जंश.क्य.क्य.वं.चंबर.टं.हर. ः च हेर ज़िस स् ॥ अस. में विश्वास के कूनेश त. ट्रेड्ट कुर कुर खेख के समार हॅन्यान न्हें साम्या विभाग्ने प्राप्त मान हें द्वा न स्वाप्त मान स्वाप्त स्वापत े वैंशान, बट, तंत्रे, सुंचीश, सुंच, नान्त्रुव, स्र्वा। स्वेच, नार्जिंग, श्वेट, नाःचीह, पार्ट, नाःचे,

पार्ने सिरं हुरा नेत्। ईचा पर्तम क्षरा चार कर लार ने लेव जा विश्व क्रिया मिर्देर केमस से सिंद, या कुम, लंद, लंब, मध, या ले साचे , या साथ हुई, या रे । । दे विवस्य वु वस्य केट वर् वर वु वर कुर्य व निराय मेर यारे थारे भर् डेश नुर्दे । यश न्वा १ ५५५ छ । नु न दे न य है न य है र ने पर र र न विश्व है मी रगर द्वरा नाल र के र पर्दे र पर प्रचुर र लेखा उर ये रेदे हैं। रगर द्वर देश<mark>्यस प्रत्यस तुः</mark>भेर लेस तुः च के गुरु दस हेर्द्र संदस च अस कुँ प्रत्य स तुः हे**र्**ट्र **৭**বৃহ্নির্মান্ত্রী করে বর্ত্তী ক্রান্তর প্রায়ার ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর 'त्यु**र'र्सा ने'यस**'तुष य'**२**डेस'य'२ष'वर'य'२स'सीर'ने'वेस'युपर'सुर'र्स् **न्वेर क्ष्मर ने अस ग्रे प्रमाय का मार्च र लिया मार्च के न्वे अप के की।** वसःग्रे त्रवस्तु न्त्रवस्त न्त्रवस्त न्त्रवस्त स्वा ने वस्त ग्रेट ह्याद ने विस पट्टेश यात्रमः त्रन् रायन् वर्षा वर्षा वर्षा वरातुः वर्षा वर वर्षा वर् ब्राच्याना त्या के त्राच्या स्ट्रा विद्या समायर रहे । या विद्या विद्या विद्या न्गर मुन हैन न्द नुष्य य पडेस य न्द बन यते कु हैन या यस के कि प्रवस्त स्मा ल्युं च हेर् के सिव वा लेड्ना च रेर्टर र गम वा भरा संपाकी रखन वा हेर् **लेक्सारे** इंद के विकासर हितास विकास प्रति । गु प्रवस्त व वे अदा दूरमा स्वरं मा स्वरं भा दे भदा के व दर में देवी के देवा दिए देन भारत की श्वाही सुर देन र विचार भव स्वर देन विचार माबर्भर विर्मिर व्यानिस्तित्र हैर्डि विर्मित्र विर्मेश्वर विष् हे कैंस अप मारे में हो है पर देन पर हिन के मेर पर पर

मानुसायर प्रचुर मी लेस मु पाने हो में पान्य प्रचे हैन मी राम में हैन मी राम में हो मी सी राम में र्घर विश्वादा देवी ता दे अर क्षेत्र हुं लेश वि व दे दे दवा जस भेदा प्रसास हर विश्वा माकुर्गु खुर्र्स्। सम्बन्ध पर प्रदेशमा लेखन विद्यान देशम पर प्रदेश गुः मुः श्रेन्याया स्वारायाया महित्या अव हिं लेसा मुः मदे नाम नहित्या । **त्रम्यात्र्यः प्रमात्रे क्रिक्षेत्रः प्रमात्रः स्रम्यः म्यान् वर्षः प्रमान् वर्षः प्रमान् वर्षः प्रमान् वर्षः** । दे ही नरे रुषा कर मेर परि हीर री। पर्टम स्वाप्तर्था हर मा हेर रु हु हु न न ब्राम्य तम् न विकास वि नर वि.चं. १ वि.चं. १८ वि.चं. १८ विष्यः ते विषयः यते परे पर गुक प्रमुद्द द्रायम द्राय क्षाय लेखा मु नते देव है। त्रम वर मुर पर क्रिंच सम देश में पर के पर पर पर में रेड में व से हा मे कुर्यक्रियार्दा अ.अस.विय सराभिक्षिय स्थित श्रीय श्रीय कुरा वृह्म हि.य.हर. **१८। वर्षः मः १८। मः अभः प्यदे प्र्यः १४: २**: २न मश्चिमः मुक्षः सिरः परः 5.35.नम्ब. कि.नम्ब के.नम्ब हे.ने चि.च.३५.नम्ब स्वास्त्र मान्यास्त्र मान्यास्त् पर सिन्दे पदे पदे पर निवेश मा केन के सिन्दे पर मिन्दे पर दे मिंद के दे दिया वर्ष या दिया माले स्थाप के मिदायर मिदाया मिताया में। श्चैय.तष्.श्चेष्र.ह..च्.श्चैय.तर.वेर.त.भूष.वष्ट.खेर.स्। ट्र.क्रेर.क्रे.खे.द.भीय. त.मैंच.त.लूब.ब्. (बुश.चे.च.श्रूंश.श्रा किर बु.खेश.च.च.लंबाश.जर्भ.चर्ड्येग. शु.क्र.त.रेट.क्रं.त.बुश.च.न्र.ट.टे.वर्झ.च.ह्रं.ह्या ट्रे.च्रं.क्रं.च्रंस.तस.

है नध्नास न रे र्वे हैं। हैं। नह र परे केंग ने स सुर हेंन प से र पर र । मालुमाधिर्दे देव वे स्टामी मुं हैन नहार नमान हव हो। इति व हेन महिन म.ज. श्र्योश्व.तश्च.वर्श्च.कर्थ.जर्थ.जुरतर. कु.डेर.ट्र्योश.तर. वे.खे.थे। हे. मिं क हैन सिंह है। दे हिंद है सिंह सिंह सिंह है। दे मिं क हेन सिंह है। बैं क्षेत्रसम्भानित्रुं न यस हेस सु न्यमाय प्येत के लेस एक रायर वर्गुराय प्र हिरार्गा नाराना होरा पर्देश हार प्राप्त की प्राप्त कर साम प्राप्त कर मारा कर की प्राप्त कर साम प्राप्त कर साम प्राप्त कर साम कर की प्राप्त कर साम कर इंदे: ख्रैर देदे: अधिक पासुक के अ' बॉना पर हो अ' खु र वॉना पास्के ओ। दिश्व-च-दश्व-देश-च-द-दश्य च-हो चे-क्रुंश-से-द--ह्यू-प-वश-चर्य-पद-भम्रिके.त. हुं श्रास्त्र प्रत्ये प्रतामा स्वेश मि. चार अ. चर राष्ट्र प्रतामा स्वेश सामा स्वापन स्वापन स्वापन स यास क्षेत्र चानाट क्षेत्र च दे दे देश समामाया चरे हो देश हे त पर कुरा चार के हो। न्यापः कि.सी.प्रचामाना सुर.ता.खेश.ची.चय. देश.तर.चयर.त व.चार्ट्र.ता सुर.चस. **ब्रिस:**नु:च:क्रेद्र-दें। इस:च:र्स:वन्तुर:च:सेर् ध:वस:चर्द्र-ध:मध्राः पर्व पर्व सिवि प्राहिश हार्या द्वार पर्व वे लिश नु वे स्मिर्म प्रेश वे । मार्थ हे तना या या खेर पा प्यार है व्यूर प्येत्र (बे का क्रिंग पारे प्रस्तु प्याप्त प्यान रन्। सर् दे हे दूर। त्वरस गुस नहार पदे हे दूर। सा नहार पदे हे दूर। क्रेंग्रास क्षु प्रवर्त पाय स्वामा परि वितास में साम प्रमास प्रमास क्षेत्र स्वा त.लट.चट.लुब्रचट.मु.भु-र्जुब्र.च.सट्य.चर्याया.धन्य.च.भिष्टे च.भुब्र.खु.या ं खिसाय देविदेदालेमानु नाय स्वासाय क्रिंध है। वर्डे मास्त्र प्रदेश मारे सदरावा माध्येष है। वनमाञ्चार्केनमानसानदेवानानवे मुंद्रायर महीरायी हीरायी।

देवे कुर मा खु सामा मित्र याहे स खु द्वेना मा प्रेश में 'बेस' मु नर खुर में। देवे हिसासु र्खेन पाप्पेद दें लिस नु न दें नहें मह्द हर कर के हिस सु र्खेन खरे हें र री। झुन हेना झुन पते तहेना र्केंट सु स व लेखा नु न के महिन पर पद्मा मा मुन को । न्या र वे नरे पर न वे र य त व य वर मुर य है र की ये में स्थाप के अर्ड र है र क्रिये.न.ट्रे. हीर बिम.चे.न.ज श्रूर.न हीं श्री मीर्य विमास्त्र का स्थानक नर्य. ्यमग्नार प्रेक् च दे प्राव्क मी र्दे प्रेक् मी र्दे मा प्रेक में क्रिय है हिस् क्रिया है ্বংবিশ্বং বৃ বা বুই প্রীশ্বাশ্বংশীর বি প্রেশ্য প্রবৃত্ত প্র প্রাক্ত বার্লি र्श्वराया दे भारत न प्रश्न के लेश ब न रे दे के हैं। दे प्रशास के वर प्रश्न व र्द्र 'बेस' व व देन्यु व 'छेर क नस प्रयासित छेर र्द्र 'बे घ व व वर्ष 'दे स व न प्रव र वर त्युर व हिर भेर वदे छैर र्सा मार दे वर्ट हुँ मध हा व नुमार पर ्रेंद्र,ता.म.श्रुच्था.वर्षु भीचेर.पा.खेश.ये.प.व. प.व्या.चव-परश.श्रुच्यायार. **सदमः मुखः भर्देः देः अः च गः ५: धुन ४: देशः ३ वः । वेदः हेर् ४: वेदः १ वेदः । विदः । विदः । विदः । विदः । विदः २न'नीय'८२' हे**न्**यर्ग्यर'द्व'यर स्थ**'बुब'यस'व'मिं से खिटासे ह्यु'यस'य र ह्यूंसस' श्चानवुन्यानायान्येन्यायानात्वीरार्यः वेशानुःचायार्थन्यायरे र्द्वावसूर्याः ब्रेन्ट्रा अंशवाक्व लूट्बा शिक्षान न होता पर होता पर है हैं लिया है प है वयायर हुँ व पर सहर पश । अहू व पर पर्टे का छे श है से ब हु र से प र्श्चे वस स्रोधमा उव दममा प्रदेश शुक्री वर महिर् यदे खेर हो। हे वे देवे

बर्बस व ने डमान ने न में प्रमान ने लिया है न न ने मुन्य स के दे न न ने मुन्य स व हु हमा नवेर नर त्युर न संभित्र के विश्व वर्त हैं व है। त्येश वर्त के से वर्त के तर्तर य हैंदे य दे हे नश्च य प्यर् के हिर य हिन्श य क्षेत्र हिन य प्यक्र य। र्द त्नाय न अद्युन न हेर्ना य उन स सिन्य हैन सन पार हेर हिन यर त्र के के त्र हे निर्माण ने सामके साथ के त्र के त् त् . दे. लट. मी दूम न बेब रे वे में माम सब सर न बेर मा हैर रेट महे मर में वे माम 84 B. 84 4.37 AL MA. 4. 3. 82 N. 32 2 3. 42 8 2. 4. M. 4. 4. 3. 36 क्षेर द्वाराश प्रदर्भ पार्श से निता देते हैं र में सार आप है पर है ଜ୍ୟ ପ୍ର'ପ'ନ' ଖୂର୍ଯ୍ୟ ନ୍ୟୁଷ୍ୟ ନ୍ୟୁଷ୍ୟ ନ୍ୟୁଷ୍ୟ ନ୍ୟୁଷ୍ୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ୍ଥୟ ଅନ୍ୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ୍ଥୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ୍ଥୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ' ନ୍ୟୁଷ୍ୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ୍ଥୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ୍ଥୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ୍ଥୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ' ସ୍ୟୁଷ୍ୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ୍ଥୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ୍ଥୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ' ସ' ସ୍ଥୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ' ସ୍ଥୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ' ସ୍ଥୟ ଅନ୍ତି ବ' ସ' ସ' ସ' ସ' ସ' ସ' ସ' ସ' ସ निर्वेश्वसः पर्दे क्रूना में सः नहेश सः त्रेश सः । व्रितः परः वेरः सः परः पर्वशः समः वै त्यम म्माम या ह्यु न पर छेर प केर पद हुर ही माय है वे केर दाकृदामु क्रिया हे सुर क्रिया महास्या व र्षित् ले ते दि प्रार्थित स्थाप के लेख व.च.ज.ध्येश.त.श्रॅश.श्र्रा भट्ये.चर-श्रेंट्र.चर् श्रू चेश्वट.च.च्.ट्रे.केट.पेट. त्रज्ञांच का सब सर सहरे त हेर रेट चरे रूर मोजेशक सहरे क्रूच रेच मीक सिंच य लुन, खुन्न, पन्ने बुन्। वीयाने, पन्ने, पन्ने, पानेट, खुन्नाने, पन्ने, पन्ने त.श्रुम.श्र्रा नेन व लेम न नर हुर रे ॥ ह अन न नन र मेरे पर्वे न लेस न न ने ने न न न स'द्रायदेव''यत् इद्'य'द्रादे देवास'य'द्रादेश सु'यह विद्या के

प्राप्त प्रमुं भाग ति स्व क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र

🐐 🗚 मुंस है : पर् कु : सर्कें : र्रे : नहेन : 🔰 । नहिंस : पर सम्र : कूल.क्षेत्र.रेज.उचवल प्रीट। । शूच चा.चाच्चचल भ.टु**ल.ग्रे**ट.रेच.चोशेश.ची॥ इ.भ.त्र्रदश पविर.जनश.चन्तर.वर्रेट.इ.चरी ारतर.रे.चर्चेब.तपु.रंश.रंगर. स्रुटार्स् दे मधुर्य। ।प्यटार्ना क्रिंग ग्रुव्हा क्रिंद्र स्रुन् स्त्रा ।नार्द्र राष्ट्र कुर खरे वर्षे ताम खराया | दियायेग्रस क्रि. वर्षे ता र्टर वर्षे र्वेच विश्वायात्रे अटारेट नुशासिराश्चर गुशामुरावक्षण्याये ग्रा हो ते ह्रीया ह्रीत् से पत्र परशामादसा हिंदशा ऋशा स्व ही हिंद ने सेवान ने पद्भाग हेवा र्च के हेदार्स दे हूटाया सूर प्रयम् याने है औटा मी स्निमा सार्वसानु हमसा हेसा यर नुष्रा व्हें र दर वें र दे य दे में में महें के के में ना मार्ग पर ने केंद्र ८ कें ज जुरे हुँर न के हिर ने न कर न कर मा की मान की जुर रहा है ने नि क्रिंगुरु अर्द्धे 'सूर' वह त्यायाय दे दिना सूना सेदार के लिया वियास में प्राप्ताया রং বু বছর বর ম হামুহ সংস্থেহ বর্ষি **বার্**ষ দির বীদ্রের ব্যার বর্ষ বর্ষ প্র ८८५ .लट.बेंच.च८.६७८ टेजूट्ब.इ.स श्रुट.च ८४.वेंब.धी.४सुज.च ८८.। पह्म म्रीट क्रटश नदु, हिर्ष यात हु, भर बु, यह, जम, हुर्। क्रा पड़े र पेंगे. श्रुष्टेत. द्वाट अनाश स् ग्रेय वहा मिहार क्रिय हा प्रस्ता प्रस्त प्रस्ता होता है जिन हो स्वीहा है निवाह के स्व केद रु रुमेनास वर वस्त मुकासम् रिस हेर गु मार्स्टर व द्वार्पर प्रमान र्टाच श्रुर विचुर निट व्यव र श्रुर केंबा पर दिनो वर्षे वे श्रुर केंबा पुर प्राची कि